हरियाणा विधान सभा
की
कार्यवाही
20 मार्च, 2023
खण्ड–1, अंक–6
अधिकृत विवरण

विषय सूची
सोमवार, 20 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

भूतपूर्व सांसद एवं भूतपूर्व विधायक तथा हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्य तथा उनकी बेटी का अभिनंदन

इंडियन मीडिया सैंटर, हरियाणा द्वारा लाए गए हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र एवं वरिष्ठ पत्रकार का अभिनंदन

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

सदस्य को नामित करना

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

राज्य में भारी बरसात और ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों की गिरदावरी करवाने का मामला उठाना

प्रश्न काल में तारांकित प्रश्न संख्या 71 न लगने संबंधित मामला उठाना

सदस्यों की अनुपस्थिति के संबंध में सूचना देना

शून्यकाल में भाग लेने के लिए सदस्यों के नामों के संबंध में सूचना

ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के बारे में सूचना देना

शून्यकाल में विभिन्न मामलों/मांगों को उठाना

नरसी मौंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, चण्डीगढ़ के विद्यार्थियों का स्वागत

शून्यकाल में विभिन्न मामलों/मांगों को उठाना (पुनरारम्भ)

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनंदन

शून्यकाल में विभिन्न मामलों/मांगों को उठाना (पुनरारम्भ)

बैठक का स्थगन

वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा पुनरारम्भ

चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोड़िया खेड़ा जिला फतेहाबाद के विद्यार्थियों तथा अध्यापकगण का अभिनंदन

वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

विधायी कार्य

(क) (विचार तथा पारित किये जाने वाले विधेयक)

1. हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधयेक, 2023

हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 को स्थगितकरण करना

विधायी कार्य (पुनरारम्भ)

2. पंडित लखमी चंद राज्य प्रदर्शन और दृश्य कला विश्वविद्यालय, रोहतक (संशोधन) विधेयक, 2023

बैठक का समय बढ़ाना

विधायी कार्य (पुनरारम्भ)

3. हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (संशोधन) विधयेक, 2023

(ख) (पुरःस्थपित किये जाने वाला विधेयक)

हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) विधयेक, 2023

हरियाणा विधान सभा
सोमवार, 20 मार्च, 2023

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 11:00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री ज्ञान चंद गुप्ता) ने अध्यक्षता की।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब प्रश्नकाल शुरू होता है।

.....

जलभराव की समस्या का समाधान करना

***61**. **श्री कुलदीप वत्स :** क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे किः–

(क) क्या यह तथ्य है कि बादली विधानसभा निर्वाचनक्षेत्र के गांव बादली, देशलपुर, बुपनिया, शाहपुर, गंगडवा, लुक्सर, सुरेहती जगरतपुर, खुड्डन, छप्पार, मुन्डाखेड़ा सिलाना, सिलानी, सुबाना, चांदोल, ढाकला, अहरी, सोंधी, जैतपुर, न्योला, देवरखाना, बाढसा, कासनी, पटोदा, लोहारी, कुलाना तथा कोका के खेतों में मानसून तथा बेमौसमी बरसात के कारण जलभराव की एक बड़ी समस्या है; तथा

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा उक्त समस्या के समाधान के लिए क्या पग उठाए गए तथा उक्त समस्या का स्थायी समाधान कब तक किए जाने की संभावना है तथा उसका ब्यौरा क्या है ?

@मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) :

(क) हां, श्रीमान जी। इन गांवों में मानसून और बेमौसमी बारिश के कारण पानी जमा हो गया था।

(ख) मौजूदा बुनियादि ढांचे में इलैक्ट्रिक पंपसैट/डीजल पंपसैट लगाकर बाढ़ के जमा हुए पानी को बाहर निकालने के लिए उपचारात्मक उपाय तैयार किए गए और लागू किए गए। विवरणी सदन के पटल पर रखी गई है।

विवरणी

1. **बादली :–** इस गांव की सिंचाई दुल्हेड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी के माध्यम से की जा रही है। इस वर्ष इस गांव का लगभग 45 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था और जिसे अस्थाई तौर पर 2 इलैक्ट्रिक पंप सैट और 2 डीजल पंप सैट लगाकर दुल्हेड़ा डिस्ट्रीब्यूट्री में निकाल दिया गया। इस गांव के किसान लगातार अपने खेतों से मिट्टी उठा रहे हैं और उसे ईंट के भट्ठे पर बेच रहे हैं। इस प्रकार के स्थान के लिए, जल निकासी का कोई स्थायी समाधान संभव नहीं है, हालांकि किसानों को बाढ़ से बचाव के लिए गड्ढे खोदने की सलाह दी जा रही है।

.....

@उपरोक्त प्रश्न का जवाब कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल) द्वारा दिया गया।

2. **देसलपुरः–** गांव देसलपुर की सिंचाई डाबोदा माइनर के माध्यम से की जा रही है। यह गांव डाबोदा माइनर के अंतिम छोर पर पड़ता है। पूर्व में, बरसात के मौसम के दौरान नहरी पानी की मांग कम होने के कारण किसानों ने आउटलेट बंद कर दिए थे और
जिससे अतिरिक्त पानी अंतिम छोर तक पहुंच गया था और इस तरह उक्त माइनर ओवरफ्लो हो गया था और गांव देसलपुर के पास के खेतों में पानी जमा हो गया था। इसका स्थायी समाधान निकाला गया है जिसमें पीवीसी पाइप लाइन बिछाकर डाबोदा माइनर को सराय औरंगाबाद कसार लिंक ड्रेन से जोड़ने का कार्य दिनांक 30.06.2022 को 76 लाख रूपये की लागत से पूरा हो चुका है। मानसून 2022 के दौरान, इस गाँव का लगभग 20 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था और जिसे 2 नंबर इलैक्ट्रिक पंप सैट लगाकर सराय औरंगाबाद कसार लिंक ड्रेन में बहा दिया गया था।

3. **बुपनिया :–** बुपनिया गांव की सिंचाई पुरानी बुपनिया माइनर के माध्यम से की जा रही है। यह गांव पुरानी बुपनिया माइनर के अंतिम छोर पर पड़ता है। मानसून 2022 के दौरान, इस गांव का लगभग 50 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था और जिसे 3 नंबर इलैक्ट्रिक पंप सैट लगाकर कुलताना छुड़ानी बुपनिया (केसीबी) ड्रेन में बहा दिया गया। इसके अलावा केसीबी ड्रेन के किनारों को मजबूत करने का कार्य प्रगति पर है और इसे 30 जून, 2023 से पहले पुरा कर लिया जाएगा, जोकि आगे बाढ़ नियंत्रण में मदद करेगा।

4. **शाहपुर :–** गांव शाहपुर की सिंचाई डाबोदा माइनर के माध्यम से की जा रही है। मानसून 2022 के दौरान, इस गाँव का लगभग 20 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था और जिसे एक डीजल पंप सैट लगाकर कुलताना छुड़ानी बुपनिया (केसीबी) ड्रेन में बहा दिया गया था। इसके अलावा केसीबी ड्रेन के किनारों को मजबूत करने का कार्य प्रगति पर है और इसे 30 जून, 2023 से पहले पुरा कर लिया जाएगा, जोकि आगे बाढ़ नियंत्रण में मदद करेगा।

5. **गंगरवा :–** गांव गंगरवा की सिंचाई गुभाना माइनर के माध्यम से की जा रही है। मानसून 2022 के दौरान, इस गांव का लगभग 170 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था और जिसे 3 नंबर इलैक्ट्रिक पंप सैट और एक डीजल पंप सैट लगाकर केसीबी ड्रेन में बहा दिया गया था। स्थाई समाधान के रूप में पाइप लाइन बिछाने की योजना के तहत 128.30 लाख रु. की राशि हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 54वीं बैठक में जमा हुए पानी को निकालने के लिए की स्वीकृति दी गई है।

6. **लुकसर :–** इस गांव की सिंचाई गुभाना माइनर के माध्यम से की जा रही है। मानसून 2022 के दौरान, इस गांव का लगभग 30 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था और जिसे एक डीजल पंप सेट लगाकर केसीबी ड्रेन में बहा दिया गया था। इसके अलावा केसीबी ड्रेन के किनारों को मजबूत करने का कार्य प्रगति पर है और इसे 30 जून, 2023 से पहले पुरा कर लिया जाएगा, जोकि आगे बाढ़ नियंत्रण में मदद करेगा।

7. **सुरेहटी :–** आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 के दाहिने किनारे के निर्माण का कार्य को 50वें हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड में स्वीकृत किया गया था और यह कार्य दिनांक

30.06.2022 को पूरा कर लिया गया था। जो आस–पास के क्षेत्रों में उक्त ड्रेन के किसी भी प्रकार के ओवरफ्लो को रोकने में मदद करता है, जोकि पूर्व में एक नियमित रूप में होने वाली घटना थी। मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 200 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था। प्रभावित भूमि, जो आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 के आस–पास थी, को आउटफॉल ड्रेन नं0 8 में सरप्लस सतही पानी को गुरूत्वाकर्षण प्रवाह के माध्यम से स्वाभाविक रूप से पुनः प्राप्त किया और दूर दराज के क्षेत्रों के लिए 5 नंबर इलैक्ट्रिक पंप सैट और 2 नंबर डीजल पम्प सैट लगाये गये थे और सरप्लस पानी को आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 में बहा दिया गया था।

8. **जगरतपुर (जरदकपुर)** :– मानसून 2022 के दौरान, इस गांव का लगभग 50 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था और जिसे 4 नंबर इलैक्ट्रिक पंप सैट लगाकर केसीबी ड्रेन में बहा दिया गया था। इसके अलावा केसीबी ड्रेन के किनारों को मजबूत करने का कार्य प्रगति पर है और इसे 30 जून, 2023 से पहले पुरा कर लिया जाएगा, जोकि आगे बाढ़ नियंत्रण में मदद करेगा।

9. **खुदान** :– मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 34 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था। खुदान लिंक ड्रेन का निर्माण 73.00 लाख रूपये की लागत से किया गया था, जो जाहिदपुर माइनर की बुर्जी संख्या 17000–दाएं में गिरती है और जमा हुए पानी को 6 नंबर इलैक्ट्रिक पंप सैट, एक वर्टिकल टर्बाइन सैट लगाकर खुदान लिंक ड्रेन के माध्यम से बाहर निकाला गया।

10. **छप्पर** :– मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 14 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था। इस जमा हुए पानी को 4 इलैक्ट्रिक पंप सैट, एक वर्टिकल टर्बाइन सैट लगाकर सालावास लिंक चैनल के माध्यम से निकाला गया था।

11. **मुंडा–खेड़ा** :– आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 के दाहिने किनारे के निर्माण का कार्य 50वें हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड में स्वीकृत किया गया था और यह कार्य दिनांक 30. 06.2022 को पूरा कर लिया गया था। जिससे आसपास के इलाकों में उक्त ड्रेन के किसी भी प्रकार के ओवरफ्लो को रोकने में मदद मिलती है जो पूर्व में एक नियमित घटना होती थी। मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि–सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 103 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था। प्रभावित भूमि, जो आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 के आसपास थी, को आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 में सरप्लस सतही पानी जो गुरुत्वाकर्षण प्रवाह के माध्यम से स्वाभाविक रूप से पुनः प्राप्त किया गया था और दूर दराज के क्षेत्रों के लिए, 5 इलैक्ट्रिक पंप सैट लगाए गए थे और सरप्लस पानी को आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 में बहा दिया गया था।

12. **सिलाना** :– इस मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की 24 एकड़ भूमि जलमग्न होने की सूचना मिली थी, एक इलैक्ट्रिक पंप सैट लगाकर इसे निकाला गया था। इसके अलावा जमा हुए पानी की निकासी के स्थाई समाधान के रूप में पाइप लाइन बिछाने की योजना को, हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 54वीं बैठक में 138.90 लाख रूपये की लागत से स्वीकृति दी गई हैं।

13. **सिलानी :–** आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 के दाहिने किनारे के निर्माण का कार्य 50वें हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड में स्वीकृत किया गया था और यह कार्य दिनांक 30.06. 2022 को पूरा किया गया था, जिससे आस–पास के क्षेत्रों में उक्त ड्रेन के किसी भी प्रकार के ओवरफ्लो को रोकने में मदद करता है, जो पूर्व में एक नियमित घटना थी। मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 10 एकड़ का क्षेत्र जलमग्न हो गया था। प्रभावित भूमि, जो आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 के आस–पास थी, को आउटफॉल ड्रेन नं0 8 में सरप्लस सतही पानी को गुरूत्वाकर्षण प्रवाह के माध्यम से स्वाभाविक रूप से पुनः प्राप्त किया और दूर दराज के क्षेत्रों के लिए एक इलैक्ट्रिक पंप सैट लगाया गया था और सरप्लस पानी को आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 में बहा दिया गया था।

14. **सुबाना :–** गांव सुबाना की सिंचाई कमान ढकला माइनर व सुबाना माइनर के माध्यम से की जा रही है। गांव सुबाना के बरसाती पानी की निकासी का स्थाई समाधान करने के लिए वर्ष 2021 में एक भूमिगत दबाव वाली पाइप लाइन 392.78 लाख रूपये की लागत से बनाई गई थी। इस पाइप लाइन द्वारा जमा हुए पानी की निकासी जहीदपुर माइनर की बुर्जी संख्या 5385–बाएं में होती है। मानसून 2022 के दौरान, अत्यधिक वर्षा के कारण 240 एकड़ का क्षेत्र जलमग्न हो गया था, जिसे भूमिगत दबाव वाली पाइपलाइन के माध्यम से जाहिदपुर माइनर में निकाला गया था।

15. **चंदोल :–** स्थायी समाधान के रूप में कासनी माइनर एवं भिंडावास लिंक ड्रेन के पिछले हिस्से को जोड़ने वाली पाइप लाइन डालने का कार्य 30.06.2022 को 110.79 लाख रूपये की लागत से पूर्ण किया गया। मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 40 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था। इसे 4 नंबर इलैक्ट्रिक पंप सैट लगाकर कासनी माइनर में निकाला गया था, जो अंततः भिंडावास लिंक ड्रेन में बहा दिया गया था।

16. **ढकला :–** स्थायी समाधान के रूप में कासनी माइनर एवं भिंडावास लिंक ड्रेन के पिछले हिस्से को जोड़ने वाली पाइप लाइन डालने का कार्य 30.06.2022 को 110.79 लाख रूपये की लागत से पूर्ण किया गया। मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 295 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया। 12 नंबर इलैक्ट्रिक पंप सैट और एक डीजल पंप सैट लगाकर इस पानी को कासनी माइनर में निकाला गया, जिसे अंततः भिंडावास लिंक ड्रेन में बहा दिया गया था।

17. **अहरी :–** मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 18 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था। सुदान लिंक ड्रेन का निर्माण 73.00 लाख रूपये की लागत से किया गया था जोकि जाहिदपुर माइनर की बुर्जी संख्या 17000–दाएं पर पड़ती है। एक डीजल पंप सैट लगाकर जमा हुआ पानी खुदान लिंक ड्रेन के माध्यम से निकाला गया था।

18. **सोंधी :–** आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 के दाहिने किनारे के निर्माण का कार्य 50वें हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड में स्वीकृत किया गया था और यह कार्य दिनांक 30.06. 2022 को पूरा कर लिया गया था। जिससे आसपास के इलाकों में उक्त ड्रेन के किसी भी

प्रकार के ओवरफ्लो को रोकने में मदद मिलती है जो पूर्व में एक नियमित घटना होती थी। मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 10 एकड़ का क्षेत्र जलमग्न हो गया था। प्रभावित भूमि, जो आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 के आस–पास थी, को आउटफॉल ड्रेन नं0 8 में सरप्लस सतही पानी को गुरूत्वाकर्षण प्रवाह के माध्यम से स्वाभाविक रूप से पुनः प्राप्त किया और दूर दराज के क्षेत्रों के लिए 5 नंबर इलैक्ट्रिक पंप सैट लगाये गये थे और सरप्लस पानी को आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 में बहा दिया गया था।

19. **जैतपुर** :– मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 9 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था। इस जमा हुए पानी को 2 इलैक्ट्रिक पंप सैट लगाकर सालावास लिंक चैनल में निकाला गया था।

20. **नेओला** :– मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि–सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 20 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था। एक इलैक्ट्रिक पंप सैट को लगाकर इस पानी को सालावास लिंक चैनल में निकाला गया था। 144.10 लाख रुपये की लागत से नेओला पाइपलाइन के निर्माण के कार्य को 53वें हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड में स्वीकृत की गई थी और जिसका कार्य प्रगति पर है और 30 जून, 2023 से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

21. **देवर खाना** :– मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 10 एकड़ का क्षेत्र जलमग्न हो गया था। यह संचित पानी गुरूत्वाकर्षण के कारण देवर खाना जलाशय में एकत्रित हो गया था जिसका कार्य दिनांक 30.04.2022 को 110.16 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हो गया था। जलाशय से अतिरिक्त पानी अंततः एक पाइपलाइन के माध्यम से आउटफॉल ड्रेन नंबर 8 में निकाल दिया जाता है।

22. **बाढ़सा** :– इस गाँव की भूमि में जलमग्न क्षेत्र न होने की रिपोर्ट मिली थी क्योंकि आउटफॉल ड्रेन संख्या 8 के दाहिने किनारे का निर्माण कार्य दिनांक 30.06.2022 को पूरा कर लिया गया था। जिससे आसपास के इलाकों में उक्त ड्रेन के किसी भी प्रकार के ओवरफ्लो को रोकने में मदद मिलती है जो पूर्व में एक नियमित घटना होती थी। हालांकि कुछ निचले क्षेत्रों में जमा पानी निकालने के लिए 2 इलैक्ट्रिक पंप सैट लगाए गए थे।

23. **कासनी** :– स्थायी समाधान के रूप में कासनी माइनर एवं भिंडावास लिंक ड्रेन के पिछले हिस्से को जोड़ने वाली पाइप लाइन डालने का कार्य 30.06.2022 को 110.79 लाख रूपये की लागत से पूर्ण किया गया। मानसून 2022 के दौरान, इस गांव की भूमि सीमा में अत्यधिक वर्षा के कारण 16 एकड़ क्षेत्र जलमग्न हो गया था जिसे 4 इलैक्ट्रिक पंप सैट और 3 नंबर डीजल पंप सेट लगाकर कासनी माइनर में निकाला गया था।

24. **पटोदा** :– इस गांव में जलमग्न क्षेत्र नहीं है।

25. **लोहारी** :– इस गांव में जलमग्न क्षेत्र नहीं है।

26. **कुलाना** :– इस गांव में जलमग्न क्षेत्र नहीं है।

27. **कोका** :– इस गांव में जलमग्न क्षेत्र नहीं है।

इसके अलावा, जल जमाव की समस्या को और कम करने के लिए, विभाग ने पूरे मानसून के मौसम और बेमौसम वर्षा के दौरान क्षेत्र की आवश्यकता अनुसार मोबाइल पंप सैट (डीजल पंप/इलैक्ट्रिक पंप) लगाए। झज्जर में मैकेनिकल डिवीजन, जो निर्जलीकरण ऑपरेशन की देखरेख करता है, 252 नंबर इलैक्ट्रिक पंप सैट, 100 नंबर डीजल पंप सैट और 89 नंबर वर्टिकल टर्बाइन पंप सैट से लैस है जिसमें 1870 क्यूसेक की डिस्चार्ज क्षमता है। मानसून 2022 के दौरान, जल भराव की समस्या को कम करने के लिए बादली निर्वाचन क्षेत्र के 22 जलमग्न गांवों में 1428 एकड़ क्षेत्र में पानी निकालने का कार्य किया गया। वर्तमान में इनमें से किसी भी गांव के खेतों में जमा पानी नहीं है।

श्री कुलदीप वत्सः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जवाब तो दे दिया है लेकिन मैं इसके बारे में आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से दो–तीन बातें पूछना चाहता हूं। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी ने वहां पर जा कर देखा है या जिस अधिकारी ने यह रिपोर्ट दी है उसने वहां पर जा कर देखा है। मैं बताना चाहता हूं कि आज के दिन भी वहां पर कुछ गांव ऐसे हैं जिनमें जल भराव के कारण एक भी दाना नहीं बोया जा सका। अध्यक्ष महोदय, बहुत हैरानी की बात है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के ये 40–50 गांव ऐसे हैं जहां पिछले 3 साल से हर साल बरसात का पानी भर जाता है। इनमें से 20–25 गांव तो ऐसे हैं जिनकी हालत बद से बदत्तर होती जा रही है। सरकार जय जवान जय किसान का नारा देती है लेकिन आज किसान की हालत बदत्तर होती जा रही है।

श्री अध्यक्षः कुलदीप जी, आप अपनी सप्लीमैंट्री पूछिए, आप इधर–उधर की बातें मत कीजिए।

श्री कुलदीप वत्सः अध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछना चाहता हूं कि इन गांवों का मुआवजा अभी तक नहीं दिया गया है तथा इस जल भराव की समस्या का कब तक स्थायी समाधान कर दिया जायेगा?

कृषि मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने 27 गांवों के बारे में सवाल किया है और इनमें से 5 गांव ऐसे हैं जिनमें जल भराव नहीं हुआ है। कुल 22 गांवों की 1428 एकड़ में जल भराव हुआ था जिसको निकाल दिया गया है। हमने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए 10 स्कीम्स मंजूर की हैं जिनमें से 6 स्कीम्स कम्पलीट हो चुकी हैं तथा जिनसे 19 गांवों के पानी की निकासी हुई है। अभी पिछले दिनों भी हमने 138.90 लाख तथा 128.30 लाख रुपये बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की मीटिंग में मंजूर किये हैं। इन 10 स्कीम्स में ये 6 स्कीम्स पूरी हो चुकी हैं, दो प्रोसैस में हैं तथा दो पर अभी काम शुरू होना है। इन गांवों से पानी निकालने के लिए हमने लगभग 16 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। इन गांवों से पानी निकालने के लिए हमने 252 इलैक्ट्रिक

पम्प सैट, 100 डीजल पम्प सैट तथा 89 वर्टिकल टर्बाइन पम्प दिये हैं। इस प्रकार से हमने इनको जो कुल मशीनरी दी है उसकी 1870 क्यूसेक पानी निकालने की कैपेसिटी है। आगे भी हमारी यही कोशिश रहेगी कि इस तरह की समस्या दोबारा न हो। इसमें कुछ एरिया वह डिवाटरिंग से रह गया है जिसमें ईंट भट्ठे वालों ने गड्ढे खोदे हुए हैं। जहां पर ये गड्ढे हैं वहां पर पानी रह गया है।

श्री कुलदीप वत्सः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी द्वारा हर बार यही बात कही जाती है कि वहां पर ईंट भट्ठे वालों ने गड्ढे खोदे हुए हैं इसलिए वहां का पानी नहीं निकल पाता है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि वे मेरे साथ चलें, मैंने जिन गांवों का नाम लिया है उनमें एक भी ईंट भट्ठे वालों का गड्ढ़ा मिल जाये तो मुझे जो मर्जी सजा दे देना। मंत्री जी सच नहीं बोल रहे हैं।

श्री जय प्रकाश दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि इस जल भराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए डाबोदा माइनर को सराय औरंगाबाद–कसार ड्रेन के साथ लिंक करने के लिए 76 लाख रुपये की लागत से यह काम पूरा कर दिया गया है। इसी प्रकार से ड्रेन के राइट साइड के बैंक कंस्ट्रक्शन का काम सुरहेती, मुंडाखेड़ा, सिलानी तथा सौंधी में 140 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया है। गांव जाहिदपुर में बाढ़ का पानी निकालने के लिए 392.78 लाख रुपये की लागत से काम पूरा हो चुका है। इसी तरह से construction of RCC Pipe Line Drain around Village Khudan outfalling into village pond of the Khudan Link Drain – जो कि खुड्डन और अहरी गांव के लिए है 73.00 लाख रुपये की लागत से यह काम पूरा कर दिया गया है। इसी तरह से laying of pipeline from RD 0 to 7850 offtaking from RD 35800/L of Kasni Minor and out falling in Bhindawas link drain at Km. 6.081 - करने के लिए 110.79 लाख रुपये की लागत से तीन गांव कासनी, ढ़ाकला और चन्दोल में यह काम पूरा कर दिया गया है। इसी तरह से construction of water body for storage of rain water in village Devarkhana – करने के लिए 110.16 लाख रुपये की लागत से गांव देवारखाना में यह काम पूरा कर दिया गया है। इसी तरह से rehabilitation of KCB Drain from 0 to 139000 - करने के लिए 300.00 लाख रुपये की लागत से चार गांव बूपनिया, शाहपुर, लुकसर और जरदाकपुर में यह काम प्रोग्रैस पर है जो 30.06.2023 तक पूरा हो जाएगा। इसी तरह से constructing Neola Pipe Line (through underground D.I. Pipe Line) from Pond to Hodi out falling into SLC - करने के लिए 144.1 लाख रुपये

की लागत से गांव निओला में यह काम प्राग्रैस पर है जो 30.06.2023 तक पूरा हो जाएगा। इसी तरह से for laying pressurized pipe line by connecting Shakti wala jhod to letra pond village Silana and dewatering into Outfall Drain no.8 at RD 15350/R के लिए 138.90 लाख रुपये की लागत से गांव सिलाना में हमने नया काम लिया है जो इस बोर्ड की मीटिंग में पास किया है। इसी तरह से for laying Gangarwa village field to KCB drain HDPE Pipeline 355 mm Outside dia, length 1100 m in W.S. Mech. Division, Jhajjar for the year 2023 - करने के लिए 128.30 लाख रुपये की लागत से गांव गंगारवा में यह काम अभी शुरू होना है। इस प्रकार से इन 19 गांवों में 1614.03 लाख रुपये के काम हमने किये हैं। हमारी कोशिश है कि पूरे हरियाणा के किसानों के खेतों में भरे हुए पानी को निकालकर उनमें बिजाई करवाएं क्योंकि सरकार को वैसे भी किसानों को मुआवजा देना पड़ता है। अतः हम कोशिश कर रहे हैं कि पानी भराव की वजह से किसानों की बिजाई में रूकावट न आए।

श्री कुलदीप वत्स : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि मंत्री जी ने यह कहा है कि हमने ये काम करवा दिये हैं। मुख्यमंत्री जी भी यहां बैठे हुए हैं मैं सदन में रिक्वेस्ट करता हूं कि आप इसकी एक बार जांच करवाएं और जिन–जिन गांव के नाम मंत्री जी ने लिये हैं उन गांवों में जाकर गांव के लोगों से तसल्ली करें कि क्या वे काम पूरे हो गये हैं? आप इस चीज की इंकवायरी करवाईये। मैं सदन को गुमराह नहीं कर रहा हूं। मैं सच्चाई से अवगत करवा रहा हूं कि वहां किसान बिल्कुल मरे पड़े हैं। आज किसान की हालत बद से बदत्तर है। मैं आपको यह जमीनी हकीकत बता रहा हूं। मंत्री जी ने जो ड्रेन का जिक्र किया है उसके लिए मैं यह कहता हूं कि बूपनिया ड्रेन और ड्रेन नं. 8 की पाल जरूर बंधी है लेकिन वह एक अलग इशू है लेकिन मैं खेतों का पानी निकालने के काम की बात कर रहा हूं, मंत्री जी मुझे उसके बारे में बताएं। वे सदन को गुमराह करने का काम न करें।

श्री जय प्रकाश दलाल : अध्यक्ष महोदय, इसमें गुमराह करने की कोई बात नहीं है। मैं रिकॉर्ड की बात बता रहा हूं। हमारा एक झज्जर मैकेनिकल डिविजन है जो उस इलाके के पानी को निकालता है। उसको हमने 252 बिजली की मोटर दे रखी हैं, 100 डिजल पम्प सैट और 89 वर्टीकल टरबो पम्प दे रखे हैं। इस प्रकार से हमने वहां पर 1870 कैपेसिटी की मशीनरी लगा रखी हैं। हम मानते हैं कि एक बार बारिश होने पर ही वहां पानी भराव हो जाता है लेकिन हमने उस पानी को वहां से तुरंत निकालने का प्रबंध कर

रखा है। मैं माननीय सदस्य को कहूंगा कि अगर आपको अगली बार वहां पानी भरा मिले तो आप मेरे साथ चलना मैं खुद जाकर वहां चैक करूंगा और देखूंगा कि वहां पर कार्यवाही हुई है या नहीं।

श्री कुलदीप वत्स : अध्यक्ष महोदय, मैं तो एक चीज कहना चाहता हूं कि अभी तो अच्छी तरह से बारिश भी शुरू नहीं हुई है उसके बावजूद भी वहां पानी खड़ा है। मंत्री जी मेरे साथ कल ही चलें मैं उनको निमंत्रण देता हूं। मैं उनको वहां भोजन भी करवाउंगा और वहां सारा एरिया भी दिखाउंगा।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, यह जल भराव की समस्या तो पूरे हरियाणा प्रदेश में है इसलिए इसके लिए कोई पॉलिसी बनाई जाए।

श्री जय प्रकाश दलाल : अध्यक्ष महोदय, किसानों के हित को देखते हुए इस काम के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने 1200 करोड़ रुपये से ज्यादा के काम मंजूर किये हैं ताकि किसान के खेतों में से पानी निकाला जाए जिससे किसान अपने खेतों में बिजाई कर सकें।(विघ्न)

———————————————

राजकीय कन्या महाविद्यालय खोलना

***62. श्री लीला राम :** अध्यक्ष महोदय, क्या उच्चतर शिक्षा मंत्री कृपया बताएंगे कि क्या कैथल विधान सभा निर्वाचनक्षेत्र में एक राजकीय कन्या महाविद्यालय खोलने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; यदि हां, तो इसके कब तक खोले जाने की संभावना है।

उच्चतर शिक्षा मंत्री (पंडित मूल चन्द शर्मा) : नहीं, श्रीमान जी।

श्री लीला राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि कैथल जिला हैड क्वार्टर है लेकिन वहां पर लड़कियों के लिए कोई भी गवर्नमैंट कॉलेज नहीं है। मंत्री जी ने अपने जवाब में लिखा भी है कि 20–20 किलोमीटर पर फलां–फलां जगह कॉलेज बने हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, कैथल शहर से 20–25 किलोमीटर दूर लड़कियां पढ़ने के लिए नहीं जा सकती हैं। दूसरा इसमें अम्बेडकर कॉलेज का भी जिक्र किया गया है। उस समय मैंने शिक्षामंत्री श्री कंवर पाल जी से मिलकर यह कहा था कि इस कॉलेज में आर्ट्स साईड की क्लासें लगाई जाएं तो उस समय मंत्री जी ने वहां लगभग 100 सीटों की परमिशन दी थी। मेरा सरकार से आग्रह है कि या तो अम्बेडकर कॉलेज में जितनी भी लड़कियां एडमिशन लेना चाहती हों उनको एडमिशन दिया जाए और उनके लिए आर्ट्स साईड की क्लासें लगाई जाएं या कैथल

शहर में लड़कियों के लिए अलग से एक गवर्नमैंट कॉलेज बनाया जाए जोकि आज के दिन कैथल शहर में नहीं है।

पंडित मूल चंद शर्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय विधायक के द्वारा किए गए प्रश्न के संदर्भ में जवाब सदन के पटल पर ले भी कर दिया गया है और मैं इसको पढ़कर भी बता देता हूँ।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, जो जवाब ले कर दिया है उसको पढ़ने की जरूरत नहीं है आप माननीय सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्न के संदर्भ में कोई स्पेसिफिक बात कहना चाहते हैं जैसे कि काम हो सकता है या नहीं हो सकता है, अब केवल उसके बारे में बता दीजिए ताकि सदन का समय बचाया जा सके।

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से पुनः आग्रह है कि कैथल का जो अंबेडकर कालेज है, उसमें सीटें बढ़ाई जायें ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चे इसमें एडमिशन ले सकें। यह एक आई.टी.आई. टाइप का कालेज है और आई.टी.आई. की तरह यहां पर छोटे–छोटे डिप्लोमा कोर्सिज हैं। यहां पर आर्ट्स संकाय की ज्यादा सीटें नहीं हैं। अतः मेरा सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन है कि यहां पर छात्राओं के लिए सीटें बढ़ाने का काम किया जाये। इसके अतिरिक्त कैथल के बिल्कुल नजदीक गांव शेरगढ़ में भगवान परशुराम जी के नाम से एक पोलटैक्निकल कालेज खुला भी हुआ है। इसकी बिल्डिंग भी पूरी तरह से तैयार है लेकिन यहां पर केवल नाम मात्र के ही एडमिशंज किए गए हैं। अतः मेरा सदन के माध्यम से यह भी अनुरोध है कि इस बिल्डिंग में या तो बी.टैक कालेज चलाया जाये या फिर आर्ट्स संकाय का ही कालेज इसमें चला दिया जाये। अध्यक्ष महोदय, भगवान परशुराम कालेज कैथल शहर के बीचों बीच आता है।

पंडित मूल चंद शर्माः अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार की डिमांड माननीय सदस्य ने की है, के संदर्भ में कहना चाहूंगा कि कैथल शहर से मात्र 5 किलोमीटर दूर एक राजकीय माध्यमिक विद्यालय, जगदीशपुरा में है, जिसमें 1278 बच्चे पढ़ते हैं बाकी जिस तरह की बात माननीय सदस्य अब कह रहे हैं, के ध्यानार्थ यदि पालिसी में कोई प्रावधान होगा तो माननीय सदस्य की इन बातों पर भी जरूर गौर किया जायेगा।

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय, मैं जो बात कह रहा हूँ यह हमारे कैथल शहर की पुरजोर डिमांड है।

श्री अध्यक्षः लीला राम जी, यदि आपके पास कोई अतिरिक्त सुझाव है, तो आप उस सुझाव को लिखकर माननीय मंत्री जी को दे सकते हैं ताकि मंत्री जी उसे कंसीडर कर लें। आप प्लीज बैठिए।

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय, ठीक है, मैं माननीय मंत्री जी को अपनी बात लिखित में भी दे दूंगा।

———————————

भूतपूर्व सांसद एवं भूतपूर्व विधायक तथा हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्य तथा उनकी बेटी का अभिनन्दन

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, श्री कुलदीप बिश्नोई, पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक एवं श्रीमती रेणुका बिश्नोई, पूर्व विधायक एवं उनकी सुपुत्री सीमा बिश्नोई, अध्यक्ष दीर्घा में उपस्थित हैं। यह सदन उनका स्वागत करता है।

———————————

इंडियन मीडिया सैंटर, हरियाणा द्वारा लाए गए हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र एवं वरिष्ठ पत्रकार का अभिनन्दन

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूँ कि इंडियन मीडिया सैंटर, हरियाणा द्वारा हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र एवं वरिष्ठ पत्रकार आज सदन की कार्यवाही देखने के लिए दर्शक दीर्घा में उपस्थित हैं। मैं अपनी तरफ से तथा सारे सदन की तरफ से इनका स्वागत करता हूँ।

———————————

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

अतिथि अध्यापकों का स्थानांतरण

*63. **श्री धर्मसिंह छोकर :** क्या स्कूल शिक्षा मंत्री कृपया बताएंगे किः–

(क) क्या यह तथ्य है कि सरकार द्वारा अतिथि अध्यापक उनके गृह जिले से 200-400 कि. मी. दूर स्थानांतरित किए गए हैं तथा

(ख) क्या उपरोक्त अध्यापकों को उनके गृह जिलों में रिक्त पड़े पदों पर स्थानांतरण पश्चात् समायोजित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

स्कूल शिक्षा मंत्री (श्री कंवर पाल):

(क) हां श्रीमान् जी। सामान्य स्थानांतरण अभियान के दौरान कुछ अतिथि अध्यापकों को उनके गृह जिलों से दूर स्थानान्तरित किया गया है।

(ख) दूरस्थ जिलों में तैनात अतिथि अध्यापकों की शिकायतों के निवारण के लिए विभाग द्वारा शिकायत निवारण अभियान चलाया गया जिसमें 1699 अतिथि अध्यापकों ने भाग लिया और इनमें से 1347 अतिथि अध्यापकों को उनके पसंद के विद्यालय में अस्थाई प्रतिनियुक्ति के आधार पर सफलतापूर्वक समायोजित किया गया।

श्री कंवर पालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य के प्रश्न का जवाब भी दो भागों में दिया जाता है। 'क' भाग के रूप में बताना चाहूंगा कि सामान्य स्थानांतरण अभियान दूरस्थ के दौरान कुल अतिथि अध्यापकों को उनके गृह जिलों से दूर स्थानांतरित किया गया है तथा 'ख' भाग के रूप में बताना चाहूंगा कि दूरस्थ जिलों में तैनात अध्यापकों की शिकायतों के निवारण के लिए विधायक द्वारा शिकायत निवारण अभियान चलाया गया जिसमें 1699 अतिथि अध्यापकों ने भाग लिया और इनमें से 1347 अतिथि अध्यापकों का उनके पसंद के विधालय में अस्थाई प्रतिनियुक्ति के आधार पर सफलतापूर्वक समायोजित किया गया है। अभी केवल 352 अध्यापक ऐसे हैं जिनको उनकी इच्छा के अनुसार स्थान नहीं दिए जा सके हैं क्योंकि अभी पेपर चल रहे थे इसलिए हमने उसको रोक दिया था और आने वाले सैशन में हम इसके लिए पुनः प्रयास कर सकते हैं।

श्री धर्म सिंह छोक्करः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूंगा कि ठीक है सरकार द्वारा इस संदर्भ में जो पालिसी बनाई गई है, उसको अभी तक इंप्लीमैंट नहीं किया जा सका है क्योंकि हमें हमारी कंस्टीट्युंसी में आकर काफी अध्यापक मिलते हैं और इसके लिए शिकायत भी करते है। जिस तरह की बात माननीय मंत्री जी ने कही है कि 1699 अतिथि अध्यापकों ने भाग लिया और इनमें से 1347 अतिथि अध्यापकों को उनके पसंद के विधालय में अस्थाई प्रतिनियुक्ति के आधार पर सफलतापूर्वक समायोजित किया गया है, अभी ऐसा कोई प्रावधान इंप्लीमैंट ही नहीं हुआ है। अगर यह इंप्लीमैंट हो जाता है तो हम इसके लिए स्वागत करने का भी काम करेंगे। यही नहीं वे गैस्ट टीचर जो दूसरे डिस्ट्रिक्ट्स में कार्यरत हैं, उनकी इसी प्रयोजन के लिए विलिंग तो मांगी गई थी लेकिन इस पोलीसी को भी इंप्लीमैंट नहीं किया गया है। अतः सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि जितना जल्दी हो इस पॉलिसी को लागू कर दिया जाये। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि वर्ष 2019 में पी.जी.टी. टीचर्ज के लिए भर्ती का विज्ञापन दिया गया था लेकिन वर्ष 2022 के बाद इस भर्ती को एच.एस.एस.सी. के परव्यू से निकालकर एच.पी. एस.सी. को दे दिया गया। यही नहीं अब फरवरी में इस भर्ती के लिए एग्जाम होने बाबत एक विज्ञापन दिया गया था। पहले इस परीक्षा के लिए प्रश्न पेपर का पैटर्न ओब्जैक्टिव

टाइप था लेकिन अब इस पैटर्न को चेंज कर दिया गया है। इस परीक्षा के अभ्यर्थियों ने आब्जैक्टिव टाइप आधार पर परीक्षा की तैयारियां करने का काम किया हुआ है और ये अभ्यर्थी वर्ष 2019 से आब्जैक्टिव आधार पर अपने पेपर्ज की तैयारियों में लगे हुए हैं। अतः सदन के माध्यम से अनुरोध है कि इस विज्ञापन को चेंज करते हुए इस परीक्षा को आब्जैक्टिव आधार पर ही लेने का काम किया जाये। सरकार परीक्षा अपने सहूलियत के हिसाब से कभी भी ले ले लेकिन परीक्षा का पैटर्न जरूर बदलने का काम किया जाये। अतः सदन के माध्यम मेरा सरकार और माननीय शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध है कि परीक्षा का आधार ओब्जैक्टिव टाइप ही रखा जाये ताकि बच्चों की तैयारियां किसी प्रकार से बाधित न हो सकें।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी आप इस संदर्भ में कोई एश्योरेंस देना चाहेंगे ?

श्री कंवर पालः अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न से अलग बात है और एच.पी.एस.सी के अधिकार क्षेत्र की बात है। मैं इसमें कोई एश्योरेंस नहीं देना चाहूंगा।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य ने जो सुझाव दिया है आप उसको कंसीडर तो कर ही सकते हैं ?

श्री कंवर पालः अध्यक्ष महोदय, माननीय विधायक के सुझाव पर विचार तो किया ही जा सकता है

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं इस मामले में इटरवीन करता हूँ । एच. पी.एस.सी. अपने आप में एक आटोनोमस बाडी है। सिलेक्शन ऑफ आफिसर्ज एंड सिविल सर्वेंट, उस नाते से वे इस तरह का क्राइटेरिया अपने आप ही तय करते हैं। अगर ट्रांसपेरेंसी नहीं है या कोई गड़बड़ हुई है, तब ऐसी परिस्थिति में हम उनको कह सकते हैं लेकिन वे किस प्रकार एग्जाम लेंगे, कैसे लेंगे और क्या क्वैशचन होगे, इस बारे में उनका अपना क्राईटेरिया है और अपने पाठयक्रम हैं। वे अपने पाठ्यक्रम एडवर्टिजमैंट के साथ पब्लिश करते हैं। एडवर्टिजमैंट के बाद अभ्यर्थियों के पास इतना समय होता है कि उस हिसाब से वे तैयारी कर सकते हैं। अब उनका पैटर्न आब्जैक्टिव होगा या दूसरे टाइप का होगा यह एच.पी.एस.सी. के अधिकार क्षेत्र की बात है। इसमें हमारा कोई इंटरफियरेंस नहीं है।

————————————

नियंत्रित क्षेत्रों में रजिस्ट्रियां खोलना

***64. श्री सुभाष सुधा :** अध्यक्ष महोदय, क्या उप मुख्यमंत्री यह बताने की कृपा करे किः-

(क) क्या यह तथ्य है कि राज्य में हरियाणा विकास एवं शहरी क्षेत्र विनियमन अधिनियम-1975 (2020 का हरियाणा अधिनियम संख्या 17 दिनांकित 14.09.2020) की धारा 7-क के संशोधन के तहत सरकार द्वारा नियत्रिंत क्षेत्रों में रजिस्ट्रीयों को बंद कर दिया गया है;

(ख) यदि हां तो खाली पडी भूमि, पक्के मकानों, भूखण्डों तथा दुकानों की अवस्थिति की पहचान करने के संबध में अधिनियम में संशोधन से पूर्व भूमि का सर्वेक्षण नही करवाया गया था;

(ग) यदि भूमि पहले से "गैर मुमकिन" थी, तो उनकी रजिस्ट्री बंद करने के कारण क्या हैं; तथा

(घ) उपरोक्त रजिस्ट्रियां कब तक खोले जाने की संभावना हैं तथा उनका ब्यौरा क्या हैं?

Deputy Chief Minister (Shri Dushyant Chautala): -

(a) No Sir. Section 7-A of the Haryana Development and Regulation of Urban Areas Act, 1975 (Haryana Act No. 17 of 2020 dated 14/09/2020) does not ban the registration of properties located in controlled areas, rather it is a tool to enable the Registering Authority to avoid the registration of transaction in properties located in unauthorized/illegal colonies. Initially this Section was introduced in the statute on 24/05/1989 vide which it was mandated that NOC is required for sale or gift or lease of a piece of vacant land having area less than one hectare. Thereafter, vide amendment dated 03/04/2017, NOC was made mandatory for agricultural land having area less than two kanal. Further, an amendment was made on 14/09/2020 by which NOC is mandatory for sale or gift or lease of any vacant land having area less than one acre.

(b) There is no provision in the Haryana Development and Regulation of Urban Areas Act, 1975 to conduct any survey before amendment in Section 7A of the Act.

(c) The above mentioned provisions of Section 7-A do not describe any kind of land such as 'gairmumkin' to be registered. Further, the Government has not stopped registries for any kind of land except where the provisions of the Act are violated.

(d) Question does not arise in view of response to forgoing points.

श्री सुभाष सुधाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय उप–मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि दिनांक 14.9.2020 को नियम में संशोधन तो किया गया परन्तु विभाग द्वारा किसी भी प्रकार का कोई सर्वे क्यों नहीं करवाया गया कि किस एरिया या कालोनी में रिहायशी मकान वर्ष 1989 या इससे पहले से बने हुए हैं क्योंकि 7–ए अधिनियम पहली बार दिनांक 24.5.1989 में लागू किया गया था इसलिए उन मकानों की रजिस्ट्रियां क्यों बंद की गई हैं जो मकान 35 वर्ष पुराने हैं। इन मकान मालिकों को

मूलभूत सुविधाओं जैसे सेल–परचेज, लीज, लोन और गिफ्ट इत्यादि से क्यों वंचित किया गया है। अध्यक्ष महोदय, 1970 की ओल्ड म्युनिसिपल काउंसिल, थानेसर लिमिट के तहत आने वाली कालोनियां जैसे विष्णु कालोनी, सपडा कालोनी, ब्रहमा कालोनी, ज्योति नगर, राजेन्द्र नगर, न्यू कालोनी, पटेल नगर, शास्त्री नगर, गीता कालोनी, विश्वास नगर, शांति नगर, आजाद नगर, कल्याण नगर, प्रोफैसर कालोनी, दीदार नगर व झांसा रोड पर स्थित कालोनियों की रजिस्ट्रियां बंद कर दी गई हैं जबकि ये सभी कालोनियां टी.पी. स्कीम 5, 6–ए, 6–बी, 6–सी, 8–ए, 8–बी, 8–सी व 7, 9 तथा 10 के तहत लगभग 25 वर्ष पहले अधिकृत कर दी गई थी। नगर परिषद, थानेसर में वर्ष 2007, 2008, 2014 व 2019 में जितनी भी कालोनियां अधिकृत हुई थी, इनका रिकार्ड खसरा नम्बर सहित तहसील थानेसर को अपडेट करवा दिया परन्तु वर्ष 2000 से पहले टी.पी. स्कीम के अंतर्गत कालोनियां का रिकार्ड व खसरा नम्बर तहसील थानेसर को अपडेट नहीं करवाया गया। जिसकी वजह से रजिस्ट्री नहीं हो रही हैं। मैं उप–मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि यह कब तक अपडेट होगा। इसकी वजह से लोगों को बहुत तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है।

श्री दुष्यंत चौटालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का प्रश्न 7–ए से रिलेट्स करता है और जो 7–ए का मैटर है वह रेवेन्यू विभाग का नहीं है बल्कि यह टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग का मैटर है और उनकी रेगुलराइज्ड एंड अनरेगुलराइज्ड एरिया के लिए कुछ रिस्ट्रिक्शंज होती हैं। दूसरी बात, प्रदेश में रजिस्ट्रियां/डीड कहीं भी बंद नहीं है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डिपार्टमैंट, 7–ए के तहत कंट्रोल्ड एरिया में चैक एंड बैलेंस लगाता है और इसी प्रकार अर्बन लोकल बाडी डिपार्टमैंट, प्रापर्टी आई.डी. के माध्यम से किसी भी व्यक्ति की प्रापर्टी के ड्यूज को भरवाकर, इस तरह की परमिशन लोगों को देने का काम करता है। अगर कोई व्यक्ति इन कंडीशंज को फुलफिल करता है तो वे रजिस्ट्रियां/डीड करवा सकते हैं। कहने का भाव यह है कि रजिस्ट्रियां/डीड आज भी पूरे प्रदेश में चालू हैं। जो माननीय सदस्य ने बात कही कि 7–ए की बात कही है, 7–ए के अंदर एप्रूव्ड कालोनी संबंधी अपने आप में एक रिस्ट्रिक्शन मौजूद है । अगर एप्रूव्ड कालोनी है तो ऐसी अवस्था में कोई दिक्कत ही नहीं है। अगर वह अप्रूव्ड कॉलोनी में है और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डिपार्टमैंट ने उसकी अप्रूवल को रेवेन्यू डिपार्टमैंट को अपलोड करवा रखा है तो उसकी रजिस्ट्रेशन चालू है । अगर उसमें कोई दिक्कत है तो उस पर गवर्नमैंट जरूर ध्यान देगी कि उसको जल्द–से–जल्द रैक्टीफाई करवाया जाए ।

श्री सुभाष सुधा : अध्यक्ष महोदय, इस समय ऑनरेबल रेवेन्यू मिनिस्टर और ऑनरेबल लोकल बॉडीज मिनिस्टर दोनों सदन में बैठे हैं । मैं कह रहा हूं कि रेवेन्यू रिकॉर्ड में वर्ष 1970 से पहले की जो कॉलोनीज हैं उनको इन दोनों विभागों को एक–साथ बैठकर पोर्टल पर रिकॉर्ड चढ़ाना चाहिए । पोर्टल पर रिकॉर्ड नहीं चढ़ा है जिससे पब्लिक परेशान हो रही है । अतः मैं यह प्रश्न कर रहा हूं कि यह रिकॉर्ड पोर्टल पर कब तक चढ़ जाएगा ?

श्री दुष्यन्त चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम जल्द ही एक बैठक करेंगे और ऐतिहासिक तौर पर अप्रूव्ड कॉलोनीज के रिकॉर्ड को इंटरलिंक करवाने का काम करेंगे । इसकी वजह से अगर कोई दिक्कत आई है तो उसको हम रैक्टीफाई करवाने का काम करेंगे ।

श्री सुभाष सुधा : धन्यवाद अध्यक्ष महोदय ।

————————

होटलों/मैरिज पैलेसों के लिए सामान्य नीति

***65. श्री असीम गोयल नन्योला :** अध्यक्ष महोदय, क्या शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कृपया बताऐं कि क्या जल संसाधनों को उपलब्ध कराने के संबंध में तथा प्रदूषण टैक्स, कचरा टैक्स इत्यादि के संबंध में होटलों/मैरिज पैलेसों/बैकैंट हॉलों को राहत देने के लिए कोई सामान्य नीति बनाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

शहरी स्थानीय निकाय एवं आवासीय मंत्री (डॉ. कमल गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, वर्तमान में होटलों/मैरिज पैलेसों/बैकैंट हॉलों को जल शुल्क और कचरा कर आदि के संबधं में राहत हेतु कोई नीति सरकार के विचाराधीन नहीं है।

श्री असीम गोयल नन्योला : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्व का विषय है । इसको मैंने जीरो आवर में भी उठाया था लेकिन उस समय माननीय मंत्री जी सदन में उपस्थित नहीं थे । आज मैंने इस पर विस्तृत जवाब के लिए सवाल लगाया है । अध्यक्ष महोदय, सभी मैरिज पैलेसिज और होटल्स के पास एक नोटिस आया है कि इन्होंने पिछले समय में जो पानी यूज किया है उसके एवज में इनको पैनल्टी और भविष्य के लिए टैक्स पे करना है । इसके अलावा माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि हमने कोई पॉल्यूशन टैक्स नहीं लगाया है तो मैं बताना चाहता हूं कि इनको एन.जी.टी. के माध्यम से नोटिसिज भेजे गए हैं । काफी होटल्स सील भी किये गए हैं और होटल्स को सील करके उनके बिजली के कनैक्शंज को काटने तक का भी काम किया गया है । अब मैं गारबेज टैक्स के विषय में बताना चाहूंगा । हमारे क्षेत्र में उनको

गारबेज टैक्स के 4–4 साल पुराने नोटिस दिए जा रहे हैं जबकि उन होटल ऑनर्स और बैंक्वेट ऑनर्स का कहना है कि हमारे यहां से आज तक एक दिन भी गारबेज की क्लैक्शन नहीं की गई । उनका कहना है कि भविष्य में अगर एम.सी. गारबेज क्लैक्शन करने की कोई व्यवस्था बनाती है तो हम उसका टैक्स देने के लिए तैयार हैं । अतः मेरा निवेदन है कि इनको जो सील किया जा रहा है या इन पर टैक्स लगाया जा रहा है इसकी बजाय इनके लिए कोई कॉमन पोलिसी बनाकर इनको राहत दी जाए । ये होटल्स और बैंक्वेट्स काफी पुराने समय से खुले हुए हैं और इनसे काफी लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है । मेरे ख्याल से यह समस्या केवल अम्बाला में ही नहीं अपितु पूरे हरियाणा प्रदेश में है । अतः इनके लिए कोई कॉमन पोलिसी बनाकर इनको राहत दी जाए ।

डॉ. कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बड़ी ठीक बात उठाई है । जहां तक कचरा प्रबंधन की बात है तो उसके बारे में वर्ष 2011 में एक कानून पास हुआ था जिसके तहत 10 कमरों से कम कमरों वाले ऑडिटोरियम, गैस्ट हाउस, होटल्स के चार्जिज 500 रुपये प्रतिमाह और 10 कमरों से ज्यादा कमरों वाले ऑडिटोरियम, गैस्ट हाउस, होटल्स के चार्जिज 4000 रुपये प्रतिमाह एकत्रित किये जा रहे हैं । जहां तक पानी का सवाल है तो इसमें भी 4 रुपये प्रति किलोलीटर के हिसाब से चार्ज वसूला जा रहा है । इसके अलावा जल निपटान शुल्क जिसको सीवरेज शुल्क भी कहा जाता है उसे जल के 25 परसैंट के हिसाब से चार्ज किया जाता है । जी.टी. रोड या मेन रोड्ज पर जो होटल्स वगैरह खुले हुए हैं इनके बारे में एन.जी.टी. में जरूर एक केस गया हुआ है । उसमें केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण समिति ने जरूर कुछ विचार किया है लेकिन उसमें मैं हरियाणा सरकार की तरफ से एक प्रपोजल के विषय में जरूर बताना चाहता हूं कि जिन होटल्स की अभी तक सीवरेज लाइन, कचरा उठाने जैसी कोई व्यवस्था नहीं है तो उसमें यह तय किया गया है कि एम.सीज. की 8 किलोमीटर की दूरी के दायरे में जो होटल्स वगैरह आएंगे उनका हम शहरों की तरह ऐज पर लॉ कचरा उठाएंगे । इसमें उनको नियम के मुताबिक चार्जिज देने पड़ेंगे । हम इनके विषय में यह प्रपोजल लाने की तैयारी कर रहे हैं ।

श्री असीम गोयल नन्योलाः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय मंत्री जी ने कहा है कि इसके लिए वर्ष 2011 से ही प्रावधान है। मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन है कि मैं यही बात दोहरा रहा हूं कि संबंधित लोगों के पास पहले कभी नोटिस नहीं गया था। अब इनके पास इकट्ठा ही 4 साल, 5 साल और 6 साल की कलैक्शन

का नोटिस भेजा गया है, यह थोड़ा–सा दिक्कत वाला इशू है। अभी आदरणीय मंत्री जी ने जैसा एन.जी.टी. के लिए कहा है तो मैं इनका धन्यवाद करता हूं कि सरकार द्वारा ऐसी प्रपोजल लायी जा रही है। चूंकि इससे संबंधित लोगों को एक बहुत बड़ी राहत मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, मेरा इसी विषय से जुड़ा हुआ एक सप्लीमैंट्री और है कि इन्हीं की तरह की सेम प्रॉब्लम पुराने म्यूनिसिपल लिमिट के एरियाज के बैंक्वेट या होटल्ज की है। उस समय संबंधित ऑनर्ज ने सी.एल.यू. या दूसरे प्रावधान के तहत काम नहीं करवाया था तो उनको भी नोटिस जारी किये गये हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन है कि जो बैंक्वेट या होटल्ज बने हुए हैं उनको गिरा तो नहीं सकते क्योंकि इसमें संबंधित लोगों की आजीविका का भी सवाल है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना है कि इसके लिए कोई ऐसी व्यवस्था लेकर आएं जिसमें उनसे टैक्स ले लें और उनके स्ट्रक्चर को पास करके राहत दी जाए। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यही सवाल है।

डॉ0 कमल गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, इसमें आदरणीय विधायक जी ने 2 बातें रखी हैं। एक बात तो यह है कि इसमें वर्ष 2011 से नियम बना हुआ है। इसके बारे में पहले हमारी यू.एल.बी. ने वर्ष 2011 से टैक्स नहीं मांगा था बल्कि 3 साल से मांगा था। इसमें भी हमने रैक्टिफिकेशन करके यू.एल.बी. को आदेश दे दिया था कि इसके लिए करंट ईयर से चार्जिज लिये जाएं। विभाग की तरफ से यह पत्र निकल चुका है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य की जानकारी के लिए भी बता रहा हूं। आज मैं हाउस में भी बता रहा हूं। माननीय सदस्य ने दूसरा इनको सीमा में रेगूलर करने की बात की है तो उस पर विचार करके जो भी संभव होगा, उसी हिसाब से कर देंगे।

श्री असीम गोयल नन्योला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इसके लिए माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा।

———————

कम्पोनेंट प्लान के अंतर्गत जारी की गई राशि

***66. श्री ईश्वर सिंह** : अध्यक्ष महोदय, क्या विकास एंव पंचायत मंत्री पांच वर्षों में कृपया बताएंगे कि गत राज्य में कम्पोनेंट प्लान के अंतर्गत अनुसूचित जातियों के लिए विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत विकास कार्यो के लिए जारी की गई राशि का प्रतिशतता अनुसार ब्यौरा क्या है?

विकास एंव पंचायत मन्त्री (श्री देवेन्द्र सिंह बबली) : अध्यक्ष महोदय, सूचना सदन के पटल पर रखी है।

सूचना

Amount released under Component Plan					
					(Rs.in Crore)
Sr. No.	**Name of Scheme**	**Plan**	**Total Release**	**Release of SCSP Component**	**Percentage**
		2018-19			
1	Financial Assistance to Panchayati Raj Institutions Out of Surcharge on Vat	Normal	175.00	21.00	10.71
		SCSP	21.00		
		TOTAL	**196.00**		
2	State Finance Commission.	Normal	665.16	89.03	11.80
		SCSP	89.03		
		TOTAL	**754.19**		
3	Mahatma Gandhi Gramin Basti Yojna.	SCSP	12.92	12.92	100.00
4	Haryana Gramin Vikas Yojna	Normal	199.98	249.33	55.49
		SCSP	249.33		
		TOTAL	**449.31**		
5	Sanitation under Swachh Bharat Mission (Gramin)	Normal	70.94	46.13	39.40
		SCSP	46.13		
		TOTAL	**117.07**		
6	National Rural Livelihoods Mission & Allied Schemes	Normal	65.61	63.07	49.01
		SCSP	63.07		
		TOTAL	**128.68**		
		G. TOTAL	**1658.17**	**481.48**	**29.04**
		2019-20			
1	State Finance Commission.	Normal	1163.93	253.56	17.88
		SCSP	253.56		
		TOTAL	**1417.49**		
2	Mahatma Gandhi Gramin Basti Yojna.	SCSP	44.00	44.00	100.00
3	Haryana Gramin Vikas Yojna	Normal	175.20	174.80	49.94
		SCSP	174.80		
		TOTAL	**350.00**		
4	Sanitation under Swachh Bharat Mission (Gramin)	Normal	87.67	33.05	27.38
		SCSP	33.05		
		TOTAL	**120.72**		
5	National Rural Livelihoods Mission & Allied Schemes	Normal	32.34	32.34	50.00
		SCSP	32.34		
		TOTAL	**64.68**		
6	Integrated Wasteland Development/Management Project	Normal	17.82	4.25	19.26
		SCSP	4.25		
		TOTAL	**22.07**		
		G. TOTAL	**2018.96**	**542.00**	**26.85**
Sr. No.	**Name of Scheme**	**Plan**	**Total Release**	**Release of SCSP Component**	**Percentage**

2020-21					
1	State Finance Commission.	Normal	1021.80	255.50	20.00
		SCSP	255.50		
		TOTAL	**1277.30**		
2	Mahatma Gandhi Gramin Basti Yojna.	SCSP	29.02	29.02	100.00
3	Haryana Gramin Vikas Yojna	Normal	315.32	44.71	12.42
		SCSP	44.71		
		TOTAL	**360.03**		
4	Sanitation under Swachh Bharat Mission (Gramin)	Normal	80.77	25.79	24.20
		SCSP	25.79		
		TOTAL	**106.56**		
5	National Rural Livelihoods Mission & Allied Schemes	Normal	67.84	51.68	43.24
		SCSP	51.68		
		TOTAL	**119.52**		
6	Integrated Wasteland Development/Management Project	Normal	24.88	4.40	15.02
		SCSP	4.40		
		TOTAL	**29.28**		
		G. TOTAL	**1921.71**	**411.10**	**21.39**
2021-22					
1	Mahatma Gandhi Gramin Basti Yojna.	SCSP	25.34	25.34	100.00
2	Scheme for Assistance to Haryana Rural Development Authority	Normal	5.00	5.00	50.00
		SCSP	5.00		
		TOTAL	**10.00**		
3	Haryana Gramin Vikas Yojna	Normal	176.77	22.88	11.46
		SCSP	22.88		
		TOTAL	**199.65**		
4	Sanitation under Swachh Bharat Mission (Gramin)	Normal	103.44	14.81	12.52
		SCSP	14.81		
		TOTAL	**118.25**		
5	National Rural Livelihoods Mission & Allied Schemes	Normal	49.40	22.08	30.89
		SCSP	22.08		
		TOTAL	**71.48**		
		G. TOTAL	**424.72**	**90.11**	**21.22**

Sr. No.	**Name of Scheme**	**Plan**	**Total Release**	**Release of SCSP Component**	**Percentage**
2022-23					
1	State Finance Commission.	Normal	575.00	152.50	20.96
		SCSP	152.50		
		TOTAL	**727.50**		
2	Mahatma Gandhi Gramin Basti Yojna.	SCSP	9.52	9.52	100.00
3	National Rural Livelihoods Mission & Allied Schemes	Normal	64.31	18.23	22.09
		SCSP	18.23		
		TOTAL	**82.54**		
4	Integrated Wasteland Development/Management Project	Normal	6.05	4.01	39.86
		SCSP	4.01		
		TOTAL	**10.06**		
		G. TOTAL	**829.62**	**184.26**	**22.21**

श्री ईश्वर सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिछले साल भी इसी विषय के संबंध में मेरा क्वैश्चन लगा था। उस क्वैश्चन का जवाब भी मेरे पास आया था, लेकिन वह जवाब आधा–अधूरा था। कम्पोनैंट प्लान क्या है, ये किसके लिए बनाये गये हैं और इसमें कितनी राशि स्टेट गवर्नमैंट के खाते से आती है और कितनी राशि सैंट्रल गवर्नमैंट के खाते से आती है? Deprived sections of the society, जो आरक्षित वर्ग (शैड्यूल्ड कॉस्ट) के लोग हैं उनके लिए यह स्पेशल कम्पोनैंट प्लान बनाया गया है। अध्यक्ष महोदय, अनुसूचित जाति के विकास के लिए अलग से स्पेशल कम्पोनैंट प्लान के तहत बजट का प्रावधान तो कर दिया, लेकिन इस कार्य हेतु आबंटित की गयी सारी राशि खर्च नहीं हो रही है। इसमें वर्ष वार न खर्च हो रही राशि का ग्राफ लगातार हर साल बढ़ता जा रहा है। It is very serious matter. आरक्षित वर्ग के विकास के लिए सैंट्रल गवर्नमैंट ने सन् 1975 में Tribal Sub Plan बनाये थे ताकि इनको ऊपर उठाएं क्योंकि ये वंचित लोग हैं। इसके बाद सन् 1979 में Special Component Plan for Scheduled Castes गठित कर दी गयी। अध्यक्ष महोदय, इस स्पेशल कम्पोनैंट प्लान के तहत यह बात आती है कि जहां पर किसी भी गांव में कॉलोनी हो, ढाणी हो या कोई गांव हो और उनमें आरक्षित वर्ग की 33 प्रतिशत की आबादी है तो वहां पर स्कूल का, शिक्षा का, स्वास्थ्य का तकनीकी शिक्षा का, सड़कों का पौष्टिक भोजन और शुद्ध जल मुहैया करवाने के लिए सैंट्रल गवर्नमैंट की तरफ से स्पेशल कम्पोनैंट प्लान के तहत पैसा दिया जाता है। इसमें पार्टिकुलर 33 प्रतिशत की जो आबादी है, वहीं पर यह पैसा खर्च होता है। जहां पर मलिन बस्तियां हैं, वहां पर तो 100 प्रतिशत पैसा ही खर्च होता है। इसमें तो प्रसैंटेज का सवाल ही नहीं बनता है। इसमें विगत वर्ष के आंकड़े कुछ और ही बयां करते हैं। अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे प्रश्न के जवाब में माननीय मंत्री जी ने कहा कि इस प्रश्न का जवाब सदन के पटल पर रख दिया गया है। माननीय मंत्री जी के रिप्लाई में न तो कोई डिटेल बतायी गयी है कि सैंट्रल गवर्नमैंट की तरफ से किस रेशों में पैसा आया है और स्टेट गवर्नमैंट की तरफ से किस रेशो में पैसा आया है? जबकि इसके लिए सैंट्रल गवर्नमैंट 60 प्रतिशत राशि देती है और स्टेट गवर्नमैंट 40 प्रतिशत राशि देती है। इस जवाब में यह सारा गोल–मोल कर दिया गया है। जैसा कि मैंने बताया है कि इसमें जहां पर पार्टिकुलर 33 प्रतिशत आबादी है, वहां पर संबंधित राशि खर्च की जाएगी। लेकिन माननीय मंत्री जी के रिप्लाई में कुछ भी डिटेल नहीं है। इसमें सिर्फ सदन के पटल पर आंकड़ें ही रखे गये हैं। इससे क्या हिसाब

लगाया जा सकता है? इसमें किसकी आबादी कहां पर कितनी है? माननीय मंत्री जी ने अपने रिप्लाई में डिस्ट्रिक्ट वाईज बताया है, लेकिन पूरा इकट्ठा करके बताया है। इसमें पिछले साल भी यही हाल था और इस साल भी यही हाल है। पिछले साल माननीय मंत्री जी ने भी इस बात को मान लिया था। माननीय मुख्यमंत्री जी ने पिछले बजट सैशन के दौरान खुद यह कहा था कि इसमें जो कमी आयी है, उसको ठीक करेंगे। आज भी इस बजट सैशन के दौरान वही की वही दशा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि सदन के पटल पर जो रिप्लाई रखा गया है, उसमें रेशो के हिसाब से कुछ भी नहीं दिया हुआ है। इस रिप्लाई में यह पता नहीं चल रहा है कि इसमें क्या कहना चाहते हैं? इसमें कितने प्रतिशत पैसा आया है और 33 प्रतिशत आबादी के हिसाब से कितना पैसा बांटा गया है? मैं आपके माध्यम से यह पूछना चाहता हूं कि क्या इनके पास संबंधित राशि का विवरण है?

श्री देवेन्द्र सिंह बबली : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो क्वैश्चन लगाया था कि पांच वर्षों में राज्य में कम्पोनेंट प्लान के अंतर्गत अनुसूचित जातियों के लिए विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विकास कार्यों पर कितना खर्चा किया गया है, के संदर्भ में मैं बताना चाहूंगा कि हमने विकास कार्यों से संबंधित लगभग 20 प्रतिशत डिटेल से संबंधित रिप्लाई को सदन के पटल पर रख दिया है। वर्ष 2018–19 में 29.4 प्रतिशत खर्चा हुआ है। वर्ष 2019–20 में 26.85 प्रतिशत खर्चा हुआ है। वर्ष 2020–21 में 31.39 प्रतिशत खर्चा हुआ है। वर्ष 2021–22 में 21.22 प्रतिशत खर्चा हुआ है और वर्ष 2022–23 में 22.21 प्रतिशत खर्चा हुआ है। अगर माननीय सदस्य को इसके अतिरिक्त और ज्यादा सूचना चाहिए तो वे मुझे लिखकर दे दें। मैं अपने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दे दूंगा और वह सूचना भी इनको पहुंचा दी जायेगी। अध्यक्ष महोदय, वास्तव में जितना खर्चा किया जाना चाहिए था हमने उतना पैसा खर्च करने का काम किया है।

श्री ईश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो माननीय मंत्री जी ने मेरे प्रश्न का यह उत्तर दिया है वह सही नहीं है। मैंने अपना प्रश्न विशेषकर इस बात को फोकस करते हुए किया है कि पर्टिकुलरली सैंटर गवर्नमैंट से कितना पैसा आया है, उस पैसे में कुल कितना पैसा खर्च किया गया और उसमें से कितने पैसे की बचत हुई। मेरा तो प्रश्न यह था लेकिन माननीय मंत्री जी मेरे प्रश्न का कुछ और ही जवाब दे रहे हैं।

श्री देवेन्द्र सिंह बबली : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो डिटेल मांगी थी वह हमने दे दी है। अगर इनको और डिटेल की जरूरत है, तो वह मुझे उस बारे में लिखकर दे दें, वह डिटेल भी माननीय सदस्य को दे दी जायेगी।

श्री अध्यक्ष : ईश्वर सिंह जी, आपने अपने प्रश्न के अंदर सिर्फ यह पूछा है कि विकास कार्यों के लिए जारी की गई राशि का प्रतिशतता अनुसार ब्यौरा क्या है?

श्री ईश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने मंत्री जी से वैरियस स्कीम के बारे में भी पूछा है लेकिन मंत्री जी मेरे प्रश्न का सही जवाब न देकर कुछ और ही जवाब दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास लिखित में जवाब आया है कि कुछ पैसा तो पुलों पर लगा दिया गया है, कुछ पैसा सड़कों पर लगा दिया गया है और कुछ पैसा गलियों को पक्का करने के लिए लगा दिया गया है लेकिन जवाब इस प्रकार से दिया जा रहा है कि जैसे अनुसूचित जाति के लोग ही इस पुल के ऊपर से निकलेंगे या जैसे इस सड़क पर अनुसूचित जाति के लोग ही चलेंगे। यह मेरे प्रश्न का जवाब नहीं है। मैंने तो प्रैक्टिकली यह पूछा है कि जिस परपज के लिए पैसा प्राप्त हुआ था क्या वह पैसा उस परपज पर खर्च हुआ है या नहीं। अध्यक्ष महोदय, अनुसूचित जाति की 33 प्रतिशत आबादी है। आखिरकार क्यों इनकी भलाई के लिए यह पैसा खर्च नहीं किया गया। अध्यक्ष महोदय, मलिन बस्ती के अंदर 100 परसैंट पैसा लगाया जाना चाहिए था। जिस परपज के लिए ग्रांट लेने का काम किया, उसी परपज पर ही तो पैसा लगाया जाना चाहिए। अगर सैंटर और स्टेट की स्कीम का पैसा बिना खर्च हुए आधा अधूरा रह जाता है तो हम टोटल परसैंटेज के आंकड़े का क्या करेंगे? अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी को मेरी इन बातों के बारे में बताना चाहिए।

श्री देवेन्द्र सिंह बबली : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य से पूछना चाहता हूं कि आखिरकार माननीय सदस्य की ऐसी कौन सी बात है, जिसके बिहाफ पर उनको लगा है कि जहां पैसा खर्च होना चाहिए था, वह पैसा वहां पर खर्च नहीं किया गया। अगर माननीय सदस्य के पास इस संदर्भ में डिटेल है तो वह उस डिटेल को हमें भी प्रोवाइड करवा दें तो सारी स्थिति क्लीयर हो जायेगी।

श्री ईश्वर सिंह : मंत्री जी, आपके पास डिटेल ही नहीं है कि कितना पैसा सैंटर गवर्नमैंट की तरफ से आया है?

श्री देवेन्द्र सिंह बबली : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो डिटेल मांगी थी वह हमने प्रोवाइड करवा दी है।

श्री अध्यक्ष : बबली जी, मुझे लगता है कि जो डिटेल माननीय सदस्य ने मांगी है कि सैंटर से कितना पैसा आया और स्टेट से कितना पैसा आया। आप एक बार फिर से वह डिटेल माननीय सदस्य को भिजवाने का काम करें।

श्री देवेन्द्र सिंह बबली : अध्यक्ष महोदय, ठीक है, मैं माननीय सदस्य को इसकी डिटेल भिजवा दूंगा।

————————————————

भूमिगत जल स्तर को बढ़ाना

***67. श्री अभय सिंह चौटाला :** अध्यक्ष महोदय, क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे किः

(क) क्या राज्य के डार्क जोन में भूमिगत जल का स्तर बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा कोई पग उठाए गए है; यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; तथा

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

@मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) :

(क) हां, श्रीमान जी। सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का वर्णन करने वाली विवरणी सदन के पटल पर रखी गई है।

(ख) उपरोक्त (क) के मद्देनजर इसका कोई औचित्य नहीं है।

विवरणी

वर्ष 2004 से पहले, ''डार्क जोन'' शब्द का इस्तेमाल किया गया था और उस ब्लॉक को ''डार्क जोन'' के रूप में वर्गीकृत किया गया था जहाँ भूजल उत्थान 85 प्रतिशत से अधिक था। अब वर्ष 2004 से, Over-exploited, Critical, Semi-critical and Safe शब्दों का उपयोग उन ब्लॉकों के लिए किया जाता है जहां भूजल उत्थान क्रमशः 100 प्रतिशत, 90–100 प्रतिशत, 70–90 प्रतिशत और 70 प्रतिशत से अधिक है। वर्तमान में, भूजल संसाधन आंकलन, 2022 के अनुसार राज्य में Over-exploited, Critical, Semi-critical and Safe ब्लॉकों की संख्या निम्नानुसार हैः–

Sr. No.	Categorization of block	Number of Blocks fall under different category	Where ground water exploitation
1.	Over-Exploited	88	>100%
2.	Critical	10	Between 90 to100%
3.	Semi-critical	09	Between 70 to 90%
4.	Safe	36	< 70%

.....

@उपरोक्त प्रश्न का जवाब कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल) द्वारा दिया गया।

हरियाणा राज्य में पानी की कमी वाले क्षेत्रों में भूजल स्तर को उठाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्नानुसार हैं: –

I. सिंचाई और जल संसाधन विभाग

(क) **अटल भूजल योजना:** इस योजना का प्रमुख उद्देश्य चल रही विभिन्न योजनाओं के बीच अभिसरण के माध्यम से पानी की कमी वाले क्षेत्रों में भूजल संसाधनों के प्रबंधन में सुधार करना है। यह योजना राज्य में 05 वर्ष की अवधि के लिए अर्थात 2020–21 से 2024–25 तक 677.70 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान के साथ लागू की जा रही है। यह योजना हरियाणा राज्य के 14 जिलों के 36 ब्लॉकों की 1656 ग्राम पंचायतों में क्रियान्वित की जा रही है।

अटल भूजल योजना में विभिन्न हस्तक्षेप शामिल हैं जैस की सूक्ष्म सिंचाई, फसल विविधीकरण, सीधी बिजाई वाले चावल (डी एस आर), भूजल निगरानी, तालाब कायाकल्प, आईईसी गतिविधियां और विभिन्न नदी तल/ड्रेन रिचार्जिंग योजनाएं हैं जो हरियाणा राज्य में भूजल को बहाल करने में सहायक होंगी।

(ख) **जल शक्ति अभियान (जेएसए):** सिंचाई और जल संसाधन विभाग, हरियाणा, पूरे हरियाणा राज्य में जल शक्ति अभियान के कार्यान्वयन के लिए एक नोडल विभाग के रूप में कार्य करता है। जेएसए का उद्देश्य स्वच्छ भारत अभियान की तरह ही परिसंपत्ति निर्माण और संचार अभियान के माध्यम से जल संरक्षण को एक जन आंदोलन बनाना है। वर्षा जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के लिए छह लक्षित हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन पर केंद्रित अभियान के दौरान किए गए प्रयास और उपलब्धि इस प्रकार हैं:–

Sr. No.	Interventions	Number of activities
1.	Water conservation and rainwater harvesting structures	10643
2.	Renovation of traditional water bodies/ tanks	4343
3.	Creation of reuse and recharge structures	9514
4.	Watershed development related works	2290
5.	Plantation of trees	14926363
6.	IEC activities on rainwater conservation and harvesting	12000

(ग) **रिचार्ज बोरवेल:** मेरा पानी मेरी विरासत के तहत पानी की कमी और बाढ़ की आशंका वाले 8 ब्लॉक कुरुक्षेत्र जिले के बबैन, पिपली, शाहाबाद, इस्माइलाबाद, कैथल जिले के गुहला और सीवान ब्लॉक, फतेहाबाद जिले के रतिया ब्लॉक और सिरसा जिले के सिरसा ब्लॉक में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में 1000 रिचार्ज बोरवेल का निर्माण कार्य लिया गया है जिनकी लागत लगभग 40.00 करोड़ रुपये है। इन 1000 रिचार्ज बोरवेल मे से अभी तक 839 रिचार्ज बोरवेल का निर्माण किया जा चुका है और 30.55 करोड़ रूपये खर्च हो चुके है और शेष कार्य दिनांक 31.03.2023 तक पूर्ण होने की सम्भावना है।

(घ) महेन्द्रगढ़ जिले में कृष्णावती नदी तल में कच्चा नाले के निर्माण, कृष्णावती और दोहन नदी के तल में भूजल को रिचार्ज करने के लिए आरसीसी पाइपलाइन बिछाने, ड्रेन और एस्केप चैनल के नवीनीकरण, अधिशेष जल क्षेत्रों से भूजल को रिचार्ज करने, बंद के निर्माण आदि गतिविधियों पर 14.43 करोड़ रुपये की राशि महेन्द्रगढ़ नहर जल सेवाऐं मंडल, नारनौल द्वारा खर्च की जा चुकी है। आस–पास के क्षेत्रों/गांवों के जल स्तर में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है जहां रिचार्जिंग का कार्य पूरा हो चुका है।

(ड़) **भूजल सैलः** जल की कमी वाले क्षेत्रों के सरकारी भवनों में भूजल को कृत्रिम रूप से रिचार्ज करने के लिए 2005–06 से स्टेट प्लान योजना घटक ''भूजल के तेजी से पुनर्भरण'' प्रस्तावित किया गया है। भूजल रिचार्जिंग के लिए अब तक लगभग 965 छत पर वर्षा जल संचयन संरचनाओं (RTRWHS) का निर्माण किया गया है। इन संरचनाओं का निर्माण विशेष रूप से सरकारी स्कूलों/कॉलेजों में किया जाता है ताकि छात्रों और आम जनता/समुदाय के बीच जल पुनर्भरण/संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके।

(च) हरियाणा सरकार ने सिंचाई और जल संसाधन विभाग के माध्यम से दिनांक 07.12.2020 को ''हरियाणा जल संसाधन (संरक्षण, विनियमन और प्रबंधन) प्राधिकरण अधिनियम, 2020'' लागू किया है जिसके तहत हरियाणा जल संसाधन प्रबंधन और विनियमन प्राधिकरण का गठन किया गया है जो भूजल विनियमन और इसके प्रबंधन के मुद्दे को प्रभावी ढंग से और कुशलता से संबोधित करेगा। हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य राज्य के जल संसाधनों का प्रबंधन और विनियमन करना है ताकि उनके उचित, न्यायसंगत और टिकाऊ उपयोग, प्रबंधन और विनियमन को सुनिश्चित किया जा सके।

II. हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, हरियाणा सरकार के राजपत्र अधिसूचना दिनांक 31.10.2001 के अनुसार, एच.एस.वी.पी द्वारा आवंटित भूखंडों पर निर्मित सभी भवनों, जहां छत का क्षेत्रफल 100 वर्गमीटर या अधिक है, उन सभी भवनों में वर्षा जल संचयन के प्रावधान के कार्यान्वयन को अनिवार्य किया है। इसके अलावा, HSVP ने हरियाणा राज्य में विभिन्न शहरी क्षेत्रों में 460 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण किया है।

III. कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

(क) **मेरा पानी मेरी विरासत (एमपीएमवी):** खरीफ 2020 के दौरान, हरियाणा सरकार ने मक्का, कपास, बाजरा, दालें, सब्जियां और फलों जैसे वैकल्पिक कम पानी की खपत वाली फसलों द्वारा धान की फसल (पानी की अधिक खपत वाली फसल) में विविधता लाने के लिए ''मेरा पानी मेरी विरासत'' की एक अनूठी पहल शुरू की थी। ''एमपीएमवी'' के तहत, उन किसानों को 7000 रूपये प्रति एकड़ की दर से सहायता प्रदान की जा रही है जिन्होंने अपनी धान की फसल को वैकल्पिक फसलों के साथ बदल दिया है। योजना के तहत कवर किया गया क्षेत्र और दिया जाने वाला प्रोत्साहन निम्नानुसार हैः

Sr. No.	Period	Area Covered (Ha)	Incentive in Rs. (Crore)
1.	Kharif, 2020	25600.00	45.00
2.	Kharif, 2021	20752.00	31.00
3.	Kharif, 2022*	23554.00	41.22

(ख) कृषि और किसान कल्याण विभाग हरियाणा केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत अति–दोहित ब्लॉकों में भूजल को पुनर्स्थापित और पुनर्भरण करता है। यह गतिविधियां एकीकृत वाटरशेड विकास और प्रबंधन परियोजना (राज्य योजना), एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम (केंद्रीय योजना), राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (केंद्रीय योजना), हरियाणा में कृषि भूमि पर मृदा संरक्षण और जल प्रबंधन (राज्य योजना) के तहत की जाती है। इन योजनाओं के तहत की जाने वाली गतिविधियों में

छत पर वर्षा जल संचयन प्रणाली, कृत्रिम पुनर्भरण रिसाव तालाब, फार्म पोंड, चेक डैम, गली प्लग, सब सरफेस डैम आदि शामिल हैं।

IV. सूक्ष्म सिंचाई और कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण (मिकाडा)

कृषि क्षेत्र में जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए, मिकाडा, राज्य के किसानों को सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित करने के लिए 85 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान कर रहा है।

V. ग्रामीण विकास विभाग

ग्रामीण विकास विभाग के सरंक्षण में राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी पानी की कमी वाले क्षेत्रो में वाटर शेड विकास कार्यक्रम लागू कर रही है। वाटरशेड कार्यक्रम को मृदा, वानस्पतिक आवरण और जल जैसे पतित प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, विकास और उपयोग करके पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने के लिए अनिवार्य किया गया है। जल संरक्षण और जल संचयन से संबंधित कार्य जैसे कि परकोलेशन टैंक, पुराने जल निकायों का जीर्णोद्धार/नवीकरण, चेक डैम, उप–सतही बांध, ड्रॉप संरचना, रूफ टॉप वर्षा जल संचयन संरचना, मिट्टी के बांध, गली प्लग, क्रेट वायर संरचना और रिटेनिंग वॉल आदि मुख्य रूप से वाटरशेड विकास कार्यक्रम के तहत संरचित है।

VI हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण

वर्तमान में, राज्य के जल संकट वाले क्षेत्रों में 1655 गांवों में कुल 2642 तालाबों में से 619 गांवों के 1097 तालाबों को जीर्णोद्धार के लिए लिया गया है। शेष तालाबों को बाद में समयबद्ध तरीके से जीर्णोद्धार के लिए लिया जाएगा।

VII. ताजे पानी की आवश्यकता को भूजल से सतही जल में स्थानांतरित करना

पानीपत में उद्योग उपयोग के लिए नलकूप आधारित आपूर्ति को नहर के पानी में स्थानांतरित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उद्योगों को डब्ल्यूजेसी से 12 क्युसिक से अधिक पानी की आपूर्ति की जाती है, जिससे भूजल में बराबर बचत हुई है।

VIII. उपचारित अपशिष्ट जल (TWW) नीति, 2019 को लागू करना।

ताजे पानी की आपूर्ति को टीडब्ल्यूडब्ल्यू से प्रतिस्थानिक किया जा रहा है, जिससे भूजल में और बचत होगी, 20 एसटीपी से टीडब्ल्यूडब्ल्यू का उपयोग करने की परियोजना पहले ही कार्यान्वयन के अग्रिम चरण में है 5 वर्षों की अवधि में सभी 207 एसटीपी में कृषि के लिए उपचारित अपशिष्ट जल के उपयोग के लिए 5 वर्ष की योजना को मंजूरी दी गई है।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी का जवाब बहुत लम्बा चौड़ा आया है लेकिन जो डार्क जोन का इशू है, वह भी अपने आप में बहुत बड़ा इशू है। हरियाणा प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। उसके साथ–साथ डार्क जोन की वजह से बहुत सारी ऐसी भूमि हैं जहां पर ट्यूबवैल के कनैक्शन तक नहीं हो सकते हैं और ऐसी स्थिति में यदि नहर का पानी भी न हो तो फिर यह मानकर चलो कि ऐसे एरिया में खेती केवल बारिश पर ही निर्भर रहेगी। सरकार द्वारा इस संदर्भ में बड़ी–बड़ी योजनाएं भी बनाई गई हैं और इनके लिए बजट में बहुत बड़ी राशि का प्रावधान करके भी दिखाने का काम किया गया है लेकिन धरातल पर किया कुछ नहीं जा रहा है। सरकार ने भूजल स्तर बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं का वर्णन तो कर दिया परन्तु इनको सुनकर ऐसा लगता है कि सरकार

की तरफ से वास्तविकता की ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया है। सारी योजनाएं केवल कागजों में ही अटक कर रह गई हैं। अटल भू जल योजना के तहत सरकार ने दिखाया कि 677 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। परन्तु यह योजना अभी तक लागू तक नहीं की गई है और इसको लागू करने की बजाए केवल कागजों पर अंकित करके दिखा दिया गया है। इसके अतिरिक्त सूक्ष्म सिंचाई योजना के माध्यम से सीधी बिजाई, चावल और तालाबों के कायाकल्प आदि का वर्णन भी किया गया है परन्तु धरातल में कहीं ऐसा नहीं लगता है कि इस पर काम चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक तालाबों का सवाल है उनमें गांवों के जोहड़ों के सौन्दर्यकरण के ऊपर भी सरकार ने बहुत पैसा खर्च किया है जबकि उससे कहीं किसी गांव में कोई सौन्दर्यकरण नहीं हुआ है। अगर इसकी सारी डिटेल सरकार की तरफ से बताई जाए कि इस योजना के तहत किस–किस तालाब के ऊपर सरकार की तरफ से पैसा खर्च किया गया या फिर पंचायती राज की तरफ से भी तालाबों पर कितना पैसा खर्च किया गया। मंत्री जी, यह सारी डिटेल बताएं कि कितना पैसा लगा और कितना सौन्दर्यकरण पर खर्च हुआ और उसका कितना लाभ हुआ है। अध्यक्ष जी, इसी तरह शक्ति अभियान योजना भी स्वच्छ भारत की तरह ही है और यह भी कागजों में ही है।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, आपने क्वैश्चन पूछा है कि राज्य के डार्क जोन में भूमिगत जल का स्तर बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा कोई पग उठाए गए हैं तो उसका ब्यौरा बताएं, इसमें इसी क्वैश्चन की महता है।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, यह भी उसी से जुड़ा हुआ है।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, अब आप तालाबों के सौन्दर्यकरण के बारे में पूछ रहे हैं, यह इसमें कैसे आ जाएगा ? इसके लिए तो आपको अलग क्वैश्चन लगाना पड़ेगा।

श्री शमशेर सिंह गोगीः अध्यक्ष जी, उसकी खुदाई भी भू–जल के अन्तर्गत ही आती है।

श्री अभय सिंह चौटालाः बिल्कुल खुदाई भी भू–जल के अन्तर्गत ही आती है।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, आप सौन्दर्यकरण के बारे में पूछ रहे हैं। सौन्दर्यकरण के लिए जो पैसा खर्च हुआ है, वह तालाबों के सौन्दर्यकरण के लिए हुआ है। आपने जो क्वैश्चन पूछा है वह डार्क जोन से संबंधित है।

सदस्य को नामित करना

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, आपको सौन्दर्यकरण से तकलीफ हो रही है, यह नहीं होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, किसको तकलीफ हो रही है।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, तकलीफ आपको हो रही है।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, तकलीफ मुझे नहीं, जब मैं आपसे पूछता हूं तकलीफ आपको होती है।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, मैं क्वैश्चन, मंत्री जी से पूछा रहा हूं और जवाब आप दे रहे हैं।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, आपने जो क्वैश्चन पूछा है आप उसी क्वैश्चन के ऊपर सप्लीमैंट्री पूछिये, इधर–उधर के विषयों पर कुछ नहीं पूछना है।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, तालाब के संबंध में सप्लीमैंट्री में लिखा होगा या और कहीं लिखा होगा पहले आप इसे अच्छी तरह से पढ़ तो लीजिए।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, मैंने पढ़ लिया है, इसे आप ही पढ़कर के बताएं।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, आपने क्या पढ़ा है।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, आप डार्क जोन के बारे सप्लीमैंट्री पूछिए।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, मैं सप्लीमैंट्री ही पूछ रहा हूं। फिर वही कहानी शुरू हो जाएगी।

श्री अध्यक्षः ठीक है विधायक जी, आप डार्क जोन के बारे सप्लीमैंट्री पूछिए।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, आपने पढ़ तो लिया अब आप मुझे यह बता दें कि मैं सप्लीमैंट्री में क्या–क्या पूछ सकता हूं?

श्री अध्यक्षः विधायक जी, आपने डार्क जोन के बारे में प्रश्न पूछा है इसलिए आप डार्क जोन के बारे में सप्लीमैंट्री पूछिये।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, डार्क जोन के लिए जोहड़ की खुदाई की गई या नहीं की गई है, यह जवाब में लिखा है या नहीं लिखा है? क्या आपने यह पढ़ा है?

श्री अध्यक्षः विधायक जी, मैंने यह पढ़ा है।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, आपने यह नहीं पढ़ा है, अगर पढ़ा होता तो फिर किसी बात की बहस ही नहीं होती। अध्यक्ष जी, मैं कोई भी बात पूछने के लिए खड़ा हो जाऊं पता नहीं आपको एकदम नीचे से क्या तकलीफ होती है। आप

कुछ भी बोलना शुरू कर देते हैं। क्वैश्चन का जवाब मंत्री देंगे या फिर आप देंगे। मुख्यमंत्री जी यह आप ही बताएं ?

श्री अध्यक्षः विधायक जी, आप भाषा का सही इस्तेमाल कीजिए। गलत भाषा का इस्तेमाल करना ठीक नहीं है।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, मैंने कुछ गलत नहीं बोला है।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, तकलीफ आपको होगी, मुझे कोई तकलीफ नहीं है।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, मैं गलत बोलता ही नहीं हूं।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, तकलीफ क्या होती है, तकलीफ किसको होती है। तकलीफ आपको होती है।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, आपको मेरे खड़े होते ही तकलीफ हो जाती है। सारे प्रदेश में आपकी थू–थू होती है फिर भी आप बिना पंगा लिए नहीं रहते हैं। मैं अपने सवाल का सप्लीमैंट्री पूछ रहा हूं।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, आप अपनी सप्लीमैंट्री के बारे में पूछिए।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, आप बीच में अपनी मर्जी से कुछ न कुछ बोलना शुरू कर देते हैं।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, क्या मैं आपसे पूछकर बोलूंगा।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, जिस दिन मैं आपका क्वैश्चन लगाऊंगा उस दिन आपको बहुत तकलीफ होगी।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, हां आप क्वैश्चन लगाइए, किसने रोका है? (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, वह सवाल जिस दिन लगाऊंगा, उस दिन बहुत तकलीफ होगी।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, आप जो मर्जी सवाल लगवाइए।(विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, कोई सदस्य चेयर के साथ इतनी बहस करें तो मैं मानता हूं कि यह पूरे सदन की ही एक प्रकार से अवमानना मानी जानी चाहिए। ये बहस का विषय कभी नहीं होना चाहिए। सदन की बात का एक तरह से मर्यादापूर्वक पालन किया जाना चाहिए। इसे बहस का विषय कभी नहीं बनाना चाहिए। अगर इसके बाद ये आगे होता है तो इसका संज्ञान लेना चाहिए।

श्री अभय सिंह चौटालाः चेयर पर बैठे पर्सन को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि अगर मैम्बर किसी मिनिस्टर से कोई सप्लीमैंट्री पूछें तो वह उस मैम्बर

का पक्ष ले न कि मंत्री का पक्ष लेना चाहिए। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, मैं किसी का पक्ष नहीं लेता हूं। मैं न तो मंत्री का पक्ष लेता हूं और न ही मैम्बर का पक्ष लेता हूं। मैं निष्पक्ष रूप से जो सदन की कार्यवाही होनी चाहिए वही करता हूं।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, जिस दिन आप निष्पक्ष हो जाएंगे उस दिन मैं आपकी बहुत बढ़ाई करूंगा।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, फिर से आप मेरे ऊपर आरोप लगा रहे हैं कि मैं निष्पक्ष नहीं हूं।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, आप निष्पक्ष नहीं हैं।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, मैं निष्पक्षता से काम कर रहा हूं।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, आप निष्पक्षता से बिल्कुल काम नहीं करते हैं।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, मैं निष्पक्षता से काम करता हूं। आप अपने शब्द वापस लीजिए।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, मैं अपने शब्द वापस नहीं ले रहा हूं।

श्री अध्यक्षः विधायक जी, अगर आप अपने शब्द वापस नहीं लेते हैं तो आप सदन से बाहर जाइए।

श्री अभय सिंह चौटाला : आप मुझे ये भी नहीं कह सकते कि बाहर जाईये। आप यह कह सकते हैं कि मैं आपको "नेम" करता हूं।

श्री अध्यक्ष : मैं आपको "नेम" कर रहा हूं। (विघ्न) मैं अभय सिंह चौटाला को "नेम" कर रहा हूं। (विघ्न) अभय जी, आप सदन से बाहर जाईये। (विघ्न) अभय जी, आपको मैंने "नेम" किया है, आप सदन से बाहर चले जाईये। (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : मुझे यह तो बताया जाये कि मुझे बाहर जाने के लिए क्यों कहा जा रहा है?

श्री अध्यक्ष : जिस प्रकार का आपका व्यवहार है। आपके व्यवहार को लेकर के ये बताने की जरूरत नहीं है मुझे। जो आपका व्यवहार है उसके कारण मैं आपको "नेम" कर रहा हूं। (विघ्न) जो आप एलीगेशन लगा रहे हैं बार–बार कि तकलीफ होती है, निष्पक्ष नहीं हैं। (विघ्न) मैंने आपको "नेम" किया है। (विघ्न) कोई जरूरत नहीं है बताने की। (विघ्न) बताने की आवश्यकता नहीं है। आप बाहर चलिए। (विघ्न) हां, मैंने कहा है कि आपका व्यवहार ठीक नहीं है। मैंने आज के दिन के

लिए आपको "नेम" किया है। (विघ्न) आप बाहर चलिए। मैंने आपको आदेश दिया है। मैंने एक विधान सभा का अध्यक्ष होने के नाते आपसे कहा है कि आप सदन से बाहर जाईये। (विघ्न) हां, मैंने आपको बताया है कि आपका व्यवहार ठीक नहीं है, सदन की मर्यादा के अनुसार नहीं है। (विघ्न) सदन की मर्यादा के अनुसार नहीं हैं। (विघ्न) आप क्वैश्चन ऑवर के दौरान सप्लीमैंट्री पूछ सकते हैं लेकिन स्पीकर के साथ बहस नहीं कर सकते। मैंने आपको "नेम" किया है चलिए बाहर निकलिए। (विघ्न) प्लीज, मैं आपसे रिक्वैस्ट कर रहा हूं कि आप सदन से बाहर चलिए। चलिए, बाहर चलिए। (विघ्न) गोगी जी, प्लीज आप इनको रास्ता दे दीजिए। (विघ्न)

(इस समय श्री अभय सिंह चौटाला अध्यक्ष महोदय से तर्क–वितर्क करते हुए स्वयं ही सदन से बाहर चले गए।)

————————

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम)

नई सड़क का निर्माण करना

***68. श्री घनश्याम दास अरोड़ा:** अध्यक्ष महोदय, **क्या उप-मुख्यमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः-**

(क) क्या यमुनानगर से कैम्प के समीप वाया लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह से होते हुए बेहतर कनैक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 344 (पंचकुला कलानौर) तक एक नई सड़क का निर्माण करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; तथा

(ख) यदि हां, तो उक्त सड़क के कब तक निर्मित किए जाने की संभावना है ?

Deputy Chief Minister (Shri Dushyant Chautala): No Sir, there is no such proposal under consideration of the government.

श्री घनश्याम दास अरोड़ा : मान्यवर अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से उप मुख्यमंत्री जी को यमुनानगर की ट्रैफिक की समस्या से अवगत करवाना चाहूंगा। यमुनानगर से जब हम बस स्टैण्ड के करीब से होते हुए कैम्प के पास से जाते हैं तो वहां पर एक तिराहा है। उस तिराहे से एक सड़क सहारनपुर की ओर जाती है और एक सड़क करनाल–कुरूक्षेत्र की ओर जाती है। जब हम सहारनपुर की ओर जाते हैं तो वहां पर बहुत बड़ी बॉटल–नैक है। उस सड़क पर ट्रक–अड्डा है। जब हम करनाल की ओर जाते हैं तो बहुत थिक्कली पापूलेटिड एरिया है। जिसकी वजह से वहां से निकलने में बहुत ज्यादा समय लगता है और दुर्घटनाएं

भी होती हैं। सरकार की एक योजना है कि हर शहर की कनैक्टिविटी अच्छी होनी चाहिए और उस कनैक्टिविटी को सुंदर व बढ़िया बनाने के लिए बाई–पास भी बनाये जा रहे हैं, रिंग रोड भी बनाई जा रही है ताकि शहर के ऊपर जहां थिक्कली पापूलेटिड एरिया है, जहां घनी आबादी है वहां पर यातायात के दबाव को कम किया जा सके इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय उप मुख्यमंत्री जी को यह निवेदन करना चाहता हूं कि यह समय की आवश्यकता है और इस चार मार्गी सड़क के बन जाने से पंचकूला–कलानौर नैशनल हाईवे से यमुनानगर को सीधी कनैक्टिविटी मिल जायेगी। इसी सड़क पर नया मैडीकल कॉलेज बनना प्रस्तावित है इसलिए कृपया इसके ऊपर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए यमुनानगर के निवासियों को आज ये एक तोहफा, एक गिफ्ट देने की घोषणा करने की मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन कर रहा हूं। अगर यह कार्य हो जाता है तो यमुनानगर के निवासियों के लिए एक बहुत अच्छी बात होगी।

श्री दुष्यंत चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने लिंक रोड की बात कही है उसका अगर हम कुल एरियल डिस्टैंस माने तो वह .57 किलोमीटर है। उसका ऑल्टरनेट रास्ता आज भी अवेलेबल है जो कि .73 किलोमीटर में आज भी कवर–अप हो जाता है मगर यमुनानगर में ट्रैफिक का कंजैशन डे–बाय–डे बढ़ता जा रहा है। हमने तीनों सड़कों क्रमशः सहारनपुर–कुरूक्षेत्र रोड को, कुरूक्षेत्र–खजूरी–जठलाना रोड और कलानौर–कैल रोड गुरूद्वारा तक इत्यादि के ऊपर ऑलरेडी रिपेयर वर्क शुरू कर दिया है। इनका टैण्डर अण्डर प्रोसैस है। यह जल्द कम्पलीट हो जायेगा। जिस पैच की माननीय सदस्य ने बात की है कि जो हाईवे से कैम्प वाया पी.डब्ल्यू.डी. रैस्ट हाऊस बनाया जाये, आज के दिन वहां पर कोई एग्जिस्टिंग रोड नहीं है और बीच में वैस्टर्न यमुना कैनाल भी आती है। उसके ऊपर भी हमें ब्रिज बनाना पड़ेगा। हम इस रोड के लिए जमीन की रिक्वीजिशन ई–भूमि पोर्टल पर डाल देंगे ताकि जल्दी से जल्दी हमें जमीन प्राप्त हो जाये। अगर माननीय सदस्य हमें इसके लिए लैंड अवेलेबल करवा देंगे तो सरकार इस मामले को जरूर टेक–अप करेगी।

श्री घनश्याम दास अरोड़ा : माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां पर सड़क नहीं है इसीलिए सड़क बनाने की आवश्यकता है। यदि वहां पर सड़क होती तो उसका सुदृढ़ीकरण व चौड़ा करके उस मार्ग से यमुनानगर को एक अच्छी कनैक्टिविटी दी जा सकती थी। प्रायः सारे देश में और हरियाणा में भी जहां सड़कें नहीं हैं वहां भी

नई फोरलेनिंग सड़कों का निर्माण हो रहा है। कुल मिलाकर मेरा यही कहना है कि समय की नजाकत को देखते हुए एवं यमुनानगर शहर की आवश्यकता को देखते हुए इस मार्ग का बनना बहुत ही ज्यादा जरूरी है। ऐसा मेरा व समस्त यमुनानगरवासियों का मानना है इसलिए इस सड़क के लिए जरूरी जमीन की रिक्वीजिशन को ई–भूमि पोर्टल पर डाल दिया जाये। इसमें बहुत से किसान इंवॉल्व होंगे। मेरा यही कहना है कि उनसे बातचीत करके सरकार इसका रास्ता निकाले और इस चार मार्गी सड़क का निर्माण किया जाये। अगर ऐसा होता है तो इससे यमुनानगर के लिए यातायात की एक बहुत अच्छी व्यवस्था दी जा सकेगी।

श्री दुष्यंत चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को जैसे मैंने पहले कहा कि जल्द हम इस सड़क के लिए जितनी जमीन की जरूरत होगी उसकी रिक्वीजिशन को ई–भूमि पोर्टल पर डलवा देंगे। अगर इनका और लोकल जनता का सहयोग रहेगा तो सरकार उसको प्रक्योर भी करेगी और जमीन को एक्वायर करने के बाद वहां पर फोरलेनिंग सड़क का निर्माण कार्य भी करवाया जायेगा। इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आज के दिन अर्बन एरिया में लैंड की अवेलेबिलिटी डे–बॉय–डे एक बहुत बड़ी प्रॉब्लम बनती जा रही है। इसके लिए जो लोकल जनता का सहयोग चाहिए होगा मैं चाहूंगा कि माननीय विधायक भी उसमें सरकार की मदद करें।

————————

गुलाबी कार्ड बनाने के लिए दिशानिर्देश

***69.श्री आफताब अहमद** : क्या उप मुख्यमंत्री कृपया यह बताएंगे कि -

(क) राज्य में उन परिवारों की कुल संख्या कितनी है जिन्हें परिवार पहचान पत्र के आधार पर राशन कार्ड बनने के पश्चात् दिसम्बर, 2022 में राशन कार्ड के कट जाने के कारण जनवरी, 2023 में राशन उपलब्ध नही कराया जा रहा है;

(ख) क्या यह तथ्य है कि बी.पी.एल. कार्ड बनाने के लिये रूपये 1,80,000 से कम आय होनी चाहिए; तथा

(ग) यदि हां, तो गुलाबी कार्ड बनाने के लिए दिशा-निर्देश क्या हैं तथा इस उद्देश्य के लिए निश्चित की गई आय क्या है?

Deputy Chief Minister (Shri Dushyant Chautala): Sir, the detailed reply is placed on the table of House.

Detailed Reply

(a) 8,41,817 ineligible families have not been provided ration for the month of January, 2023 due to discontinuation of their ration cards in December, 2022 as all these families have been found ineligible on the basis of the data provided by CRID. It is further submitted that ration has been allocated to 31.59 lakh BPL/AAY families for the month of January, 2023 as compared to 26.94 lakh families for the month of December, 2022.

(b) Yes, it is a fact that the income must be less than Rs.1.80 lakh per annum for making Priority Household (BPL) ration card. The eligibility criteria for identification/inclusion of a family as Priority Household (BPL household) in the State has been issued by the Rural Development Department and Urban Local Bodies, Haryana vide their notification dated 03.08.2022 and 31.08.2022 respectively and the beneficiaries are identified accordingly by CRID, Haryana.

(c) Pink cards/AAY have been issued to 3.02 lakh families, as fixed by the Government of India under the National Food Security Act, 2013 to the families who are at the bottom of the list of families having income less than 1.80 lakh per annum.

श्री आफताब अहमद : स्पीकर सर, यह एक बहुत ही गम्भीर मामला है। 8 लाख 41 हजार परिवार हैं जिनको जनवरी में राशन नहीं दिया गया। ये मेरे ख्याल से 35 प्रतिशत के करीब परिवार हैं जिनको परिवार पहचान पत्र के आईडैंटीफिकेशन के बाद राशन मिलना बंद हो गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहूंगा कि सी.एच.सी. द्वारा जो परिवार पहचान पत्र बनाकर/ वैरीफाई करके इंकम के नये क्राईटेरिया के अनुसार जिन पूर्व के पात्र परिवारों को राशन मिलने की सुविधा से वंचित कर दिया गया है क्या इनकी ग्रिवैंस की रिड्रैसल के लिए सरकार के स्तर पर कोई गम्भीर प्रयास हो रहे हैं? कुल मिलाकर मैं यही जानना चाहता हूं कि नई व्यवस्था में जो परिवार राशन की सुविधा से वंचित हो गये हैं उनको राहत देने के लिए सरकार के स्तर पर क्या कदम उठाये जा रहे हैं? मेरा दूसरा सप्लीमैंट्री यह है कि मंत्री जी ने जो तीन लाख दो हजार परिवारों के गुलाबी राशन कार्ड के बारे में बताया है उसके लिए क्या क्राईटेरिया है, क्या गाईडलाईन है कि नीचे से कितने तक के लोगों का यह गुलाबी कार्ड बनेगा और आज के दिन कितने परिवारों को गुलाबी कार्ड के तहत राशन दिया जा रहा है।

श्री दुष्यंत चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो जवाब मांगा था वह स्पैसिफिकली जनवरी के लिए था और जनवरी के अन्दर 8 लाख 41 हजार राशन कार्ड ऐसे थे जिनको हमारे पोर्टल के ऊपर रिविजन के लिए डाला गया था लेकिन उनको पी.पी.पी. वैरिफिकेशन प्रोपर नहीं हुआ। अब उनका रि–वैरिफिकेशन चल रहा है। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि मैंने पिछले सैशन में भी रिप्लाई किया था कि लगभग 9 लाख 62 हजार राशन कार्ड ऐसे थे जो कटे थे उनके बदले में 12 लाख 46 हजार 507 राशन कार्ड नये बने थे। हरियाणा प्रदेश में दिसम्बर से लेकर आज तक जहां पहले 26 लाख 94 हजार टोटल राशन कार्ड थे। 28 फरवरी का जो आंकड़ा है उसके अन्दर 32 लाख 88 हजार अर्थात लगभग 6 लाख के करीब परिवारों को हमने एड किया है और जिनके कटे हैं उनके परिवार पहचान पत्र की जैसे–जैसे रि–वैरिफिकेशन हुई है उसमें अगर उनको जनवरी का राशन नहीं मिला है तो उनको फरवरी में वह राशन एक्स्ट्रा दिया गया है। अगर किसी का वैलिड बनता था तो उनमें किसी का भी राशन सरकार द्वारा रोका नहीं गया है। वर्ष 2011 के आंकड़ों के अनुसार पी.पी.पी. की वैरिफिकेशन करी तो उसमें जो अबव पावर्टीलाईन आ गये उन लोगों के राशन कार्ड जरूर कटे हैं वह कटने भी चाहिएं क्योंकि बहुत से ऐसे डाटा आए जिसमें वर्ष 2011 के बाद एक परिवार में दो–दो सरकारी नौकरियां लग गई और वे आज भी बी.पी.एल. का बेनिफिट ले रहे थे। जो परिवार आज भी वंचित हैं जिनकी वैरिफिकेशन प्रोसैस रिविजन के अन्दर है उनको सरकार जैसे–जैसे रिवाईज कर रही है। उनके राशन के बेनिफिट्स को भी साथ ही साथ वापिस कर रही है। उनमें 3 लाख के आस पास जो इंकम टैक्स रिटर्न फाईलर मिले हैं उनके कार्ड कटे हैं।

श्री आफताब अहमद : अध्यक्ष महोदय, मेरा स्पैसिफिक सवाल था कि परिवार पहचान पत्र के बाद कितनी ग्रिवैंसिज आई हैं जो राशन कार्ड से वंचित हुए हैं। इनको वैरिफाई करने का मैकेनिजम क्या है? क्या उसकी कोई समय सीमा है कि इतने समय में उनको वैरिफाई करके बेनिफिट दे दिया जाएगा। अब जैसे एक परिवार के दो–दो हिस्से करके लोगों ने राशन कार्ड बनवाए हैं। उसमें परिवार तो बढ़ गये हैं लेकिन जिनके राशन कार्ड कटे हैं वह संख्या अभी भी ज्यादा है। मंत्री जी कह रहे हैं कि हमने जनवरी और फरवरी में ऐसे परिवारों को राशन ज्यादा दिया है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं इसमें कितनी ग्रिवैंसिज आई हैं। क्या कोई प्रोविजन है कि जितनी ग्रिवैंसिज आई हैं उनका क्या

निवारण किया गया है जिससे कि गरीबों को राशन मिल सके। मेरा तो मंत्री जी से यही सवाल है कि गरीबों को राशन मिलना चाहिए। परिवार पहचान पत्र की वजह से वह राशन कटना नहीं चाहिए।

श्री दुष्यंत चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जहां रिविजन की बात है, रिविजन एक प्रोएक्टिव अप इन नेचर है क्योंकि पहले वर्ष 2011 की जनसंख्या के आंकड़ों के हिसाब से राशन कार्ड की वैरिफिकेशन होती थी और यह काम दो विभाग करते थे। शहर में अर्बन लोकल बोडीज विभाग करता था और गांव में रूरल डिवैल्पमैंट विभाग करता था। अब क्रीड के अन्दर इंकम टैक्स से लेकर ई.एस.आई., ई.पी.एफ. और उनके खुद की जो फसल बेचते हैं, उससे भी रिविजन डे बाई डे हो रही है। जहां माननीय सदस्य ने पूछा है कि कितनी ग्रिवैंसिज आई हैं। मैं उनको बताना चाहता हूं कि आज तक क्रिड के पोर्टल पर टोटल 2 लाख 46 हजार ग्रिवैंसिज अपलोड की गई हैं जिसके अन्दर 1 लाख 30 हजार नये लाभार्थी एड हो चुके हैं और आज के दिन 48 हजार अप्लीकेशंज पैंडिंग हैं जिनको हम अगले 30 दिनों के अन्दर वैरिफाई करने का काम करेंगे। इसके अलावा और भी जो ग्रिवैंसिज आएंगी उन पर भी कार्रवाई करने का काम किया जायेगा। हमारा सिस्टम है कि 30 दिन के अन्दर वैरिफाई करने का काम किया जाता है और जो वैलिड हैं, उनको राशन की सुविधा देने का काम किया जाता है और जो इन्वैलिड है उनकी राशन की सुविधा को रोकने का काम किया जा रहा है।

श्री आफताब अहमद : अध्यक्ष महोदय, मुझे मेरे सवाल का पूरा जवाब नहीं मिला है। मैंने तो यह सवाल पूछा था कि गुलाबी कार्ड के लिए क्या स्पष्ट गाइडलाईन हैं उस बात का तो कहीं कोई जिक्र ही नहीं आया।

श्री दुष्यंत चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जहां गुलाबी राशन कार्ड की बात है वह गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया की तरफ से स्टेट ऑफ हरियाणा को स्पैसिफिक गाईडलाईन्ज दी गई हैं कि स्टेट ऑफ हरियाणा 3 लाख 2 हजार परिवारों के गुलाबी राशन कार्ड बना सकती है। हमारे क्रिड वैरिफिकेशन में जो भी लोवैस्ट 3 लाख 2 हजार परिवार होंगे उनके गुलाबी राशन कार्ड बनेंगे।

श्री आफताब अहमदः अध्यक्ष महोदय, जो वंचित रह गये हैं, उनका क्या होगा? क्या संबंधित पोर्टल चालू रहेगा?

श्री अध्यक्षः आफताब जी, पोर्टल कभी बंद नहीं होता है।

श्री दुष्यंत चौटालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य किसी भी प्रकार की चिंता न करे।

श्री बलराज कुण्डूः अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि मदीना गांव के श्री राजकरण दांगी दोनों पैरों से अपंग हैं। उसके घर में एक बच्चा है और उसकी विधवा भाभी मजदूरी का काम करती है। उसकी आय 5 लाख रुपये दिखा रखी है। उसका पीला राशन कार्ड कट गया है और पेंशन भी नहीं मिल रही है।

श्री दुष्यंत चौटालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य उसकी पी.पी.पी. आई.डी. मुझे दे दें, 24 घंटे के अंदर उसकी वैरीफिकेशन करवा देंगे।

श्री बलराज कुण्डूः अध्यक्ष महोदय, मैंने संबंधित व्यक्ति की वीडियो माननीय उप मुख्यमंत्री के व्हाट्सएप नम्बर पर भेज दी है।

———————————

रिक्त पदों की संख्या

***70. श्री शमशेर सिंह गोगी :** क्या सहकारिता मंत्री कृपया बताएंगे किः–

(क) फरवरी, 2023 के अनुसार राज्य के सहकारिता बैंकों में अपेक्षित अमले की जिलावार संख्या कितनी है; तथा उसका ब्यौरा क्या; तथा

(ख) फरवरी, 2023 के अनुसार राज्य के सहकारिता बैंकों में स्वीकृत पदों में से रिक्त पड़े पदों की कुल संख्या कितनी है तथा उक्त पदों के कब तक भरे जाने की संभावना है तथा उसका ब्यौरा क्या है?

सहकारिता मंत्री (डॉ. बनवारी लाल) : अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न का जवाब 'क' और 'ख' में देते हुए अपेक्षित सूचना अनुलग्नक के साथ सभा पटल पर इस प्रकार रखी जाती हैः–

सूचना

... सूचना अनुलग्नक 'ए' के साथ सभा पटल पर रखी जाती है (अनुलग्नक 'ए' संलग्न है)

अनुलग्नक 'ए'

फरवरी 2023 को राज्य के सहकारी बैंकों (DCCBs) में जिलेवार कर्मचारी

क्रम संख्या	ज़िला	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	अम्बाला	242	16	226
2	भिवानी	298	51	247
3	फरीदाबाद	227	18	209
4	फतेहाबाद	202	41	161
5	गुरुग्राम	250	42	208
6	हिसार	353	76	277
7	झज्जर	176	38	138
8	जींद	245	42	203
9	कैथल	261	41	220
10	कुरुक्षेत्र	235	42	193
11	करनाल	332	58	274
12	महेन्द्रगढ़	184	32	152
13	पंचकूला	114	17	97
14	पानीपत	193	37	156
15	रेवाड़ी	194	45	149
16	रोहतक	199	23	176
17	सिरसा	358	65	293
18	सोनीपत	297	30	267
19	यमुनानगर	248	27	221
	कुल	**4608**	**741**	**3867**

हरियाणा राज्य सहकारी एपेक्स बैंक लिमिटेड, चंडीगढ़।

स्वीकृत पद	**स्टाफ की मौजूदा संख्या**	**रिक्त पदों की संख्या**
593	211 (3 पद ह्रासमान संवर्ग में हैं और वर्तमान में स्थिति में है)	385

रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

(अनुलग्नक 'ए' संलग्न है)

फरवरी 2023 को राज्य के सहकारी बैंकों (DPCARDBS) में जिलेवार कर्मचारी

क्रम संख्या	ज़िला	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
1	अम्बाला	60	14	46
2	पंचकूला	16	2	14
3	यमुनानगर	81	13	68
4	कुरुक्षेत्र	74	21	53
5	करनाल	132	31	101
6	कैथल	88	22	66
7	पानीपत	59	11	48
8	सोनीपत	93	36	57
9	रोहतक	55	17	38
10	जींद	109	47	62
11	भिवानी	191	56	135
12	गुरुग्राम	141	38	103
13	झज्जर	80	13	67
14	फरीदाबाद	119	28	91
15	रेवाड़ी	66	16	50
16	महेन्द्रगढ़	144	49	95
17	हिसार	99	36	63
18	फतेहाबाद	83	30	53
19	सिरसा	109	32	77
	योग	**1799**	**512**	**1287**

हरियाणा राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक लिमिटेड, पंचकूला (मुख्यालय) में 01.02.2023 को पदों की संख्या:

विवरण	मुख्यालय कैडर
स्वीकृत पद	232*
स्टाफ की मौजूदा संख्या	56
रिक्त पदों की संख्या	176*

इसके अलावा, बैंक की समग्र कमजोर वित्तीय स्थिति के कारण, बैंक में नई भर्ती का कोई प्रस्ताव नहीं है।

श्री शमशेर सिंह गोगी: अध्यक्ष महोदय, मैंने यह सवाल यह सोच कर लगाया था कि कोओपरेटिव महकमे में कितनी इम्प्रूवमैंट हुई है ताकि उसकी वास्तविकता का इस सदन को पता चल सके। माननीय मंत्री जी स्वयं पोर्टल पर देखेंगे कि पंचकुला में 114 स्वीकृत पदों में से केवल 17 ही भरे हुए हैं। पूरे स्टेट में 4608 स्वीकृत पदों में से 741 पद भरे हुए हैं और 3867 रिक्त पद पड़े हुए हैं। लैंड

मोरगेज बैंक में 1799 स्वीकृत पदों में से 1287 पद रिक्त पड़े हुए हैं। केवल 512 कर्मचारी ही काम कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, कहीं ऐसा तो नहीं कि सरकार की कोई साजिश के तहत यह महकमा बंद करने की नीति चल रही हो। अध्यक्ष महोदय, चण्डीगढ़ में स्थित बैंक की भी वही स्थिति है। वहां पर भी 593 स्वीकृत पदों में से केवल 211 पदों पर कर्मचारी काम कर रहे हैं। पूरे हरियाणा में गनमैन के पद पर केवल 7 ही कर्मचारी इस समय अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यदि कहीं सिक्योरिटी में कोई लापरवाही हो गई तो, उसके लिये जिम्मेवार कौन होगा? इसी तरह से पियन के पदों के बारे में यही स्थिति है। मुझे लगता है कि महकमा, कोरोना से ग्रसित होकर वैंटिलेटर पर चला गया है। पैक्स बैंक में पिछले 5 साल में कोई भी काम नहीं हुआ है। बड़े दुख की बात यह है कि नई भर्ती करने का सरकार के पास कोई प्रस्ताव ही नहीं है। इसका मतलब यह है कि इस सदन को यह मान लेना चाहिये कि कोओपरेटिव महकमा बंद होने जा रहा है। माननीय मंत्री जी का इस संबंध में कोई ठोस जवाब नहीं दे रहे हैं। यदि महकमे पर इतना बड़ा बजट खर्च हो रहा है तो इस महकमे को ही बंद कर देना चाहिये।

डॉ. बनवारी लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने ठीक कहा कि महकमे में काफी पद रिक्त पड़े हुए हैं, मेरा इसके संदर्भ में यह कहना है कि दिनांक 14.08.2019 को डिपार्टमैंट के प्रयासों से 978 पदों का विज्ञापन निकला था लेकिन उसमें कोर्ट केस हो गया। कोर्ट केस होने के बाद इस भर्ती पर रोक लग गई। स्टाफ की कमी को देखते हुए 2060 कर्मचारी कांट्रैक्चुअल पर भी लगाये हुए हैं। इनमें से 60 कर्मचारी हैड क्वार्टर पर लगाये हैं, शेष डी.सी.सी.बी. (डिस्ट्रिक्ट सैंट्रल कोओपरेटिव बैंक) में लगाये हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक माननीय सदस्य महकमे को बंद करने की बात कह रहे हैं, ऐसा कुछ नहीं है। राज्य कृषि और ग्रामीण विकास बैंक में बिजनेस के हिसाब से हमारा स्टाफ पूरा है और इसके अंदर नई भर्ती करने का भी कोई प्रस्ताव नहीं है।

श्री शमशेर सिंह गोगीः अध्यक्ष महोदय, मैं तो लिखा हुआ पढ़ रहा हूँ कि लैंड मोरगेज बैंक के हैड क्वार्टर में 232 स्वीकृत पदों में से केवल 56 पद भरे हुए हैं जो पूरा स्टेट चला रहे हैं। इतने कम कर्मचारियों से बैंक की क्या रिकवरी होती होगी, क्या लोन होते होंगे और क्या किसानों को फायदा होता होगा? बजट में भी इसका कोई जिक्र नहीं किया गया है। बजट में लिखा गया है कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) की जमीन को भंडारण के लिये लिया जायेगा, लेकिन पैक्स के

पास इतनी जमीन कहां हैं? पंचायतों ने जमीन दे रखी हैं, कहां पर भंडारण बनायेंगे? इस संबंध में टोटली ही लीपापोती हो रही है। अध्यक्ष महोदय, कोओपरेटिव महकमा गरीब और आम जनता की रीढ़ की हड्डी होती है, यदि यह महकमा बंद हो जायेगा तो सब चीजें खत्म हो जायेंगी। आज किसानों को जो खाद नहीं मिल रही है, वह भी इसी षड़यंत्र का हिस्सा है। मुझे सदन से पूरी उम्मीद है कि इसमें कुछ न कुछ सुधार जरूर किया जायेगा।

डॉ. बनवारी लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक पैक्स की बात है, हमारे संबंधित केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि हर गांव में पैक्स बैंक खोले जायें। इसके लिये रिस्ट्रक्चरिंग का कार्य चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, रिस्ट्रक्चरिंग के साथ–साथ जो स्टाफ की रिक्वॉयरमैंट होगी उसके हिसाब से डी.सी.सी.बी. और हरको बैंक में भर्ती करेंगे। इस कम्पलीट प्रोसैसे में लगभग एक–डेढ़ साल का समय लगेगा।

श्री शमशेर सिंह गोगीः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी बड़े समझदार और पढ़े–लिखे हैं और मैं इनसे उम्मीद भी करता हूँ कि जो माननीय मंत्री जी केन्द्रीय गृह मंत्री जी का नाम ले रहे हैं, उनकी स्टेट में कोओपरेटिव महकमा बहुत ही बढ़िया तरीके से काम कर रहा है। वे उनसे ही कुछ सीख ले।

12:00

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल समाप्त होता है।

————————————

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

बंद की गई बुढ़ापा पैंशनों की संख्या

***71. श्री नीरज शर्मा** : अध्यक्ष महोदय, क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे किः–

(क) 1 जुलाई, 2022 से आज तक परिवार पहचान पत्र/फैमिली आईडेंटिटी कार्ड से बनी बुढ़ापा पैंशन की संख्या कितनी है; तथा

(ख) दस्तावेज क्या है जिनके आधार पर परिवार पहचान पत्र/ फैमिली आईडेंटिटी कार्ड से पहले बुढ़ापा पैंशन बनाई गई थी तथा वे दस्तावेज क्या है जिनके आधार पर परिवार पहचान पत्र से पहले आयु सत्यापित की गई थी तथा उस अधिकारी का नाम क्या है जिसने आयु सत्यापित की थी;

(ग) प्रक्रिया क्या है जिससे परिवार पहचान पत्र से बुढ़ापा पैंशन बनाने के लिए अपनाया जा रहा है तथा दस्तावेज क्या है जिनके आधार पर आयु सत्यापित की जा रही है तथा उसका ब्यौरा क्या है; तथा

(घ) परिवार पहचान पत्र द्वारा बंद हुई बुढ़ापा पैंशनों का जिलावार ब्यौरा क्या है तथा आधार क्या हैं जिससे उक्त पैंशनों को बंद किया गया तथा उसका ब्यौरा क्या है?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय,

(क) परिवार पहचान पत्र अनुसार लाभार्थियों की सहमति उपरान्त सक्रिय आधार पर 1 जुलाई, 2022 से अब तक (अर्थात् 13.03.2023) कुल 39,175 वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत की गई है

(ख) इस संबंध में, यह लिखा जाता है कि:– परिवार पहचान पत्र की शुरूआत से पूर्व वृद्धावस्था पेंशन कि स्वीकृति निम्नलिखित दस्तावेजों के आधार पर की जाती थी:–

1. आवेदक का 15 वर्ष से अधिक की अवधि का हरियाणा राज्य का निवासी होने का दस्तावेजों जैसे की– राशनकार्ड, मतदाता पहचान पत्र, मतदाता सूची, पैनकार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, पासपोर्ट, बिजली/पानी के लिए बिल मकान अथवा जमीन के कागजात/एल0आई0सी0 पोलिसी/ मकान किराये के संबंध में पंजीकृत डीड या स्थाई निवासी प्रामण पत्र इत्यादि में से आवेदक से उसके डोमिसाईल (Domicile) साबित करने के लिए कोई भी दस्तावेज लिया जाना है ।
2. पुरूष/स्त्री की सभी स्त्रोतो से उसका/उसकी या पत्नी/पति दोनो की आय मिलाकर रू0 2,00,000 प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
3. स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म तिथि प्रामण पत्र /स्कूल प्रामण पत्र/ दिनांक 16.06.2016 से पूर्व जारी किया गया ड्राईविंग लाईसेंस/पासपोर्ट/वर्ष 2005 या इससे पूर्व जारी किया गया स्वयं का फोटोयुक्त पैन कार्ड/ मतदाता पहचान पत्र/फोटोयुक्त मतदाता सूचि में से आवेदक अपनी आयु के आंकलन हेतू कोई एक दस्तावेज उपलब्ध करवा सकता है।

   यदि आवेदक के पास उक्त दस्तावेज उपलब्ध नहीं है या फिर आवेदक

की आयु में संदेह है तो संतान की 40 वर्ष की आयु का स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म तिथि प्रमाण पत्र/स्कूल प्रमाण पत्र भी स्वीकार्य है। विद्यालय छोड़ने का प्रामण पत्र अथवा स्कूल द्वारा साधारण कागज पर दर्ज की गई जन्मतिथि को मान्य नहीं माना जाये।

यदि प्रार्थी द्वारा आयु के संबंध में उपलब्ध करवाये गये दस्तावेज़ में दर्शाई गई आयु या दस्तावेज के संबंध में जिला समाज कल्याण अधिकारी को किसी स्तर पर भी संदेह होता है तो वह प्रार्थी से उसकी आयु के संबंध में निर्धारित कोई अन्य दस्तावेज भी मांग सकता है।

अविवाहित/संतानहीन आवेदक, यदि उसके पास अपनी जन्मतिथि से संबंधित उपरोक्त वर्णित में से काई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं है तो उस स्थिति में संबंधित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा प्रार्थी की आयु के आंकलन हेतू मामला जिला के सिविल अस्पताल में गठित दो डाक्टरों की टीम को भिजवाया जायेगा।

वृद्धावस्था पेंशन की स्वीकृति से सभी आवश्यक दस्तावेज को संबंधित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सत्यापित किया जाता था। सक्रिय लाभ वितरण शुरू करने उपरान्त अब इन दस्तावेजों की आवश्यकता नहीं है, इस प्रक्रिया को सरल बना दिया गया है।

(ग) परिवार पहचान पत्र (पी0पी0पी0) के माध्यम से वृद्धावस्था सम्मान भत्ता की सक्रिय सेवा वितरण के लिए अपनाई जाने वाली मानक संचालन प्रक्रिया (एस0ओ0पी0)/प्रक्रिया नागरिक संसाधन सूचना विभाग (क्रीड) से संबंधित अनुलग्नक–1 पर संलग्न है।

पी0पी0पी0 में आयु के प्रमाण के लिए निम्नलिखित दस्तावेज नागरिक संसाधन सूचना विभाग (क्रीड) द्वारा स्वीकार किए जाते हैः–

1. जन्म प्रमाण पत्र
2. स्कूल छोडने का प्रामण पत्र स्कूल रिकॉर्ड के साथ नाम दिखा रहा हो।
3. मेट्रीक प्रमाण पत्र।
4. 2017 को या उससे पहले जारी किया गया वोटर आई0डी0 कार्ड।

(घ)परिवार पहचान पत्र के डाटा के आधार पर कुल 22,198 लाभाथियों की वृद्धावस्था पेंशन अभी भी स्थगित है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित

जाति और पिछडा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा), विभाग से संबंधित जिलावार विवरण दिनांक 13.03.2023 की स्थिति अनुसार अनुलग्नक–2 पर संलग्न है।

अनुलग्नक–1

हरियाणा सरकार

एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया)

(वृद्धावस्था सम्मान भत्ता के सक्रिय सेवा वितरण के लिए)

08 जून 2022

परिवार पहचान पत्र

नागरिक संसाधन सूचना विभाग

हरियाणा सरकार

वृद्धावस्था सम्मान भत्ता के सक्रिय सेवा वितरण के लिए एसओपी

क. उद्देश्य: परिवार पहचान पत्र के माध्यम से वृद्धावस्था सम्मान भत्ता के सक्रिय सेवा वितरण के लिए इस प्रक्रिया का पालन किया जाएगा

बी. हितधारक :प्रक्रिया के लिए प्रमुख हितधारक निम्नलिखित हैं:

क्र.सं	हितधारक का नाम	प्रकार
1	क्रीड	मालिक
2	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हरियाणा	हितधारक

सी. प्रक्रिया:

क्र.सं	विवरण	ज़िम्मेदारी
	पात्र लाभार्थियों की छंटनी	
1	प्रत्येक माह के पहले दिन, एफआईडीआर ऐसे सभी नागरिकों की पहचान करेगा: • जो FIDR में मौजूद उनके डेटा के अनुसार अगले 3 महीनों में 60 साल की उम्र के हो रहे हैं। • जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है और जो या तो वृद्धावस्था सम्मान भत्ता के सक्रिय लाभार्थी नहीं हैं या जिन्होंने सरकार से भत्ता प्राप्त करने से इनकार नहीं किया है।	क्रीड
2	चरण 1 में पहचाने गए सभी नागरिकों के लिए, उनकी पारिवारिक आय और आयु का डेटा, जो भी FIDR में "सत्यापित नहीं" है, को निम्नलिखित प्रक्रिया के अनुसार सत्यापन के लिए धकेला जाएगा: • आयु सत्यापित नहीं होने की स्थिति में, नागरिक विवरण सत्यापन के लिए नागरिक की संबंधित स्थानीय समिति की टीम लीड को भेज दिया जाता है। टीम लीड नागरिक द्वारा प्रदान किए गए दस्तावेजी प्रमाण के माध्यम से नागरिक की आयु का सत्यापन करती है और उसे DOB सत्यापन ऐप पर अपलोड करती है। • अगर आय सत्यापित नहीं है, तो परिवार के डेटा को सत्यापन के लिए नागरिक की संबंधित स्थानीय समिति को भेज दिया जाता है। पारिवारिक आय, जैसा कि एफआईडीआर के आधार पर निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से गणना की जाती है, स्थानीय समिति के सदस्यों से प्राप्त इनपुट को एफआईडीआर में सत्यापित आय के रूप में चिह्नित किया जाता है।	क्रीड
3	ऐसे सभी शॉर्टलिस्ट किए गए नागरिकों से संबंधित डेटा जिनकी जन्मतिथि और आय FIDR में "सत्यापित" हैं, उन्हें एपीआई आधारित तंत्र के माध्यम से सामाजिक न्याय विभाग के साथ साझा किया जाएगा।	क्रीड
4	सामाजिक न्याय विभाग यह जांच करेगा कि नागरिक अपने डेटाबेस में वृद्धावस्था सम्मान भत्ता के निष्क्रिय लाभार्थी के रूप में पहले से मौजूद है या नहीं। यदि लाभार्थी निष्क्रिय पाया जाता है, तो उसका भत्ता चालू माह से फिर से शुरू किया जाएगा और लाभार्थी को सक्रिय के रूप में चिह्नित किया जाएगा। संबंधित लाभार्थियों को उनके वृद्धावस्था सम्मान भत्ते की पुन: स्थापना के संबंध में एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाता है।	सामाजिक न्याय विभाग
5	शेष शॉर्टलिस्ट किए गए नागरिकों के लिए, विभाग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया (अधिमानतः ऑनलाइन) के अनुसार वृद्धावस्था सम्मान भत्ता के आवेदन के लिए नागरिकों की सहमति प्राप्त की जाएगी।	सामाजिक न्याय विभाग

क्र.सं	विवरण	ज़िम्मेदारी
	प्राप्त सभी सकारात्मक प्रतिक्रियाओं के लिए (जहां नागरिक भत्ता का विकल्प चुनते हैं), विभाग वृद्धावस्था सम्मान भत्ता में नए लाभार्थियों के पंजीकरण के लिए उनकी मौजूदा प्रक्रिया के अनुसार प्रक्रिया शुरू करेगा।	
6	चरण 5 में चुने गए नागरिकों के खिलाफ प्राप्त सभी प्रतिक्रियाओं को एपीआई आधारित तंत्र के माध्यम से एफआईडीआर के साथ साझा किया जाएगा। एफआईडीआर भविष्य में संदर्भ के लिए प्राप्त प्रतिक्रियाओं को चिन्हित करेगा।	क्रीड /सामाजिक न्याय विभाग
	अपात्र लाभार्थियों को चिह्नित करना	
7	प्रत्येक महीने के पहले दिन, FIDR में सभी सक्रिय वृद्धावस्था सम्मान भत्ता लाभार्थियों और उनके जीवनसाथी की "सत्यापित" आय की भी जाँच FIDR में करेगा।	क्रीड
8	यदि लाभार्थी और पति/पत्नी की "सत्यापित" आय रुपये से अधिक है। 2,00,000/-, FIDR ऐसे लाभार्थियों का डेटा विभाग के साथ साझा करेगा।	क्रीड
9	ऐसे सभी लाभार्थियों को विभाग के डेटाबेस में निष्क्रिय के रूप में चिह्नित किया जाएगा। ऐसे सभी लाभार्थियों का भत्ता निर्दिष्ट महीने से समाप्त कर दिया जाएगा और इसे एपीआई आधारित तंत्र के माध्यम से एफआईडीआर के साथ वापस साझा किया जाएगा।	सामाजिक न्याय विभाग

'अनुलग्नक–2''

दिनांक 13.03.2023 को रोकी गई वृद्धावस्था पेंशन का जिलेवार विवरण											
			रोकी गई पेंशन का विवरण/कारण								
			लाभार्थी या उसका पति/पत्नी सरकारी पेंशनर पाया गया			लाभार्थी या उसका पति/पत्नी पूर्व सैनिक पाया गया		परिवार पहचान पत्र अनुसार लाभार्थी और उसका पति/पत्नी की कुल आय निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई	लाभार्थी की शिनाख्त मृतक के रूप मे की गई		
क0 स0	जिला	रोकी गई कुल वृद्धावस्था पेंशन	जि0 स0 क0 अधिकारी अनुसार	परिवार पहचान पत्र अनुसार	परिवार पहचान पत्र अनुसार लाभार्थी या उसका पति/पत्नी सरकारी कर्मचारी पाया गया	जि0 स0 क0 अधिकारी अनुसार	परिवार पहचान पत्र अनुसार		सक्षम युवा द्वारा	आर0 जी0 आई0 द्वारा	परिवार पहचान पत्र अनुसार
1	अंबाला	668	1	85	4	0	6	391	2	29	150
2	भिवानी	871	0	69	0	0	0	379	238	19	166
3	चरखी दादरी	350	0	63	1	0	0	220	1	10	55

क्र.सं	विवरण								ज़िम्मेदारी		
4	फरीदाबाद	494	0	36	1	0	1	325	63	7	61
5	फतेहाबाद	923	1	38	1	1	1	734	4	24	119
6	गुरूग्राम	605	0	54	2	0	0	194	291	14	50
7	हिसार	1793	0	119	1	0	0	462	902	41	268
8	झज्जर	977	1	102	1	0	0	424	316	18	115
9	जींद	1809	1	96	2	0	0	476	1017	20	197
10	कैथल	1281	0	55	15	0	0	465	563	14	169
11	करनाल	903	3	126	7	0	2	656	0	16	93
12	कुरूक्षेत्र	1658	0	61	18	0	0	643	706	32	198
13	महेंद्रगढ़	624	1	99	1	12	0	389	0	20	102
14	मेवात	240	1	21	1	0	0	103	84	8	22
15	पलवल	356	0	73	11	0	0	221	0	10	41
16	पंचकूला	155	7	0	0	0	0	66	42	33	7
17	पानीपत	595	0	70	1	0	0	301	103	15	105
18	रेवाड़ी	509	0	75	3	0	0	310	53	17	51
19	रोहतक	1481	3	127	4	0	0	398	799	28	122
20	सिरसा	1221	0	35	0	2	0	903	138	31	112
21	सोनीपत	1985	0	149	6	0	0	535	1021	34	240
22	यमुनानगर	2700	0	77	2	239	560	411	1248	37	126
	कुल	**22198**	**19**	**1630**	**82**	**254**	**570**	**9006**	**7591**	**477**	**2569**

*जि0 स0 क0 अधिकारी :– जिला समाज कल्याण अधिकारी

*आर0 जी0 आई0 :– रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (जन्म तथा मृत्यु)

सड़क चौड़ी करना

*72. **श्री सीता राम यादव :** अध्यक्ष महोदय, क्या उप मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि अटेली विधानसभा निर्वाचनक्षेत्र में कनीना से कान्ती खेड़ी से राजस्थान सीमा तक की सड़क के 7 मीटर से 10 मीटर तक चौड़ी करने की वर्तमान स्थिति क्या है; यदि हां,तो उक्त सड़क के कब तक चौड़ा किए जाने की संभावना है**?**

उप-मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला): जी श्रीमान, अटेली विधानसभा क्षेत्र में नारनौल-रेवाड़ी रोड पर खेड़ी से राज्य सीमा तक सड़क हिस्से को

मजबूत करने के अलावा मौजूदा सड़क को 7 मीटर से 10 मीटर तक चौड़ा करने का प्रस्ताव है, जोकि एचएसआरडीसी द्वारा किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने डीपीआर तैयार करने के लिए प्रशासनिक स्वीकृति मई, 2022 में दे दी है जिसके उपरांत डीपीआर तैयार करने का कार्य कन्सल्टेंट को आवंटित किया जा चुका है। डीपीआर की स्वीकृति के बाद इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए सरकार द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जाएगी और इसके बाद यह काम शुरू कर दिया जाएगा।

नशा मुक्ति केंद्र खोलना

***73 श्री गोपाल कांडा :** अध्यक्ष महोदय, क्या स्वास्थ्यमंत्री कृपया बताएंगे किः–

(क) क्या यह तथ्य है कि वर्तमान में पंजाब में बढ़ रहे नशे ने सिरसा तथा साथ लगते अन्य जिलों को अपनी चपेट में ले लिया है जिसके परिणामस्वरूप दिन – प्रतिदिन युवा प्रभावित हो रहे हैं; तथा

(ख) क्या यह तथ्य है कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जनता दरबार, सी.डी.एल.यू. दिनांकित 18.09.2022 को सिरसा में एक बड़े स्तर पर नशामुक्ति केंद्र खोलने की घोषणा की गई है; तथा

(ग) क्या सिरसा के गांव फूलकां में पहले से निर्मित 80 कमरों के सरकारी भवन में नशामुक्ति केंद्र खोलने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है क्योंकि ऊपर वर्णित भाग 'ख' की घोषणा अनुसार 100 एकड़ की पंचायत भूमि भी उपलब्ध है तथा पंचायत भी उक्त उदेश्य के लिए इसे उपलब्ध कराने को तैयार है?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज): अध्यक्ष महोदय, एक कथन 'क, 'ख' तथा 'ग' भाग के रूप में सदन के पटल पर इस प्रकार से रखा गया हैः–

कथन

(क) जिला सिरसा एंव आस–पास के अन्य पड़ोसी जिलो के युवा नशीले पदार्थो से प्रभावित हो रहे है, परन्तु यह पड़ोसी राज्य पंजाब के कारण है इसकी पुष्टि

करने के लिए ऐसा कोई डाटा नहीं है। नागरिक हस्पताल सिरसा कि नशामुक्ति केन्द्र में आने वाले मरीजों की संख्या **पताका नं. 1** में सलंग्न है।

Annexure-1

Year wise OPD and IPD report of De-Addiction Centre, Civil Hospital, Sirsa

Sr. No.	Year	Total OPD	Total IPD
1	2018	18551	649
2	2019	28283	863
3	2020 (COVID YEAR)	21714	263
4	2021 (COVID YEAR)	19135	391
5	2022	31031	588
6	2023 till 15.3.2023	6771	111

15.3.23
Civil Surgeon
SIRSA

(ख) हां सर। दिनांक 18.09.2022 को चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू), सिरसा में आयोजित जनता दरबार के दौरान, माननीय मुख्यमंत्री ने घोषणा कोड संख्या – 26684 दिनांक 29.05.2022 द्वारा पूर्व में की गई नशा मुक्ति केंद्र खोलने की घोषणा की पुष्टि की।

(ग) हां सर। गांव फूलकां में खाली पड़े एक पुराने बहुमंजिला भवन में नशामुक्ति केंद्र खोलने का प्रस्ताव विचाराधीन है। 100 एकड़ पंचायत भूमि की उपलब्धता के संबंध में ग्राम फूलकां की ग्राम पंचायत द्वारा नशामुक्ति केन्द्र खोलने का कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया है।

————————————

ट्रांसफार्मरों को बदलना

***74 श्री इन्दु राज :** अध्यक्ष महोदय, क्या ऊर्जा मंत्री कृपया बताएंगे किः-

(क) पूरी गोहाना तहसील में निजी कम्पनियों की संख्या कितनी है जिन्हें कृषि के लिए नए कुनैक्शनों के ट्रांसफार्मर बदलने के लिए ठेके दिए गए हैं जब वे खराब हों तथा उन कम्पनियों के नाम क्या हैं;

(ख) क्या किसानों के खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने के लिए कोई समय सीमा निर्धारित की गई है; तथा

(ग) उक्त कम्पनियों द्वारा बदले गए ट्रांसफार्मरों की संख्या कितनी है तथा उन ट्रांसफार्मरों की संख्या कितनी है जिन्हें अभी तक नहीं बदला गया तथा इसके कारण क्या हैं तथा इन ट्रांसफार्मरों के कब तक बदलने की संभावना है?

ऊर्जा मंत्री (**श्री रणजीत सिंह**): अध्यक्ष महोदय,

(क) केवल एक फर्म यानी मैसर्ज श्री गोपीकृष्णा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद को ठेका दिया गया था।

(ख) हां श्रीमान, खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने की समय सीमा **45** दिन है।

(ग) फर्म ने **423** ट्रांसफार्मरों को बदल दिया है तथा शेष **44** ट्रांसफार्मरों को फर्म द्वारा **30.04.2023** तक या इससे पहले बदल दिया जाएगा।

मेट्रो ट्रेन सेवा आरम्भ करना

***75 श्री जयवीर सिंह** : अध्यक्ष महोदय, क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि आई.एम. टी. खरखौदा के लिए मेट्रो ट्रेन सेवा आरम्भ शुरू करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है?

मुख्यमंत्री (**श्री मनोहर लाल**): नही, श्रीमान् जी।

मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल के तहत पंजीकृत किसान

***76. श्री. वरुण चौधरी :** अध्यक्ष महोदय, क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृपया बताएंगे कि राज्य में मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल के अन्तर्गत पंजीकृत किसानों की संख्या कितनी है तथा उन किसानों की संख्या कितनी है जिनकी आय वर्ष **2017** से दोगुनी हुई है?

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल): अध्यक्ष महोदय, खरीफ **2020** से अब तक कुल **50,62,294** किसानों ने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत किसानों का सीजन वार विवरण निम्नानुसार है:

क्रम संख्या	सीजन	किसानों की संख्या
1.	खरीफ **2020**	**9,14,283**
2.	रबी **2020-21**	**9,38,195**
3.	खरीफ **2021**	**7,96,272**
4.	रबी **2021-22**	**8,94,515**
5.	खरीफ **2022**	**7,71,046**
6.	रबी **2022-23**	**7,47,983**
कुल		**50,62,294**

मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर किसानों की आय का विवरण एकत्र करने का कोई प्रावधान नहीं है।

सड़कों को चौड़ा करना तथा बाईपास का निर्माण करना

***77 श्रीमती गीता भुकक्ल :** अध्यक्ष महोदय, क्या उप- मुख्यमंत्री कृपया बतायेंगे कि झज्जर निर्वाचनक्षेत्र की निम्न सड़कों की वर्तमान स्थिति क्या है:-

(i) छुछकवास से बहु वाया मातनहेल सड़क को चौड़ा, सुदृढ़ एवं रिकॉर्पेटिंग करना;

(ii) मातनहेल से साल्हावास सड़क को चौड़ा व सुदृढ़ करना;

(iii) झज्जर शहर से छुछकवास तक सड़क वाया मरोट - ग्वालीसन; तथा

(iv) छुछकवास बाई - पास का निर्माण ?

उप मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला) : श्रीमान जी, सड़क अनुसार उत्तर सदन की मेज पर रखा गया है।

उत्तर

1. छुछकवास से बहु वाया मातनहेल सड़क की स्थिति अच्छी है। सरकार ने झज्जर जिले में छुछकवास-मातनहेल-बहू-करोली (सी. एम. बी. के.) सड़क

किमी 0.00 से 37.978 के पेव्ड शोल्डर के साथ 2 लेनिंग के सुधार के लिए 134.52 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति हरियाणा सरकार ने अतिरिक्त मुख्य सचिव चंडीगढ़ यादि क्रमांक 13/36/2019-2 बीएण्डआर)डब्लयू(दिनांक 26.11.2021 को प्रदान की है। स्थायी वित्त समिति-बी ने अपनी बैठक दिनांक 13.06.2022 में एनसीआरपीबी ऋण योजना के तहत इस परियोजना को मंजूरी दे दी है। प्रोजेक्ट स्वीकृति और निगरानी समूह- 1 (पी एस एम जी-1) नई दिल्ली के अनुमोदन के बाद काम शुरू किया जाएगा।

2. मातनहेल से साल्हावास वाया अकेहड़ी मदनपुर और लदैन सड़क की स्थिति यातायात योग्य है और जिसका रख-रखाव नियमित पैचवर्क के माध्यम से किया जा रहा है। हरियाणा सरकार ने अतिरिक्त मुख्य सचिव चंडीगढ़ यादि क्रमांक 09/266/2022-3 बीएण्डआर(डब्लयू) दिनांक 16.01.2023 द्वारा एन.सी.आर.पी.बी. ऋण सहायता योजना के तहत झज्जर जिले में 0.00 किमी से 19.00 किमी तक मातनहेल साल्हावास कोसली सड़क के चौड़ीकरण (7.00 मी0 से 10 मी0) के लिए 64.08 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। प्रोजेक्ट स्वीकृति और निगरानी समूह-1 (पी.एस.एम.जी.-1), एन.सी.आर.पी.बी, नई दिल्ली के अनुमोदन के बाद काम शुरू किया जाएगा।

3. झज्जर शहर से छुछकवास वाया मरोट-ग्वालीसन सड़क की स्थिति यातायात योग्य है और नियमित पैच वर्क के माध्यम से रखरखाव किया जा रहा है। वर्तमान में किमी 0.505 से 1.755 तक कार्य प्रगति पर है। छुछकवास वाया मरोट ग्वालीसन सड़क के सुधार की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन नाबार्ड आर. आई. डी. एफ - xxviii योजना के तहत 1721.06 लाख रुपये नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट के पत्र क्रमांक आर. ए. बी.एस. पी. डी. /2577/आर. आई. डी. एफ. Xxvii-2805 (हरियाणा)/114-

आई. एस. सी.- 201/2022-23 दिनांक 28.02.2023 स्वीकृत की गई है। । कच्चा अनुमानित लागत एच. ई. डब्ल्यू पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। सरकार से प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त होने के बाद इस पर कार्य किया जाएगा, जो की प्रक्रियाधीन है।

4. छुछकवास बाईपास का निर्माण मुख्यमंत्री की घोषणा संख्या 17895 दिनांक 14.12.2016 के आधीन है। प्रस्तावित बायपास की कुल लंबाई 3.651 किलोमीटर जिसमें दोनों तरफ 7.50 मीटर का कैरिजवे है। इस बायपास के लिए 2583.55 लाख रुपये की राशि की प्रशासनिक स्वीकृति सरकार द्वारा पत्र क्रमांक 09/382/2019-3 बी एण्ड आर (डब्ल्यू) दिनांक 04.06.2019 के तहत प्रदान की गई है। हाई पावर लैंड परचेज कमेटी (एचपीएलपीसी) द्वारा दिनांक 27.06.2022 को जमीन की खरीद की दरों को अंतिम रूप दे दिया गया है और जमीन की खरीद का काम चल रहा है। बाइपास निर्माण का कार्य भूमि क्रय पूर्ण होने के बाद किया जायेगा।

जल आपूर्ति पाइप-लाइन पर खर्च हुई कुल राशि

***78 श्री प्रदीप चौधरी :** अध्यक्ष महोदय, क्या जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कृपया बताएंगे कि क्या कालका विधानसभा निर्वाचनक्षेत्र के मोरनी खण्ड में गांव मटौर से गांव खेड़ा बागड़ की पानी की टंकी तक जल आपूर्ति पाइप-लाइन बिछाई गई है; यदि हां, तो सरकार द्वारा खर्च की गई कुल राशि कितनी है तथा इस योजना से लाभ लेने वाले व्यक्तियों की संख्या कितनी है ?

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री (डॉ0 बनवारी लाल) : हां श्रीमान्; कालका विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के गांव मटौर से गांव खेड़ा बागड़ की

पानी की टंकी तक जल आपूर्ति पाइप लाइन बिछाई जा चुकी है। कार्य को 27.08.2018 को पूरा व चालू कर दिया गया था। इस कार्य पर कुल 17.00 लाख रूपये की राशि खर्च की गई थी तथा इस कार्य से 256 व्यक्तियों को लाभ हुआ था।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए भूमि का अधिग्रहण करना

***79. डॉ0 कृष्ण लाल मिड्ढा** : अध्यक्ष महोदय, क्या उच्चतर शिक्षा मंत्री यह बताएंगे किः–

(क) क्या यह तथ्य है कि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के विस्तार के लिए 50 एकड़ भूमि का अधिग्रहण करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; तथा

(ख) यदि हां, तो उक्त भूमि के कब तक अधिगृहित किए जाने की संभावना है?

उच्चतर शिक्षा मंत्री (श्री मूल चंद शर्मा): अध्यक्ष महोदय, प्रश्न का जवाब दो भागों में दिया जा रहा हैः–

(क) चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के विस्तार के लिए 100 एकड़ भूमि के अधिग्रहण का प्रस्ताव चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद से प्राप्त हुआ है, जिसकी समीक्षा की जा रही है।

(ख) प्रश्न के इस भाग की प्रासंगिता नहीं है।

दमकल केन्द्र स्थापित करना

***80 श्री संजय सिंह** : क्या राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री कृपया बताएंगे कि:-

(क) क्या सोहना विधानसभा निर्वाचनक्षेत्र के तावडू क्षेत्र में दमकल केन्द्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है क्योंकि तावडू के समीप कोई भी अग्निशमन केन्द्र नहीं है तथा आग फैलने के दौरान नूंह या सोहना से दमकल के वाहनों को बुलाना पड़ता है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

उप मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला) :

(क) नहीं श्रीमान जी। एक दमकल केन्द्र तावडू में पहले से क्रियाशील है। दमकल केन्द्र, तावडू में 04 दमकल गाडियां व दमकल उपकरणों सहित 01 मोटर साइकिल

तैनात हैं। इसके अतिरिक्त नूंह, फिरोजपुर झिरका और पुन्हाना में भी तीन दमकल केन्द्र क्रियाशील हैं।

(ख) भाग (क) के उत्तर के मद्देनज़र प्रश्न नहीं उठता है।

————————————

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के संबंध में जानकारी

102. श्री वरुण चौधरी : क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएँगे कि –

(क) राज्य में मुख्यमंत्री परिवार उत्थान योजना के जिलेवार लाभार्थीय

(ख) अंत्योदय मेलों पर किया गया व्यय

(ग) योजना के विज्ञापन पर किया गया व्यय

(घ) लाभार्थियों की संख्या जिनकी वार्षिक आय बढ़कर एक लाख अस्सी हजार हो गई है और

(ड़) उन लाभार्थियों की संख्या जिन्होंने ईएमआई का भुगतान करने में चूक की है?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न का जवाब निम्न प्रकार हैः–

(क) मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के प्रारंभ से जिलेवार लाभार्थियों का विवरण **अनुबंध–I** में है।

(ख) अंत्योदय परिवार उत्थान मेलों पर जिलावार व्यय का विवरण **अनुबंध–II** में दिया गया है।

(ग) योजना के शुरू होने के बाद से 34,15,888 रुपये राज्य के भीतर और बाहर विज्ञापन पर खर्च किया गया है।

(घ) मिशन वर्तमान में उन लाभार्थियों की संख्या का रखरखाव/संग्रहण नहीं कर रहा है जिनकी आय बढ़कर एक लाख अस्सी हजार वार्षिक हो गई है। लाभार्थी परिवार को निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई करने और सहायता प्रदान करने के लिए एक आउटरीच तंत्र स्थापित करने की योजना है।

(ङ) मिशन वर्तमान में उन लाभार्थियों की संख्या का रखरखावध्संग्रह नहीं कर रहा है, जिन्होंने मासिक किस्त का भुगतान करने में चूक की है।

अनुबंध – I

एम.एम.ऐ.पी.यू.वाई के अंतर्गत लाभार्थियों की जिलावार संख्यां

क्रं0न0	जिला	स्वीकृत
1	अम्बाला	3617
2	भिवानी	3669
3	चरखी दादरी	1564
4	फरीदाबाद	497
5	फतेहाबाद	4847
6	गुरूग्राम	435
7	हिसार	4785
8	झज्जर	1720
9	जींद	4200
10	कैथल	5779
11	करनाल	7032
12	कुरूक्षेत्र	5528
13	महेन्द्रगढ़	4249
14	मेवात	5843
15	पलवल	2259
16	पंचकूला	1252
17	पानीपत	4370
18	रेवाड़ी	2407
19	रोहतक	2884
20	सिरसा	3536
21	सोनीपत	1541
22	यमुनानगर	6137

अनुबंध – II

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के मेलों का खर्चा

क्रं0न0	जिला	मेलों पर किया गया कुल व्यय (रूपयें में)
1	अम्बाला	1209535
2	भिवानी	1089229
3	चरखी दादरी	701402
4	फरीदाबाद	140240
5	फतेहाबाद	1743510
6	गुरूग्राम	2656534
7	हिसार	1034494
8	झज्जर	1730526
9	जींद	1249163
10	कैथल	811233
11	करनाल	3393542
12	कुरूक्षेत्र	1428075
13	महेन्द्रगढ़	1650656
14	मेवात	1169408
15	पलवल	988644
16	पंचकूला	2307811
17	पानीपत	673549
18	रेवाड़ी	2239723
19	रोहतक	1395888
20	सिरसा	1527952
21	सोनीपत	1674179
22	यमुनानगर	2087965

विभिन्न कृषि उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य

103. श्री वरूण चौधरी : क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृपया बतायेंगे कि वर्ष 2017 तथा वर्ष 2023 में हरियाणा राज्य में विभिन्न कृषि उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य क्या है तथा कितनी मात्रा में खरीद की गई है?

उप मुख्यमत्री (श्री दुष्यंत चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, विवरण इस प्रकार से है:–

विवरण

क्र0	फसल का नाम	वर्ष 2017-18 में न्युनतम समर्थन मूल्य (रू प्रति कि0 में)	वर्ष 2017-18 में खरीद	वर्ष 2022-23 में न्युनतम समर्थन मूल्य (रू प्रति कि0 में)	वर्ष 2022-23 में खरीद
1	गेहूँ	1625	74.25 लाख एम टी	2015	41.85 लाख एम टी
2	चना	4000	..	5230	1240 एम टी

3	सरसों	3700	36940 एम टी	5050	..
4	जौ	1325	..	1635	..
5	ज्वार	हाईब्रिड- 1700 मलदंडी -1725	..	हाईब्रिड - 2970 मलदंडी - 2990	..
6	धान	कोमन - 1550 ग्रेड ए - 1590	59.57 लाख एम टी	कोमन - 2040 ग्रेड ए - 2060	59.35 लाख एम टी

7	बाजरा	1425	31449	2350	81313 एम टी
8	मक्की	1425	..	1962	..
9	मुंग	..	..	7755	618 एम टी
10	सुरजमूखी	..	..	6400	2002.57 एम टी

विकास का वज्र मॉडल

104. श्री वरुण चौधरी : क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि राज्य में 'विकास के वज्र मॉडल' पर सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई तथा उसके परिणाम क्या हैं?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न का उत्तर निम्न प्रकार से है:–

1. 'वज्र मॉडल' के अन्तर्गत आर्थिक विकास तथा मानव विकास, नागरिकों के जीवन की सुगमता, सभी सामाजिक–आर्थिक वर्गों के गरीबों और वंचितों के उत्थान, रोजगार और उद्यमिता के साथ प्रौद्योगिकी को अपनाने के माध्यम से उत्पादकता का लाभ उठाने के लिए पांच विकास षक्तियों की परिकल्पना की गई है। ये पांच शक्तियां हैं :

   i. समर्थ हरियाणा–सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर संरचनात्मक और संस्थागत सुधार,

   ii. अंत्योदय–सबसे गरीब व्यक्ति का उत्थान,

   iii. सतत विकास–सस्टेनेबल डेवलपमेंट,

   iv. संतुलित पर्यावरण–पर्यावरणीय स्थिरता,

   v. सहभागिता–सरकारी–सामुदायिक भागीदारी

   विकास की ये पांच शक्तियां सरकार के लिए मार्गदर्षक सिद्धांत हैं। हर षक्ति के तहत सरकार वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए कई योजनाओं का कार्यान्वयन करती है।

   i. **समर्थ हरियाणा–प्रौद्योगिकी के उपयोग से सुधार** – सरकार ने 'न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन' के तहत शासन में आई.टी. को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। शुरू की गई कुछ आईटी पहलें हैं – 'मेरी फसल मेरा ब्योरा', 'मेरा पानी मेरी विरासत', ई–खरीद पोर्टल,

आई.एफ.एम.एस., हालरिस और परिवार पहचान पत्र (पी.पी.पी.) आदि। इन आई.टी. पहलों ने शासन की दक्षता व प्रभावशीलता और वितरण तंत्र को बढ़ाया है।

ii. **अंत्योदय–** हरियाणा के सबसे गरीब परिवारों, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 1 लाख रुपये तक है, के उत्थान के लिए उनकी आय बढ़ाकर कम से कम 1.80 लाख रुपये वार्षिक करने के लिए मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं में वित्तीय लाभों का पैकेज उपलब्ध कराया जा रहा है। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान अंत्योदय मेलों के माध्यम से 36,993 परिवारों को ऋण स्वीकृत किये गये हैं। वर्ष 2023–24 के लिए, सरकार ने इस आय वर्ग में कम से कम 2 लाख परिवारों को कवर करने के लक्ष्य और उन्हें 1 लाख रुपये तक की राशि बैंकों से उपलब्ध कराने का प्रस्ताव किया है। इसके लिए 2,000 करोड़ रुपये बैंकों के परामर्श से अलग रखे जाएंगे।

iii. **सतत विकास – टिकाऊ विकास :**

सत्रह सतत विकास लक्ष्य (SDG) सभी के लिए बेहतर और सतत भविष्य की रूपरेखा प्रदान करते हैं। इस ढांचे का उद्देश्य समाज में समानता, शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए गरीबी को कम करना और आर्थिक विकास हासिल करना है। सरकार ने 2030 तक SDG लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक विजन तैयार किया है।

iv. **संतुलित पर्यावरण – पर्यावरणीय स्थिरता :**

सरकार ने गुरुग्राम और नूंह जिलों में 10,000 एकड़ भूमि पर अरावली सफारी पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव किया है। दिव्य नगर योजना में अन्य बातों के साथ–साथ ऑक्सी–वन, शहरी वन, बड़े शहर पार्क व

हरित स्थान, शहर के सौंदर्यीकरण, अंतर विष्वविद्यालय केन्द्र और भू–दृष्य आदि का विकास किया जाएगा।

V. सहभागिता – सरकार–समुदाय की भागीदारी :

राज्य सरकार नागरिकों के कल्याण और विकास के लिए योजनाओं के निर्माण और कार्यान्वयन में लोगों की भागीदारी में विश्वास करती है।

राज्य सरकार ने ऐसे स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करने के लिए 'संपर्क' पोर्टल लॉन्च किया है जो समाज की सेवा करने के इच्छुक हैं और सामाजिक कार्यों के लिए अपना समय व प्रयास समर्पित करके हरियाणा में सामाजिक उत्थान का एक अनिवार्य हिस्सा बन सकते हैं। इस पोर्टल के माध्यम से स्वयंसेवकों को जोड़ा जाएगा, जिसके बाद शिक्षा, कौशल विकास, खेल, कृषि आदि क्षेत्रों में युवाओं, सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित स्वयंसेवकों की सेवाएं ली जाएंगी।

'पौधागिरी' अभियान सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से राज्य में हरित क्षेत्र को बढ़ाने का एक उदाहरण है। इस अभियान के तहत, हरियाणा के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के कक्षा 6 से 12 तक के 22 लाख छात्र मानसून के तीन महीने –जुलाई, अगस्त और सितंबर के दौरान एक–एक पौधा लगाएंगे।

इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा शहरी और ग्रामीण दोनों स्थानीय निकायों के सशक्तिकरण के लिए धन, कार्य व कार्यकर्त्ताओं के विकास के लिए हाल ही में की गई पहल राज्य में जमीनी स्तर पर विकास के प्रयासों और कार्यक्रमों के वितरण में सामुदायिक भागीदारी को और मजबूत करेगी।

————————————————

एच.आर.डी.एफ. से संबंधित ब्यौरा

105. श्री वरुण चौधरी : क्या विकास एवं पंचायत मंत्री कृपया बताएंगे कि–

(क) 31 जनवरी, 2023 तक हरियाणा ग्रामीण विकास निधि की उपलब्ध राशि कितनी है;

(ख) गत पांच वर्षों में निधि पर वर्षवार अर्जित ब्याज कितना है; तथा

(ग) गत पांच वर्षों के दौरान निधि से कम खर्च किए जाने के कारण क्या है?

विकास एवं पंचायत मंत्री (श्री देवेंद्र सिंह बबली): अध्यक्ष महोदय, उत्तर इस प्रकार से हैः–

(क) 31 जनवरी, 2023 तक हरियाणा ग्रामीण विकास निधि में मू॰1965.80 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध थी।

(ख) पिछले पांच वर्षों अर्थात FY2018-19, FY2019-20, FY2020-21, FY2021-22 एवं FY2022-2023 (15.3.23 तक अनुमानित**)** के दौरान क्रमशः मु॰65.93 करोड़, मु॰43.97 करोड़, मु॰52.56 करोड़, मु॰68.52 एवं मु॰51.64 करोड़ रुपये की राशि निधि पर ब्याज के रूप में अर्जित की गई; तथा

(ग) वर्ष 2018-19 से 2019-20 के दौरान विकास कार्यों के लिए हरियाणा ग्रामीण विकास निधि से पर्याप्त धनराशि खर्च की गई थी। मगर, कोविड-19 और उसके बाद निर्वाचित पीआरआई निकायों की अनुपस्थिति के कारण, 2020-21, 2021-22 और 2022-23 के दौरान व्यय कम था।

लम्बित ई.डी. सी. तथा आई.डी.सी. का ब्यौरा

***106. श्री राकेश दौलताबाद :** क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि:–

(क) गुरुग्राम जिले में ई.डी.सी. (बाह्य विकास प्रभारों) तथा आई.डी.सी. (आन्तरिक विकास प्रभारों) की कितनी राशि लम्बित है जो निजि बिल्डरों से सरकार द्वारा अब तक प्राप्त नहीं की गई है तथा निजि बिल्डरों/संस्थाओं के नाम क्या है ।

(ख) उपरोक्त ई.डी.सी. (बाह्य विकास प्रभारों) तथा आई.डी.सी. (आन्तरिक विकास प्रभारों) की लंबित राषि वसूलने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है; तथा

(ग) जिला गुरुग्राम मे उन क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है जहां ई.डी.सी. (बाह्य विकास प्रभारों) तथा आई.डी.सी. (आन्तरिक विकास प्रभारों) के भुगतान के बावजूद सीवेज, सड़क और पानी के विकास कार्य लंबित पडे हैं ?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): माननीय, एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) लाइसेंस प्रदान करते समय विभाग किसी आंतरिक विकास शुल्क की मांग नहीं करता है। हालांकि, ई.डी.सी. और एस.आई.डी.सी. (स्टेट इंफ्रास्ट्रक्चर चार्जेज) की मांग की जाती है। 28.02.2023 तक, गुरुग्राम जिले में लंबित ई.डी.सी. राशि 4496.96 करोड़ रुपये और एस.आई.डी.सी. राशि 237.28 करोड़ रुपये है। निजी बिल्डरों/संस्थाओं के नाम के साथ लंबित ई.डी.सी. और एस.आई.डी.सी. का विवरण **अनुबंध–I** में दिया गया है।

(ख) विभाग ने लाइसेंस रद्द करने के लिए हरियाणा विकास और शहरी क्षेत्रों के विनियमन अधिनियम, 1975 (1975 के अधिनियम) के प्रावधानों के तहत, उपनिवेशकों के खिलाफ लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई शुरू की तथा

आज तक गुरुग्राम में 12 लाइसेंस रद्द किए जा चुके हैं । ई0डी0सी0 और एस0आई0डी0सी0 के भुगतान मे चूक करने वाले उपनिवेषकों को विभाग भवन निर्माण की योजना, सेवा योजना के अनुमान, लाइसेंस के नवीकरण, कब्जा प्रमाणपत्र, आंषिक समापन प्रमाणपत्र, / पूर्णता समापन प्रमाण पत्र आदि के लिए अनुमति / अनुमोदन नहीं करता है।

वर्तमान में, लंबे समय से लंबित ईडीसी बकाया की वसूली को सक्षम करने के लिए सरकार द्वारा एक नई योजना ''समाधान से विकास'' शुरू की गई है। अब तक 143 कालोनाइजरों/विकासकर्ताओं द्वारा नीति अपनाई जा चुकी है और इस नीति के तहत 1275.57 करोड़ रुपये की राशि वसूल की जा चुकी है। इसके अलावा, डेवलपर्स द्वारा 10.08.2020 से अब तक 2867. 04 करोड़ रुपये की राशि जमा की गई है।

(ग) गुरुग्राम के लिए अधिसूचित मास्टर डेवलपमेंट प्लान गुरुग्राम मानेसर अर्बन कॉम्प्लेक्स 2031 A.D, के अनुसार सरकार द्वारा सेक्टर डिवाइडिंग सडकों पर मास्टर सेवाएं प्रदान की जानी हैं। मास्टर जलापूर्ति, सीवरेज, एवं सडक की स्थिति निम्नानुसार है :–

i) **जलापूर्तिः** सेक्टर 58 से 115 में जल आपूर्ति नेटवर्क 102 कि.मी. की लंबाई में बिछाया गया है, जिसे परियोजना के तहत अधिकृत किया गया है और शेष 11 कि.मी. नेटवर्क लंबित है जहाँ भूमि या तो अधिग्रहीत नहीं है या मुकदमेबाजी/अतिक्रमण आदि के अधीन है।

ii) **सीवरेजः** सेक्टर 58 से 67 गुरुग्राम में सीवरेज नेटवर्क बिछाया और चालू कर दिया गया है। सेक्टर 68 से 76 में मास्टर सीवर लाइन बिछाने का कार्य प्रगति पर है और मार्च 2024 तक पूरा होने की संभावना है। हरियाणा शहरी विकास द्वारा सेक्टर 81 से 104, 37सी और डी में सीवरेज नेटवर्क 53.45 किलोमीटर की लंबाई में बिछाया

गया है और 40.36 करोड़ रुपये की लागत के मुकाबले 15.50 किलोमीटर की लंबाई में अंतराल को एचएसवीपी द्वारा निष्पादित किया जा रहा है, जो मार्च 2024 तक पूरा होने की संभावना है। इसके अलावा, सेक्टर 77 से 80 और 105 से 115 में सीवरेज नेटवर्क डालने के लिए 80.00 करोड़ रुपये की प्रस्तावना को जीएमडीए की 10वीं अथॉरिटी की बैठक में मंजूरी दी गई है। इसका डीपीआर तैयार किया जा रहा है।

iii) **सड़कः** सैक्टर 58 से 115 में 99.85 किलोमीटर की लंबाई में सड़क नेटवर्क बिछाया गया है और शेष 63.94 किलोमीटर सड़क नेटवर्क लंबित है, जिसे भूमि अधिग्रहण/मुकदमे/अतिक्रमण आदि के संबंध में बाधाओं को दूर करने के अधीन पूरा किया जा रहा है।

अनुबंध–I

iv) STATUS OF DEVELOPER-WISE OUTSTANDING EDC/SIDC OF GURUGRAM DISTRICT

(Status as on 28.02.2023)

(Rs. in Crore)

Sr. No.	DEVELOPER NAME	OUTSTANDING DUES		
		EDC	SIDC	Grand Total
1	UNITECH	626.40	53.68	686.35
2	COUNTRYWIDE PROMOTERS	441.91	15.43	461.76
3	VATIKA LTD	343.39	4.58	351.40
4	VIPUL	271.23	16.66	290.60
5	ORRIS INFRASTRUCTURE	180.39	4.15	186.34
6	RAHEJA DEVELOPERS	155.99	2.22	159.77
7	NEW INDIA CITY DEVELOPERS	130.83	0.00	132.14
8	AMBIENCE	122.54	6.16	129.93
9	CALDER DEVELOPERS	87.90	15.09	103.87
10	NINEX DEVELOPERS	83.30	0.00	84.14
11	M/S SAHIL HOLDINGS PVT. LTD.	60.58	16.79	77.97
12	A & D ESTATE PVT. LTD.	73.94	0.00	74.68

13	REALTECH REALTECH	69.88	0.00	70.58
14	KARMA LAKELAND PVT LTD	69.69	0.00	70.38
15	ABW INFRASTRUCTURE PVT. LTD.	60.32	4.47	65.39
16	DEPUTY GOTHWAL CONSTRUCTION	63.98	0.00	64.62
17	EMPIRE REALTECH	60.35	2.68	63.64
18	GREAT VALUE HPL INFRATECH	59.79	2.68	63.07
19	HEADWAY BUILDCON PVT LTD	61.60	0.00	62.21
20	RMS ESTATES PVT. LTD	55.89	0.00	56.45
21	SHIV GANESH BUILDCON	55.40	0.00	55.95
22	DESERT MOON REALTORS PVT. LTD.	49.19	3.88	53.55
23	KRRISH REALTY NIRMAN	51.70	0.00	52.22
24	ISH KRIPA PROPERTIES	42.21	4.96	47.59
25	CHEVRON BUILDCON PVT. LTD.	36.43	5.24	42.03
26	AN BUILDWELL	40.72	0.00	41.13
27	DLF LIMITED	39.26	0.00	39.65
28	VS REAL PROJECTS	30.13	6.72	37.15
29	VA AGRICULTURE	31.90	4.86	37.08
30	DOMINANT WEB	36.45	0.00	36.81
31	RESOLVE ESTATE	35.16	0.00	35.52
32	SAHEB ENTERPRISES PVT. LTD.	28.79	5.62	34.70
33	SANTUR PROJECTS PVT. LTD.	29.92	0.00	30.22
34	KST INFRASTRUCTURE PVT. LTD.	29.83	0.00	30.13
35	AMEYA COMMERCIAL PROJECTS PVT. LTD.	25.88	3.15	29.29
36	SHARE STREET INDIA	27.13	0.00	27.40
37	INTERNATIONAL GREEN SCAPES LTD.	25.85	0.00	26.11
38	UNIVERSAL BUILDCON P. LTD. & LAND OWNERS	25.23	0.00	25.48
39	AUROCHEM BUILDPROP	24.87	0.00	25.12
40	M3M INDIA	24.35	0.00	24.59
41	DHAMPUR ALCO CHEM	22.72	0.71	23.66
42	PAL INFRASTRUCTURE & DEVELOPERS PVT. LTD	22.32	0.00	22.54
43	STANFORD DEVELOPERS INFRASTRUCTURE PVT.LTD.	20.39	1.46	22.05
44	OCIMUM ESTATES PVT. LTD.	17.05	3.51	20.73

45	EMAAR MGF	19.89	0.61	20.70
46	RED TOPAZ	19.96	0.00	20.16
47	SUN SHINE TELECOM SERVICES	18.71	0.00	18.89
48	RADHEY BUILD HOME	18.21	0.27	18.66
49	AMBIENCE INFRASTRUCTURE DEV'S	12.74	5.69	18.55
50	UPPAL HOUSING (P) LTD.	18.18	0.00	18.36
51	JYOTI PROJECTS PVT. LTD.	17.34	0.00	17.51
52	MAHENDER KUMAR GUPTA	16.36	0.00	16.52
53	NUCLEUS CONBUILD PVT. LTD.	16.03	0.00	16.19
54	DIVERSE DEVELOPERS LLP	13.17	2.57	15.87
55	MK SACHDEVA SH OM PARKASH AND OTHERS	15.22	0.00	15.37
56	MAHENDRA PROMOTERS PVT. LTD.	14.74	0.00	14.89
57	TRAVANCORE MARKETING PVT LTD	10.21	4.36	14.66
58	NANI RESORTS & FLORICULTURE PVT. LTD.	14.01	0.00	14.15
59	ANANYA LAND HOLDINGS	13.65	0.00	13.79
60	PYRAMID INFRATECH PVT LTD	10.52	2.81	13.43
61	BESTECH INDIA	4.64	8.36	13.05
62	METRO EDUCATION AND WELFARE PVT. LTD.	11.73	0.00	11.85
63	CZAR BUILDWELL PVT LTD	10.90	0.00	11.01
64	TIRUPATI BUILDPLAZA PVT LTD	10.65	0.00	10.76
65	SANTUR INFRASTRUCTURE PVT. LTD.	10.57	0.00	10.67
66	GCC INFRA	10.44	0.00	10.55
67	AAKARSHAN ESTATES PVT. LTD.	10.28	0.00	10.38
68	PRIME ZONE	10.07	0.00	10.17
69	SRP BUILDERS	10.05	0.00	10.15
70	ROOTS DEVELOPERS PVT. LTD.	9.92	0.00	10.02
71	ALPHA CORP. DEVELOPMENT PVT. LTD	9.64	0.00	9.74
72	OCEAN SEVEN BUILDTECH PVT. LTD.	9.61	0.00	9.71
73	MS MAHIRA BUILDTECH PVT LTD	9.24	0.00	9.33
74	CHINTELS INDIA	9.21	0.00	9.31
75	SPAZE TOWERS	9.13	0.00	9.22
76	JMS INFRA REALITY PVT. LTD.	6.66	2.40	9.13
77	PRIMORIS REALTORS PVT. LTD.	7.61	1.30	8.99

78	AGRANTE REALTY LTD.	8.91	0.00	9.00
79	LOGIC SOFT & SOLUTIONS LTD	8.60	0.00	8.68
80	PRIME TIME INFRA PROJECTS PVT. LTD.	8.58	0.00	8.66
81	MINDA INDUSTRIES LTD	8.56	0.00	8.64
82	A B REALTY PVT LTD	5.10	3.34	8.49
83	LANDMARK APARTMENTS PVT. LTD	8.42	0.00	8.51
84	OCEAN CAPITAL MARKET LTD.	6.13	1.89	8.08
85	REVITAL REALITY PVT. LTD.	6.95	0.86	7.88
86	BAJAJ MOTORS LTD.	6.29	1.49	7.84
87	GLS INFRAPROJECTS PVT. LTD.	6.60	1.02	7.68
88	AMB INFRASTRUCTURE PVT. LTD.	6.88	0.48	7.43
89	JMK HOLDING PVT. LTD.	5.40	1.09	6.54
90	TREHAN PROMOTERS & BUILDERS PVT. LTD.	6.38	0.00	6.44
91	INTERNATIONAL INFOTECH PVT. LTD.	6.01	0.00	6.07
92	ORA LAND AND HOUSING PVT LTD	3.43	2.51	5.97
93	EXPERION DEVELOPERS	5.70	0.00	5.76
94	PURI CONSTRUCTION	5.57	0.00	5.62
95	DHARAM SINGH RAVINDER SINGH & OTHERS	5.29	0.00	5.34
96	CONMIN PROJECTS INDIA PRIVATE LIMITED	5.12	0.00	5.17
97	RAMPRASTHA ESTATES PVT LTD	5.04	0.00	5.09
98	BRISK INFRASTRUCTURE & DEVELOPERS PVT LTD	4.89	0.00	4.94
99	VATIKA ONE INDIA NEXT PVT. LTD.	4.80	0.00	4.85
100	RISEONIC REALTY PRIVATE LIMITED	4.75	0.00	4.79
101	PEGASUS LAND AND HOUSING PVT LTD	4.72	0.00	4.77
102	JASMINE BUILDMART PVT. LTD.	4.59	0.00	4.64
103	SHEETAL INTERNTIONL	4.55	0.00	4.60
104	HASTA INFRASTRUCTURE PVT. LTD.	4.14	0.00	4.18
105	CRANES DEVELOPER PRIVATE LIMITED	2.99	0.96	3.98
106	IMPERIA WISHFIELD PVT. LTD.	3.61	0.31	3.96
107	RECEPTIVE BUILDWELL LLP	3.91	0.00	3.95
108	MRG WORLD LLP	2.97	0.93	3.93
109	JANPRIYA BUILD ESTATE	3.80	0.00	3.83

110	NEXT GENERATION PROJECTS PVT. LTD.	2.47	1.29	3.78
111	GLOBAL HEIGHTS 81	3.69	0.00	3.73
112	RENUKA TRADERS PVT. LTD.	3.62	0.00	3.66
113	SIGNATURE INFRABUILD PVT. LTD.	2.38	1.00	3.39
114	AMD ESTATES & DEVELOPERS (P)	3.32	0.00	3.35
115	PAREENA BUILDERS AND PROMOTERS PVT. LTD.	3.25	0.00	3.28
116	SOLUTREAN BUILDING TECHNOLOGIES PVT. LTD.	1.31	1.59	2.91
117	SKYWHALES DEVELOPERS LLP	1.25	1.43	2.68
118	ADANI M2K PROJECTS LLP	2.62	0.00	2.65
119	ANSAL API	2.43	0.00	2.46
120	MEGA INFRATECH PRIVATE LIMITED	2.26	0.00	2.28
121	MRA INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT LLP	2.11	0.00	2.13
122	SIGNATURE BUILDERS PVT. LTD	0.00	2.06	2.06
123	BNB BUILDERS PVT LTD.	1.98	0.00	2.00
124	PERFECT BUILDWELL PVT. LTD.	1.83	0.00	1.85
125	IDENTITY BUILDTECH	1.79	0.00	1.81
126	BAJGHEDA ENTERPRISES	1.78	0.00	1.80
127	KIWI LAND AND HOUSING PVT LTD	1.77	0.00	1.79
128	MAGIC EYE DEVELOPERS	0.39	1.36	1.75
129	SHALIMAR CORP LIMITED	1.37	0.00	1.39
130	EMAAR INDIA LIMITED	1.27	0.00	1.29
131	ARV BUILDERS	1.15	0.00	1.16
132	SRV AUTOMOTIVES PVT. LTD.	1.11	0.00	1.12
133	UNION BUILDMART PVT. LTD.	1.09	0.00	1.10
134	WHITELAND CORPORATION PRIVATE LIMITED	1.08	0.00	1.09
135	MS SYNERGYSHINE INFRA LLP	1.05	0.00	1.06
136	STERNAL BUILDCON PVT. LTD.	1.00	0.00	1.01
137	APRICUS HILLS PRIVATE LIMITED	0.81	0.00	0.82
138	MRG CASTLE REALITY LLP	0.81	0.00	0.82
139	CRAFT INFRASTRUCTURE PVT. LTD.	0.76	0.00	0.77
140	PYRAMID DREAM HOMES LLP	0.73	0.00	0.74
141	ALTON BUILDTECH INDIA PVT. LTD.	0.01	0.60	0.61

142	SHRIMAYA BUILDCON PVT. LTD.	0.59	0.00	0.60
143	VATIKA LAND BASE	0.56	0.00	0.57
144	DELGRIS BUILDTECH PVT. LTD.	0.55	0.00	0.56
145	KS PROPMART PVT. LTD.	0.50	0.00	0.51
146	KALINGA REALTORS PVT. LTD. (TRANSFERRED FROM ABW INFRASTRUCTURE ON 12/07/2010)	0.49	0.00	0.50
147	JAGRITI REALTORS PVT. LTD.	0.42	0.00	0.42
148	DLF CYBER CITY DEVELOPERS LIMITED	0.25	0.00	0.25
149	ARROW INFRAESTATE	0.17	0.00	0.18
150	NOURISH DEVELOPERS PRIVATE LIMITED	0.08	0.00	0.08
151	SHIVNANDAN BUILDTECH	0.06	0.00	0.06
152	PARKER BUILDERS	0.00	0.03	0.03
153	SH. SHARAD GOYAL	0.02	0.00	0.02
154	ATLANTIC REALTORS	0.02	0.00	0.02
155	DELTA PROPCON	0.00	0.01	0.01
	Total in Crore	**4496.96**	**237.28**	**4779.21**

मलिन बस्तियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना

107 श्री राकेश दौलताबाद : क्या शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कृपया बताएंगे कि–

(क) गुरुग्राम तथा बादशाहपुर विधानसभा निर्वाचनक्षेत्र में अधिसूचित की गई तथा चिन्हित की गई मलिन बस्तियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार द्वारा मलिन बस्तियों में किन्हीं जन सुविधाओं के विकास के लिए कोई निधि आबंटित की गई है;

(ग) क्या गुरुग्राम तथा बादशाहपुर विधानसभा निर्वाचनक्षेत्र की मलिन बस्तियों में कोई विकासात्मक या सुविधाओं से संबधित परियोजनाएं आरम्भ की गई है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों में मलिन बस्तियों के संबंध में सर्वेक्षण कराया है या किया जाना प्रस्तावित है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; तथा

(ङ) क्या गुरुग्राम महानगर की मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए कोई ठोस पग उठाए जाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डा0 कमल गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, जवाब इस प्रकार से है:–

(क) हरियाणा स्लम क्षेत्र (सुधार और निकासी) अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार नगर निगम, गुरुग्राम में कोई भी क्षेत्र स्लम क्षेत्र के रूप में अधिसूचित नहीं किया गया है। हालांकि, जनगणना–2011 के अनुसार, नगर निगम, गुरुग्राम के अधिकार क्षेत्र में 61 स्लम कॉलोनियां हैं जिनमें बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र भी सम्मिलित है। सूची अनुलग्नक–I के रूप में संलग्न है।

(ख) नगर निगम, गुरुग्राम ने वर्ष 2022–23 के दौरान मलिन बस्तियों में जन सुविधाओं के विकास के लिए अपने स्वयं के संसाधनों से 13.14 करोड़ की राशि खर्च की है।

(ग) हां, गुरुग्राम और बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र की मलिन बस्तियों में नगर निगम, गुरुग्राम द्वारा विभिन्न विकास कार्य जैसे कि पानी की आपूर्ति, सीवर लाइन बिछाना, इंटरलॉकिंग टाइलें बिछाना, सीमेंट कंक्रीट सड़क का निर्माण, बरसाती जल नालियों का निर्माण किया गया है।

(घ) जनगणना–2011 के दौरान, वर्ष 2010–11 में शहरी क्षेत्रों में स्लम क्षेत्रों का सर्वेक्षण भी किया गया था, लेकिन वर्तमान में नगर निगम, गुरुग्राम क्षेत्राधिकार में स्लम क्षेत्रों का सर्वेक्षण करने के लिए कोई नया प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ङ) गुरुग्राम महानगर में मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिरायु योजना के तहत उनके नियमों और विनियमों के अनुसार स्वास्थ्य

संबंधी बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। हालांकि, नगर निगम, गुरुग्राम उपरोक्त पैरा (ख) और (ग) में वर्णित इन क्षेत्रों में बुनियादी जन सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

ANNEXURE-I

Details of slum areas of Municipal Corporation, Gurugram as per Census - 2011

Sr. No.	District Code	Town Code	Town Name	Total Population of Town	Town Class	Slum Name	Is it notified Yes(1)/No(2) ?	No. of Households (approximate)	Slum Population (approximate)
1	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	MANOHAR NAGAR	2	248	1158
2	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	FIROZAGADHI COLONY	2	589	2697
3	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	PANCHWALI	2	512	2346
4	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	DEVILAL COLONY	2	1770	7967
5	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	F.G. COLONY	2	226	1065
6	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	MALI KHERA	2	233	1098
7	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	HARIPURA	2	105	450
8	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	SHAKTI PARK	2	248	1150
9	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	AMBEDKAR COLONY	2	260	1128
10	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	HANS ENCLAVE	2	1781	8369
11	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	BALDEV NAGAR	2	574	2641
12	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	HARIJAN BASTI	2	222	1049
13	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	HARINAGAR	2	126	598
14	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	KRISHAN NMAGAR	2	469	2153
15	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	RAVI NAGAR	2	260	1229
16	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	KADIPUR ENCLAVE	2	396	1841
17	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	DAYANAND COLONY	2	248	1168
18	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	BHAWANI ENCLAVE	2	467	2563
19	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	NEW JYOTI PARK	2	50	226
20	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	RAJINDERA PARK	2	1609	7408
21	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	NAI BASTI	2	704	3270
22	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	OM NAGAR/ SHANTI NAGAR	2	1260	5740
23	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	VISHNU GARDEN	2	479	2245
24	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	LAXMAN VIHAR	2	1577	7777
25	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	BHEEM GARH KHERI	2	1104	5491
26	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	MAHABIR PURA	2	88	397
27	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	RAJIV NAGAR	2	593	2729

28	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	GANDI NAGAR	2	500	2443
29	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	AMAR COLONY	2	410	1897
30	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	VEER NAGAR	2	111	476
31	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	IDGAH BASTI	2	147	640
32	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	MADANPURI GALI NO. 11	2	21	88
33	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	CHANCHAL VIHAR	2	111	522
34	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	SUBHASH NAGAR	2	2933	13818
35	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	VIKAS NAGAR	2	76	361
36	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	PREM NAGAR	2	87	375
37	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	HIRA NAGAR	2	742	3626
38	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	JHUGI BASATI, NATHUPUR	2	903	4266
39	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	NEW SUBHASH NAGAR	2	1546	7009
40	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	TIKAMPUR AVADHPURI	2	391	1848
41	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	SURAT NAGAR II	2	629	2962
42	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	SURAT NAGAR 1	2	470	2212
43	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	INDIRA COLONY, JHADSA	2	577	2418
Sr. No.	**District Code**	**Town Code**	**Town Name**	**Total Population of Town**	**Town Class**	**Slum Name**	**Is it notified Yes(1)/No(2) ?**	**No. of Households (approximate)**	**Slum Population (approximate)**
44	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	VISHVKARMA COLONY	2	51	236
45	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	BAHARAMPUR	2	225	1060
46	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	NARSINGHPUR	2	281	1323
47	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	TIKRI	2	172	815
48	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	TIGARA	2	281	1326
49	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	KHEDKI DOLLA	2	515	2424
50	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	BHEEM NAGAR	2	919	4113
51	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	KRISHANA COLONY	2	21	86
52	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	SLUM BASTI SECTOR A	2	87	424
53	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	BEGAMPUR KHTOLA	2	216	1022
54	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	SHEETALA COLONY	2	929	4378
55	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	SARAI ALLAVERDI	2	163	774
56	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	GADOLI KALAN	2	165	780
57	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	SIHI	2	107	514
58	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	MUHAMADPUR JHADSA	2	396	1867
59	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	SIKENDER GHOSI	2	278	1318
60	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	GADOLI KHURD	2	222	1048
61	086	800429	Gurgaon (M Corp. + OG)	886519	I	VIJAY PARK	2	69	332

अपशिष्ट प्लास्टिक सामग्री से सड़कों का निर्माण

108. श्री राकेश दौलताबाद :अध्यक्ष महोदय, क्या शहरी स्थानीस निकास मंत्री कृपया बताएंगे कि-

(क) क्या राज्य में अपशिष्ट प्लास्टिक तथा अन्य प्रकार की अपशिष्ट सामग्री से सड़कों के निर्माण से संबंधित कोई नीति/दिशा निर्देश सरकार द्वारा जारी किये गए हैं;

(ख) क्या सड़कों के निर्माण में अपशिष्ट प्लास्टिक के उपयोग के लिए हरियाणा सरकार द्वारा कोई अध्ययन करवाया गया है; यदि हां, तो कृपया एक प्रति उपलब्ध करवाएं;

(ग) हरियाणा में अपशिष्ट प्लास्टिक के उपयोग से बनी सड़कों का ब्यौरा क्या है तथा उपयोग किए गए प्लास्टिक का स्त्रोत क्या है; तथा

(घ) अपशिष्ट प्लास्टिक के साथ सड़कों के निर्माण को बढ़ाने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा क्या पग उठाए गए?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डा0 कमल गुप्ता): अध्यक्ष महोदय,

(क) श्रीमान जी, सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरे के उपयोग के संबंध में, हरियाणा सरकार भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) द्वारा 2013 में सड़क की ऊपरी सतह में हॉट बिटुमिनस मिक्स (ड्राई प्रोसेस) में अपशिष्ट प्लास्टिक का प्रयोग करने बारे जारी दिशा–निर्देशों की पालना करती है। इसके अतिरिक्त केंद्रीय ग्रामीण मत्रांलय, भारत सरकार द्वारा सितंबर 2019 में स्वच्छता ही सेवा के अंर्तगत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) सड़कों के निर्माण व रख–रखाव में अपशिष्ट प्लास्टिक प्रयोग करने के संबंध में परामर्श/दिशा–निर्देश भी जारी किये गये हैं।

सड़कों के निर्माण में अन्य अपशिष्ट सामग्री विशेष रूप से निर्माण एंवम विध्वंस अपशिष्ट के उपयोग बारे हरियाणा सरकार द्वारा 23 नवंबर, 2020 को **'हरियाणा नगरपालिका निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नीति'** की अधिसूचना जारी की गई है।

(ख) पीडब्ल्यूडी (बी एंड आर), एचएसवीपी, एनएचएआई, एचएसपीसीबी, जीएमडीए, एफएमडीए, पंचायती राज, एचएसएएमबी, एचएसआईआईडीसी और राज्य के नगर निकायों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार ऐसा कोई अध्ययन नहीं किया गया है।

(ग) प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके हरियाणा में निर्मित सड़कों का विवरण इस प्रकार हैः–

I. लोक निर्माण विभाग (भवन व सड़कें) ने पीएमजीएसवाई–III योजना के तहत 2020 से कुल 264 सड़कों का सुधार किया जिसमे प्लास्टिक कचरे का उपयोग किया गया जोकि प्लास्टिक कचरे की आपूर्ति के लिए निविदांयें आमंत्रित करके खरीदा गया था ।

II. नगर निगम, गुरुग्राम ने सेक्टर–51 में 200 मीटर की सड़क का निर्माण किया है। प्लास्टिक कचरा का स्त्रोत नगर निगम, गुरुग्राम के मैटीरियल रिकवरी फैसिलिटी सैन्टर (एम0आर0एफ0) थे, जहां पर सूखे और गीले कचरे को अलग किया जाता है।

III. नगर निगम गुरुग्राम ने झारसा बांध पर प्लास्टिक कचरे से बनी टाइल्स से वॉकिंग ट्रैक भी बनाया है। टाइलें मैसर्स शायना इकोनिफाइड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 274, उद्योग केंद्र–1, इकोटेक–3, ग्रेटर नोएडा, 201306, उत्तर प्रदेश से खरीदी गई थीं।

(घ) लोक निर्माण विभाग (भवन व सड़कें), हरियाणा ग्रामीण विकास मंत्रालय के पत्र क्रमांक न0 पी–17025/43/2019–आरसी दिनांक 06.09.2019 के तहत जारी निर्देशानुसार प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) सड़कों में प्लास्टिक कचरे का उपयोग कर रहा है।

————————————

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की वर्तमान स्थिति

109. श्री राकेश दौलताबाद : अध्यक्ष महोदय, क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बताएंगे कि –

(क) किसी क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अथवा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अर्हता प्राप्त करने के मानदंड क्या हैं ;

(ख) बादशाहपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र तथा जिला गुरुग्राम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की वर्तमान स्थिति क्या है ;

(ग) बादशाहपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र तथा जिला गुरुग्राम में इन केन्द्रों में चिकित्सकों/नर्सों सहित उपलब्ध मूलभूत अवसंरचनाओं एंव चिकित्सा सुविधाओं का ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या बादशाहपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र तथा गुरुग्राम जिलें में उक्त केन्द्रों के आवश्यक दर्जा बढ़ाने या चिकित्सा या अवसंरचनाओं की सुविधाओं की कमी से सम्बधिंत कोई शिकायत/प्रार्थना है ;

(ड) हरियाणा राज्य तथा गुरुग्राम शहर में आई एस ओ प्रमाणित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की वर्तमान संख्या का ब्यौरा क्या है; तथा

(च) राज्य के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों/ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार द्वारा क्या पग उठाए गए/उठाए जा रहे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अध्यक्ष महोदय, जवाब इस प्रकार से हैः–

(क) आई.पी.एच.एस. मानदंडों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 1,20,000 (मैदानी इलाकों में) 80,000 (पहाड़ी व जनजातीय क्षेत्रों में), की जनसंख्या के लिए स्थापित किया जाता है , ग्रामीण क्षेत्रों में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 30,000 (मैदानी इलाकों में) और 20,000 (पहाड़ी व जनजातीय क्षेत्रों में) की जनसंख्या के लिए एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 50,000 की जनसंख्या पर स्थापित किया जाता है।

(ख) वर्तमान में बादशाहपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 01 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 06 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एंव 09 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत है। जिला गुरुग्राम में 03 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 12 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एंव 21 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

(ग) बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में उपलब्ध बुनियादी ढांचे और डाक्टरों/नर्सो सहित चिकित्सा सुविधाओं को विवरण निम्नानुसार है :–

विवरण

क्र. सं.	चिकित्सा संस्था का प्रकार	चिकित्सा संस्था का नाम	मूलभूत अवसंरचना	मूलभूत सेवाएं
1.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फारुख़नगर	ओ.पी.डी. कमरें, प्रयोगशाला, औषधालय, रोगी परिवहन सुविधाऐं आदि।	सामान्य ओ.पी.डी., आई.पी.डी.,टीकाकरण सेवाऐं कोविड–19 टीकाकरण सहित, एम्बुलैंस सेवाऐं एम.सी.एच. सेवाऐं, परिवार नियोजन सेवाऐं, जन्म और मृत्यु पंजीकरण, आपातकालीन सेवाऐं, प्रयोगशाला सुविधाऐं, दन्तक ओ.पी.डी., आयुष,प्रसव सेवाऐं, स्कूल स्वास्थ्य सेवाऐं और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सम्बधिंत निवारक एवं प्रोत्साहक सेवाऐं

2.	24x7 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दौलताबाद, बादशाहपुर, गढ़ी हरसरु एवं भंगरोला कुल – 4	ओ.पी.डी. कमरें, पुरूष और महिला रोगियों के लिए आई.पी.डी सेवाऐं, लेबर रूम,प्रयोगशाला, औषधालय, रोगी परिवहन सुविधाऐं आदि।	सामान्य ओ.पी.डी., आई.पी.डी.,टीकाकरण सेवाऐं कोविड–19 टीकाकरण सहित, एम्बुलैंस सेवाऐं, एम.सी.एच. सेवाऐं, प्रसव सेवाऐं, जन्म और मृत्यु पंजीकरण, आपातकालीन सेवाऐं, प्रयोगशाला सुविधाऐं, दन्तक ओ.पी.डी., स्कूल स्वास्थ्य सेवाऐं और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सम्बंधित निवारक एवं प्रोत्साहक सेवाऐं।
3.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द (24x7 नहीं)	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द पालड़ा तथा हाजीपुर कुल – 2	ओ.पी.डी. कमरें, पुरूष और महिला रोगियों के लिए आई.पी.डी सेवाऐं, प्रयोगशाला, औषधालय आदि ।	सामान्य ओ.पी.डी.,आई.पी.डी., टीकाकरण सेवाऐं कोविड–19 टीकाकरण सहित, एम. सी.एच. सेवाऐं, जन्म और मृत्यु पंजीकरण, प्रयोगशाला सुविधाऐं, दन्तक ओ.पी.डी., स्कूल स्वास्थ्य सेवाऐं और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सम्बधिंत निवारक एवं प्रोत्साहक सेवाऐं आदि।

बादशाहपुर विधानसभा निवार्चन क्षेत्र में कार्यरत प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सा अधिकारियों और नर्सिग अधिकारियों का विवरण निम्नानुसार है :–

ग्रामीण सी.एच.सी./पी.एच.सी.

क्र सं.	सुविधा	पद का नाम	स्वीकृत	भरे हुए	खाली	एन.एच.एम. द्वारा
1.	सी.एच.सी. फरूखनगर	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	0	1	-
		चिकित्सा अधिकारी	7	7	0	-
		नर्सिंग अधिकारी	8 (+3 NHM)	8	0	3

		वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी	1	1	0	-
2.	पी.एच.सी. दौलताबाद	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0	-
		नर्सिंग अधिकारी	1	1	0	-
3.	पी.एच.सी. बादशाहपुर	चिकित्सा अधिकारी	2	4	-2	-

		नर्सिंग अधिकारी	2 (+3 NHM)	2	0	3
4.	पी.एच.सी. हाजीपुर पातली	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0	-
		नर्सिंग अधिकारी	2	1	1	-
5.	पी.एच.सी. भंगरोला	चिकित्सा अधिकारी	2	4	-2	-

		नर्सिंग अधिकारी	2 (+3 NHM)	2	0	3
6.	पी.एच.सी. वज़ीराबाद	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0	-
		नर्सिंग अधिकारी	2 (+3 NHM)	1	1	2

7.	पी.एच.सी. पालड़ा	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0	-
		नर्सिंग अधिकारी	2	1	1	-
कुल			**40 (+12 NHM)**	**40**	**4 (–4सरप्लस)**	**11**

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

क्र सं.	चिकित्सा संस्था का नाम	पद का नाम	एन.एच.एम द्वारा
1.	बसई एनक्लेव	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1
2.	फाज़ीपुर गांव	चिकित्सा	1

		अधिकारी	
		नर्सिंग अधिकारी	1
3.	फिरोज़ गांधी कालोनी	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1

4.	गांधी नगर	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1
5.	खाण्डसा	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1

6.	नाहरपुर रुपा	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1
7.	ओम नगर	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1

8.	पटेल नगर	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1
9.	टिगरा	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1

कुल	**18**

जिला गुरुग्राम में (बादशाहपुर विधानसभा निवार्चन क्षेत्र के अलावा) स्थित प्राथमिक केन्द्रों में चिकित्सा अधिकारियों व नर्सिग अधिकारियों का विवरण इस प्रकार है :–

ग्रामीण सी.एच.सी.ईज / पी.एच.सी.ईज.

क्र सं.	**सुविधा**	**पद का नाम**	**स्वीकृत**	**भरे हुए**	**खाली**	**एन.एच.एम. द्वारा**
1.	सी.एच.सी. भौराकलां	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	1	0	-

		चिकित्सा अधिकारी	7	8	- 1	-
		वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी	1	0	1	-
		नर्सिंग अधिकारी	8 (+3 NHM)	5	3	3

2.	पी.एच.सी. मंदपुरा	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0	-
		नर्सिंग अधिकारी	2 (+3 NHM)	1	1	3
3.	पी.एच.सी. कासन	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0	-

		नर्सिंग अधिकारी	2 (+3 NHM)	1	1	3
4.	पी.एच.सी. नखरौला	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0	-
		नर्सिंग अधिकारी	2	1	1	-
5.	पी.एच.सी.	चिकित्सा	2	1	1	-

	गढी हरसारू	अधिकारी				
		नर्सिंग अधिकारी	2	2	0	-
6.	पी.एच.सी गुरूग्राम गांव	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0	-
		नर्सिंग अधिकारी	2 (+3 NHM)	2	0	3

7.	सी.एच.सी घंघोला	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	1	1	0	-
		चिकित्सा अधिकारी	7	7	0	-
		वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी	1	0	1	0
		नर्सिंग अधिकारी	5	2	3	3

			(+3 NHM)			
8.	पी.एच.सी भौंड़सी	चिकित्सा अधिकारी	2	2	0	-
		नर्सिंग अधिकारी	2 (+3 NHM)	2	0	3

कुल	**55 (+18 NHM)**	**46**	**12 (–1 सरपलस)**	18

जिला गुरुग्राम की शहरी पी.एच.सी. में चिकित्सा अधिकारियो और नर्सिंग अधिकारियों का विवरण (बादशाहपुर विधानसभा निवार्चन क्षेत्र के अलावा) निम्नानुसार है :–

क्र सं.	**सुविधा**	**पद का नाम**	**एन.एच.एम. द्वारा**
1.	चौमा	चिकित्सा अधिकारी	1

		नर्सिंग अधिकारी	3
2.	लक्ष्मण विहार	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	4
3.	मानेसर	चिकित्सा अधिकारी	1

		नर्सिंग अधिकारी	3
4.	मुल्लाहेड़ा	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1
5.	नाथुपर	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1

6.	राजेन्द्रा पार्क	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	4
7.	राजीव नगर	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1
8.	सुखराली	चिकित्सा	1

		अधिकारी	
		नर्सिंग अधिकारी	1
9.	सूरत नगर	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1
10.	चन्द्रलोक	चिकित्सा अधिकारी	1

		नर्सिंग अधिकारी	1
11.	घाट कालोनी	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1
12.	शीतला कालोनी	चिकित्सा अधिकारी	1
		नर्सिंग अधिकारी	1

कुल	**34**

(घ) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फारुख़ नगर को 50 बिस्तरीय वाले नागरिक हस्पताल में अपग्रेड करने बारे प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

(ड़) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वज़ीराबाद आई0एस0ओ0 प्रमाणित है, इसके अलावा, जिला गुरुग्राम में 01 पी0एच0सी0 और 01 उप मण्डलीय अस्पताल राष्ट्रीय गुणवता आश्वासन मानक (NQAS) प्रमाणित है वह हैं, पी0एच0सी0 वज़ीराबाद और उप मण्डलीय अस्पताल, सोहना।

(च) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में गुणवता सुधार के लिए राष्ट्रीय गुणवता आश्वासन मानक (NQAS) जारी किए हैं। इन मानकों को हरियाणा की विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में लागू किया जा रहा है । हरियाणा के 11 जिला अस्पतालों, 04 सिविल अस्पतालों (एस.डी.एच.), 03 सी.एच.सी, 02 शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, 89 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और 17 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित 126 स्वास्थ्य संस्थाओं ने राष्ट्रीय गुणवता आश्वासन मानक (NQAS) के अनुसार राष्ट्रीय प्रमाणन प्राप्त किया है ।

.....

रास्ते का निर्माण कार्य

110. श्री नीरज शर्मा : अध्यक्ष महोदय, क्या उप मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे–

(क) क्या यह तथ्य है कि सोहना रोड़ खेडी कॉलोनी से सूखी नहर के ऊपर से होकर नेकपुर/गांव पाली को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता जो बहुत बुरी अवस्था में है, जिसके कारण बारिश के दौरान कई दिनों तक रास्तों पर पानी भरा रहता है; तथा

(ख) यदि नहीं, तो उपरोक्त रास्ते का निर्माण कार्य कब तक पूरा किए जाने की संभावना है?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, जवाब दो भागों में निम्न प्रकार से हैः–

(क) नहीं, श्रीमान जी। प्रस्तावित रास्ता पहले ही नेकपुर माइनर पर सर्विस रोड है (नक्शा संलग्न है)। नेकपुर माइनर के दाहिने किनारे पर नेकपुर–पाली रोड से बल्लभगढ़–सोहना रोड अर्थात बुर्जी संख्या 4200′ से 10000′ तक पक्की सड़क के निर्माण की मांग है। इस

पहुंच (reach) में चैनल के निरीक्षण के लिए एक सर्विस रोड (कच्चा) मौजूद है। सिंचाई विभाग सार्वजनिक उद्देश्य के लिए पक्की सड़क नहीं बनाता है। हालाँकि यदि कोई भी विभाग जैसे हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, पंचायती राज, लोक निर्माण विभाग (भवन व सड़कें) आदि चैनल के साथ पक्की सड़क बनाना चाहता है, तो उन्हें सिंचाई विभाग द्वारा सरकार की नीति के अनुसार अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया जाएगा और व्यय भी संबंधित विभाग द्वारा वहन किया जाएगा, जो अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगता है।

(ख) उपरोक्त (क) के मद्देनजर इसका कोई औचित्य नहीं है।

.

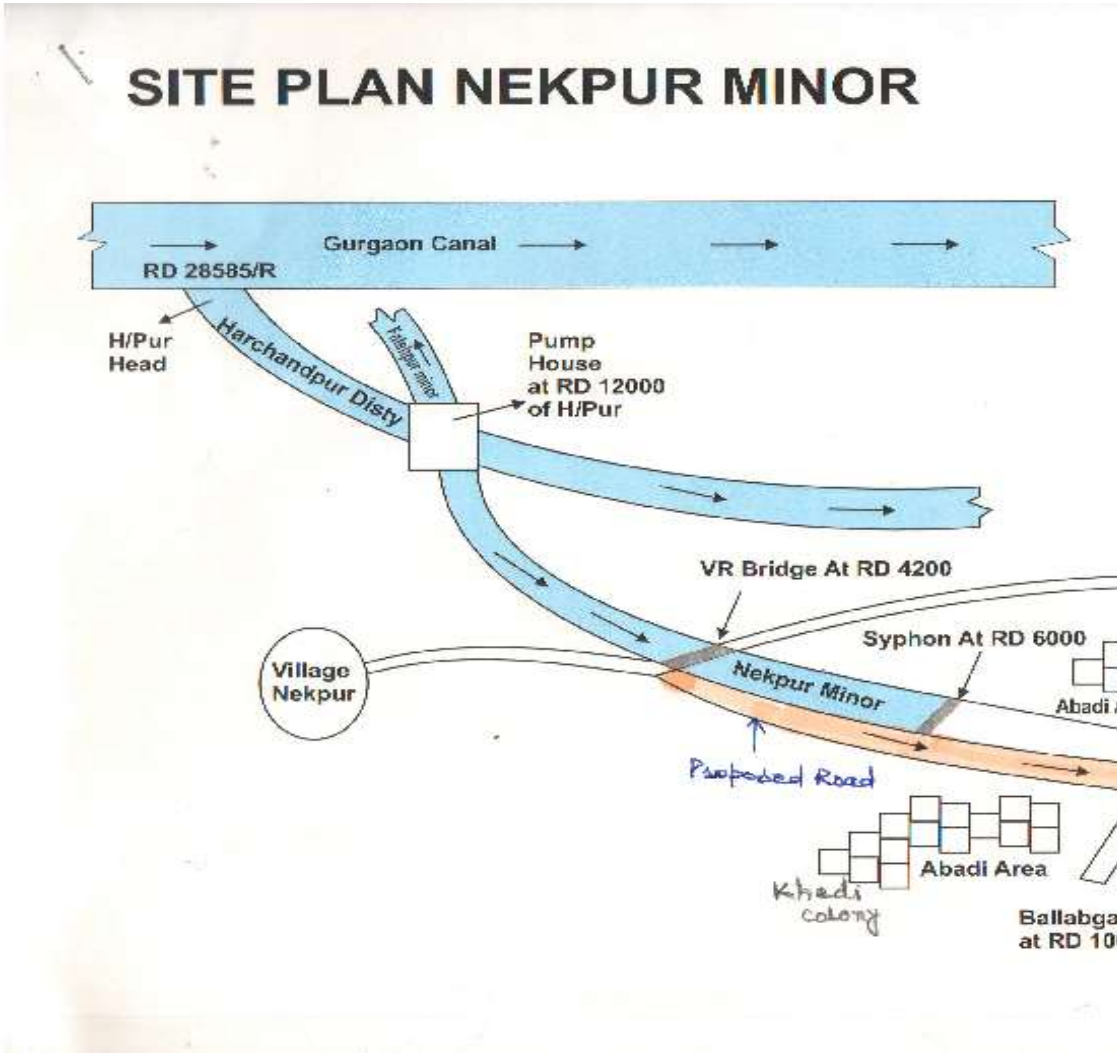

सड़क का निर्माण करना

111 . श्री नीरज शर्मा : अध्यक्ष महोदय, क्या उप मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि -

(क) लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत पड़ने वाले बल्लभगढ़ से मोहना सड़क की लम्बाई कितनी है;

(ख) क्या उक्त सड़क चलने योग्य स्थिति में है; तथा

(ग) यदि नहीं, तो उक्त सड़क को कब तक चलने योग्य बनाए जाने की संभावना है?

उप मुख्यमंत्री (**श्री** दुष्यंत चौटाला): अध्यक्ष महोदय, जवाब निम्न प्रकार से दिया जा रहा है:–

(क) लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आने वाली बल्लभगढ़ से मोहना तक सड़क की कुल लम्बाई 19.72 **किलोमीटर** है अर्थात 2.00 किलोमीटर से 21.72 किलोमीटर तक है।

(ख) किलोमीटर 2.00 से किलोमीटर 3.00 और किलोमीटर 14.96 से किलोमीटर 21.72 तक की सड़क का रखरखाव प्रांतीय प्रभाग, हरियाणा पीडब्ल्यूडी बी एंड आर फरीदाबाद द्वारा किया जा रहा है जो अच्छी स्थिति में है। बल्लभगढ़ छैंसा मोहना रोड के किलोमीटर 3.00 से किलोमीटर 14.96 तक की सड़क को एचएसआरडीसी द्वारा चार मार्गीय बनाया जा रहा है।

(ग) चार मार्गी कार्य किलोमीटर 3.00 से किलोमीटर 14.96 तक दिनांक 31.12.2023 तक पूर्ण होने की सम्भावना है।

एकत्रित पानी की निकासी करना

112. **श्री नीरज शर्मा**: अध्यक्ष महोदय, क्या उप मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि-

(क) क्या यह तथ्य है कि बल्लभगढ़-सोहना रोड (जो कि एक टोल रोड है) पर सुखी नहर से पाली गांव तथा पाली गांव से भांकड़ी तक गुरूग्राम जाने वाले रास्ते पर पानी एकत्रित होता है तथा सड़क भी चलने योग्य नहीं है; तथा

(ख) यदि हां, तो उपरोक्त सड़क को कब तक चलने योग्य बनाए जाने की संभावना है तथा उपरोक्त सड़क पर एकत्रित पानी की समस्या का समाधान कब तक किये जाने की संभावना है?

उप मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला): अध्यक्ष महोदय, जवाब दो भागों में दिया जा रहा है:–

(क) श्रीमान जी, बल्लभगढ़-सोहना मार्ग कि.मी. 7.80 से कि.मी. 8.00 तक तथा पाली-भांकरी मार्ग कि.मी. 1.35 से कि.मी. 2.00 तक और कि.मी. 2.58 से कि.मी. 3.00 तक जलभराव के कारण सड़क क्षतिग्रस्त है।

(ख) बल्लभगढ़-सोहना मार्ग पर कि.मी. 7.80 से कि.मी. 8.00 तक सीमेंट कंक्रीट सड़क का निर्माण कार्य दिनांक 15.04.2023 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। पाली-भांकरी मार्ग (साइड ड्रेन सहित) के कि.मी. 1.35 से कि.मी. 2.00 और कि.मी. 2.58 से कि.मी. 3.00 तक सीमेंट कंक्रीट सड़क के निर्माण कार्य के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी हैं जो दिनांक 24.03.2023 को प्राप्त होंगी। कार्य इसके प्रारंभ होने की तिथि से 6 महीने की अवधि में पूरा कर लिया जायेगा।

———————

शराब घोटाले की जांच

113. श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, क्या गृह मंत्री कृपया बताएंगे किः–

(क) क्या यह तथा है कि वर्ष 2020 में शराब घोटाले की जांच के लिए सरकार द्वारा विशेष जांच दल का गठन किया गया है, यदि हां, तो उक्त रिपोर्ट का ब्यौरा क्या है, तथा

(ख) क्या उक्त रिपोर्ट में दोषी पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध सरकार द्वारा कोई कार्रवाही की गई है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

गृह मंत्री (अनिल विज): नहीं श्रीमान् जी ।

(क) कोरोना काल में लाक डाउन के दौरान खरखौदा में शराब तस्करी की जांच के लिए सरकार ने एस.आई.टी. का गठन नहीं किया है।

(ख) सरकार द्वारा इस मामले में निम्नलिखित कदम उठाए गए है।

1. विशेष जांच दल का गठन ।

इस मामले में अवगत करवाया जाता है कि आदेश संख्या 6/2/2020-2एच.सी. दिनांक 11.05.2020 के तहत, गृह विभाग, हरियाणा ने खरखौदा-मटिंडू रोड, सोनीपत, हरियाणा में अस्थायी

गोदाम में बरामद शराब के स्टॉक से चोरी के मामले की जांच करने के लिए श्री टी.सी. गुप्ता, आईएएस, तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एस.ई.टी.) का गठन किया।

दिनांक 30.07.2020 को, विशेष जांच दल (एस.ई.टी.) ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी जिसमें रिपोर्ट में उल्लिखित चूकों के लिए व्यक्तिगत अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की सिफारिशें और आबकारी विभाग के कामकाज में व्यवस्थित सुधार के लिए सुझाव/अनुशंसित उपाय भी शामिल हैं। उक्त रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्यवाही/शुरु की गई, जिनका वर्णन नीचे वर्णित किया गया है। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि पूरे मामले की जांच राज्य सतर्कता ब्यूरो द्वारा की जाए।

2. अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में कमेटी व विशेष जांच दल का गठन ।

इस मामले में श्रीमति कलारामचंद्रन, आईपीएस अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक कमेटी तथा श्री श्रीकांत जाधव, आईपीएस अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक

विशेष जांच दल का गठन किया गया । 14 मामलों में 27 पुलिस कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है।

3. आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा की गई कार्रवाई।

दिनांक 17.12.2020 को उस निरीक्षक को आरोप पत्र जारी किया गया है जिसके खिलाफ इस मामले में जिला सोनीपत में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा विभाग ने हरियाणा सिविल सेवा (सजा और अपील) नियम, 2016 के नियम 7 के तहत 07 एईटीओ को चार्जशीट भी जारी की है, जिन्होंने 27.03.2020 से 31.03.2020 की अवधि के दौरान परमिट स्वीकृत किए थे, जबकि शराब की दुकानों को कोविड-19 महामारी लॉकडाउन के कारण बंद करने के लिए आदेश दिए गए थे। इसके अलावा, इस मामले में हरियाणा सिविल सेवा (सजा एवं अपील) नियम, 2016 के नियम 8 के तहत 01 एईटीओ को आरोप पत्र जारी किया गया है। इसके अलावा, हरियाणा सिविल सेवा (सजा और अपील) नियम, 2016 के नियम 7 के तहत उन 15 आबकारी निरीक्षको को आरोप पत्र जारी किए गए हैं, जिन्होंने 27.03.2020 से 31.03.2020 की अवधि के दौरान परमिट स्वीकृत किए थे, जबकि शराब की दुकानों को कोविड-

19 महामारी लॉकडाउन के कारण बंद करने के लिए आदेश दिए गए थे।

4. राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा जांच ।

जैसा कि महानिदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा सूचित किया गया है, एक जांच संख्या 4 दिनांक 01.09.2020/पंचकुला को राज्य सतर्कता ब्यूरो (अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) द्वारा दर्ज किया गया है। इस पूछताछ के दौरान अब तक 214 शराब ठेकेदारों, आबकारी और कराधान विभाग के 111 अधिकारियों / कर्मचारियों, पुलिस विभाग के 869 राजपत्रित/अराजपत्रित अधिकारियों/कर्मचारियों तथा डिस्टिलरी, ब्रुअरीज और बॉटलिंग प्लांट से सम्बन्धित 46 व्यक्तियों के ब्यान दर्ज किये जा चुके है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अपनी जांच जारी रखे हुए है। तदानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा, हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव की एक सदस्यीय समिति का गठन 18.05.2022 को अन्य सुझावों के साथ-साथ किए जाने वाले सुधारात्मक उपायों की पहचान करने के लिए किया गया है।

राज्य में भारी बरसात और ओला वृष्टि से खराब हुई फसलों की गिरदावरी करवाने का मामला उठाना।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, हमने राज्य में हुई भारी बरसात और ओला वृष्टि से खराब हुई फसलों की गिरदावरी संबंधी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया था। (विघ्न)

श्री आफताब अहमदः अध्यक्ष महोदय, मैंने तथा हमारी पार्टी के अन्य सदस्यों ने भी इस बारे में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिए हुए हैं, उनका क्या फेट है?

श्री अध्यक्षः बहन जी, कल या परसों जो राज्य में भारी बरसात और ओला वृष्टि से फसलें खराब हुई हैं उनसे संबंधित आप लोगों ने जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिये हुए हैं, उन्हें स्वीकार कर लिया गया है।

.....

प्रश्न काल में तारांकित प्रश्न संख्या 71 न लगने संबंधित मामला उठाना

श्री नीरज शर्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न का कल भी नम्बर नहीं आया। आज प्रश्न काल 11:01 मिनट पर शुरू हुआ था और 12:00 बजे आपने समाप्त कर दिया। इस प्रश्न काल के दौरान आपने लगभग 2 मिनट घोषणा के लिये भी समय लिया, कृपया करके वह घोषणा बाद में कर देते। प्रश्न काल में ही चेयर का और माननीय सदस्य, श्री अभय सिंह चौटाला के साथ बहस में काफी समय व्यतीत हुआ है। इस समय को प्रश्न काल से निकाल कर मेरा प्रश्न जरूर लगाओ। मेरा हर बार प्रश्न लगने से रह जाता है। मुझे लगता है कि सदन ने कोई टारगेट फिक्स किया हुआ है कि नीरज शर्मा का प्रश्न आते ही उससे पहले प्रश्न काल समाप्त कर दो।

श्री अध्यक्षः शर्मा जी, ऐसी बात नहीं है।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, यह हमारे लिये चिंता का विषय है कि हमारे पूरे प्रश्न नहीं लग रहे हैं

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, यदि प्रश्न काल में ज्यादा से ज्यादा प्रश्न करने हैं तो सप्लीमैंट्री और बहस को कम करना होगा। मैं तो स्वयं यह चाहता हूँ कि प्रश्न काल में 20 के 20 प्रश्न जरूर लगें लेकिन उसके लिये सभी माननीय सदस्यों का आपस में सहयोग जरूर होना चाहिये। इसके लिये मैं भी तैयार हूँ। यदि प्रश्न काल में माननीय सदस्यगण बहस करने लगेंगे तो कम प्रश्न ही लग पायेंगे।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, जब किसी माननीय सदस्य के हल्के से संबंधित प्रश्न लगते हैं और संबंधित मंत्री से जवाब नहीं हो पाता है तो सदस्यों को पीड़ा तो होती ही है।

श्री अध्यक्षः गीता जी, मैं आपकी भावना समझता हूँ। मैं सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करता हूँ कि प्रश्न काल के दौरान अपने प्रश्न के विषय पर ही बात करें। इस संबंध में नियम के मुताबिक दो सप्लीमैंट्री अलाउ हैं, केवल दो ही सप्लीमैंट्री करें। जब माननीय सदस्य किसी चीज को लेकर बहस करते हैं तो जिन माननीय सदस्यों के आगे प्रश्न लगे होते हैं, उनको इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है, इसलिए सभी माननीय सदस्यों से निवेदन है कि इस बात का ख्याल रखें कि प्रश्न काल में उतना ही समय लें जितने समय की आवश्यकता है।

.....

सदस्यों की अनुपस्थिति के संबंध में सूचना देना

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, मुझे सदन को सूचित करना है कि–

(क) श्री अनिल विज, माननीय गृह मंत्री, हरियाणा ने पत्र के माध्यम से मुझे सूचित किया है कि अस्वस्थ होने के कारण वे आज दिनांक 20.03.2023 को सदन की बैठक में उपस्थित नहीं हो सकते हैं।

(ख) इसी तरह से, मुझे श्री गोपाल काण्डा, विधायक ने पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि आवश्यक पारिवारिक कारणों के चलते वे आज दिनांक 20.03.2023 को सदन की बैठक में उपस्थित नहीं हो सकते हैं।

(ग) इसी तरह से मुझे श्री संदीप सिंह, मुद्रण तथा लेखन सामग्री राज्य मंत्री ने ई–मेल के माध्यम से सूचित किया है कि कुछ अपरिहार्य व्यक्तिगत कार्यों के कारण वे आज दिनांक 20.03.2023 को सदन की बैठक में उपस्थित नहीं हो सकते हैं।

(घ) इसी तरह से, मुझे श्रीमती नैना सिंह चौटाला, विधायक ने पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि कुछ लंबित घरेलू दायित्वों के कारण वे आज दिनांक 20.03.2023 को सदन की बैठक में उपस्थित नहीं हो सकती हैं।

(ड़) इसी तरह से, मुझे श्री सुधीर सिंगला, विधायक ने ई–मेल के माध्यम से सूचित किया है कि अस्वस्थ होने के कारण वे आज दिनांक 20.03.2023 को सदन की बैठक में उपस्थित नहीं हो सकते हैं।

.....

शून्य काल में बोलने वाले माननीय सदस्यों के नामों की सूचना

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब शून्य काल शुरू होता है ।

अभी तक शून्य काल में जिन माननीय सदस्यों को बोलने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ है वे माननीय सदस्य इस प्रकार हैं :– श्रीमती किरण चौधरी, श्री प्रदीप चौधरी, श्री राम निवास, श्री राम करण काला, श्री राकेश दौलताबाद, श्री घनश्याम दास अरोड़ा, श्री राम कुमार कश्यप, श्री अमरजीत ढाण्डा, श्री दीपक मंगला ।

17 मार्च, 2023 को निकाले गए ड्रॉ में जिन माननीय सदस्यों का नाम निकला था वे इस प्रकार हैं :– डॉ. अभय सिंह यादव, श्री वरूण चौधरी, श्रीमती

शैली, श्री मेवा सिंह, श्री असीम गोयल, श्री सुभाष गांगोली, श्री राकेश दौलताबाद, श्रीमती रेणु बाला, श्री हरविन्द्र कल्याण ।

20 मार्च, 2023 को निकाले गए ड्रॉ में जिन माननीय सदस्यों का नाम निकला है वे इस प्रकार हैं :–

इनमे श्री सोमबीर सांगवान जी बोल चुके हैं, श्री रणधीर गोलन जी ने अभी बोलना है, श्री अमित सिहाग जी बोल चुके हैं, श्री इंदु राज जी ने अभी बोलना है, श्री अभय सिंह चौटाला जी बोल चुके हैं, श्री राकेश दौलताबाद जी और श्री सुभाष सुधा जी ने अभी बोलना है, श्री जगदीश नायर जी 22.02.2023 को शून्य काल के दौरान बोल चुके हैं, श्रीमती रेणु बाला जी ने अभी बोलना है, श्री नीरज शर्मा जी और श्री लक्ष्मण नापा जी भी बोल चुके हैं, श्रीमती किरण चौधरी जी का बोलना अभी बकाया है ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, अभी तक शून्य काल में जिन माननीय सदस्यों को बोलने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ है आप एक बार हमें उनके नाम बता दें ।

श्री अध्यक्ष : अभी तक शून्य काल में जिन माननीय सदस्यों को बोलने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ है वे माननीय सदस्य इस प्रकार हैं :– श्रीमती किरण चौधरी, श्री प्रदीप चौधरी, श्री राम निवास, श्री राम करण काला, श्री राकेश दौलताबाद, श्री घनश्याम दास अरोड़ा, श्री राम कुमार कश्यप, श्री अमरजीत ढाण्डा, श्री दीपक मंगला ।

.....

ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के बारे में सूचना देना

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, आप एक बार हमें हमारे द्वारा दिए गए कॉलिंग अटैंशन मोशंज और एडजर्नमैंट मोशंज की स्वीकृति/अस्वीकृति से संबंधित सूचना भी दे दें ।

श्री अध्यक्ष : मुझे कुल 77 कॉलिंग अटैंशन मोशंज प्राप्त हुए हैं । इनमें से 61 कॉलिंग अटैंशन मोशंज अस्वीकृत हुए हैं, 7 कॉलिंग अटैंशन मोशंज विचाराधीन हैं, 2 कॉलिंग अटैंशन मोशंज टिप्पणी के लिए सरकार के पास गए हुए हैं और कुल 7 ध्यानाकर्षण सूचनाएं स्वीकृत की गई हैं । जो ऐडमिट हुए हैं मैं उनके बारे में भी बता देता हूं । श्री वरूण चौधरी विधायक, श्री भारत भूषण बतरा विधायक और श्री आफताब अहमद विधायक द्वारा दिए गए अल्पावधि चर्चा को ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–50 में परिवर्तित कर दिया गया है । ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–50 को श्री नीरज शर्मा द्वारा दी गई ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–42 के साथ संलग्न किया गया है जोकि 22.02.2023 के लिए स्वीकृत किया जा चुका है । ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–13 के साथ ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–57 को संलग्न किया गया है जिस पर 17.03.2023 को चर्चा हो चुकी है । ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–2 के साथ ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–48 और ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–54 को संलग्न किया गया है जोकि 22.03.2023 के लिए स्वीकृत है । मैं बताना चाहता हूं कि जिन माननीय सदस्यों ने हमें ध्यानाकर्षण सूचना दी थी उनको ध्यानाकर्षण सूचनाओं के स्वीकृत/अस्वीकृत होने से संबंधित सूचना पहले ही लिखित रूप में दे दी गई है । 'नारनौल, महेन्द्रगढ़ और चरखी दादरी समेत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में खराब मौसम की वजह से सरसों की फसल के बुरी तरह से बर्बाद होने बारे' ध्यानाकर्षण सूचना 22.03.2023 के लिए स्वीकृत हो चुकी है । 22.03.2023 के लिए ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–2 के साथ ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–48 और ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–54 को समान विषय का होने के कारण संलग्न किया गया है । मेरे पास श्री बलराज कुण्डू जी, श्रीमती किरण चौधरी जी, राव दान सिंह जी, श्री जगबीर सिंह मलिक जी, श्री आफताब अहमद जी, श्री मामन खान जी, राव चिरंजीव जी और श्री शीशपाल जी की ओर से ध्यानाकर्षण सूचना आई हुई है ।

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपके पास एक ध्यानाकर्षण सूचना भेजी थी । उसका क्या डिसिजन हुआ ?

श्री अध्यक्ष : गौतम जी, आपकी दी हुई ध्यानाकर्षण सूचना रिजैक्ट हो गई है ।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, आप हमें बता दो कि कौन–कौन–सी ध्यानाकर्षण सूचना संख्या रिजैक्ट हुई है ।

श्री अध्यक्ष : मलिक साहब, मेरे पास जिस भी माननीय सदस्य ने जो भी मैटर भेजा था हमने उसके बारे में उनको लिखित में सूचना दे दी है ।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, सरकार डिस्कशन से भागना चाहती है ।

श्री अध्यक्ष : मलिक साहब, किसी से कोई नहीं भागना चाहता । जो मैटर नियम के अनुसार सही नहीं था उसको हमने रिजैक्ट किया है ।

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मेरे पास अभी तक कोई सूचना नहीं पहुंची है ।

श्री अध्यक्ष : गौतम जी, इसे मैं अभी दिखवा लेता हूं । अभी 15–20 मिनट के बाद ही आपके पास सूचना आ जाएगी । कुछ मैटर्स पर आज सुबह ही डिसिजन हुआ है ।

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपके पास जो ध्यानाकर्षण सूचना भेजी थी क्या वह रिजैक्ट हो गई है ?

श्री अध्यक्ष : गौतम जी, आपकी दी हुई ध्यानाकर्षण सूचना रिजैक्ट हो गई है।

.....

शून्यकाल में विभिन्न मामलों/मांगों को उठाना

श्री अध्यक्ष : शून्यकाल में अब श्री प्रदीप चौधरी जी बोलेंगे ।

श्री प्रदीप चौधरी (कालका) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे सदन में बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद । मैं आपके माध्यम से

सदन में अपने कालका विधान सभा क्षेत्र और आमजन से जुड़ी कुछ प्रमुख समस्याएं रखना चाहता हूं । जब भी विधान सभा का सत्र आता है तो आवारा और बेसहारा पशुओं की सदन में चर्चा होती है । अभी हाल ही में मेरे क्षेत्र में दो बेसहारा पशुओं की लड़ाई की वजह से एक 5 साल की बच्ची की जान चली गई । इसके अलावा वहां पर पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं । अतः वहां पर सरकार को ठोस नीति बनाकर विशेष कदम उठाने चाहिए । इसी तरह से कालका में हमारा काली माता का जो मंदिर है उसमें शनिवार, मंगलवार, इतवार और नवरात्रों के दौरान अनेक श्रद्धालु आते हैं । वहां पर पार्किंग की समस्या का अभी तक हल नहीं हुआ है । बालाजी मंदिर ने काली माता मंदिर के नाम 11 बीघे जमीन करवा रखी है । कहा गया था कि एक साल में पार्किंग बना देंगे । अब एक साल पूरा हो चुका है लेकिन अभी तक पार्किंग की उस समस्या का हल नहीं हुआ है । इसी तरह से आज अखबार में छपा है कि काली माता के मंदिर में पानी की दिक्कत आ रही है । पिंजोर और कालका में सर्दियों में 15–15 मिनट के लिए पानी मिलता है और गर्मियों में हालात बहुत खराब होते हैं तो सरकार इस ओर विशेष ध्यान दे । जब तक वहां पर 10–15 ट्यूबवैल्ज नहीं लगाए जाएंगे तब तक उस समस्या का समाधान नहीं होगा । इसी तरह शामलात देह की बात हो या मस्तरका मालकान की बात हो जिस जमीन को किसान या कास्तकार पीढ़ियों से बोते आ रहे हैं और जिनके नाम जमीन का इन्तकाल व गिरदावरी भी है, अब उन पर भी कहीं–न–कहीं तलवार लटक रही है । माननीय मुख्यमंत्री महोदय से किसान मिले थे और उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया था कि विधान सभा में इस पर जरूर बात रखेंगे । इसी तरह रायपुररानी में बहुत समय से एक सब–डिविजन की मांग है । अतः सरकार इस पर भी विशेष तौर पर ध्यान दे । अगर मैं अपने क्षेत्र के रोड्ज की बात करूं तो रोड्ज की हालत बहुत ज्यादा खराब है । अध्यक्ष

महोदय, आप भी जानते हैं कि हमारे हरिपुर बाबा तक जाने वाले वाला रोड जोकि हिमाचल प्रदेश के साथ लगता है, वह रोड बिल्कुल टूटा पड़ा है । इसी तरह मढ़ावाली–बरौटी वाला जो रोड है, उस पर बहुत सालों से काम नहीं हुआ है । वह रोड भी इसी तरह से जो टैण्डर्ज होते हैं, जैसे दमाले का टैण्डर हुआ तो वहां पर नाले का प्रावधान नहीं रखा गया । वहां पर लोगों ने सड़क नहीं बनने दी । इसी तरह से रायपुररानी में खटौली चौक से लेकर त्रिलोकपुर चौक तक सारी सड़क टूटी पड़ी है । ऐसी अनेकों सड़कें हैं जहां पर हालात बहुत खराब है । अगर मैं मोरनी की बात करूं तो जो शेर ज्वाइन गांव है वहां पर बैगना नदी है । वहां पर बेहोज कुदाना, भोज राजपुरा, भोज नग्गल और रायपुररानी के बहुत–से गांवों को पशुओं के पीने के लिए पानी एवं सिंचाई के लिए पानी की बहुत भारी समस्या है । अगर वहां पर एक डैम का निर्माण कर दिया जाए तो उससे यह समस्या हल हो सकती है । अध्यक्ष महोदय, इसी तरह अमरावती में इस्लामनगर और भगवानपुर में गवर्नमैंट से लाइसैंस लेकर एक कॉलोनी काटी गई थी । कॉलोनी के निवासियों का कहना है कि हमें अभी तक अपने मकानों का मालिकाना हक नहीं मिला है । अगर हम अपने मकान को अपने वारिस के नाम करवाना चाहें तो हम उनके नाम नहीं करवा सकते । अगर हम उस मकान पर कोई लोन लेना चाहें तो हम कोई लोन भी नहीं ले सकते । अगर हम अपने मकान को बेचना चाहें तो उसमें भी हमें बहुत दिक्कत आती है । उनका कहना है कि वहां पर नगर परिषद हमारे से टैक्स वसूलती है । नगर परिषद या तो हमारे से टैक्स न वसूले या फिर हमें सुविधाएं दे । उसको नगर परिषद के अंडर लाया जाए । वहां पर लोगों की ऐसी बहुत मांगें हैं । इसी तरह से नगर परिषद, पिंजोर–कालका में कूड़े के ढ़ेर लगे रहते हैं । वहां पर कोई आग लगाकर कूड़े को सुलगा देता है । उससे वहां पर धूंआ–प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है । अतः सरकार इस पर भी ध्यान दे और वहां पर डम्पिंग

ग्राउंड की व्यवस्था की जाए। चिट्टे के नशे के विषय पर मैं कहना चाहता हूं कि पिछले दिनों कालका के थाने में इसको लेकर बहुत–से लोग इकट्ठे हुए थे और वहां पर मुझे भी बुलाया गया था । वहां पर जो लोग बेखौफ होकर चिट्टा बेचते हैं उनके विषय में हमने पुलिस को कहा कि उन पर कार्रवाई क्यों नहीं होती । इस पर उन्होंने हमसे कहा कि उन पर कार्रवाई हुई थी और केस भी दर्ज हुए थे लेकिन उनकी जमानत हो जाती है । सरकार कड़े कानून बनाकर ऐसे बेखौफ नशा बेचने वालों पर शिकंजा कसने का जरूर काम करें। जहां तक परिचालक और कंडक्टरों की बात है तो इन्हें रक्षा बंधन और होली के दिन भी छुट्टी नहीं मिलती है और इनके बहुत लम्बे समय से मांग है कि इनका पे–स्केल नहीं बढ़ाया गया और जो मनरेगा ग्राम रोजगार सहायक 14 वर्षों से लगे हुए हैं, इनकी तनख्वाह 6000 रुपये मासिक ही है। इस पर भी जरूर ध्यान दिया जाये क्योंकि बेरोजगारी लगातार बढ़ती ही जा रही है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि हमारे लिए 7–ए बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है इसको भी खत्म करने का काम किया जाये। इसके अलावा मेरे विधान सभा क्षेत्र के गांवों में बसों की सुविधा बहुत कम है, कहीं–कहीं पर बसों की बहुत दिक्कत है। वहां पर बसों की सुविधा को सही ढंग से लागू करने का काम किया जाये। अगर सरकार इन समस्याओं का हल करवाने का काम करती है तो हमें इसमें कामयाबी जरूर मिलेगी। आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री राम निवास (नरवाना) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका तहेदिल की गहराईयों से धन्यवाद करना चाहूंगा कि जो आपने मुझे सदन में अपने विचार रखने का अवसर दिया। मेरे क्षेत्र की बहुत सी समस्याएं हैं, जिनका निदान सरकार के द्वारा किया गया है और आज भी मैं आशा करता हूं कि जिन समस्याओं से मैं सदन को अवगत करवाऊंगा, उनका जल्द से जल्द समाधान किया जायेगा।

सर्वप्रथम मैं हमारे प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी का अपने नरवाना हल्के की जनता की ओर से धन्यवाद करना चाहूंगा, जिनके सहयोग से मेरे हल्का नरवाना की सबसे बड़ी समस्या सीवरेज एवं पीने के पानी के समाधान के लिए लगभग 135 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है। जिसमें 75 करोड़ रुपये सीवरेज के लिए, 45 करोड़ रुपये पीने के पानी के लिए और 15 करोड़ रुपये सीवरेज ट्रीटमैंट प्लांट के लिए दिये हैं। साथ ही हरियाणा प्रदेश देश का पहला ऐसा प्रदेश है जहां माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयास से किसानों को खड़ी फसलों के आगजनी के नष्ट हो जाने से नुकसान का मुआवजा 12 हजार रुपये प्रति एकड़ मिल सका है। मेरे हल्का नरवाना के गांव सुंदरपुरा व बड़नपुर को नरवाना तहसील में जोड़ा जाए। अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कई बार मेरे हल्के के गांव सुंदरपुरा व बड़नपुर को उचाना तहसील से नरवाना तहसील में जोड़े जाने के लिए आवाज उठाई है परन्तु यह विषय ज्यों का त्यों लंबित पड़ा हुआ है। जिसके लिए हिसार कमिश्नर से भी इन दोनों गावों को नरवाना में जोड़ने के लिए एफ. सी.आर. की रिपोर्ट आ चुकी है। फिर भी अभी तक कोई कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी है। कृप्या इन गांवों को नरवाना तहसील में जल्द से जल्द जोड़ा जाए। मेरा अगला विषय नरवाना हल्के में महिला नर्सिंग कॉलेज बनाए जाने के सदंर्भ में है। अध्यक्ष महोदय, मेरा हल्का ग्रामीण परिवेश में आता है जहां लड़कियों की शिक्षा के लिए कोई विशेष प्रबंध नहीं है और मैंने पहले भी कई बार महिला नर्सिंग कॉलेज बनाए जाने की मांग उठाई है। आज भी मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि कृप्या मेरे हल्के में महिला नर्सिंग कॉलेज बनाया जाये। मेरा अगला विषय नरवाना शहर में डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण हेतु है। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा नरवाना हल्के में 6 करोड़ रुपये की डिजिटल लाईब्रेरी बनाने की मंजूरी दी गई थी। जिसके लिए वित विभाग से राशि भी मंजूर हो चुकी है। मैं आपके माध्यम

से माननीय शहरी स्थानीय निकाय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि यह काम कब तक प्रांरभ होगा? कृप्या मुझे इसकी जानकारी प्रदान करने का काम किया जाये। मेरा अगला विषय नगर परिषद् में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की तनख्वाह बढ़ाये जाने के संदर्भ में है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से शहरी स्थानीय निकाय मंत्री जी को अवगत कराना चाहूंगा कि नगर परिषद् नरवाना में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को मात्र 5000 प्रति माह तनख्वाह दी जाती है। यही नहीं इनको अभी तक रोजगार कौशल निगम में शामिल किए जाने का भी कोई प्रावधान नहीं किया गया है। ऐसे में 5000 रुपये मासिक तनख्वाह में उन्हें उनके परिवार का पालन पोषण करने में बहुत ही समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आपसे विनती है कि यह विषय गंभीर है, इस पर संज्ञान लेकर इसका समाधान किया जाये। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने नरवाना शहर के विकास हेतु 10 करोड़ रुपये की धनराशि की मंजूरी दी थी। जिसमें 5 करोड़ रुपये की राशि तुरन्त वित विभाग से अप्रूव करवा दी गई थी लेकिन इन पैसों को अभी तक रिलीज नहीं किया गया है। मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि कृपया इन पैसों को जल्द से जल्द रिलीज किया जाये जिससे नरवाना शहर के विकास को गति मिल सके। मेरा अगला विषय नागरिक अस्तपाल नरवाना में डॉक्टरों की कमी व जांच की मशीन उपलब्ध कराए जाने के संबंध में है। मैं माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने मेरे नरवाना हल्के के नागरिक अस्पताल में डॉक्टरों की कमी को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है। मैं साथ ही साथ उनसे यह भी आग्रह करना चाहूंगा कि मेरे हल्के के नागरिक अस्पताल नरवाना में अभी भी कुछ डॉक्टरों की कमी है व जांच की मशीनें न होने से लोगों को इलाज कराने में समस्या आती है। कृपया नागरिक अस्पताल नरवाना में डॉक्टरों व जांच की मशीनों की कमी पूरी की जाए जिससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से न

जूझना पड़े। अध्यक्ष जी, मैंने मुख्यमंत्री विंडो पर भी रिंग रोड बनाने की अपील की थी कि मेरा नरवाना निर्वाचन क्षेत्र पंजाब बॉर्डर पर आता है। वहां से काफी संख्या में बड़े वाहनों का शहर के बीच से होकर गुजरना होता है, ऐसे में कोई अनहोनी होने का डर हमेशा बना रहता है। इस रिंग रोड के निर्माण से शहर में जाम से छुटकारा मिलेगा व बड़े वाहनों का आवागमन सुगम हो जाएगा। अध्यक्ष जी, मैंने पहले भी सदन में गांव धनौरी को नरवाना में जोड़ने के सन्दर्भ मांग उठाई थी कि निर्वाचन क्षेत्र नरवाना के गांव धनौरी के 80 प्रतिशत लोगों की जींद जिले में जुड़े रहने की मांग है। इसका सर्वे करवाकर गांव के लोगों की सुविधानुसार निष्कर्ष निकालकर इस समस्या का समाधान किया जाए और इसको नरवाना हल्के उझाना ब्लॉक में जोड़ दिया जाए। अध्यक्ष जी, इसके अलावा मेरा आपके माध्यम से सरकार से एक और निवेदन है कि अभी दो–तीन दिनों पहले बरसात हुई है जिसके कारण मेरे नरवाना हल्के में ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा प्रदेश में फसलों का नुकसान हुआ है। इसलिए सरकार मेरे नरवाना हल्के में फसलों की स्पेशल गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा दिया जाए। धन्यवाद।

श्री राम करण (शाहबाद) (अ.जा.): अध्यक्ष महोदय आपने मुझे जीरो आवर में बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से पहली डिमांड यह है कि लाडवा रोड़ से बराड़ा रोड़ और जो साहा रोड़ नया बना है वहां तक बाई–पास बनाया जाये ताकि आने वाले समय में जनता को किसी प्रकार की समस्या न आए। अध्यक्ष महोदय, मेरी दूसरी डिमांड शाहबाद के बस स्टैंड बारे है जिसकी हालत बहुत खराब है। इधर से माननीय मुख्यमंत्री जी तथा सभी मंत्री जी निकलते हैं मैं सभी से विनती करूंगा कि आप इस बस स्टैंड की हालत देखिए। मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करूंगा की शाहबाद बस स्टैंड को नया बनाया जाए। अध्यक्ष

महोदय, मेरे शाहबाद शहर के नजदीक कॉलोनियों लगती है उनकी जमीन तो पंचायत की है लेकिन उनके वोट नगरपालिका में पड़ते हैं। वहां की गली तथा नालियों का कार्य न तो पंचायत कर रही है और न ही नगरपालिका द्वारा किया जाता है। जब नगरपालिका अफसरों के पास जाते हैं तो वे कहते हैं कि यह तो पास नहीं है। वे लोग कहां जाएंगे ? अध्यक्ष जी, सदन में सरकार के सभी मंत्री बैठे हुए हैं, मैं आपके माध्यस से निवेदन करूंगा कि वे मेरी इस बात का जवाब दें। ये लोग कहां जाएंगे ? इनकी इस समस्या का क्यों हल नहीं किया जाता। अध्यक्ष महोदय, आपको माध्यम से मैं इसके लिए सी.एम. साहब तथा डिप्टी सी. एम. साहब से रिक्वैस्ट करूंगा कि सबसे पहले इनके कार्य होने चाहिए क्योंकि ये 20 वर्षों से लटके हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, शाहबाद शहर के लगते जो गांव एवं डेरे हैं उन लोगों को भी 24 घंटे बिजली दी जाए। उनको 24 घंटे बिजली क्यों नहीं दी जा रही ? ये लोग लाईनों के पैसे भी जमा करवा देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी सदन में शाहबाद मारकंडा के बस स्टैंड के सामने से अंडरपास बनाने की मांग को उठाया है क्योंकि यहां बहुत ज्यादा एक्सीडैंट होते हैं। इसके अलावा यहां बुजुर्ग, नौजवान तथा महिलाओं को एक किलोमीटर की दूरी से धूमकर आना पड़ता है। इसलिए इस समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से तीसरी डिमांड, सरकार से, चढूनी गांव में लड़कियों का एक कॉलेज बनाये जाने की करूंगा। चढूनी गांव के आसपास बहुत गांव लगते हैं और यहां पर लड़कियों का कोई भी कॉलेज न होने के कारण इन्हें समस्या का सामना करना पड़ता है। यहां कॉलेज बनाने के लिए जमीन भी अवेलेबल है इसलिए चढूनी गांव में लड़कियों का एक कॉलेज बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करूंगा कि मेरे हल्के में काली सरसों की तो खरीद हो रही है लेकिन लाल सरसों की कोई खरीद नहीं हो रही इसलिए लाल सरसों की खरीद भी की जाए

तथा आलू की फसल के पैसों का जो बोनस किसानों को एक–दो साल के बाद मिलता है, वह उन किसानों को तुरंत मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, सदन में मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री जी तथा सभी मंत्री जी बैठे हुए हैं। आपके माध्यम से मेरा निवेदन है कि सरकार मेरी इन मांगों का हल करे। अध्यक्ष महोदय, मेरा जो बोलने का समय बचा है, उस समय को नए बने विधायकों को दिया जाए। धन्यवाद।

उप–मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला): अध्यक्ष महोदय, जहां तक माननीय सदस्य ने नई बनी सड़कों के साथ बाईपास बनाने की मांग की है, मैं माननीय सदस्य से कहना चाहूंगा कि सरकार उसे ई–भूमि पर अपलोड करा देगी। जैसे सरकार ने चीका में रजिस्ट्रेशन का ऑलरेडी प्रोसैस कम्पलीट कर लिया है अगर शाहबाद में भी जमीन उपलब्ध हुई तो वैसे ही सरकार शाहबाद के अन्दर भी बाईपास बनवा देगी। जहां तक अंडरपास की बात है वह नेशनल हाईवे से संबंधित है इसलिए इस संबंध में सरकार एन.एच.ए.आई. को लिखकर देगी।

श्री राकेश दौलताबाद(बादशाहपुर): अध्यक्ष महोदय, 21 फरवरी, 2023 को मेरे तारांकित प्रश्न का जवाब सदन में रिकॉर्ड हुआ है पर उस पर डिबेट नहीं हो पाई थी क्योंकि प्रश्नकाल समाप्त हो गया था। वह प्रश्न न्यू पालम विहार की अप्रूवल का था। माननीय शहरी स्थानीय निकाय मंत्री जी ने जो जवाब दिया था उसको मैंने पढ़ा था। उस जवाब में विभाग के अधिकारियों द्वारा 3 मीटर से कम के 13 रास्ते दिखाए गये थे। विभाग के अधिकारी यहां पर बैठते हैं लेकिन अभी नहीं बैठे हैं। इस बारे में मैंने श्री वी.उमाशंकर जी से रिक्वैस्ट की थी कि एक बार मेरे साथ चल कर ग्राउंड पर उस जगह का सर्वे करवा दीजिए। वहां पर एक भी रास्ता 3 मीटर से कम चौड़ा नहीं पाया गया। मैंने एडवोकेट जनरल से लिखवा कर दिया कि कोर्ट में जो केस चल रहा है उससे इसमें कोई दिक्कत नहीं है और कॉलोनी पास हो सकती है। उस ऑर्डर को पास हुए दो साल का

समय हो चुका है और अब दो साल बाद जब मेरा यह प्रश्न लगा तो विभाग की तरफ से लिख दिया गया कि 13 रास्ते 3 मीटर से कम चौड़े हैं इसलिए कॉलोनी पास नहीं हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, विभाग को सोचना चाहिए कि इस तरह का जवाब कहां पर दिया जा रहा है?

श्री अध्यक्षः राकेश जी, अगर आपको गलत जवाब दिया गया है तो आप लिख कर दीजिए।

श्री राकेश दौलताबादः सर, मैंने लिख कर तो दे रखा है। मेरा तो आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यही निवेदन है कि न्यू पालम विहार कॉलोनी को जल्द से जल्द पास किया जाये। मैं पिछले 3 साल से इस प्रोजैक्ट पर काम कर रहा हूं। इसी प्रकार से अब मैं शिक्षा के बारे में अपने विचार रखना चाहता हूं। गुरूग्राम यूनिवर्सिटी का दर्जा स्टेट यूनिवर्सिटी से बदल कर स्टेट टैक्निकल यूनिवर्सिटी किया जाए और इसमें आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन जैसे एडवांस कोर्स बच्चों को पढ़ाए जायें। गुरूग्राम जिले के सभी स्कूल प्रिंसिपलों को 10 से 20 दिन के मैनेजमैंट कोर्स के लिए आई.आई.एम. अहमदाबाद भेजा जाए। इसकी आवश्यकता इसलिए है कि जो भी आज प्रिंसिपल के पद पर हैं या भविष्य में होंगे वह सब अध्यापक हैं न कि मैनेजर। चूंकि प्रिंसिपल के काम में लगभग सारा काम एडमिनिस्ट्रेशन और मैनेजमैंट का है इसलिए सभी प्रिंसिपल को ट्रेनिंग के लिए भेजा जाना बहुत जरूरी है। अगर उनकी ट्रेनिंग हो जायेगी तो स्कूल का एडमिनिस्ट्रेशन और भी सशक्त होगा। गुरूग्राम में हर तरह की इंडस्ट्री है इसलिए इसका लाभ गुरूग्राम के सरकारी स्कूलों के बच्चों को होना चाहिए। सरकारी खर्चे पर बच्चों को हफ्ते में एक बार सॉफ्टवेयर, ऑटोमोबाइल, टैक्सटाइल और अन्य दूसरी कंपनी के टूर सरकारी खर्च पर करवाये जाने चाहिएं। इसके अतिरिक्त एम.सी.जी. और जी.एम.डी.ए. के प्रोजैक्ट्स में प्रोजैक्ट मैनेजमैंट के बेसिक्स को फोलो नहीं किया जाता है

जिसकी वजह से हर प्रोजैक्ट में बजट से ज्यादा पैसा लगता है और समय की डैडलाइन को अनेक बार बढ़ाया जाता है। मेरी मांग है कि एम.सी.जी. और जी. एम.डी.ए. में प्रोजैक्ट पोर्टफोलियो मैनेजमैंट सॉफ्टवेयर इस्तेमाल करके हर प्रोजैक्ट को बजट और समय सीमा के अंदर पूरा किया जाए ताकि हर साल जनता का सैंकड़ों करोड़ रुपया बचाया जा सके। गुरूग्राम में बड़ी संख्या में अनप्लांड डिवैल्पमैंट के कारण पानी, सीवर और नालों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर भारी दबाव है। मेरी मांग है कि जी.एम.डी.ए. और एम.सी.जी. जैसी सरकारी ऐजेंसियां गुरूग्राम शहर के वाटर पाइपलाइन नैटवर्क, सीवर पाइपलाइन नैटवर्क और स्टॉर्म वाटर पाइपलाइन नैटवर्क का डिजिटल हाइड्रोलिक मॉडल तैयार करें। पानी, सीवर और स्टॉर्म नेटवर्क को भी बहुत सारे सेंसर के उपयोग के साथ सशक्त किया जाना चाहिए ताकि एक कंट्रोल रूम में बैठ कर पानी की लीकेज और सीवर ओवरफ्लो या बाढ़ की निगरानी की जा सके ताकि नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवा प्रदान की जा सके। अध्यक्ष महोदय, दी गुरूग्राम मैट्रोपोलिटन डिवैल्पमैंट अथॉरिटी एक्ट, दिसम्बर, 2017 को विधान सभा में पारित हुआ था। एक्ट की क्लॉज 47 में अथॉरिटी की परफॉर्मेंस रिव्यू करने का प्रावधान है जिसके अनुसार 3 साल पूरे होने पर जी.एम.डी.ए. की परफॉर्मेंस रिव्यू की जानी थी और उसको रिव्यू करने के लिए सरकार द्वारा एक कमेटी का गठन किया जाना था जिसमें राष्ट्रीय स्तर के एक्सपर्ट्स जो Urban Governance, Infrastructure Development, Environment, Management, Public Administration आदि fields से एक्सपर्ट्स होने चाहिए थे। अध्यक्ष महोदय, जी.एम.डी.ए. एक्ट को पारित हुए 5 साल हो गये हैं इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि इसके लिए रिव्यू कमेटी का गठन जल्द से जल्द किया जाए ताकि उसमें जो खामियां हैं उनको दूर करके काम सुचारू तरीके से हो पाए। धन्यवाद।

श्री राम कुमार कश्यप(इंद्री): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में अपनी बात रखने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र की कुछ समस्याओं की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मेरे निर्वाचन क्षेत्र, इंद्री के साथ में यमुना नदी लगती है। उस क्षेत्र के 5 गांव हैं जिनमें जब्ती छपरा, डबकोली कलां, डबकोली खुद, नगली तथा कमालपुर रोडान हैं। इन गांवों में जब 15 जून को जीरी लगाने का समय आता है तब बाढ़ आ जाती है और उससे पहले सरकार उनको धान लगाने नहीं देती है क्योंकि जो वर्ष 2009 का भूमिगत जल संरक्षण, अधिनियम बना उसमें स्पष्ट लिखा हुआ है कि अगर धान की नर्सरी लगानी है तो वह 15 मई के बाद लगेगी और नर्सरी से धान का रोपण करना है तो वह 15 जून के बाद होगा। जब धान लगाने का समय आता है, उस समय बाढ़ आ जाती है इसलिए उन गांवों का निवेदन यह है कि उनको 15 अप्रैल के आसपास धान लगाने की अनुमति प्रदान की जाये क्योंकि वहां पर पानी बहुत अधिक है। चूंकि यह प्रतिबंध पानी को बचाने के लिए लगाया गया है इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि भूमिगत जल संरक्षण अधिनियम, 2009 में संशोधन करके यह प्रावधान किया जाये कि जो गांव यमुना नदी के साथ लगते हैं उनको 15 अप्रैल के आसपास धान लगाने की अनुमति होनी चाहिए। अब धान लगाने का समय आ गया है और अभी यह संशोधन आयेगा तो इसमें अधिक समय लग जायेगा इसलिए मेरा माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि या तो मुख्यमंत्री जी आज घोषणा कर दें या कैबिनेट में ला कर इस बारे में अध्यादेश जारी करके उनको 15 अप्रैल के बाद धान लगाने की अनुमति प्रदान की जाये ताकि वे समय पर धान का उत्पादन कर सकें। उत्पादन करेंगे तो उनके पास पैसा आयेगा और जब पैसा आयेगा तो उनका जीवनस्तर ऊंचा उठेगा। मेरा दूसरा विषय नगर निगम करनाल के बारे में है। वर्ष 2012–13 में जब करनाल नगर निगम बना था

तो मेरे निर्वाचन क्षेत्र के दो गांव मंगलपुर और बूढ़ा खेड़ा नगर निगम में आ गये थे। जब वहां पर पंचायतें थी तो उस समय पंचायतों ने रेजोल्यूशन पास करके गरीबों को 100–100 गज के प्लाट दिये थे। दोनों गांवों में लगभग 350 प्लाट हैं परन्तु जब ये गांव नगर निगम में आ गये तो निगम की तरफ से उनको नोटिस दे दिया गया कि आप यह बतायें कि यह रेजोल्यूशन पंचायतों की तरफ से कब किया गया था। इनके पास अलॉटमैंट लैटर तो है लेकिन पंचायतों का रेजोल्यूशन नहीं मिला क्योंकि वह पुराना रिकॉर्ड है। जब निगम बन गया तो वह रिकॉर्ड तो निगम के पास होना चाहिए था। ये पीड़ित लोग कोर्ट में चले गये और कोर्ट ने इनको राहत देते हुए हरियाणा सरकार को कहा कि सरकार इनको प्लाट दे लेकिन जब प्लाट देने की बात आई तो निगम की तरफ से कह दिया गया कि आप पंचायत का रेजोल्यूशन लेकर आओ लेकिन पंचायतों के रेजोल्यूशन या तो पंचायतों के पास होंगे या नगर निगम के पास होंगे। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि नियमों में ढील देकर इनको इनके प्लाटों पर कब्जा दिलवाया जाये ताकि ये अपने मकान बना सकें। इसके अतिरिक्त इन दोनों गांवों की एक समस्या और है कि जब ये पंचायतों में थे तो इन गांवों के कुछ लोगों ने अपने मकान लाल डोरे से बाहर बना लिए तथा कुछ ने लाल डोरे के अन्दर बना लिया। जिसने लाल डोरे के अन्दर बना लिए वे तो वैध हो गये लेकिन जिन्होंने लाल डोरे से बाहर बना लिए थे उनको अब नगर निगम अवैध कॉलोनी बता रहा है। अगर इस प्रकार से उनको अवैध माना जायेगा तो गरीब परिवारों के बहुत से मकान टूट जायेंगे इसलिए इस बारे में मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि नियमों में ढील देकर इनके मकानों को नियमित किया जाये। मेरा अगला विषय सरकारी स्कूलों के बारे में है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र इंद्री के 5 स्कूल, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, जनसरो, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, नन्नहेड़ा, राजकीय प्राथमिक पाठशाला समसपुर,

राजकीय प्राथमिक पाठशाला, समौरा तथा राजकीय प्राथमिक पाठशाला नौरता हैं जिनकी बिल्डिंग बहुत ही जर्जर हालत में है। मेरा आपके माध्यम से शिक्षा मत्री जी से निवेदन है कि इन बिल्डिंग्ज को दोबारा नये सिरे से बनाया जाये। अंत में मैं एक निवेदन और करना चाहूंगा कि मैं पिछड़े वर्ग से आता हूं और पिछड़े वर्ग से संबंधित सरकार ने दो बोर्ड बनाए थे। एक तो मिट्टी कला बोर्ड और दूसरा केस कला बोर्ड, लेकिन काफी समय से सरकार ने इनका गठन नहीं किया है। जब ये पिछड़े वर्ग के लोग हमसे मिलते हैं तो वे कहते हैं कि आप इन बोर्डों का गठन करवाइये। मैं पहले भी आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध कर चुका हूं और आज पुनः आपके माध्यम से सरकार से और माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि इन दोनों बोर्डों का गठन किया जाये क्योंकि ये दोनों बोर्ड पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए काम करते हैं। इनके चेयरमैन तथा मैम्बर्स जिसको भी बनाना है उसको बनाया जाये ताकि वे अपनी जिम्मेदारी निभा कर पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए काम कर सकें। धन्यवाद।

.....

नरसी मोंजी इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट स्टडीज, चण्डीगढ़ के विद्यार्थियों का स्वागत।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, नरसी मोंजी इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट स्टडीज, चण्डीगढ़ के विद्यार्थीगण आज सदन की कार्यवाही देखने के लिए दर्शक दीर्घा में उपस्थित हैं। मैं सदन की तरफ से उनका स्वागत करता है।

————————————

शून्यकाल में विभिन्न मामलों/मांगों को उठाना(पुनरारम्भ)

श्री अमरजीत ढांडा(जुलाना): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्यकाल पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि तीन साल पहले जुलाना में माननीय उप–मुख्यमंत्री जी गतोली गांव में एक महिला कॉलेज बनाने की घोषणा करके

आए थे लेकिन अभी तक वह कॉलेज नहीं बना है। आज यहां पर मुख्यमंत्री जी और उप–मुख्यमंत्री जी बैठे हुए हैं इसलिए मेरा निवेदन है कि वह कॉलेज बनवाया जाये। इसके अतिरिक्त एक समस्या सड़कों के बारे में है। यह जो एन. एच.152–डी और 352 बने हैं इनके बनने से बाकी दूसरी सड़कों की हालत बहुत खराब है इसलिए मेरा आपके माध्यम से माननीय उप–मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि जुलाना हल्के की सड़कों की रिपेयर के लिए कुछ अतिरिक्त धनराशि दिलवाई जाये। कुछ नई सड़कें भी बनी हैं तथा पुरानी सड़कों की रिपेयर भी हुई है लेकिन कुछ अतिरिक्त बजट जारी किया जाये क्योंकि 25 करोड़ से सभी सड़कों का काम नहीं हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, हमारे जुलाना हल्के में पानी की बहुत समस्या है। वहां पानी देकर किसानों को आगे बढ़ाने का काम किया जाए क्योंकि किसान सभी का अन्नदाता है और सबका भला करता है। हमने लोगों से वोट मांगते समय जिन कामों के वायदे किये थे वे वायदे लगभग पूरे हो गये हैं और आज जुलाने में फल्ड के पानी का समाधान हो गया है जिससे आज जुलाना का किसान गदगद हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि हमारे हल्के में जो तीन माईनर हैं बरोली, करेला, मालवी माईनर और रामकली सब माईनर आदि के संबंध में मैं तीन साल से आवाज उठा रहा हूं लेकिन उनका अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। इस संबंध में मैं मुख्यमंत्री जी से और उप मुख्यमंत्री जी से भी मिला हूं। मेरा अनुरोध है कि इस बजट में उन तीनों माईनरों के लिए कुछ न कुछ प्रावधान किया जाए ताकि हमारे यहां के किसानों का भला हो सके। इसी तरह से जुलाना, हथवाला और बुआना में जो खेल स्टेडियम बनाए गये हैं उनमें कुछ काम अधूरे पड़े हैं जिनकी ग्रांट भी आ गई है लेकिन अभी तक उनमें कोच की सुविधा नहीं दी गई है। अगर वहां सारी सुविधायें हो जाएंगी तो बच्चों को खेल के क्षेत्र में बढ़ावा मिलेगा। बच्चे देश का भविष्य हैं जो आगे चलकर मैडल जीत कर आएंगे।

अध्यक्ष महोदय, एक सबसे बड़ी समस्या है कि जुलाना में जो मार्केटिंग बोर्ड के रोड्ज हैं उनमें से कुछ तो मंत्री जी ने पास कर दिये हैं और कुछ अधूरे रह गये हैं उनको भी पूरा करवाया जाए। इसी के साथ मार्केटिंग बोर्ड की जो मंडी परचेज सैंटर हैं वहां फल्ड का एरिया ज्यादा होने की वजह से सारे परचेज सैंटर टूटे हुए हैं उनको नया बनवाया जाए। इसी तरह से ZD-4 रजबाहा है जो गांव रूझाना से पोली होकर जाता है उसके लिए पहले भी बजट भेजा था लेकिन वह पता नहीं किस कारण से कैंसिल हो गया था। उसके लिए 14 करोड़ रुपये के एस्टीमेट्स की फाईल ऊपर आई हुई है उसको भी पास किया जाए। इसी तरह से सेम की समस्या के लिए 60 करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं जिनमें से 12 करोड़ रुपये के एस्टीमेट्स बनकर आये हुए हैं जिनके लिए मैं ए.सी.एस. इरीगेशन से भी मिलकर आया था। उसका एजेंडा भी तैयार है। मेरा अुनरोध है कि वे 12 करोड़ रुपये इस बजट में दिये जाएं ताकि किसान का भला हो सके। इसी के साथ एक छोटी सी समस्या और है कि सी.एम. साहब व डिप्टी सी.एम. साहब ने बड़ा दिल दिखाते हुए सरपंचों को पांच लाख रुपये देने की बात कही है। इसमें मेरा अनुरोध है कि इस पांच लाख रुपये की राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाए। इससे इन सरपंचों का भला हो जाएगा क्योंकि पहले कोराना काल था उसके बाद किसान आंदोलन हो गया तो जो ये पांच–पांच लाख की स्कीम्ज हैं उन सभी को 10–10 लाख रुपये की करवा दीजिए उससे काम जल्दी हो जाएंगे। धन्यवाद।

श्री दीपक मंगला (पलवल): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे जीरो आवर में बोलने का मौका दिया उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से पलवल विधान सभा की कुछ समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। पलवल विधान सभा क्षेत्र का एक चांट गांव है जोकि बहुत बड़ा गांव है और उसके आस पास बहुत मात्रा में ग्रामीण क्षेत्र लगता है। वहां पर हमारे

ग्रामीण खिलाड़ियों के लिए एक स्टेडियम या एक खेल अकैडमी बने ताकि हमारे ग्रामीण अंचल के खिलाड़ियों के लिए सुविधा मिल सके। इसी के साथ हमारा पलवल–जेवर–अलीगढ़ रोड और अलावलपुर रोड पर मैंने एक फलाईओवर ब्रिज बनाने की मांग की थी। यहां पर हमारे उप मुख्यमंत्री जी भी बैठे हुए हैं। इन्होंने उस मांग को मानकर के वहां पर फुट ऑवर ब्रिज बनवाने की बात कही थी। मेरा आपके माध्यम से माननीय उप मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि वह काम शीघ्र शुरू करवाया जाए क्योंकि रेलवे डिपार्टमैंट ने रेलवे लाईन के साथ–साथ ऊंची–ऊंची दीवार बना दी है और वहां आस पास हमारा जो फाटक पार का एरिया जिसमें मोहन नगर, शमसाबाद, कैलाश नगर और राजीव नगर हैं। वहां बहुत बड़ी मात्रा में लोग रहते हैं, इनको वहां आवागमन में बहुत भारी दिक्कत हो रही है। इसी के साथ एक कुश्लीपुर गांव है जो अब पलवल नगर परिषद के अन्दर आ गया है। इस गांव की लगभग 54 एकड़ जमीन लघु सचिवालय बनाने के लिए एक्वायर हुई थी तब उसमें एक रॉयल्टी देने की बात थी लेकिन अब काफी दिनों से वह रॉयल्टी नहीं मिल रही है तो मेरा अनुरोध है कि वह रॉयल्टी हमारे वहां के किसानों को शीघ्र मिले ताकि हमारे किसानों को राहत मिल सके। माननीय अध्यक्ष जी, लोहागढ़–रोहणिजा तथा हरीनगर दलित बाहुल्य क्षेत्र रेलवे लाइन के पार है और यहां की आबादी भी 15 हजार से भी ज्यादा है। वही शहर के अंदर पानी की आपूर्ति करने के लिए लोहागढ़ में एक बूस्टर लगा हुआ है। वहां पर लगभग 22 ट्यूबवैल हैं लेकिन बिजली की आपूर्ति दूर से आने के कारण, बिजली व्यवस्था बाधित होती है और इस वजह से यहां की जो घनी आबादी है, उसे पीने के पानी की बहुत दिक्कत होती है । अगर यहां पर 33 के. वी. का सब–स्टेशन बन जाये और यहां के बिजली विभाग के अधिकारियों ने इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर भी भेजा हुआ है तो इससे, इस क्षेत्र के लोगों को बहुत ही सुविधा होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से यह जानकारी भी

सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूँ कि पिछली बार पलवल के अंदर जो हमारा शहर का एरिया है, यहां पर एक साल में 24 परसेंट बिजली की खपत ज्यादा बढ़ने का काम हुआ है। अतः इस दिशा में ध्यान देने की बहुत जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी से यह भी अनुरोध करना चाहूंगा कि मुस्तफाबाद पंचायत के मोहलीपुर गांव के अंदर कोई भी प्राइमरी स्कूल नहीं है जिसकी वजह से यहां के बच्चों को पढ़ाई के लिए बहुत दिक्कत आती है और चूंकि बजट में भी प्राइमरी स्कूल और मिडिल स्कूल बनाने की बात कही गई है, के परिपेक्ष्य में मेरा सदन के माध्यम से अनुरोध है कि मुस्तफाबाद पंचायत के मोहलीपुर गांव के अंदर एक प्राइमरी स्कूल खोला जाये ताकि हमारे बच्चों को इसका फायदा पहुंच सके। अध्यक्ष महोदय, पलवल में जो नैशनल हाइवे है, वहां पर एलिवेटिड फ्लाईओवर बनने की वजह से वहां पर आस–पास के गांवों वालों के लिए आर–पार के सारे रास्ते बंद हो गए हैं। यहां पर डी.सी. रेजिडेंस से कैंप कालोनी जाने के लिए फुट ओवर ब्रिज वहां बन जाये तो इससे बहुत बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है क्योंकि आम जन मानस जल्दी के चक्कर में जब रोड क्रास करते हैं तो एक्सीडेंट का शिकार हो जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त पलवल के कैलाश नगर, मोहन नगर रेलवे स्टेशन से होते हुए सोहना रोड तक पलवल रजबाहा पक्का होने का काम पूरा हो गया है और इस वजह से इसके साथ–साथ लगभग 20 फुट से ज्यादा का एक रास्ता निकला है। अगर यह रास्ता भी पक्का हो जाये तो यह पलवल शहर के लिए बाई–पास का भी काम करेगा जिससे हमें जाम की समस्या से भी छुटकारा मिल सकेगा। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां एक नर्सिंग कालेज खोलने की भी घोषणा हुई है, इसके लिए मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा। अगर यह नर्सिंग कालेज हमारे बैसलात के क्षेत्र में खुल जाये तो इसका भी हमें बहुत

फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

डॉ. अभय सिंह यादव (नांगल चौधरी): अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां अभी माइनिंग डिपार्टमैंट ने एक आक्शन का नोटिफिकेशन किया है जिसके तहत नांगल चौधरी हल्के के अंतर्गत आने वाले गांव मेघूथाला, वहां के किसानों की निजी कृषि जमीन जहां सरसों और चने की फसल खड़ी हुई है, उस भूमि को माइनिंग के लिए नोटिफाई कर दिया गया है। मैंने इस संदर्भ में माननीय मुख्यमंत्री जी को भी इस बाबत पिछले शुक्रवार को एक आवेदन पत्र पेश किया था और यही नहीं खनन मंत्री जी से भी मैंने बात की है। मैंने इस संदर्भ में खनन अधिकारी से भी बात की है और उन्होंने बताया है कि सरकार का मिनिरल पर सोवर्न राइट होता है लेकिन मैं समझता हूँ कि सोवर्न राइट होने के बावजूद भी प्रजांतत्र में जन भावनाओं के खिलाफ कोई भी राइट एक्सरसाइज नहीं किया जा सकता। जन भावनाएं ही जन शक्ति होती हैं और इसी जन शक्ति के आधार पर हम, आप और सब लोग इस सदन में बैठे हुए हैं तो मेरा माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि इसमें तुरंत हस्तक्षेप करते हुए इस 24 तारीख वाली आक्शन को रोकने का काम किया जाये और यहां पर मेहरबानी करके माइनिंग के अधिकारियों को न भेजें और यहां पर कोई और सीनियर आफिसर चले जायें जोकि वहां जाकर गांव के लोगों से बात करें और उनसे पता करें। अध्यक्ष महोदय, यह गांव तो पहले ही बड़ा तरसता है क्योंकि इसमें सिलिकोसिस के दो केस आलरेडी हो चुके हैं। क्रैसर जोन इस गांव से आधा किलोमीटर दूर हैं। इस क्रैसर जोन में 250 के लगभग क्रैसर लगे हुए हैं। कहने का भाव यह है कि इस तरह से काम न किया जाये कि पब्लिक हमारे से परेशान हो। यह विषय बड़ा संवेदनशील विषय है और जन संवेदना को देखते हुए इस पर तुरंत कार्यवाही करने की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि आप भी मुख्यमंत्री महोदय

को यह कार्रवाई करने के लिए मेरा समर्थन करें। अध्यक्ष महोदय, कल ही हमारे इलाके में ओला वृष्टि और भारी बरसात की वजह से कई गांवों की फसल बिल्कुल बर्बाद हो गई है। यहां पर भारी बारिश के साथ–साथ बहुत तेज हवायें चली हैं। गेहूं की कुछ फसल तो ओलों ने खराब कर दी और कुछ फसल तेज हवाओं ने बिल्कुल बिछा दी है। सदन में बैठे माननीय उप–मुख्यमंत्री जी और कृषि मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि इस नुकसान का स्पेशल गिरदावरी कराने के आदेश जारी करके किसानों को मदद के रूप में जो भी मुआवजा वगैरह दिया जा सकता है, दिलाने का काम किया जाये। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मेरा एक प्वॉयंट और है। हमारे यहां से नैशनल हाइवे नम्बर 152–डी निकलता है। यहां पर बाघोत गांव के पास एग्जिट और एंट्री प्वायंट देने की लगभग 20 गावों की एक डिमांड है। यह डिमांड वास्तव में ही जस्टिफाइड है क्योंकि यह जगह तीन जिलों की जंक्शन पर पड़ती है। यहां रेवाड़ी जिले से तथा महेन्द्रगढ़ जिले से दादरी को रास्ता जाता है। इसके साथ–साथ यहां एक प्राचीन कथा भी जुड़ी हुई है। यहां पर एक प्राचीन शिव मंदिर है। कहते हैं कि यहां पर महर्षि पिपलाध ने वहां पर तपस्या की थी मतलब यह स्थान महर्षि पिपलाध की तपोस्थली भी रही है। शिवरात्री के मौके पर कईं लाख लोग यहां पर दर्शन के लिए आते हैं और तीन–तीन दिन तक यहां पर बहुत लंबी–लंबी लाइनें दर्शन के लिए लगी रहती हैं। अतः सदन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि वे अगर अपने अर्ध सरकारी पत्र के माध्यम से माननीय केन्द्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री जी से इस बारे में अनुरोध करें तो इस विषय पर बात बन जायेगी। अतः माननीय मुख्यमंत्री महोदय, इस विषय पर स्वयं संज्ञान लेते हुए माननीय केन्द्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री जी को पत्र लिखने का काम करें। जहां तक सोलर एनर्जी की बात है, सोलर एनर्जी के लिए महेन्द्रगढ़ से ज्यादा महत्वपूर्ण जिला और दूसरा नहीं हो सकता है। हमारे यहां मैक्सिमम

क्लाउड फ्री डे होते हैं। बजट को जब मैंने पढ़ा तो उसमें पाया कि रेवाड़ी के लिए तो दो प्रोजेक्ट्स इसमें लिखे गए हैं लेकिन महेन्द्रगढ़ के लिए कोई भी सोलर एनर्जी का प्रोजेक्ट नहीं दिया गया है। इस बारे में मैंने पहले भी मंत्री जी से निवेदन किया था। हमारे यहां एक डोसिका पहाड़ है, जहां पर च्यवनप्रास का निर्माण हुआ था। महर्षि चवन को च्यवनप्रास का जनक माना जाता है। यहां पर माइनिंग तो बैन है क्योंकि यह पी.एल.पी. एक्ट में नोटिफाइड है। यहां लगभग 100–150 फुट की हाइट पर एक बड़ी जैंटल स्लोप बनी हुई है। वहां पर अगर सोलर प्लेट्स लगाकर, इस जगह का उपयोग किया जाये तो यहां पर काफी मात्रा में सोलर एनर्जी का प्रोडक्शन किया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, इन सभी बातों पर ध्यान आकर्षित करते हुए मैं अब अपने समय से पहले ही अपनी बात को समाप्त करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री वरूण चौधरी (मुलाना) (अ.जा.): अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना से मैं अपनी बात शुरू करना चाहता हूँ। अतारांकित प्रश्न लगाकर मैंने यह जानकारी ली थी कि यह जो कार्यक्रम 2021 में शुरू हुआ था इसमें कितने लाभार्थी हैं और कितनों को इसके लिए चयनित किया गया है, तो मुझे जानकारी मिली कि लगभग 78 हजार इसके लाभार्थी हैं। इसके अंदर 1 लाख से कम आय के जो परिवार हैं, उनको चुनकर ऋण देने की बात कही गई थी और इस योजना का लक्ष्य था कि गरीब परिवारों की जो आय है, वह 1 लाख 80 हजार या उससे उपर तक चली जाये। जब मैंने यह जानकारी मांगी कि कितने ऐसे लाभार्थी हैं जिनकी आय 1 लाख 80 हजार या इससे ज्यादा हो गई है तो इसके जवाब में यह मिला कि इस प्रकार की कोई भी जानकारी संग्रह नहीं की है। एक तरफ जब आउटपुट–आउटकम बेस फ्रेमवर्क की बात की जाती है तो ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि जब हमने लक्ष्य निर्धारित किया है तो

यह जानकारी देने का काम आखिरकार कौन करेगा ? जनता का पैसा खर्च हो रहा है और लक्ष्य भी सरकार ने रखा है कि आय दुगनी करने का और उसी के लिए यह कार्यक्रम चलाये भी जा रहे है लेकिन ये पता ही नहीं है कि कितनों की आय 1 लाख 80 हजार से ज्यादा बढ़ी है या फिर वहां तक पहुंची है। अध्यक्ष महोदय, मैंने यह भी जानकारी मांगी कि कितने लाभार्थी ऐसे हैं जो समय से अपनी मासिक किस्त नहीं दे पाये है। उसके लिए भी कहा गया कि हमारे पास कोई जानकारी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, कितने ही बड़े–बड़े उद्योगपतियों के मामले भी सामने आये आते हैं कि वे समय पर ऋण वापिस नहीं कर पाते हैं लेकिन ये वे गरीब आदमी हैं, जिनकी वार्षिक आय 1 लाख रूपये से कम है, तो फिर यह भी प्रश्न उठना लाजिमी है कि वे कैसे अपना लोन चुका पायेंगे ? अध्यक्ष महोदय, लोन लेने के बाद बात आती है लोन को चुकाने की और उसके बाद जैसा कि कहा गया है कि गरीब परिवार की आय 1 लाख 80 हजार से अधिक हो जायेगी अर्थात लगभग दोगुनी हो जायेगी के परिपेक्ष्य में मैं पूछना चाहूंगा कि क्या लोन लेने के बाद यह बात कहीं से भी संभव दिखाई पड़ती है? प्रश्न यह भी उठता है कि यह मापेगा कौन कि कितने परिवारों की वार्षिक आया 1 लाख 80 हजार से उपर तक पहुंची है। यह मापना सरकार की जिम्मेवारी है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मेरी फसल, मेरा ब्यौरा की बात आती है। इसमें मैंने प्रश्न संख्या–76 लगाकर जानकारी मांगी थी कि इसमें हमारे प्रदेश के कितने किसान पंजीकृत हैं? इसका रिप्लाई दिया गया कि वर्ष 2022–23 में रबी फसल में 7,47,983 किसान मेरी फसल, मेरा ब्यौरा के तहत पंजीकृत हैं। वर्ष 2017 में एक घोषणा की गयी थी कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी की जाएगी। अध्यक्ष महोदय, जब मैंने पूछा कि इनमें से कितने किसानों की आय दोगुनी हो गयी है? इसके जवाब में यह बताया गया है कि विभाग ने इस तरह का कोई विवरण एकत्र नहीं किया है। इस प्रकार केवल घोषणाएं की जा रही

हैं। इन घोषणाओं को कौन मापेगा? सरकार के ऊपर कैसे प्रदेश की जनता विश्वास करेगी कि यहां पर जो घोषणाएं होती हैं, उन पर कोई कार्यवाही भी होती है। प्रदेश की जनता कैसे विश्वास करेगी? अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही आवश्यक है कि इन योजनाओं को मापना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, अरबों–खरबों रुपये जनता के खर्च हो रहे हैं। सरकार ऋण ले लेकर पैसे खर्च कर रही है, लेकिन उसके बाद भी कोई माप नहीं हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, इनको मापना बहुत ही आवश्यक है। अध्यक्ष महोदय, हमारे क्षेत्रों में, खासतौर पर मेरे मुलाना विधान सभा क्षेत्र में चाहे बेसहारा पशुओं की समस्या है, चाहे पानी की निकासी की समस्या है। वैसे तो यह ऐसी समस्या है जो पूरे हरियाणा प्रदेश के अन्दर है। अध्यक्ष महोदय, बेसहरा पशु भी परेशान हैं क्योंकि एक्सीडैंट्स में उनकी भी जानें जा रही हैं। इसमें हरियाणावासियों का भी नुकसान हो रहा है। चूंकि इससे उनके जान–माल को नुकसान हो रहा है। इसी प्रकार से हमारे जितने भी गांव हैं, उनमें सबके अन्दर कोई बहुत बड़ी समस्या है तो वह जल निकासी की समस्या है। अध्यक्ष महोदय, लेकिन इस पर कोई खास कार्यवाही नहीं हो रही है। अध्यक्ष महोदय, अभी थोड़ी देर पहले अनूसूचित जाति के लिए सब कम्पोनैंट प्लॉन अथॉरिटी बनाने की बात आयी थी। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही आवश्यक है। ऐसी बहुत सी योजनाएं हैं जिनमें कोई खर्च नहीं होता है। लेकिन वे कार्यक्रम अनूसूचित जातियों के लिए चलाये जा रहे हैं, इसलिए यह उनकी देख–रेख के लिए बहुत ही आवश्यक है। दिसम्बर में सैशन के दौरान माननीय मंत्री डा0 बनवारी लाल जी ने कहा था कि इस प्रकार की कोई अथॉरिटी बनाएंगे। लेकिन वह अथॉरिटी आज तक नहीं बनायी गयी है। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि जल्द से जल्द संबंधित अथॉरिटी भी बनवाएं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। जयहिन्द।

श्रीमती शैली (नारायणगढ़): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने नारायणगढ़ की कुछ समस्याएं सरकार के सामने रखना चाहूंगी। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मेरी यह मांग है कि मेरे नारायणगढ़ को जिला बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, मेरे नारायणगढ़ को जिला बनाया जाए और हमारे साथ भेदभाव न किया जाए। अध्यक्ष महोदय, वहां की आबादी बहुत बढ़ चुकी है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मेरे नारायणगढ़ को जिला बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे छोटे भाई श्री वरुण चौधरी जी ने बेसहारा पशुओं का मुद्दा उठाया था। आज बेसहारा पशुओं से लोग बहुत परेशान हैं। अध्यक्ष महोदय, ये बेसहारा पशु खेतों में घुस जाते हैं तो फसलों को बहुत बड़ा नुकसान होता है। इनके कारण आये दिन गलियों और सड़कों पर एक्सीडैंट्स हो रहे हैं। आप देखेंगे तो आज भी इसके बारे में अखबार में खबर छपी है कि अंबाला रोड पर एक्सीडैंट में 2 लोगों की जान गयी हैं। इस प्रकार इनसे आये दिन एक्सीडैंट्स हो रहे हैं और लोगों की जानें जा रही हैं। यह बहुत बड़ी समस्या है, इसलिए सरकार इसकी तरफ भी ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने नारायणगढ़ की बात करूं तो नारायणगढ़ नगरपालिका में जब कोई प्लॉट को बेचता है या खरीदता है और उसके लिए एन.ओ.सी. लेने के लिए जाता है तो उसके लिए पैसे मांगे जाते हैं। वहां पर बिना पैसों के एन.ओ.सी. नहीं दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, मैंने इसके बारे में माननीय मंत्री जी से भी बात की थी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से फिर माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि इसकी पूरी जानकारी मंगवाएं और इस पर ध्यान दें। मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस तरफ भी ध्यान दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, परिवार पहचान पत्र की आड में बहुत से लोगों के राशन कार्ड काट दिये गये हैं। उनकी पैंशन भी काटी जा रही है। अध्यक्ष महोदय, यह पूरे हरियाणा प्रदेश का मुद्दा है।

लेकिन इसमें मेरे नारायणगढ़ हल्के में भी बहुत सारी समस्याएं सामने आ रही हैं। इसलिए सरकार इस तरफ भी ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ दिन पहले एक गांव में गयी थी तो वहां पर एक महिला मिली और उसकी गोद में अढ़ाई साल का बच्चा था। उस महिला ने मुझे बताया कि उस बच्चे की आय दिखाकर उनका बी.पी.एल. राशन कार्ड काट दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से बहुत से गरीब परिवारों के राशन कार्ड काटे जा रहे हैं। इसलिए सरकार को इस तरफ भी ध्यान देना चाहिए। जो ये गलत तरीके से राशन कार्ड काटे जा रहे हैं, उनके लिए सरकार जल्दी से कुछ करे ताकि संबंधित लोगों के राशन कार्ड दोबारा से बन सकें। अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी इस सदन में एक मुद्दा उठाया था कि जो बी.पी.एल. परिवारों को राशन दिया जाता है, वह बहुत ही घटिया क्वॉलिटी का है। हर गांव में यह समस्या आती है। मैं जहां पर भी जाती हूं वहां पर महिलाएं मिलकर कहती हैं कि उन्हें आटा भी ऐसा मिलता है जिसको खा नहीं सकते। गांवों की महिलाओं ने मुझे कई बार ऐसा आटा दिया है कि उसको खा नहीं सकते। अध्यक्ष महोदय, वह आटा ऐसा होता है जिसको पशु भी नहीं खा सकते। उनको ऐसा सामान दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस तरफ भी ध्यान दिया जाए। अगर सरकार गरीब आदमी को राशन दे रही है और खाने–पीने का सामान दे रही है तो उसको कम से कम ऐसा तो दें जिसको वे खा सकें। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि हमारे प्रदेश के जिन कर्मचारियों को नौकरी करते हुए 10–10 सालों का समय हो चुका है, उन्हें पक्का किया जाए। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में नारायणगढ़ शहर के अन्दर लाईट्स का बहुत बुरा हाल है। मैंने पहले भी सदन के अन्दर यह मांग उठायी थी। वहां पर गलियों के अन्दर लाईट्स खराब हो जाती हैं या फ्यूज हो जाती हैं तो उनको बदला नहीं जाता है। इसके लिए चाहे गांवों की बात करें तो वहां पर भी यही समस्या है।

मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि इस तरफ भी ध्यान दें और जल्दी से जल्दी उन लाईट्स को दोबारा से चालू करवाया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त सरपंच की 20–20 लाख रुपये के वर्क्स करवाने की मांग कर रहे हैं, उनकी बात को सुना जाए। अध्यक्ष महोदय, आप यह देखें कि सरपंच भी एक चुना हुआ नुमाइंदा है। सरपंच गांव में जितना काम करवा सकता है क्या उतना काम अधिकारी करवा सकते हैं? सरपंच गांव में लोगों के बीच में रहता है और वह लोगों की समस्याओं को जानता है, इसलिए सरकार इस तरफ भी ध्यान दे। इनकी 20–20 लाख रुपये के वर्क्स बिना ई– टैंडरिंग करवाने की जो मांग है और जो इनका अधिकार है, वह उन्हें दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय उप मुख्यमंत्री जी से एक बात और कहना चाहूंगी। मैं इसके बारे में पहले भी कह चुकी हैं। माननीय उप मुख्यमंत्री जी बात करते हैं कि उन्होंने सड़कों के लिए पैसे भेज दिये हैं उसमें फिर चाहे 5 करोड़ रुपये की बात करें या चाहे 20 करोड़ रुपये की बात करें। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगी कि सड़कों का बहुत बुरा हाल है। मैं हर सैशन के दौरान यह बात रखती हूं कि वहां पर जल्दी से जल्दी सड़कों का कार्य शुरू होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अगर आप देखें तो अभी वर्षा ऋतु आने में सिर्फ 2–3 महीने का ही समय बचा है क्योंकि उसके बाद वर्षा ऋतु शुरू हो जाएगी तो कब सड़कों का काम शुरू होगा और कब खत्म होगा? अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय उप मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि मेरे हल्के की सड़कों को जल्दी से जल्दी बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, मेरे नारायणगढ़ में हॉस्पीटल तो बहुत बड़ा है, लेकिन वहां पर डॉक्टर्ज की बहुत कमी हैं। मेरी इस संबंध में पहले माननीय मंत्री जी से बात हुई थी तो उस समय उन्होंने वहां पर कुछ डॉक्टर्ज भेजे थे। लेकिन आज फिर वहां पर डॉक्टर्ज की बहुत कमी है। वहां पर अल्ट्रासाउंड की मशीन तो है, लेकिन उसको चलाने वाला कोई नहीं है।

वहां पर लोगों को अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए प्राइवेट हॉस्पीटल में जाना पड़ता है और वहां पर उनको 1,000–1,000 रुपये देने पड़ते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस समस्या को जल्दी से जल्दी दूर किया जाए और वहां पर डॉक्टर्ज भी भेजे जाएं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। जयहिन्द।

.....

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनंदन

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, आज सदन में श्री सूबे सिंह पूनिया हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व विधायक, सदन की कार्यवाही देखने के लिए सदन की अध्यक्ष दीर्घा में उपस्थित हैं। मैं सदन की तरफ से उनका स्वागत करता हूं।

.....

शून्य काल में विभिन्न मामलों/मांगों को उठाना (पुनरारम्भ)

श्री मेवा सिंह (लाडवा): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं। आज प्रदेश सरकार पंचायतों से भी ई–टैंडरिंग के माध्यम से काम करवाना चाहती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पी.डब्ल्यू.डी. (बी. एंड आर.) विभाग की मेरे हल्के की 5 सड़कों के बारे में बताना चाहूंगा जोकि लाडवा इन्द्री रोड से बपदा रोड, लाडवा हिनौरी रोड से बूढ़ा, एस.के. रोड से सूरा, लाडवा शाहबाद रोड से धनौरा, लाडवा से सम्भालखा रोड हैं। इनके लिए दिनांक 15.9.2021 को टैंडर अलॉट हुआ था, लेकिन डेढ साल का समय बीत जाने के बाद भी उनका काम शुरू नहीं हुआ है।**(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)** उपाध्यक्ष महोदय, ये हालत तो तब हैं जब इनके लिए सरकार ने टैंडर्ज करवाए हैं। ऐसे में पंचायतों का ई–टैंडरिंग का काम कैसे चलेगा ? लेकिन सरकार ने आज तक संबंधित ठेकेदार के टैंडर्ज कैंसिल नहीं

किये हैं। मैं इसके लिए इंजीनियर इन चीफ को भी मिल चुका हूं। अब तक संबंधित सड़कों पर कोई कार्य शुरू नहीं किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मेरे हल्के की कुछ समस्याएं पिछले 3 सालों से हर सैशन के दौरान उठायी हैं, लेकिन उन पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। चाहे लाडवा के बाईपास की बात है क्योंकि वहां पर सारा दिन जाम लगा रहता है। वहां पर माइनिंग के व्हीकल्ज आते–जाते रहते हैं। लेकिन सरकार इस पर कोई सुनवाई नहीं कर रही है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त करनाल से लाडवा तक 38 किलोमीटर फोरलेन सड़क नहीं बनवायी गयी है। करनाल की सीमा और कुरूक्षेत्र की सीमा तक 2 किलोमीटर सड़क का टुकड़ा सिंगल छोड़ दिया गया है। जिसके कारण वहां पर अनेकों एक्सीडैंट्स होते रहते हैं। मैं यह मांग हर सैशन के दौरान उठाता रहता हूं। सरकार ने पता नहीं यह 2 किलोमीटर की सड़क का टुकड़ा क्यों छोड़ा है? क्या यह लोगों के मरने के लिए छोड़ा गया है ? वहां पर पीछे से गाड़ियां स्पीड में आती हैं और आगे सड़क का टुकड़ा वैसे ही छोड़ा हुआ है और सामने सफेदे खड़े हुए हैं जिसके कारण बहुत से लोग एक्सीडैंट्स में अपनी जान गंवा चुके हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि वहां पर संबंधित 2 किलोमीटर के टूकड़े को पूरा करके लोगों की जान बचायी जाए।उपाध्यक्ष महोदय, मैं कुरूक्षेत्र से यमुनानगर तक की फोर लेनिंग की बात हर सैशन में उठाता आ रहा हूं। पिछले सैशन में माननीय मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि यह सड़क नैशनल हाइवे को दे दी है और नैशनल हाइवे ने इसका कार्य शुरू नहीं किया। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार द्वारा पिपली से यमुनानगर तक की सड़क फोर लेनिंग बनाने का काम करेगी लेकिन इस पर सरकार ने अभी तक कोई कार्य शुरू नहीं करवाया है जबकि मार्च महीना भी खत्म होने जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री ने बबैन में एक गर्ल्स कॉलेज बनाने की अनाउंसमैंट की थी लेकिन आज तक उस

13:00 बजे

पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसके अलावा लाडवा से शाहबाद तक सड़क को भी फोर लेनिंग बनाने की बात कही गई थी लेकिन आज तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की सभी मंडियों का सफाई का ठेका एक ही एजेंसी को दिया हुआ है। पहले मार्केट कमेटी का सैक्रेटरी हर मंडी का सफाई का ठेका करता था और वे मंडियों में सफाई भी करवाते थे। अब जिसको मंडियों का ठेका दिया गया है वह मंडियों की सफाई ही नहीं करवाता है। मेरे हल्के में पिपली और बबैन दो आलू की मंडी हैं। वहां पर कोई सफाई नहीं होती है और इन मंडियों का बहुत बुरा हाल है। एक साल पहले कृषि मंत्री जी ने इन मंडियों में सफाई के लिए आश्वासन भी दिया था। मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि सैक्रेटरी को हर मंडी का सफाई का ठेका देने की पावर दी जाये तब जाकर इन मंडियों में सफाई होगी क्योंकि हर मंडी का बहुत बुरा हाल हो रखा है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक पब्लिक हैल्थ के ट्यूबवैल्ज खराब होने की बात है तो इसकी फाइल मुख्यमंत्री तक जाती है। लोगों के पास पब्लिक हैल्थ के ट्यूबवैल का पानी पीने के अलावा दूसरा कोई साधन नहीं है। ट्यूबवैल को दोबारा बोर करवाने के लिए फाइल पर 8 महीने का समय सैंग्शन करने में ही लग जाता है। उसके बाद ई–टैंडर होता है और ई–टैंडर में ठेकेदार को 6 महीने का टाइम दिया जाता है कि आप इन 6 महीनों में जब मर्जी ट्यूबवैल का बोर करे। उपाध्यक्ष महोदय, ऐसे में आप ही बतायें कि इन डेढ सालों में लोग पीने के पानी के बगैर कैसे रहेंगे इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि जो ट्यूबवैल खराब हो जाते हैं विभाग को एक महीने के अंदर–अंदर ट्यूबवैल लगाने चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक टी.वी. चैनल पर माननीय मुख्यमंत्री जी को देख और सुन रहा था, वे कह रहे थे कि आज प्रदेश की जनता हमारे कामों से खुश है लेकिन मैंने आज आते हुए यह देखा कि हर पुल पर मनोहर सरकार, मनोहर फैसले लिखा हुआ

मिला। आज दूसरी तरफ प्रदेश का हर वर्ग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है चाहे वह हमारे किसान हों, चाहे हमारे कर्मचारी वर्ग हों, चाहे हमारे नौजवान हों और चाहे हमारे सरपंच हों। पिछले दिनों जब हम और हमारी बहन प्रदर्शन कर रहे थे, तब उस बहन ने ट्रैक्टर के रस्से के हाथ लगा लिया था और मुख्यमंत्री जी यहां पर घड़ियाली आंसू बहा रहे थे और कह रहे थे कि मुझे सारी रात नींद नहीं आई। मैं पूछना चाहता हूं कि फिर महिला सरपंचों पर कैसे लाठी चार्ज किया गया। महिला सरपंचों को सड़कों पर गिराकर क्यों पिटा गया। मैं मुख्यमंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि तब मुख्यमंत्री के आंसू कहां गये थे जब जींद और पंचकुला में महिला सरपंचों पर लाठियां बरसाई गईं थी। गांव के नम्बरदार और चौकीदार अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। बी.पी.एल. कार्ड धारक अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। जिनकी बुढ़ापा पैंशन काट दी गई वे लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। ये आपके जितने मंत्री और बी.जे.पी. के एम.एल.एज. बैठे हुए हैं। यह सिर्फ विधान सभा के अंदर खुश हैं बाहर सरकार के खिलाफ बोलते हैं। सरकार से एक वर्ग भी खुश नहीं है। मेरा आपसे अनुरोध है कि इनकी समस्याएं सुनें और इनका समाधान करने का काम करें।

श्री असीम गोयल नन्योला (अम्बाला) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे जीरो ऑवर पर बोलने का मौका दिया मैं इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। हमारे जो पंजाबी समाज के साथी हैं, जो पाकिस्तान से विभाजन के बाद यहां आये थे। आज भी उनको रिफ्यूजी, शरणार्थी और पाकिस्तानी जैसे शब्दों के साथ सम्बोधित किया जाता है। मेरा मानना है कि वे आज मुख्यधारा का हिस्सा हैं और उन्होंने मेहनत करके अपने स्थान को समाज के अंदर बनाया है। उनको शरणार्थी समाज की बजाए पुरुषार्थी समाज कहा जाना चाहिए। जिस प्रकार से आज रिफ्यूजी, शरणार्थी और पाकिस्तानी जैसे

शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है, यह बिल्कुल बैन होना चाहिए। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि इस पर कार्रवाई की जाये। मैं एक और अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे पर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। अम्बाला जिले के अंदर सिख समाज से जुड़े हुए बहुत महत्व के स्थान हैं। अगर मैं पुराने अम्बाला की बात करूं तो नाडा साहब और यमुनानगर के अंदर कपाल मोचन है। अंबाला के अन्दर बादशाही बाग, लखनोर साहब, पिंजौखरा साहब जहां पर गुरु गोंविद जी के ननिहाल हैं। उपाध्यक्ष जी, जब भी हम वीरता के नाते समाज को याद करते हैं तथा गुरु गोविंद सिंह जी का स्मरण करते हैं तो हमें उनकी कही हुई एक बात का ध्यान आता है। उन्होंने एक शब्द कहा था कि– चिड़ियों से मैं बाज लड़ाऊं तभी गोविद सिंह नाम कहाऊं। उपाध्यक्ष जी, यह उद्धरण भी अंबाला शहर के अन्दर बादशाही बाग से शुरू हुआ। उपाध्यक्ष जी, मेरा आपके माध्यम से सरकार से एक निवेदन है कि श्री गुरु गोविंद सिंह के नाम से एक ऐसा सर्किट बनाया जाए और उसकी हमारे सिख समाज के श्रद्धालुओं तथा अन्य श्रद्धालुओं को भी पूरी जानकारी मिले। अगर टूरिजम को बढ़ावा देने के नाते श्री गुरु गोविंद सिंह के नाम से एक सर्किट बनाने का प्रावधान किया जाएगा तो यह हमारे बहादुर समाज को एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उपाध्यक्ष महोदय, बरसात की वजह से मेरे अम्बाला हल्के के अन्दर भी किसानों की फसलों का काफी नुकसान हुआ है। जिसकी सरकार द्वारा स्पेशल गिरदावरी का प्रोवीजन करवाकर उन्हें मुआवजा देने का काम किया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा एक विषय और भी है वैसे तो यह विषय एन.एच. के अन्डर आता है लेकिन एन.एच. का जो स्ट्रैच हरियाणा के अन्दर से गुजरता है। उसके लिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि आज बहुत एक्सीडेंट हो रहे हैं जिसका सबसे बड़ा कारण हैवी व्हीकल हैं। ये ट्रक्स रोड्स के ऊपर जितनी लाईन्स होती हैं उन सभी पर चलते हैं तथा आपस में रेस लगाते हैं तथा कार या अन्य व्हीकल्स को

साइड नहीं देते हैं। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि सरकार कम से कम इसे हरियाणा के अन्दर सख्ती से लागू कर सकती है ताकि यह सफर जानलेवा न होकर सुरक्षित बने। इस नाते सरकार को कोई प्रावधान जरूर किया जाना चाहिए क्योंकि ये जो तीन–तीन लेन के अन्दर सारे ट्रक चलते हैं जिससे यह सफर रात को तो और भी खतरनाक हो जाता है। इसलिए इस विषय के ऊपर कम से कम हरियाणा के स्ट्रैच के सफर को सुरक्षित बनाया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मेरे हल्के की दो महत्वपूर्ण सड़कें जिनके ऊपर बहुत ज्यादा ट्रैफिक है। उपाध्यक्ष जी, एक मटेडी गांव तथा दूसरा नन्योला जो मेरा गांव है। पंजाब का पहला गांव नन्योला के बाद शुरू होता है इसलिए नन्योला हरियाणा का हमारा अंतिम गांव है। इसमें पहली सड़क का 15 किलोमीटर का स्ट्रैच है। इस सड़क की चौड़ाई 24 फीट है इसलिए मेरा निवेदन है कि इसको कम से कम 33 फीट करवाया जाए क्योंकि यह सड़क एक से दूसरे स्टेट को जोड़ने वाली है। उपाध्यक्ष जी, एक ऐसा ही स्ट्रैच ओल्ड हिसार रोड जो अब नया हाईवे बन गया। यह हिसार को जाने का पुराना रास्ता होता था। यह नसीरपुर तक 5 किलोमीटर का स्ट्रैच बन चुका है और अभी 5 to 11 ऐसा 6 किलोमीटर का स्ट्रैच नसीरपुर से बुलाना तक पैंडिंग है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि इस 6 किलोमीटर के स्ट्रैच की वाइडनिंग और स्ट्रैंथिंग करके फोरलेन बनाया जाए ताकि अबांला वासियों को राहत मिले। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे जीरो आवर में बोलने का समय दिया इसलिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री सुभाष गांगोली (सफीदो): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे जीरो आवर में बोलने का समय दिया इसलिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करूंगा कि गन्दे पानी की निकासी समस्या अकेले सफीदो विधान सभा की न होकर पूरे हरियाणा प्रदेश की है। इसलिए इस

समस्या का निदान जैसे भी हो कोई पॉलिसी लाकर जरूर किया जाए क्योंकि इस समस्या से लोगों की जिंदगी नरकीय बनी हुई है और लोग नरकीय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज तालाबों में चारों तरफ इतना गन्दा पानी भरा रहता है जिसका कोई भी निदान नहीं है। सरकार ने महाग्राम योजना शुरू की थी जिसके अन्दर मेरी सफीदों विधान सभा का भी एक मुहाना गांव आया था। अगर इस गांव में आज जाकर देंखें तो इसकी बहुत बुरी स्थिति है। जब गांव की गलियों में सीवरेज नाला दबाया गया तो उससे 200 के लगभग मकान तहस–नहस हो गए। कई मकानों मे छोटी–मोटी दरारें आ गईं, कई मकान कमजोर हो गए, यह अलग विषय है। सीवरेज नाले की दबाने की वजह से 150–200 मकान तो बिल्कुल गिर गए। इसलिए सरकार ने महाग्राम योजना लागू की है। इसके तहत गांवों में सीवरेज व्यवस्था में नालों को गांव के अन्दर गलियों में दबाने के बजाए गांव के चारों तरफ से बड़े नाले के माध्यम से निकालकर या ट्रीटमैंट प्लांट के माध्यम से निस्तारित किया जाए। जिससे इस प्रकार की समस्या न आए। उपाध्यक्ष महोदय, मुहाना बड़ा गांव है जिसके अन्दर 19 किलोमीटर के लगभग गलियां थीं। जिसमें पब्लिक हैल्थ विभाग ने सीवरेज नाले दबाने का काम किया, उसमें गलियों को उखाड़ा गया, उन गलियों की ईंटों को कोई उठाकर के ले गया और आज यह 19 किलोमीटर की गली बिल्कुल कच्ची पड़ी है जो कहीं पर ऊंची–नीची भी है इससे इस गांव का बहुत बुरा हाल है। इसी प्रकार से मेरे विधान सभा का सिंघाना एक बड़ा गांव है। उसके बस स्टैण्ड के पास बहुत ज्यादा मात्रा में पानी भरा रहता है। वहां से पानी की निकासी का कोई प्रॉविजन नहीं है। वहां पर स्कूल भी है। स्कूल में जाने वाले लड़कियों और लड़कों को उसी पानी में से होकर जाना पड़ता है। इससे उन सभी को बड़ी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सिंघाना गांव को हमारे एम.पी. साहब ने गोद लिया था। उन्होंने दो–तीन साल पहले वहां के

पानी की निकासी के लिए एक नाले का 35–40 लाख रूपये का एस्टीमेट बनवाकर पंचायत डिपार्टमैंट को भिजवाया था लेकिन वह एस्टीमेट भी अभी तक पास होकर नहीं गया है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि वहां के पानी की निकासी का जल्दी से जल्दी प्रबंध किया जाये ताकि यात्रियों और छात्र व छात्राओं को उससे होने वाली परेशानी से छुटकारा मिल सके। उपाध्यक्ष जी, इसी प्रकार से मैं यह कहना चाहूंगा कि सफीदों विधान सभा क्षेत्र के सफीदों शहर के आसपास के निमनाबाद, खेड़ा खेमावती, धिरवाड़ा, शामपुर, मुआना व सिंघाना इत्यादि गांवों में तेज आंधी, बरसात और ओलावृष्टि से फसलों का बहुत भारी नुकसान हुआ है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से रिक्वैस्ट है कि इन सभी गांवों की स्पैशल गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा जल्दी से जल्दी दिया जाये। इसके अलावा मेरा यह कहना है कि मेरे सफीदों शहर में गर्ल्स कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज है। उनमें 2200 से 2300 के लगभग लड़कियां हैं। उसके सामने की सड़क की एडमिनिस्ट्रैटिव एप्रूवल भी हो चुकी है। उस सड़क के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी के कार्यालय से 1.70 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। इसको भी 8 से 9 महीने का समय हो गया है लेकिन अभी तक वहां पर कोई काम नहीं हुआ है। इसके विरोधस्वरूप वहां पर लड़कियों ने रोड को जाम कर दिया। उसके बाद उनमें से 20 से 30 लड़कियों के ऊपर केस दर्ज कर दिए गए हैं। ये पोर्टल और डोंगल की वजह से उस सड़क का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इस सड़क के लिए 8–9 महीने पहले मंत्री जी ने पैसे तो अलॉट कर दिये थे लेकिन आज तक भी इस सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है। सरकार के पास पैसे न हों उसके बाद कोई काम रूक जाये तो समझ में आता है लेकिन सरकार द्वारा पैसे की स्वीकृति करने के बाद भी काम का न हो पाना चिंता की बात है। कभी कहते हैं कि आज डोंगल नहीं चला और कभी कहते हैं किआज पोर्टल नहीं चला। इस सड़क के टैण्डर

भी आज तक नहीं किये गये हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस सड़क का जल्दी से जल्दी निर्माण करवाया जाये ताकि लड़कियों की समस्या का समाधान हो सके। इसके अलावा मेरा यह भी कहना है कि जो लड़कियों पर केस किये गये हैं उनको भी वापिस लिया जाये। इसी प्रकार से मेरा यह कहना है कि सरकार द्वारा बजट के अंदर गऊशालाओं का बजट 10 गुणा बढ़ाया गया है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में 12 गऊशालायें हैं। सम्बंधित पोर्टल पर 9 प्वांयट्स दिये गये हैं। उससे तूड़ी इत्यादि के लिए जो ग्रांट मिलती है। मेरे विधान सभा क्षेत्र की 12 की 12 गऊशालाओं में से एक गऊशाला ही उसमें सक्षम है। मैं तो सरकार से अनुरोध करता हूं कि कम से कम एक किस्त तो उनको पुराने सिस्टम से दे दी जाये। इसके बाद उनको जरूरी कागज पूरे करने का भी समय दिया जाये। अगर ऐसा नहीं किया गया तो वहां की सारी की सारी गऊंए भूखी मर जायेंगी क्योंकि उनके खाने की सारी की सारी व्यवस्था ग्रांट पर निर्भर करती है। गांव के लोगों द्वारा ही गऊशालाओं को खोला जाता है। वे कम पढ़े–लिखे लोग हैं। उनको इस पोर्टल का ज्यादा ज्ञान नहीं है। उपाध्यक्ष जी, मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि उनको पहली किस्त पूर्व निर्धारित नॉर्म्ज के हिसाब से जारी कर दी जाये। जय हिन्द। नमस्कार।

श्री उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब शून्यकाल समाप्त होता है।

————————

बैठक का स्थगन

श्री उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सदन की कार्यवाही दोपहर भोज के लिए एक घंटे के लिए स्थगित की जाती है।

***01.13 बजे** **(तत्पश्चात् सभा मध्याह्न पश्चात् 14.13 बजे तक के लिए *स्थगित हुई।)**

————————

वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा पुनरारम्भ

श्री उपाध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब वित्त वर्ष 2023–24 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा का पुनर्रारम्भण होगा। अब श्री भव्य बिश्नोई अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

श्री भव्य बिश्नोई(आदमपुर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने उद्बोधन की शुरूआत श्रीमदभगवत गीता की दो पंक्तियों से करना चाहूंगा।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्.गोऽस्त्वकर्मणि।।

इस श्लोक का अर्थ है कि केवल हमारे कर्म पर ही हमारा अधिकार है, कर्म के फलों पर नहीं, इसलिए हमें फल की चिंता न करते हुए, निष्क्रियता और आलस से बचते हुए अपने कर्म को ईमानदारी और मेहनत से करना चाहिए, इसी में मानवता का कल्याण है। राजनीति में हमारा कर्म है जनता की सेवा करना। इस सदन में हम 90 ऐसे भाग्यशाली लोग हैं जो हरियाणा के 3 करोड़ लोगों के जीवन को सुधारने के लिए चुने गए हैं। हमारा समय, हमारी ऊर्जा, हमारे संसाधन अब केवल हमारे नहीं हैं बल्कि जनता को समर्पित हैं। मेरा यह मानना है कि हम भगवान का काम कर रहे हैं we are doing God's work इसलिए हमें अपना काम काम की खातिर करना चाहिए न की फल की अपेक्षा में। हमारे कार्य का एक महत्वपूर्ण अंग है बजट पर चर्चा करना और सार्वजनिक निधि यानी पब्लिक फंड को अधिकृत करना। हर साल प्रदेश का प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक वर्ग बड़ी ही उम्मीद के साथ बजट पेश होने का इंतजार करता है। युवा शिक्षा का स्तर बढ़ने और रोजगार के अवसर प्रदान होने की उम्मीद करता है। किसान पर्याप्त सिंचाई के पानी, कृषि आदान और जीवन स्तर में सुधार होने की उम्मीद करता है। महिला सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त होने की उम्मीद करती है, व्यापारी उम्मीद करता है कि वह बिना किसी अड़चन या

गुंडागर्दी के अपना धंधा कर सके। खिलाड़ी उम्मीद करता है कि उसे बढिया स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर मिले जहां वह अपनी प्रतिभा को निखार सके। बड़े–बुजुर्ग उम्मीद करते हैं कि उन्हें अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं और पर्याप्त पेंशन मिले ताकि वे अपने जीवन के अंतिम वर्षों को आराम और आनन्द के साथ व्यतीत कर सकें और समाज यह उम्मीद करता है कि आपसी प्रेम और भाईचारा बना रहे और हमें स्वच्छ पेय जल और स्वच्छ वातावरण मिलता रहे। उपाध्यक्ष महोदय, जनता की इसी उम्मीद पर खरा उतरना सरकार का और हम सभी का दायित्व बनता है इसलिए सबसे पहले मैं हरियाणा के विकास पुरूष मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी को बधाई देता हूं जिन्होंने लगातार चौथी बार जो बजट पेश किया है वह हरियाणा के तीन करोड़ लोगों की आशाओं और उम्मीदों पर खरा उतरने वाला बजट है। राज्य को उन्नति के पथ पर और भी तेजी और मजबूती के साथ अग्रसर करने वाला बजट है। अमृतकाल के इस पहले बजट में 'सबका साथ, सबका विकास', 'सबका प्रयास और सबका विश्वास' का संकल्प लेते हुए ऐसे लोगों को गले लगाया है और सरकारी खजानों को ऐसे घरों की तरफ खोलने का काम किया है जिन्हें सरकारी योजनाओं की सबसे अधिक आवश्यकता है। इस बजट में युवाओं के लिए रोजगार भी है और कौशल विकास के साथ अपनी प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग करने के तमाम अवसर भी हैं। इस बजट में ग्रामीण और शहरी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्वता जताते हुए सरकार ने हरियाणा के विकास को नई बुलंदियों पर ले जाने का भी संकल्प लिया है। इसके साथ–साथ वर्तमान युग में देश–विदेशों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साईंस क्षेत्रों का महत्व बढ़ रहा है। हमारे नौजवान इस दौड़ में पिछड़ न जाएं। इसका खास ख्याल रखते हुए हमारी सरकार ने इसके लिए भी सशक्त प्रबंध किये हैं। इस जन हितेषी और दूरदर्शी बजट पेश करने के लिए मैं एक बार पुनः मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं। महोदय, मैं इक्नॉमिक्स का

स्टूडैंट हूं। ऐसे में एक बेहतरीन बजट देने के साथ–साथ जिस जिम्मेवारी के साथ, जिस पारदर्शिता के साथ, जिस अनुसाशन के साथ मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा की अर्थ–व्यवस्था को चलाने का काम किया है वह भी काबिलेतारीफ है। Mr. Deputy Speaker Sir, I would like to share some of Haryana's promising economic indicators with you. Haryana's GDP per capita income is Rs. 3,58,000 and it is 3rd among all India States and the highest among major States after Goa and Sikkim. At 7%, Haryana is also the 3rd fastest growing economy in India. Haryana's per capita income has more than doubled in the last 8 years from Rs. 1,47,382 in the financial year 2014-15 to Rs. 2,96,685 in the Financial Year 2022-2023. It is significantly higher than the national average. Haryana's fiscal deficit is 3.3% which is healthy and lower than the national average. Haryana's manufacturing growth rate is 10% which is also the highest in the country. Haryana is also the largest software exporting State in India उपाध्यक्ष महोदय, ये सभी इंडीगेटर्स इस बात को साबित करते हैं कि जब एक ऊर्जावान, प्रतिभावान प्रदेश को अच्छा नेतृत्व मिल जाए तो वह कामयाबी की नई बुलंदियों को छूता है। महोदय, हमारी सरकार की उपलब्धियों के बारे में यदि मैं विस्तार में चर्चा करने लगूं तो घंटे लग जाएंगे तो आज के संबोधन में मैं हरियाणा का युवा नागरिक होने के नाते और युवा प्रतिनिधि होने के नाते अपने दृष्टिकोण से सरकार को कुछ सुझाव देने का प्रयास करूंगा। उम्र में मैं सदन में सबसे छोटा हूं तो जाने अनजाने में मुझसे कुछ भूल चूक हो जाए तो इस सदन से मैं क्षमा भी चाहता हूं। महोदय, मैं शिक्षा से शुरूआत करना चाहूंगा उस पर दो पंक्तियां मुझे याद आती हैं– 'एक सीख तमाम जिन्दगी की उम्मीद बन गई, वह कोई और न कर सका, जो जादू शिक्षा कर गई।' यह हम सभी जानते हैं कि शिक्षा एक सफल जीवन का आधार है

और वर्तमान बजट में मुख्यमंत्री जी ने सबसे ज्यादा पैसा 20340 करोड़ रूपये की लागत से शिक्षा को दिया है। वह इस बात को दर्शाता है कि हमारी सरकार शिक्षा को लेकर और युवाओं के भविष्य को लेकर कितनी गंभीर है। Mr. Deputy Speaker Sir, Haryana, under the able leadership of Shri Manohar Lal ji has grown leaps and bounds in the sphere of education. A few years ago, where we were struggling to give access to education to those who were on the bottom of the pyramid, where cheating in exams was common, where corruption in teacher postings was rampant and girls were deprived of education. We have now achieved access, enrolment and grade-level competency. The focus has now shifted to improve learning, outcomes and teaching pedagogy. With the help of sound policies such as Saksham Haryana Sanskriti Model School and the Chief Minister's Good Governance Associates (CMGGA), the quality of education from the pre-primary or Anganwadi to the higher level has starkly improved over the past decade. Haryana is now slowly but surely providing an education model for the rest of India to follow. उपाध्यक्ष महोदय, मैं खुशनसीब हूँ कि मुझे अपने जीवन में बेहतरीन शिक्षा का अनुभव हुआ है। मैं भारत में और विदेशों में Harvard और Oxford जैसी विश्व प्रसिद्ध यूनिवर्सिटीज में पढ़कर आया हूँ। मैं इसका श्रेय मेरे माता–पिता को देता हूँ। जिन्होंने शिक्षा को हमेशा प्राथमिकता दी है लेकिन उनकी तरह हरियाणा में लाखों ऐसे माँ–बाप हैं जो अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर जीवन में सफल बनाना चाहते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार की सकारात्मक सोच और अच्छी परियोजनाओं के बावजूद शिक्षा में अभी भी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा यह मानना है कि आज हरियाणा एक ऐसे लैवल पर पहुँच गया है कि आज हमें

अपनी तुलना बाकी भारतीय राज्यों से नहीं बल्कि दुनिया के सबसे विकसित देशों और राज्यों से करनी चाहिए। USA, UK, Australia, Netherlands, Denmark and Norway जैसे मुल्कों में जिनकी शिक्षा प्रणाली की मिसालें दुनिया के कोने–कोने में दी जाती है, हमें अपना मुकाबला इनके साथ करना है। इन मुल्कों में अधिकांश बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ना पसंद करते हैं क्योंकि उन्हें अच्छा infrastructure और quality of education प्राप्त होता है। हमारे यहां विपरीत मानसिकता है जहां लोग Private School में पढ़ना चाहते हैं। हमें इस धारणा को बदलने की आवश्यकता है। यह mindset change तभी मुमकिन होगा जब हम और गम्भीरता के साथ शिक्षा की ओर ध्यान देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, बुनियादी स्तर पर हमारे सरकारी स्कूलों में इन मुल्कों के तर्ज पर basic infrastructure होना चाहिए। जैसे कि technology-enabled classrooms, working laboratories, good quality faculty, sports infrastructure etc. जहां–जहां स्कूलों में टीचर्ज की कमी/ vacancy है उन्हें तुरंत प्रभाव से भरा जाना चाहिये। उदाहरण के तौर पर कुल मिलाकर राज्य के सरकारी स्कूलों में 38000 से ज्यादा पद खाली हैं, जिन्हें जल्द से जल्द भरा जाना चाहिये। वर्तमान युग में हमें बच्चों की overall holistic development की ओर ध्यान देना चाहिए जिसमें उन्हें technical skills जैसे कि Coding, Machine Learning (ML),Artificial Intelligence (AI), Internet of Things (IoT), entrepreneurship भी प्रदान हों, जो वर्तमान और भविष्य में विश्व की तमाम चुनौतियों का सामना करने के लिए हथियार साबित हो। Sir, gender sensitisation, ethical leadership development & communication जैसे soft skills को भी शुरू से ही curriculum में शामिल करना चाहिए ताकि हमारे बच्चे जीवन के तमाम

चुनौतियों का सामना कर सके और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छात्र–छात्रों से मुकाबला कर सके। उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा के क्षेत्र में मेरा सरकार को दूसरा विनम्र सुझाव है कि हमें higher education की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। आज यदि हम National University Rankings की बात करें तो top 100 universities में हरियाणा की केवल 3 यूनिवर्सिटीज शामिल हैं व Global Rankings में दूर–दूर तक हमारा कोई जिक्र नहीं है। Mr. Deputy Speaker Sir, owing to its talent and close proximity to the National Capital, I strongly believe that Haryana has the potential to become a Global Education Hub or National Education Hub at the very least. For this I humbly suggest that a world-class university in Haryana will be developed by building a good leadership team, attracting high-quality faculty, and inviting investment from both global and local investors. Mr. Deputy Speaker Sir, I am willing to chip in and contribute in the efforts of the government because over the past many years, I have very carefully and consciously cultivated a strong network of like-minded people who are extremely passionate about education globally. In doing so, Mr. Deputy Speaker Sir, I am convinced that not only will, we prevent brain drain from taking place, but in fact, students from around the world will come to India to seek admission in our universities. उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का आभारी हूँ

कि उन्होंने बजट में आगामी वर्ष में 65000 नौकरियां देने की और 200000 युवाओं को कौशल बनाने की घोषणा की है। सरकारी भर्तियों में भाई–भतीजावाद खत्म करके और तमाम धांधलियां खत्म करके मुख्यमंत्री जी ने युवाओं के दिलों में विशेष जगह बनाई है। आज हरियाणा के गांवों में गरीब से गरीब परिवार के पढ़े–लिखे युवा अपनी मेहनत और काबिलियत के आधार पर नौकरी हासिल कर रहे हैं। यह हमारे प्रदेश और सरकार के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है लेकिन बावजूद इसके हमारे प्रदेश में सैंकड़ों ऐसे नौजवान हैं जो या तो बेरोजगार हैं या अपनी क्षमता को पूरा करने में असमर्थ हैं। बेरोजगारी का क्या आंकड़ा है? इस पर पक्ष–विपक्ष तर्क–वितर्क कर सकते हैं, बहस कर सकते हैं लेकिन इस बात में कोई दो राय नहीं है कि सभी दलों को साथ मिलकर इस बेरोजगारी की समस्या का समाधान करने की आवश्यकता है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा में हर साल 300000 से अधिक नौजवान workforce में शामिल हो रहे हैं, इनका भविष्य हमारे हाथों में हैं। उपाध्यक्ष महोदय, कुछ ही शब्दों में बेरोजगारी पर चर्चा करके, मैं इस महत्वपूर्ण और गंभीर विषय के साथ न्याय नहीं कर पाऊंगा लेकिन इस पर एक छोटा सुझाव जरूर सरकार को देना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, Sirsa-Delhi Economic Corridor (EC-40) में जो केन्द्र सरकार की 'Bharatmala' योजना का हिस्सा है, उसे तेजी दी जाए और इसमें आदमपुर को भी जोड़ा जाए। उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप जानते हैं कि हरियाणा में ज्यादातर रोजगार, निवेश और जी.डी.पी. गुरूग्राम–मानेसर–फरीदाबाद क्षेत्र में उत्पन्न होती है। हरियाणा विकसित राज्यों में से एक माना जाता है लेकिन हमारी growth inequitable है। यदि ऐसा रहा तो निकट भविष्य में गुरूग्राम–फरीदाबाद बढ़ती हुई आबादी और पर्यावरण का दबाव संभाल नहीं पाएँगे और वैसे भी यह बाकी हरियाणा के साथ अन्याय है। Sirsa-Delhi Economic Corridor को विकसित करने से दक्षिण और पश्चिमी हरियाणा को अभूतपूर्व लाभ पहुँचेगा, यह मेरा

विश्वास है क्योंकि Economic Corridor के दोनों तरफ infrastructure develop होगा, कारखाने खुलेंगे, देसी और विदेशी निवेश आएगा, जमीन के दाम बढ़ेंगे और युवाओं को रोजगार मिलेगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसी कड़ी में केन्द्र सरकार ने हिसार के growth potential और connectivity को देखते हुए इसे हिसार को Counter-Magnet Area (to Delhi) घोषित किया है ताकि हिसार को एक स्वतंत्र आर्थिक विकास केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए। Hisar Aviation Hub और Multimodal Logistics Park खोलने की भी परिकल्पना हमारी जनहितैषी राज्य सरकार ने की है। पहले MRO या Maintenance, Repair & Operations और cargo के लिए हिसार एयरपोर्ट खोला जाएगा और उसके पश्चात् International Airport, Aerocity & Industrial Hub भी खोले जाएंगे। यह मेरे लिए उत्साहजनक है क्योंकि वर्ष 2019 के लोक सभा चुनाव में मैंने ये बातें अपने घोषणा पत्र में लिखी थी और निःसंदेह ये योजनाएं सिर्फ हिसार ही नहीं बल्कि 100 किलोमीटर के radius में आने वाले इलाकों के लिए विकास के नए दरवाजे खोलेंगी और विशेष रूप से युवाओं को इसका लाभ पहुँचेगा। Aerospace, high tech, logistics, medical tourism, pharmaceuticals, textiles, agro and food processing & defence manufacturing जैसी industries यहां खोली जा सकती हैं, जिनकी मदद से गांव–गांव, घर–घर में हम युवाओं को रोजगार दे पाएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे अन्नदाता के बिना जिक्र किये मेरा उद्बोधन अधूरा रह जाएगा। दो पंक्तियां याद आती है।

चीर के जमीन, मैं उम्मीद बोता हूँ।
मैं किसान हूँ, चैन से कहां सोता हूँ।

उपाध्यक्ष महोदय, किसान है तो हम हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी Fasal Beema Yojna, Bhavantar Bharpai Yojna, Kisan Credit Card, etc. जैसी नीतियों के माध्यम से किसानों का जीवन सुधारने के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। जिस प्रकार से हमारी सरकार natural farming, fruit economy, bee keeping & crop diversification जैसी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दे रही है। यह स्वागत योग्य नीतियां हैं लेकिन अभी भी बहुत गंभीर प्रयासों की जरूरत है। हम पर्याप्त मात्रा में किसानों को सिंचाई का पानी, बिजली, खाद, बीज, इत्यादि नहीं दे पा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने शून्यकाल में भी कहा था कि किसानों के निजी खालों को पक्का करने के नियमों में संशोधन लाकर उन्हें 20 साल से घटाकर 10 साल किया जाए। संबंधित मंत्री और अधिकारियों के साथ किसानों की समिति बनाकर हर वर्ष एक बजट का प्रावधान किया जाए ताकि किसान अपने खालों की मरम्मत करवा सके। Ground water depletion को देखते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने micro-irrigation policy की अच्छी शुरूआत की है। उनकी इस सोच को मैं समझता हूँ और सराहता भी हूँ। मैं खुद एक ऐसी विचारधारा और समाज से संबंध रखता हूँ जो पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देता है। जब तक micro-irrigation को लेकर किसानों में जागरूकता नहीं बढ़ेगी तो उत्साह भी नहीं बढ़ेगा। मैं इस नीति की जागरूकता अपने हल्के आदमपुर में भी बढ़ाऊँगा लेकिन तब तक किसानों के निजी खालों की नीति पर पुनर्विचार किया जाए, यह मेरी माननीय मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ–साथ, सिंचाई के पानी की पूर्ति करने के लिए हमारी सरकार को एस.वाई.एल. का मुद्दा और भी गंभीरता से लेना चाहिये। जैसाकि हम सभी जानते हैं कि हरियाणा के हिस्से का 3.5 एम.ए.एफ. पानी लाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 युग पुरूष चौधरी भजनलाल जी ने वर्ष 1982 में पंजाब के कपूरी गांव में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व0

श्रीमती इंदिरा गांधी जी से कस्सी चलवाकर नहर का निर्माण कार्य शुरू करवाया था और अपने शासनकाल में 98 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा करवाकर अदालतों में भी हरियाणा के हितों की जमकर पैरवी की थी लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, बावजूद इसके, दुर्भाग्यपूर्ण आज तक हरियाणा को उसके हिस्से का पानी नहीं मिल पाया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सभी सम्मानित सदस्यों से प्रार्थना करता हूँ कि एस.वाई.एल. का पानी लाने के लिए हमें एक–जुटता दिखानी होगी। इसके लिए हमें जो कुर्बानी देनी पड़े, हम देंगे लेकिन राजनीति से ऊपर उठकर हमें इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। मैं विशेष रूप से विपक्ष को आमंत्रित करता हूँ कि सिर्फ एस.वाई.एल. के मुद्दे पर ही नहीं बल्कि जनहित के सभी कार्यों में विपक्ष भी सकारात्मक भूमिका निभाएं। उपाध्यक्ष महोदय, इस महान सदन में हम सभी का लक्ष्य एक ही है कि हरियाणा की 36 बिरादरी का विकास हो और विकास पुरूष श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में हरियाणा तेजी से और आगे बढें, हम सभी को इसमें सहयोगी बनना चाहिये। यही मेरी इस महान सदन से प्रार्थना है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के लिए दो लाइनें अवश्य कहना चाहूंगा –

ना गिला किया, ना खफा हुए
यूं ही रास्ते में जुदा हुए ।
ना तू बेवफा, ना मैं बेवफा
जो गुजर गया सो गुजर गया ।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आदमपुर हल्के की दो बातें रख रहा हूं । इस बजट सत्र के महत्वपूण संवाद में आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूं । मैं बहुत–से विषयों जैसे महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, स्पोट्र्स आदि पर बोलना चाहता था लेकिन सदन में समय की मर्यादा का ध्यान रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री महोदय से केवल प्रार्थना करना चाहता हूं

कि वे गंभीरता और तत्काल प्रभाव के साथ मेरे आदमपुर हल्के की समस्याओं का समाधान करें ।

मुझ पर है उम्मीदों का पहाड़,
आदमपुर की उस महान जनता का,
जिसने आंधियों में भी हमेशा चिराग जलाए रखा ।

उपाध्यक्ष महोदय, बड़े ही विश्वास और उम्मीद के साथ आदमपुर के लोगों ने भाजपा का और हम सभी का साथ दिया है । हमें उप–चुनाव में वर्ष 2019 के विधान सभा चुनावों से भी ज्यादा वोट मिले हैं, इसलिए मेरी माननीय मुख्यमंत्री महोदय से मांग है कि आदमपुर की मुख्य मांगों जैसे खाल, बिजली, ढ़ाणियों की सड़कों आदि को जल्द पूरा किया जाए । इसके साथ–साथ बालसमंद महिला कॉलेज को चौधरी भजन लाल जी के नाम पर खोला जाए, बीड हिसार को जल्द–से–जल्द मालिकाना हक दिया जाए, मंडी आदमपुर के बस स्टैण्ड और हॉस्पिटल को अपग्रेड किया जाए तथा आदमपुर में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खोली जाए । महोदय, एक और गंभीर मुद्दा है कि मंडी आदमपुर की 36 बिरादरी में नगर पालिका के खिलाफ भारी रोष है । वहां पर लोग काफी समय से धरने पर बैठे हुए हैं । मेरी माननीय मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना है कि वहां की नगर पालिका को जल्द–से–जल्द तोड़ने का काम किया जाए । उपाध्यक्ष महोदय, यह सदन लोकतंत्र का वही मंदिर है जहां पर स्वर्गीय युगपुरूष चौधरी भजन लाल जैसी महान हस्तियों ने अपने अथक प्रयासों से हरियाणा की तकदीर लिखने का काम किया । आज माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्री मनोहर लाल जी की रहनुमाई में हरियाणा एक विकसित प्रदेश के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है । मैं एक बार पुनः माननीय मुख्यमंत्री महोदय को एक बेहतरीन बजट पेश करने के लिए बधाई देता हूं । मैं सदन के सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना करता हूं कि कृषि की जड़ों को और मजबूत करते हुए महाभारत की जन्मभूमि को नमन करते हुए

आओ हम सब साथ मिलकर संघर्ष करें ताकि हमारा हरियाणा विकास की नई उड़ान भर सके । उपाध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से मोदी जी आज भारत को जी–20 का नेतृत्व दिलाकर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं और जिस ढंग से मनोहर लाल जी हरियाणा का नेतृत्व कर रहे हैं, मैं हमारे विपक्ष के साथियों के लिए एक शेर बोलकर अपनी वाणी को विराम देता हूं ।

हमने तो समंदर के रूख बदले हैं,
मोदी–मनोहर की जोड़ी ने सोचने के सलीके बदले हैं ।
आप कहते थे कुछ नहीं होगा,
हमने आपके भी समझने के तरीके बदले हैं ।

धन्यवाद । जय हिन्द ।

.....

चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोड़िया खेड़ा, जिला फतेहाबाद के विद्यार्थियों तथा अध्यापकगण का अभिनन्दन

श्री उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोड़िया खेड़ा, जिला फतेहाबाद के विद्यार्थी तथा अध्यापकगण आज सदन की कार्यवाही देखने के लिए दर्शक दीर्घा में उपस्थित हैं । मैं सदन की तरफ से इनका स्वागत करता हूं ।

.....

वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्रीमती किरण चौधरी (तोशाम) : उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट को 'अमृत काल' के बजट की संज्ञा दी गई है । मैं इससे पूरी तरह असहमत हूं । इस बजट में न तो किसानों के लिए सी–2 फॉर्मूले पर आधारित एम.एस.पी. को वैधानिक दर्जा देने का कोई जिक्र है, न गरीब–मजदूर और एम.एस.एम.ई. के लिए राहत पैकेज का कोई जिक्र है, जिनकी पैंशन काटी गई है न उनका कोई जिक्र है और न

ओ.पी.एस. का कहीं जिक्र है । उपाध्यक्ष महोदय, पंचायती राज के चुने हुए नुमाइन्दों पर डण्डों की बौछार की गई है । मैं पूछती हूं कि जब इस तरह का बजट पेश हो तो उसको अमृत काल के बजट की संज्ञा कैसे दी जाए ? मेरे ख्याल से तो इस समय को 'अमृत काल' की बजाय राहु काल का समय कहना ज्यादा अच्छा होगा । बजट पर आंकड़ों सहित बात करना मेरा काम है । (विघ्न)

कृषि वं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल) : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या गलत बात कह रही है । (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी : उपाध्यक्ष महोदय, यह बजट आंकड़ों का एक मायाजाल है । (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, अगर मेरे समय के बीच में इस तरह से बोला जाएगा तो फिर मैं अपनी सीट पर बैठ जाती हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रकाश दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, बजट में 'डंडों की बौछार' की बात कहां है ? (शोर एवं व्यवधान) बजट में 'डंडों की बौछार' कहां हुई ? (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं बजट पर बात कर रही हूं ।

श्री उपाध्यक्ष : किरण जी, आप प्लीज कंटीन्यू करें । प्लीज, आप अपनी बात शुरू कीजिए ।

श्री आफताब अहमद : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या को बीच में डिस्टर्ब किया जा रहा है जोकि ठीक नहीं है । (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : आफताब जी, आप तो डिस्टर्ब मत कीजिए । आप अपनी सीट पर बैठिये । आपकी पार्टी की मैम्बर ही बोल रही हैं ।

श्री आफताब अहमद : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या को सरकार का एक मंत्री बीच में टोक रहा है । विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : आफताब जी, अब तो उन्हें आप ही डिस्टर्ब कर रहे हो ।

श्री भारत भूषण बतरा : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बजट पर ऐसा क्या बोला है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : बतरा जी, आप अपनी सीट पर बैठिये ।

श्रीमती किरण चौधरी : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे बीच में डिस्टर्ब किया जा रहा है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः किरण जी, आपके बोलने का समय चल रहा है, इसलिए आप अपनी बात रखें।

श्री असीम गोयलः उपाध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः उपाध्यक्ष महोदय, आप माननीय सदस्य श्री असीम गोयल जी की पूरी स्पीच निकलवाकर देख लें कि उन्होंने एक शब्द भी बजट पर बोला हो। वे पूरी स्पीच में अपनी गाथा गाते रहे, लेकिन जब हमारी पार्टी के माननीय सदस्य बोलते हैं तो ये बीच में बोलने लग जाते हैं।

श्री उपाध्यक्षः किरण जी, आपके बोलने का टाईम चल रहा है। प्लीज, आप अपनी बात रखें। अगर आप बैठी रहीं तो आपके बोलने का टाईम निकल जाएगा।

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात रख रही हूं, इसलिए माननीय सदस्य मेरी स्पीच के बीच में न बोलें। उपाध्यक्ष महोदय, यह बजट मेरे हिसाब से पूरी तरह से आंकड़ों की बाजीगरी है और मैं इसके बारे में बताना चाहूंगी कि यह किस तरह से है? उपाध्यक्ष महोदय, मैं इसमें बहुत कड़ी आपति जताती हूं कि जी.एस.डी.पी. और डैट लाएबिलिटी के प्रसैंटेज के आंकड़े आर.बी. आई. की रिपोर्ट और कैपिटल फोर्मेशन बजट एट ग्लांस की रिपोर्ट से मेल नहीं खाते हैं। ये सारे के सारे आंकड़े उसके अन्दर हैं। Debt liability as percentage of GSDP in Haryana में वर्ष 2020 के अन्दर आर.बी.आई. का रेट 28.8 परसैंट है। हरियाणा सरकार के बजट में 27.69 परसैंट है। वर्ष 2020–21 के अन्दर आर.बी.आई. का रेट 32.5 परसैंट है और हरियाणा सरकार के बजट में 26.15 परसैंट है। आर.बी.आई. के रिवाईज्ड अस्टिमेट्स 29.3 परसैंट हैं जबकि

हमारे हरियाणा प्रदेश के बजट में 25.78 परसैंट दिया है। वर्ष 2023–24 के अन्दर आर.बी.आई. का बजट अस्टिमेट्स रेट 28.3 परसैंट है और हरियाणा सरकार का 25.45 परसैंट है। उपाध्यक्ष महोदय, यह स्पीच में दोहराया गया है। इसमें गलत तरीके से सारे आंकड़ें दिये गये हैं और इसको दोहराया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, इसमें साथ ही साथ बताना चाहूंगी कि वर्ष 2022–23 की बजट अस्टिमेट्स की स्टेट डैट लाएबिलिटी 2,43,779 करोड़ रुपये थी जो इस वर्ष 2022–23 में रिवाईज्ड अस्टीमेट्स में बढ़कर 2,56,265 करोड़ रुपये हो गयी है। उपाध्यक्ष महोदय, इसमें सवाल यह उठता है कि जो 1300 करोड़ रुपये रिवाईज्ड अस्टीमेट्स और बजट अस्टीमेट्स के अन्दर वर्ष 2022–23 में फर्क आ रहा है, यह कैसे आ रहा है? क्या सरकार ने बोरोइंग की है। इसके बारे में भी जरूर बताया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से दूसरी बात यह कहना चाहूंगी कि आप बजट एट ए ग्लांस देखें तो उसके फुट नोट पर एक इन्ट्री है। जोकि लॉस्ट ईयर में भी की गयी थी। यह बहुत छोटी सी इन्ट्री है ताकि किसी को नजर न आए। इसको बार–बार रिपीट किया गया है। इस साल उसके अन्दर एक्चुअल शब्द डाल दिया गया है। मैं 'एक्चुअल' में पूछना चाहूंगी कि ये वैरिएशन अमाउंट में आया है, यह किसलिए आया है? यह बहुत ही पजलिंग फिगर है। इसके ऊपर भी माननीय मुख्यमंत्री जी रोशनी डालें। इसके अतिरिक्त जी.एस.टी. कम्पनशेसन की बात है। यह कहा जाता है कि यह डबल इंजन की सरकार है। हमारे प्रदेश को जी.एस.टी. कम्पनशेसन इसलिए दिया जाना था ताकि हमारा जो नुकसान हुआ था, उसके लिए केन्द्र सरकार से पैसा मिलता जिससे हमारे प्रदेश के नुकसान की भरपाई होती। लेकिन आज यह डबल इंजन की सरकार बजट एट ए ग्लांस में वर्ष 2022 और वर्ष 2024 में देखने को मिलती है कि इसमें जो आंकड़ें दिये गये हैं, वे पूरी तरह से दुरूस्त नहीं हैं। इसके पिछले साल के जो रेवेन्यू रिसीट्स हैं, उसमें इस तरह से आंकड़ों का मायाजाल

फैलाया गया है कि पिछले साल की रेवेन्यू रिसीट्स में ईजाफा हुआ है और घाटे का आंकड़ा कम हुआ है। इसमें 2 साल का समय हो चुका है, लेकिन भारत सरकार ने हरियाणा सरकार को इसका भुगतान नहीं किया है। इन्होंने जी.एस. टी. के एवज में बैक टू बैक लोन लिया है। बाकी जिन सरकारों ने लोन लिया था उन्होंने अपनी किताब में बही–खाते के अन्दर लोन दिखाया है। लेकिन ये तो रेवेन्यू की तरह दिखा रहे हैं ताकि अपने आंकड़ें बढ़ा सकें। मैं आपके माध्यम से यह बात कहना चाहूंगी कि क्या ये आंकड़ों की बाजीगरी है या नहीं है? उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ स्टेट फाईनैंसिज पर वर्ष 2020–21 की कैग की रिपोर्ट में बताया गया है कि हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन ने अर्बन डिवैल्पमैंट कॉरपोरेशन के द्वारा ऑफ बजट बोरोइंग की थी। जब आप इस तरह की बोरोइंग करते हैं तो माननीय सदन को भी विश्वास में लेना चाहिए। चूंकि इसके बारे में हमें तो मालूम ही नहीं है। यह आपकी किताबों में लिखा हुआ है, लेकिन उसको दर्शाया नहीं गया है। उपाध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से यह जानना चाहते हैं कि इसका मकसद क्या है? क्या होम डिपार्टमैंट ने यह पैसा दिया है या नहीं दिया है? इसमें क्या हो रहा है? इसके बारे में सदन को पता होना चाहिए और सदन को विश्वास में लेना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त consolidated sinking funds for the New Pension Scheme/ Mines, Minerals Development and Rehabilitation Fund और State Afforestation Fund में अपना ही हिस्सा नहीं डाला। इसका मकसद यह है कि 1166.89 करोड़ रुपये के आंकड़ों का हेरफेर किया गया है। इस पर जरा रोशनी डालेंगे तो आपको पता चलेगा। Actually what has happened is that dues have not been paid and under statement the fiscal deficit has been made to the point of 0.15%. इस प्रकार से इसमें इतने आंकड़ों की हेराफेरी की गई है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके बारे में हमें पता होना चाहिए। वर्ष

2022–23 के बजट एस्टीमेट्स में और वर्ष 2022–23 रिवाइज एस्टीमेट्स में 1200 करोड़ रुपये से ज्यादा का फर्क है। उपाध्यक्ष महोदय, आप इसके आंकड़े निकालकर देखोगे तो आपको पता चलेगा। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह पूछना चाहती हूं कि इसमें यह फर्क कैसे आया? क्या सरकार ने ऑफ बजट बोरोइंग किया है। अगर बजट बोरोइंग किया है तो उसके बारे में हमें क्यों नहीं पता चला? बजट के अंदर उसको रिफलैक्ट क्यों नहीं किया गया? इसके साथ ही साथ State tax revenue reciepts में अच्छी राजस्व वसूली और कुशल प्रबंधन के लिए सरकार ने अपनी बहुत पीठ थपथपाई है लेकिन इसमें आंकड़ों का अभाव है और इन आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2021–22 में हरियाणा का राजस्व की आय 70,493.11 करोड़ रुपये थी जो बजट अनुमान वर्ष 2022–23 में 82,653.88 करोड़ रुपये हो गई और संशोधित अनुमान वर्ष 2022–23 में 75,714.30 करोड़ रुपये हो गई। सरकार बजट अनुमान वर्ष 2023–24 में 86,880 करोड़ रुपये की बात कर रही है यह मैं समझती हूं कि बहुत दूर की कौड़ी है। हम इसके कहीं आसपास भी नहीं भटक रहे हैं और यही बजट की सच्चाई है। इसके साथ ही साथ हरियाणा का कर राजस्व जो है उसकी आमदनी वर्ष 2016–17 के अंदर रिसीट्स के मुताबिक 10.39 प्रतिशत थी और वर्ष 2020–21 में 2.69 प्रतिशत थी। हरियाणा का वर्ष 2016–17 से 2020–21 तक रेवेन्यू रिसीट्स decline हो गई थी लेकिन सरकार कह रही है कि हम बहुत आगे बढ़ रहे हैं और हमारी बहुत जबरदस्त इकोनॉमी हो रही है। श्री भव्य बिश्नाई जी मेरे बेटे समान हैं उन्होंने अभी सदन में बहुत बड़ी–बड़ी बातें कही हैं लेकिन आप असलियत में देखेंगे कि ये क्या हो रहा है? इसमें सच्चाई यह है कि रेवेन्यू रिसीट्स decline की हैं 9.35% of GSDP to 8.38% of GSDP. आप इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं कि इसमें कितनी ज्यादा गिरावट आ गई है। मैं यहां पर दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा उठा रही हूं। Financial

devolution जो सैंटर से पैसा आता है। टोटल रिसीट्स का वर्ष 2022–23 में 12.32 प्रतिशत था जो decline होकर वर्ष 2023–24 में 11.51 प्रतिशत हो गया है। इस प्रकार से हमारी डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। (शोर एवं व्यवधान) मेरे पास सारे कागज हैं। मैं कागज लेकर आई हूं। मैं बगैर कागजों के नहीं आती हूं क्योंकि मैं तथ्यों पर आधारित ही अपनी बात कहती हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक जी.एस.टी. कम्पनसेशन की बात है तो इसके बारे में कहा गया कि इसको बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि वर्ष 2020–21 से जी.एस.टी. कम्पनसेशन बंद हो गया है। हमारे रेवेन्यू का 4560.16 करोड़ रुपये का शॉर्टफाल है, मैं इस बारे में भी पूछना चाहूंगी कि हम इसकी कहां से भरपाई करेंगे इसलिए इस पर सरकार श्वेत पत्र जारी करे ताकि हमें मालूम हो सके कि यह शॉर्टफाल कहां से पूरा होगा? उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं एग्रीकल्चर के विषय पर अपनी बात कहूंगी। आज भी सरकार ने एग्रीकल्चर और एनीमल हंसबैंड्री के आंकड़े दिये हैं इनमें पहले जितना पैसा दे रहे थे उससे करीब–करीब 750 करोड़ रुपये कम हो गया है। मेरे पास इसके बहुत सारे आंकड़े हैं। पिछले 2 सालों में बाजरा बिजाई करने वाले किसान खून के आंसू पीने को मजबूर हैं। मेरे पास कागज हैं और मेरे प्रश्न का जवाब विधान सभा में दिया गया है। जहां तक बाजरा के प्रिक्योरमैंट की बात है तो इसमें करीबन 11069.95 क्विंटल बाजरा की below MSP प्रिक्योरमैंट की गई है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं यह भी बताना चाहूंगी कि भिवानी तथा दादरी के अन्दर 7017.95 तथा 1492.35 क्विंटल बाजरा बिलो एम.एस.पी. प्रिक्योर किया गया। ये आंकडे हैफेड के हैं और सरकार के आंकड़े हैं जो सरकार ने दिये हैं। अगर इसी तरह से पूरे हरियाणा के आंकड़े लें तो 11069.95 क्विटंल बाजरा बिलो एम.एस.पी. हैफेड ने प्रिक्योर किया है फिर सरकार किस बात की पीठ थपथपाती है और किस बात के लिए ये बात करते हैं। ये सारी बातें झूठ के

पुलिन्दे हैं। झूठ के अलावा कुछ नहीं हैं और ये सारी बातें ये कागज दिखा रहे हैं। इसी तरह से सरसों का जो एम.एस.पी. भाव घोषित किया गया है वह भी पूरा नहीं मिल रहा है। आज सरसों का एम.एस.पी. 5450 रुपये प्रति क्विटंल है लेकिन सरसों 4500–5000 रुपये प्रति क्विंटल बिक रही है। उपाध्यक्ष जी, असली बात यह है कि आज आलू का भाव पीट गया है। किसानों को प्रति किलो आलू की लागत 6 से 7 रुपये पड़ती है लेकिन आज किसान को आलू का भाव 50 पैसे प्रति किलो मिल रहा है। इस पर सरकार को शर्म आनी चाहिए। हरियाणा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है और कृषि के ऊपर आधारित है लेकिन कृषि के साथ ये हालात हो रहे हैं कि आज कृषि किसी काम की नहीं रही है। आज हमारा किसान भाई दुःखी होकर के अपना सर पटक रहा है। उपाध्यक्ष जी, सरसों का पाले से जो हाल हुआ है, वह तो हुआ ही है वह मैं आपको अलग से बताऊंगी। इसके अलावा मैं आपको बताना चाहूंगी कि किस तरह से पाले के कारण पछेती तथा अगेती सारी फसल नष्ट हो गई। जबकि सरकार की तरफ से कहा गया है कि 50 प्रतिशत से नीचे की गिरदावरी की जाए ताकि किसानों को मुआवजा न देना पड़े। उपाध्यक्ष जी, जब श्रीमती श्रुति चौधरी जी एम.पी. थी तब उन्होंने अपने समय में पाले के ऊपर केन्द्र में कानून बनवाया था कि फसल में पाले से हुए नुकसान का भी किसान को मुआवजा मिलेगा। जब पाला पड़ा उस समय श्रीमती श्रुति जी के समय में 36 करोड़ रुपये का मुआवजा बंटा था लेकिन आज सरकार पाले से हुए नुकसान का मुआवजा देने के लिए तैयार नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इसी के साथ आपको एक चीज और भी बताना चाहूंगी।(विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः किरण जी, आपके बोलने पर मुझे एतराज नहीं है। आप और भी अधिक समय तक बोल सकती हैं, लेकिन मेरा कहना यही है ऐसे में आपकी

पार्टी के बाकी मैम्बर्स को बोलने का समय नहीं मिल पाएगा, क्योंकि बोलने का निर्धारित समय है।(शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष जी, मैं थोड़ी देर में वाईंड अप कर दूंगी।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है किरण जी, आप जल्दी से वाईंड अप कीजिए।

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष जी, मेरे तोशाम हल्के में दरियापुर गांव है जहां पर बाजरे की फसल के पैसे के संबंध में सी.एम. साहब, ने किसानों को कहा था कि सारा पैसा आपके खातों के अन्दर आ गया है लेकिन जब मैं दरियापुर गांव का दौरा कर रही थी तब मैंने इस संबंध में ग्रामवासियों से पूछा था कि क्या आपके खातों में पैसा आ गया तब ग्रामवासियों ने बताया कि बहनजी हमारे खातों में तो पैसा नहीं आया लेकिन जिन किसानों ने बाजरा बोया ही नहीं, जिनके खेत खाली हैं उनके खातों में पैसे आ रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह से सरकार के नाक के नीचे इतना बड़ा घोटाला हो रहा है और इस तरह से यह सारा काम हो रहा है तथा माननीय मुख्यमंत्री जी को भ्रमित किया जाता है यह सबसे बड़े दुःख की बात है।(शोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रकाश दलालः उपाध्यक्ष जी, मैं इस संबंध में बताना चाहूंगा कि वे माननीय सदस्या के ही स्पोर्टर हैं, उन पर एफ.आई.आर. करवा दी है, उन्होंने ये घपला किया था, वे इन्हीं के स्पोर्टर हैं।(विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहूंगी कि माननीय मंत्री जी के हल्के लौहारू के 49 किसान बाजरे की फसल के संबंध में पैसे दिलवाने की अपनी दरख्वास्त मेरे पास लेकर आ रहे हैं कि हमें पैसा नहीं मिला है आप हमें पैसा दिलावा दीजिए। उपाध्यक्ष महोदय, प्रदेश में सिंचाई तथा पेयजल का बहुत बुरा हाल है, सारे के सारे पानी की कटौती कर दी गई है। सरकार का 'सबका साथ–सबका विकास' के नारे की सारी बातें बेकार की हैं, ये बातें पानी में बह गई हैं। उपाध्यक्ष जी, सच्चाई यह है कि पहले प्रदेश में कहां तो 172 क्यूसिक पानी मिलता था और आज सरकार 300 क्यूसिक पानी की बात करती है। पानी नहीं है और सरकार द्वारा कहा जाता है कि पानी टेल तक पहुंचाया जा रहा है जबकि पानी पीने के लिए नहीं है। आज हरियाणा के 5 जिलों के अन्दर rationing हो रही है। पीने के लिए पानी नहीं है। हर घर 1000–1200 रुपये पानी के लिए दे रहा है, तब टैंक से पानी आ रहा है।(विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः धन्यवाद माननीय सदस्या, अब आप बैठ जाएं क्योंकि दूसरे सदस्यों को भी अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए।

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष जी, मैं अपनी बात केवल दो मिनट में समाप्त कर दूंगी। उपाध्यक्ष महोदय, आज प्रोपर्टी आई.डी. और पी.पी.पी. ने जनता का नाश करके छोड़ा हुआ है जिससे आम आदमी बुरी तरह से त्रस्त है। उपाध्यक्ष जी, मैं यह कहना चाहूंगी कि ओ.पी.एस. का इस सरकार ने जो हाल किया है

उसके ऊपर तो मैं फिर बात करूंगी। अंत में मैं एक शेयर जरूर पढ़ना चाहूंगी ताकि ये आपको मालूम हो कि हरियाणा प्रदेश में वास्तव में हालात क्या हैं? इस सबके मद्देनजर मैं यह कहना चाहूंगी कि बजट के आंकड़ों का एक मायाजाल फैलाया गया है। यह सारी की सारी हकीकत पर पर्दा डालने की कवायद है। आज हरियाणा के अंदर हर वर्ग त्रस्त है। हर वर्ग दुखी है। आने वाले समय में सत्तापक्ष को पता चल जायेगा। इस पर मुझे जनाब अदम गौंडवी साहब की गजल की ये पंक्तियां याद आ रही हैं। मेरी आपसे गुजारिश है कि आप जरा इनको ध्यान से सुनिएगा –

रह मुफ़लिस गुजरते बेयकीनी के तजरबे से,
बदल देंगे ये इन महलों की रंगीनी, मजारों में।
अदीबों, ठोस धरती की सतह पर लौट भी जाओ,
मुलम्मे के सिवा क्या है फ़लक के चांद तारों में।।

और डेढ़ साल के अंदर ये सभी चांद तारे धरती के ऊपर नजर आ जायेंगे।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल) : उपाध्यक्ष जी, मैंने संस्कृत में एक छोटी सी बात पढ़ी है। मुझे उम्मीद है वह सभी के काम आयेगी। किसी ज्ञानी आदमी ने संस्कृत में कहा है कि –

यः दुर्वाणी परित्जय, अः दुर्वाणी सेवते,
तस्यं दुर्वाणी नश्यंति, अधम नस्तमेव।

अर्थात् जो आदमी पहला कदम रखने से पहले दूसरा कदम उठा लेता है उसके रास्ते भटक जाते हैं। (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी : उपाध्यक्ष जी, मैं भी एक शेयर सुनाना चाहूंगी। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : किरण जी, मंत्री जी ने आपको नहीं कहा है। आप बैठ जायें। आप जो कुछ भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड नहीं हो रहा। ईश्वर सिंह जी अब आप बोलें।

श्री ईश्वर सिंह (गुहला, अ.जा.) : डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवादी हूं। जो बजट की परम्परा है यह बहुत पुराने समय से चली आ रही है। यह राजा–महाराजाओं से भी पहले से चली आ रही है। वेसे भी कोई छोटा व्यापारी हो, बड़ा व्यापारी हो वे सभी अपना लेखा–जोखा देखते भी हैं और अनुमान भी लगाते हैं। मार्च के महीने के अंदर सभी आदमी, सभी कम्पनियां, सभी व्यापारी अपने बजट का अनुमान लगाते हैं कि उन्होंने क्या खोया और क्या पाया? जो यह बजट पेश किया गया मैं इसके समर्थन में हूं। कई चीजें ऐसी भी हैं जिनकी तरफ सरकार को विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत है। जो सदस्य रिजर्व हल्कों से चुनकर आते हैं उनका यह धर्म और जिम्मेदारी है कि हम एस.सी. वर्ग की आवाज को बुलंद करें। यदि कहीं कोई कमी रह गई है तो सरकार तक उस बात को पहुंचाना भी हमारा दायित्व बनता है। सरकार ने कई स्कीमें बहुत अच्छी बनाई हैं। इसमें हरियाणा रूरल डिवैल्पमैंट फण्ड है, विधायक आदर्श ग्रामीण योजना है, हरियाणा ग्रामीण विकास योजना है, fund collection from excise in panchyat स्कीम है। स्टेट फाईनैंस कमीशन प्लस सैंटर फाईनैंस कमीशन स्कीम है, मुख्यमंत्री किसान खेत सड़क योजना है। प्रधानमंत्री जन विकास कल्याण मॉईनोरिटीज स्कीम में सैंटर 60 परसैंट और स्टेट 40 परसैंट राशि देता है। मेरा यह कहना है कि इस स्कीम में फण्ड नहीं आया। इसी प्रकार से स्वर्ण जयंती खण्ड उत्थान योजना है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना है। ये सभी स्कीमें बहुत जनहितकारी और कल्याणकारी हैं। इसके अंदर जो कई चीजें नई पेश की गई वे ठीक हैं लेकिन

उनमें कुछ कमियां भी हैं। परिवार पहचान पत्र ऐसी स्कीम है जिसने आधार कार्ड की जगह ले ली है। इसके साथ इसमें काफी खामियां भी आई हैं। इसको स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। इसमें एन्युअल इंकम का डाटा जोड़ना, इसमें पैंशन का डाटा जोड़ना, राशन कार्ड का है, वैकेंसीज का है, साहित्य इत्यादि का डाटा है। इसमें जो सी.एच.सीज. में सैंटर खोल रखे हैं यह उनकी मर्जी के ऊपर है। किसी की इंकम ज्यादा लिख देते हैं। वह गरीब आदमी वहां आकर के मार खा जाता है। किसी की उम्र कम–ज्यादा लिखी जाती है। यह स्कीम बहुत अच्छी है लेकिन इसमें जो खामियां हैं उनको जल्दी से जल्दी दूर किया जाना चाहिए। इसमें कोई शंका नहीं कि इससे पारदर्शिता भी आती है। इसके साथ ही साथ ई–गवर्नैंस सुशासन का पहला कदम है। ई–गवर्नैंस के अंदर में शासन कम और सुशासन ज्यादा काम करता है। परिवार पहचान पत्र योजना इस ध्येय को पूरा करती है। इससे शासन में ट्रांसपेरेंसी भी आती है लेकिन जैसे एक थाने के अंदर किसी मुंशी ने कोई चीज लिख दी वह 10वीं पास है तो वही चीज बनी बनाई हाई कोर्ट तक चली जाती है। वही इस स्कीम के अंदर हो रहा है। सी.एच.सीज. के अधिकारी/कर्मचारी उसमें जो लिख देते हैं वही अंतिम हो जाता है। मेरा यही कहना है कि या तो सी.एच.सी. के सैंटर को बदल दिया जाये अथवा उसके ऊपर किसी दूसरी चैंकिंग एजेंसी को नियुक्त किया जाये। ये सभी इसकी खामियां हैं इनको जल्दी से जल्दी दूर किया जाना चाहिए। इस प्रकार से अंत्योदय की स्कीम है। इसका यह मतलब है कि जो व्यक्ति लाईन में सबसे पीछे खड़ा है उसको भी वही वस्तु उसी रेशो में मिलनी चाहिए जो वस्तु जिस रेशो में पहले व्यक्ति को मिली है। इसी को अंत्योदय कहा जाता है। यह अच्छी स्कीम है। इस स्कीम को लागू किया जाना चाहिए। एक बात मैं यह कहना चाहूंगा कि आज सुबह मेरे प्रश्न के जवाब में मंत्री जी ने जो आंकड़ें दिये वे गलत थे। यह मैंने उस समय भी कहा था। मैं वे

सारे आंकड़ें आपको इसलिए पेश करना चाहता हूं जो कम्पोनैंट प्लॉन शिड्यूल्ड कॉस्ट्स के लिए बनाई गई है वह वो 1975 में बनाई गई थी। उसके अंदर केन्द्र सरकार 60 परसैंट पैसा देती है और 40 परसैंट पैसा राज्य सरकार देती है। बड़ी तरकीब से और बड़ी चतुराई से 2019–20 का जो आंकड़ा पेश किया वह 38564 करोड़ रूपये का है। यह स्टेट का प्लॉन है। इसमें स्टेट का एक्सपैंडीचर 33205 करोड़ रूपये का है। सर, बजट की अलॉटमैंट 7610 करोड़ रूपये हुई है और उसके अंदर यूटीलाईज 6475 करोड़ रूपये हुआ है। इसमें वर्ष 2019–20 में 1152 करोड़ रूपये कम अलॉट हुए। यह मैंने मंत्री जी को सुबह भी बताया था कि हमारे पास आंकड़ें हैं। हमें किसी की ग्रांट की, किसी की मदद की, किसी फण्ड की जरूरत नहीं है यानि हम यह नहीं कहते कि शिड्यूल्ड कास्ट्स को कोई अतिरिक्त फण्ड दिया जाये। हम तो यही कहना चाहते हैं कि जो केन्द्र सरकार की स्कीम का पैसा इनके लिए आया लेकिन यूटीलाईज नहीं हुआ वह तो उन्हें कम से कम पूरा मिलना चाहिए। वह पैसा इन–डिमाण्ड है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : मंत्री जी, आप चेयर को एड्रैस करें। (विघ्न) आप ईश्वर सिंह जी को बोलने दें। (विघ्न) अगर आपको कोई जवाब देना है तो बाद में दे देना।

15:00 बजे

श्री ईश्वर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी की बात का इस बात के साथ मेल ही नहीं खाता है।(विघ्न) ये प्रश्न नहीं है जो मैं बोल रहा हूं।

श्री उपाध्यक्ष : मंत्री जी, प्लीज आप बैठिये। मंत्री जी आपने अगर कोई जवाब देना है तो बाद में दे देना।(विघ्न) ईश्वर सिंह जी आप कॉन्टीन्यू कीजिए।

श्री ईश्वर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, अगर हमारी बात को इस तरह से दबाया जाएगा तो फिर पब्लिक के अन्दर क्या मैसेज जाएगा।(विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : मंत्री जी, प्लीज आप बैठिये। इस तरीके से नहीं होता। आप हाऊस के अन्दर बैठे हुए हैं और आप मंत्री हैं। आपने अगर जवाब देना है तो

आप चेयर से इजाजत लेकर जवाब दे दें। (विघ्न) ईश्वर सिंह जी आप कॉन्टीन्यू कीजिए।

श्री ईश्वर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बताना चाहता हूं कि हरियाणा के अन्दर शेड्यूल्ड कास्ट की आबादी 20 प्रतिशत है। हम बजट में अपने उसी 20 प्रतिशत हिस्से को मांगते हैं कि बजट में हमारा 20 प्रतिशत हिस्सा होना चाहिए। इसमें कोई शंका नहीं, कोई दो राय नहीं, कोई भीख नहीं। उस 20 प्रतिशत के हिसाब से सरकार ने टोटल प्लान 38564 करोड़ रुपये बनाया है जबकि इसके अन्दर प्रतिशतता निकलनी चाहिए थी लेकिन सरकार ने स्टेट प्लान एक्सपैंडीचर की प्रतिशतता निकाली है अर्थात जो खर्चा हुआ है और खर्चे के ऊपर 20.17 प्रतिशत दिखा दिया जोकि बिल्कुल गलत है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं ये आंकड़े बता रहा हूं। मैं ये आंकड़े कोई अपनी तरफ से नहीं बोल रहा हूं। स्टेट प्लान के ऊपर जो पैसा दिया जा रहा है मैं वह बता रहा हूं। सरकार उस स्टेट प्लान के ऊपर प्रतिशतता निकालेगी या एक्सपैंडीचर के ऊपर प्रतिशतता निकालेगी। इसमें खर्चा कुछ और बताया जा रहा है और स्टेट प्लान में कुछ और बताया जा रहा है। अतः यह बिल्कुल मिसगाईड करने वाली बात है। मैं दोबारा से फिर इस बात को कहता हूं। इसी तरह से वर्ष 2020–21 के बजट में 39506 करोड़ रुपये आए और उसमें से 34177 करोड़ रुपये एक्सपैंडीचर हुआ। उसमें से शेड्यूल्ड कास्ट के लिए 7984 करोड़ रुपया बजट अलॉट हुआ जिसमें से 7161 करोड़ रुपये यूटिलाईज हुआ जिसमें 900 करोड़ रुपया कम खर्च हुआ है। (विघ्न) मैं यह कहना चाहता हूं कि इस बजट के अन्दर आंकड़ों के हिसाब से शेड्यूल्ड कास्ट के लिए 20.17 प्रतिशत बजट नहीं बनता है। इन आंकड़ों के हिसाब से तो शेड्यूल्ड कास्ट के लिए 15 प्रतिशत बजट बनता है। अगर इस बजट में मिसगाइड नहीं किया जा रहा है तो फिर और क्या किया जा रहा है। अगर शेड्यूल्ड कास्ट के लिए बजट ही 15 प्रतिशत है तो फिर हमारे से शेड्यूल्ड

कास्ट के लिए 20 प्रतिशत बजट है उस पर हां क्यों करवा रहे हैं। उसी तरह से वर्ष 2021–22 के बजट में भी 50763 करोड़ रुपये की प्लान बनी जिसमें से 4059 करोड़ रुपये एक्सपैंडीचर हुआ और बजट का यूटिलाईजेशन 8639 करोड़ रुपये हुआ। इसके अन्दर भी 2000 करोड़ रुपये की फिर कमी हुई है। इसके अन्दर भी सरकार द्वारा शेड्यूल्ड कास्ट के लिए 21.56 प्रतिशत दिखा दिया गया। अब इस वर्ष 2023–24 के बजट के ऊपर तो मैं कुछ भी इसलिए नहीं कहना चाहता क्योंकि अभी तो ये खर्च ही नहीं हुआ है।

श्री उपाध्यक्ष : ईश्वर सिंह जी, आप वाईंडअप कीजिए।

श्री ईश्वर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा तो मेरी पार्टी का समय है। आप मुझ पर टाईम की सीमा न लगाईये। आप ये घंटी तो नियम के हिसाब से बजाओगे। मेरा तो कहने का भाव यह है कि जो पैसा यूटिलाईज हो वही दिखाया जाए। आने वाले समय के अन्दर जो खर्चा दिखाया गया है उसको पूरा यूटिलाईज करें। एक्सपैंडीचर के ऊपर इसकी प्रतिशतता ना निकालें। जो पैसा अलॉट किया गया है उसके ऊपर प्रतिशतता निकाली जाए। यही मेरे कहने का भाव है। उपाध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे पहले ही कहा था कि हमारा दायित्व दूसरा है जिसमें शेड्यूल्ड कास्ट के साथ हमारा ज्यादा लिंक है। शेड्यूल्ड कास्ट के आदमी को अगर वकील करना पड़ जाए तो वकील की 21 हजार रुपये फीस है। अगर शेड्यूल्ड कास्ट का कोई केस दर्ज हो जाए जैसे किसी के घर में आग लगा दी जाए, किसी का सिर फोड़ दिया जाए या किसी के साथ दुष्कर्म हो जाए तो उसको सरकार वकील की फीस के रूप में 21 हजार रुपये देती है। आज 21 हजार रुपये तो मुंशी भी नहीं लेता। अतः इस फीस को 21 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये किया जाए। मान लो मर्डर का मामला आ गया या फिर रेप का मामला आ गया तो ऐसी स्थिति में 21 हजार रूपये में कौन सा वकील मिलेगा और कौन गवाही देने का काम करेगा तो इस तरह की चीजों के लिए बजट में

पैसे के प्रावधान को बढ़ाने का काम किया जाना चाहिए। अब कंपनसेशन की ही बात ले ली जाये। यदि किसी शेड्यूल्ड कास्ट का मर्डर हो जाता है। कोई दबंग आदमी वंचित आदमी को मार देता है तो ऐसी स्थिति में 8 लाख 25 हजार रूपये कंपनसेशन के तौर पर दिया जाता है। इस कंपनसेशन की राशि को भी 10 लाख रूपये करने का काम किया जाये। एस.सी. एस.टी. और बी.सी. कमेटी ने इस बात के लिए रिकमंडेशन जारी करने का भी काम किया है। जहां तक गैंगरेप के कंपनसेशन की बात है, इसको भी 10 परसेंट बढ़ाने का काम करना चाहिए। मेरे कहने का मतलब यह है कि बजट में जो आंकड़े दिखाये गए हैं, इनको देने का भी काम किया जाना चाहिए। बजट में वर्णित बातों को लागू नहीं होने का एक कारण यह भी रहता है कि इसके लिए अफसर गुमराह करने और मिसगाइड करने का काम कर देते हैं और जब इसके विरूद्ध बात उठाई जाती है तो हमारे युवा मंत्री जी जो अभी बीच में टोका–टाकी करने की कोशिश कर रहे थे और उनको ऐसा करने से जब टोक दिया जाता है तो वे अपनी पोजीशन के ध्यानार्थ, बात को महसूस करने का काम करते हैं। अगर किसी मंत्री को गलत आंकड़े दिए जायेंगे और मंत्री जी उन आंकड़ों के आधार पर सदन में बात करेंगे तो ऐसी स्थिति में मंत्री का क्या कसूर होगा ? इस तरह की बातों पर गौर करने की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, जो स्कीम्ज अच्छी बनाई गई थी और जिनको बंद कर दिया गया है, उनके बारे में मैं बताना चाहूंगा। अब जैसे 100 गज के प्लॉट वाली स्कीम को ही ले लें। वर्ष 2008 में 100 गज के प्लॉट दिए गए थे। वर्ष 2008 के बाद अब वर्ष 2023 आ गया है क्या इन 15 सालों में आबादी नहीं बढ़ी है? क्या कुनबा नहीं बढ़ा है? जब देश की जनसंख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ती–बढ़ती चली जा रही है तो क्या शेड्यूल्ट कास्ट के परिवारों का कुनबा नहीं बढ़ा होगा तो प्रश्न उठता है कि 100 गज का प्लाट देने की योजना को क्यों बंद किया गया। इस 100 गज का प्लॉट देने की योजना को

फिर से चालू करने का काम किया जाये। सबसे पहले और सबसे बड़ी बात तो यही है कि 100 गज के प्लॉट की स्कीम को क्यों लागू किया जाये। शैड्यूल्ड कास्ट के परिवारों के पास एक छोटा सा कमरानुमा घर होता है जिसमें छोटा–बड़ा, समाजिक–असामाजिक आदमी, मेहमान सभी केवल एक कमरानुमा घर में ही रहते हैं क्योंकि अब इन परिवारों का कुनबा भी बढ़ गया है। अतः ऐसे हालत को देखकर 100 गज के प्लॉट की स्कीम को दोबारा से शुरू करने का काम किया जाये। शेड्यूल्ड कास्ट के लिए यह भी बजट का बड़ा अहम हिस्सा है। अगर सरकार शेड्यूल्ड कास्ट्स के लिए कोई भला करना चाहती है तो इस स्कीम को जरूर शुरू किया जाये। इसके बाद मैं एक रिक्वेस्ट और करना चाहूंगा कि मेरे हल्के के अंदर 110 गांव हैं और यहां पर 5 पटवारी हैं। चाहे ट्रांसफर के प्रावधान से या अन्य किसी प्रावधान से इनकी संख्या कम से कम 50 परसेंट तो कर ही दी जाये ताकि हम लोगों को कुछ कहने के योग्य तो हों जाये। यहां पर 110 गांवों के लिए 1 वैटरनरी डाक्टर है। तहसील में तहसीलदार नहीं है। नायब तहसीलदार भी नहीं है। मैं मानता हूँ कि ये बातें बजट का हिस्सा नहीं हैं लेकिन अगर मैंने यह बातें अब सदन में नहीं रखी तो हल्के में मेरे से जवाब तल्बी होगी कि आप सदन में क्या बोलकर आये हो। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे एरिया में कुछ फ्लड प्रभावित क्षेत्र भी आते हैं, इनकी भी दोबारा से नए सिरे से जांच की जाये और शहरी क्षेत्र में जो सीवरेज, पीने के पानी की पाइप लाइन व अन्य दूसरी समस्यायें हैं, इनके बारे में मैं अलग से लिखकर भेज दूंगा। अतः निवेदन है इस तरफ भी सरकार द्वारा जल्द से जल्द संज्ञान लेने का काम किया जाये।

श्री दीपक मंगला (पलवल): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए जो मौका दिया है, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी का भी धन्यवाद और अभिनंदन करता हूँ जो इन्होंने इतना शानदार

और एतिहासिक बजट पेश किया है जिसमें कोई कर तक नहीं है। ऐसा शानदार बजट पेश करके विपक्ष की बोलती बंद करने का काम कर दिया गया है। (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, जो हमारे विपक्ष के साथी अभी बजट के बारे में बोल रहे थे, इनके यदि पिछले बजट के भाषण उठाये जाये तो ये लोग वही पुरानी पढ़ी–पढ़ाई बात को रिपीट करते हुए ही नजर आयेंगे और ऐसा करके बजट की पोजीटिव बातों के प्रति भी प्रदेश की जनता को भ्रमित करने का काम हमारे विपक्ष के साथी करते हैं। (शोर एवं व्यवधान) समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर यह बजट पेश किया गया है। जहां तक कृषि की बात है, वैसे तो कृषि के क्षेत्र में यह सरकार बहुत से काम कर रही है लेकिन अबकी बार विशेष तौर पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की बात माननीय मुख्यमंत्री ने एज वित मंत्री के रूप में इस बजट में कही है और 20 हजार एकड़ क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के लक्ष्य में रखकर इस बजट में जो प्रस्ताव किया है, इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाये उतनी कम है और प्राकृतिक खेती को लेकर प्रदेश भर में तीन प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने का निर्णय का भी मैं स्वागत करता हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश के 500 युवा किसानों को भी ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण देने का प्रावधान, इस बजट में माननीय मुख्यमंत्री जी ने रखा है। हमारे क्षेत्र के साथ–साथ प्रदेश के किसानों की एक बहुत बड़ी समस्या जल भराव को लेकर भी थी। उस समस्या का समाधान करने के लिए जो लगभग 50 एकड़ भूमि सुधारने का लक्ष्य रखा गया है, इसके लिए भी मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। हमारा जो मेवात का क्षेत्र है या फिर पलवल विधान सभा क्षेत्र है, उसमें पानी भराव की जो समस्या थी, उस समस्या का समाधान करने के लिए जो बोरवैल देने का बहुत बड़ा प्रावधान माननीय मुख्यमंत्री जी ने देने का काम किया है, इसके लिए भी मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा। (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक मेवात

क्षेत्र की बात है, मुझे माननीय मुख्यमंत्री जी ने मेवात क्षेत्र में भेजने का काम किया था और मैंने यहां पर जो जलभराव की समस्या के समाधान के लिए सिफारिश की है, उसके आधार पर जल भराव की समस्या का समाधान कराने का काम भी हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने करने का काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश के अंदर काबिलियत के आधार पर नौकरियां दी जा रही हैं जिसकी प्रशंसा न केवल हरियाणा में बल्कि सारे देश में इसकी प्रशंसा की जा रही है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस बजट में कौशल योग्यता को जिस प्रकार से बढ़ावा देने की बात कही है, के क्रम में देश की पहली यूनिवर्सिटी जिसको विश्वक्रमा यूनिवर्सिटी के नाम से जाना जाता है, हमारे यहां दुधोला में माननीय मुख्यमंत्री जी ने स्थापित करने का काम किया है। (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, आज मेवात और नूंह क्षेत्र के भी काफी बड़ी संख्या में युवा इस यूनिवर्सिटी मे प्रशिक्षण लेने के लिए आते हैं। इसके लिए हमारे विपक्ष के साथियों को तालियां बजाकर माननीय मुख्यमंत्री महोदय का स्वागत करने का काम करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, कौशल विकास के लिए जो 50 राजकीय विद्यालय और बहुतकनीकी संस्थानों में कौशल स्कूल शुरू करने का काम किया गया है, इसके लिए भी मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का स्वागत करता हूँ। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का इस बात के लिए भी धन्यवाद प्रकट करता हूँ जो इन्होंने पलवल, महेन्द्रगढ़, अम्बाला और फतेहाबाद में चार पशु चिकित्सा पोलीक्लीनिक स्थापित करने की घोषण की है। यही नहीं प्रदेश में 70 नई मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई इसी बजट में शुरू करने की बात भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने कही है। उपाध्यक्ष महोदय, सदन में बहुत से सदस्यों ने बेसहारा पशुओं के बारे में अपनी चिंता जताई थी, के मद्देनज़र माननीय मुख्यमंत्री जी ने बजट के अंदर नई गोशालाओं के लिए ग्राम पंचायतों की भूमि उपलब्ध करवाने का और गो–सेवा आयोग का बजट 40 करोड़ रूपये से 10 गुणा बढ़ाकर जो

400 करोड़ रूपये करने का काम किया गया है, इसके लिए भी मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का स्वागत और अभिनंदन करना चाहता हूँ और विपक्ष के साथियों को भी कहना चाहूंगा कि ऐसे कार्यों का तो उन्हें कम से कम स्वागत करना ही चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं वर्ष 2023–24 के लिए मैट्रो लिंक सेवा शुरू करने के प्रस्ताव का भी स्वागत करता हूँ। हरियाणा रेल आर्बिटल नैटवर्क और कुंडली मानेसर–पलवल एक्सप्रैस वे को जोड़ने के लिए असौदा से बहादुरगढ़ तक जो मैट्रो का विस्तार किया जायेगा, इसका भी मैं स्वागत करता हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा के क्षेत्र के संबंध में भी बहुत से विधायकों ने सदन में अपनी बात रखी हैं। मैं भी इस संबंध में कहना चाहूंगा कि पी.एम. श्री योजना के तहत हर ब्लॉक में जो एक प्राथमिक एक वरिष्ठ विद्यालय खोलने का प्रावधान किया गया है, के तहत ब्लॉक लैवल पर, हमारे ग्रामीण अंचल में व शहरों के अंदर, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। इससे पता चलता है कि माननीय मुख्यमंत्री जी जहां कौशल विकास की बात कर रहे हैं वही प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा को लेकर भी प्रदेश की चिंता करते हुए प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, 3 लाख रूपये की वार्षिक आय वाले परिवारों को चिरायु आयुषमान भारत योजना का लाभ मिलेगा। यह भी कोई छोटी बात नहीं है। आज कोई ऐसा परिवार नहीं है जिसमें 100–200 या 400 रूपये दवाओं पर न खर्च किए जा रहे हो। ऐसे में जो मध्यम वर्गीय परिवार हैं, उनकी हालत बीमारी की वजह से खस्ता हो जाती है लेकिन चिरायु आयुष्मान योजना जो है इसमें 3 लाख रूपये तक वार्षिक आय वालों को शामिल करने का जो काम माननीय मुख्यमंत्री ने किया है, वह बहुत ही बड़ा काम है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे मान्यता प्राप्त मीडिया क्रमियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा देने की भी जो इस बार बजट के अंदर बात की गई है उसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का स्वागत और अभिनंदन करना चाहूंगा। यहीं नहीं भोजन एवं

खाद्य पद्धार्थों की गुणवत्ता की जांच करने के लिए सक्षम सभी जिलों में खाद्य प्रयोगशालाओं की स्थापना करने की बात इस बजट में कही गई है। अंत में एक बात कहकर मैं अपनी बात को समाप्त करूंगा कि हरियाणा नैशनल मोबिलिटी कार्ड का उपयोग करके ई–टिकटिंग शुरू करने वाला देश का पहला राज्य हरियाणा बना है। ऐसे ही बहुत से काम माननीय मनोहर लाल के नेतृत्व में हुए है, जहां देश भर में हरियाणा ने अग्रणी बनकर एक संदेश देने का काम किया है। मैं इस बजट के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद अभिनंदन करते हुए अपनी बात को यही समाप्त करता हूँ। धन्यवाद।

श्री रणधीर सिंह गोलन (पूंडरी) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने माननीय वित्त मंत्री जी के तौर पर 1,83,950 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। यह पिछले बजट से 11 प्रतिशत ज्यादा है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस वर्ष 2023–24 के बजट में अनेक योजनाएं लागू करने का काम किया है। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं।

श्री भारत भूषण बतरा: उपाध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के माननीय सदस्यों को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए।

श्री उपाध्यक्ष: बत्तरा जी, माननीय सदस्य इन्डीपैंडेंट मैम्बर हैं और वे भी अपनी बात रखेंगे। आप इस बात पर एतराज नहीं कर सकते। मैं एक–एक मैम्बर को बारी बारी से बोलने का मौका दे रहा हूं। इनके बाद आपकी पार्टी के माननीय सदस्यों के ही बोलने का नम्बर आएगा। बत्तरा जी, प्लीज, अब आप बैठ जाएं। अब माननीय सदस्य श्री रणधीर सिंह गोलन जी अपनी बात रखेंगे।

श्री रणधीर सिंह गोलन: उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस बजट में अनेक योजनाएं लागू करने का काम किया है। परिवार पहचान पत्र योजना एक बहुत बड़ी योजना है। इस योजना से गरीब का भला होगा। माननीय मुख्यमंत्री

जी ने जो परिवार पहचान पत्र योजना लागू की है, वह एक बड़ी योजना है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि जो परिवार पहचान पत्र योजना लागू की गई है, उसमें लाभार्थियों के लिए फैमिली इन्कम का 1 लाख 80 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। मेरे बहुत–से गरीब साथियों की फैमिली आई.डी. में अढाई लाख रुपये इन्कम दिखायी गयी है और किसी की फैमिली आई.डी. में 3 लाख रुपये इन्कम दिखायी गयी है। जब वे लोग सी.एच.सी. में करैक्शन करवाने के लिए जाते हैं तो उनको बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। चूंकि एक गरीब परिवार, एक मजदूर और एक 400–500 रुपये की मजदूरी करने वाला सारा दिन कभी ए.डी.सी. ऑफिस, कभी डी.सी. आफिस में और कभी हमारे पास चक्कर लगाता है। जब हम अधिकारियों से निवेदन करते हैं तो कई अधिकारी कह देते हैं कि आपकी सरकार है, इसलिए आप तो ऊपर से ही ठीक करवा सकते हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस योजना से प्रदेश का भला करने का काम किया है, लेकिन इस योजना में जो खामियां हैं उनको माननीय मुख्यमंत्री जी अधिकारियों को निर्देश देकर दूर करवा दें। इसमें गरीब आदमी को 6– 6 महीने चक्कर काटने पड़ रहे हैं और उनको कभी ए.डी.सी. ऑफिस में और कभी डी.सी. ऑफिस में जाना पड़ता है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात बताना चाहूंगा कि मैं पिछले 3 महीनों से 5–6 बुजुर्गों की बुढ़ापा पैंशन बनवाने के लिए चंडीगढ़ में किसी अधिकारी के पास जा रहा हूं लेकिन आज तक उनका काम नहीं हुआ है। इस फैमिली आई.डी. में अनपढ़ आदमी को नौकरी पर लगा हुआ दिखा रखा है और यह कहा जाता है कि आपकी तो पैंशन आती है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि इस प्रकार की खामियों को दूर करने का काम करवाएं। अभी आगे आने वाला वर्ष चुनावी वर्ष है। अगर हम इसी प्रकार खामियां भुगतते रहे तो हमको और हमारी सरकार को नुकसान उठाने का

काम करना पड़ेगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से बी.पी.एल. सर्वे में भी पोर्टल पर लोगों की 1 लाख 80 हजार से ज्यादा इन्कम दिखायी गयी है जिसके कारण उनके राशन कार्ड कट गए हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने पिछली बार हाउस में कहा था कि इसमें जो भी कमियां हैं, उनके कागजात दे देंगे और उनको ठीक करवाने का काम करेंगे। मेरा संबंधित अधिकारियों से निवेदन है कि इनमें संबंधित कमियों को दूर करने का काम करें। इसी प्रकार से केंद्र सरकार और हमारी राज्य सरकार ने मनरेगा योजना के नाम से एक बड़ी योजना लागू की है। इसमें हमारे बहुत से मजदूर भाई मजदूरी का काम करते हैं। हम उनको 336 रुपये एक दिन की दिहाड़ी देते हैं और एक साल में 100 दिनों का काम देते हैं। मेरी जानकारी के मुताबिक मैं अपनी विधान सभा की बात बताना चाहूंगा कि मुझे विधायक बने हुए लगभग 3 साल हो गए हैं। वहां पर किसी भी मजदूर को 100 दिनों का काम नहीं मिला है, इसके लिए आप रिकार्ड मंगवाकर देख लें। अगर केन्द्र सरकार ने योजना लागू की है तो उसके हिसाब से कम से कम 100 दिनों का काम मिलना चाहिए। आज महंगाई भी बहुत ज्यादा हो गयी है, इसलिए उनकी एक दिन की दिहाड़ी 500 रुपये करने का काम करें। इस बजट में माननीय मुख्यमंत्री जी 150 दिनों की दिहाड़ी भी दे दें तो इसमें बुराई क्या है? अगर उनका 100 दिनों की दिहाड़ी में काम नहीं चलता है तो 150 दिनों की दिहाड़ी करवा दें। अगर 150 दिन की दिहाड़ी नहीं कर सकते तो 120 दिन या 125 दिनों की ही दिहाड़ी करवा दें। इनकी दिहाड़ी कुछ तो बढ़ाने का काम करें ताकि गरीब आदमी का भला हो सके। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात रखना चाहूंगा कि इस बजट में हमारी सरकार और माननीय मुख्यमंत्री जी ने मार्केटिंग बोर्ड की सड़कों को जिला परिषदों को देने का प्रावधान किया है। इस बजट में जिला परिषदों में 700 टैकनीकल पोस्ट्स भरने का प्रावधान किया है जिसमें एस.डी.ओ., जे.ई. इत्यादि शामिल हैं और जो नई सड़के हैं,

उनको मार्केट बोर्ड बनायेगा लेकिन इनका रखरखाव जिला परिषद् करेगा। इसके साथ ही साथ सदन में हमारे कृषि मंत्री जी भी बैठे हैं, मेरा उनसे भी निवेदन है और हमारी उम्र भी 60 हो गई है क्योंकि हम भी जमींदार हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से इस बारे में माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि अगर काम चलाना है तो इन सड़कों को मार्किट बोर्ड में ही रहने दिया जाये क्योंकि जिला परिषद् के बस की बात नहीं है कि जिला परिषद् इनका हल कर देगी, वह नहीं कर सकती है। धन्यवाद।

श्रीमती गीता भुक्कल (झज्जर) (अ.जा.) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया मैं इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करती हूं। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने वित्त मंत्री के तौर पर वर्ष 2023–24 का बजट पेश किया है। मैं इस बजट पर बोलने के लिए खड़ी हुई हैं। हमें उम्मीद थी कि अगला चुनावी वर्ष आने वाला है, शायद लोक लुभावन वायदे जो किये गये हैं, उनके बारे में कुछ न कुछ बजट में प्रावधान किया होगा लेकिन मैं समझती हूं कि यह बजट पूरी तरह से नीरस है और निराशाजनक है। जो हरियाणा की जनता के साथ बहुत बड़ा एक धोखे का पत्र है। हरियाणा प्रदेश में बी.जे.पी. और जे.जे.पी. की सरकार बनी है और बी.जे.पी. और जे.जे.पी. दोनों ने अपने–अपने वायदे मेनिफेस्टो में किये थे। आज उनको साढ़े तीन साल से ज्यादा का समय हो गया है हम यह सोच रहे थे कि इन दोनों पार्टियों का कॉमन मेनिफेस्टो सामने निकलकर आयेगा और हरियाणा की जनता का भला होगा लेकिन इस बजट ने हमें बहुत ज्यादा निराश करने का काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे बहुत से बी.जे.पी. के साथी कह रहे थे कि यह बहुत अच्छा बजट है इसमें सबका साथ सबका विकास की बात कही गई है लेकिन इसमें मेरा यह कहना है कि यह बहुत अच्छा नारा है, सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा इसमें यही कहना है कि जहां से

कांग्रेस पार्टी के विधायक हैं उन क्षेत्रों के साथ विश्वासघात किया जा रहा है। मैं विशेष तौर पर कहना चाहती हूं कि झज्जर जिले से हम कांग्रेस पार्टी के 4 विधायक आते हैं। हरियाणा सरकार ने हमारे क्षेत्रों के साथ पूरी तरह से भेदभाव शुरू से लेकर आखिर तक और इस बजट में भी किया है। मैं सबसे पहले यह कहना चाहूंगी कि माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा जो घोषणाएं की जाती हैं तो बी. जे.पी. के लोग बड़ी तारीफ करते हैं और कहते हैं कि घोषणाएं पूरी होती हैं लेकिन दूसरी तरफ जे.जे.पी. के लोग आपस में इस बात पर भिड़ रहे हैं कि उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है इसलिए इस पर पूरी तरह से विचार किया जाये। मेरे कहने का मतलब यही है कि हमें मुख्यमंत्री जी की घोषणाओं पर कम से कम बजट में तो पूरा स्थान मिलना चाहिए। इस बजट से लोगों और युवाओं को उम्मीद थी कि हमें पक्का रोजगार मिलेगा, किसानों को उम्मीद थी कि हमें फसलों पर एम.एस.पी. की गारंटी मिलेगी और हमें यह उम्मीद थी कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 2020 को अच्छे से लागू करने का काम करेगी लेकिन इसको लागू करने की बार–बार मंचों से घोषणाएं ही की जा रही हैं। दूसरी तरफ बजट में इस शिक्षा नीति का प्रावधान नहीं किया गया है। असुरक्षित हरियाणा में आज जिस तरह के हालात बने हुए हैं बहुत चिंता का विषय है। उपाध्यक्ष महोदय, पंजाब विधान सभा में कहा गया है कि जो गुंडे बदमाश है उन बदमाशों की हरियाणा शरण स्थली बन गया है। यही कारण है कि असुरक्षित हरियाणाा की श्रेणी में हमारा नाम आ चुका है इसलिए हमें लॉ एंड ऑर्डर की तरफ देखने का काम करना चाहिए। हरियाणा प्रदेश में आज पी.पी.पी. (परिवार पहचान पत्र) की बात हो रही है और इसको लेकर सरकार बड़ी पीठ थपथपा रही है। हो सकता है कि इनके क्षेत्र में पी.पी.पी. की वजह से किसी की पैंशन बन गई होंगी, किसी विकलांग की पैंशन बन गई होंगी, किसी की बुढ़ापा पैंशन बन गई होंगी किसी की विडो पैंशन बन गई होंगी लेकिन पूरे हरियाणा में साढे

5 लाख से ज्यादा बुजुर्गो की, विधवाओं की, विकलांगों की पैंशन कटी भी तो है। जिसके बारे में हमारे क्षेत्र के लोगों ने बार–बार गुहार लगाई है। अभी विधायक जी कह रहे थे, इस बात को लेकर वे खुद विभाग के ऑफिसर्ज के पास गये हैं लेकिन वहां पर भी कोई सुनवाई नहीं होती है तो कैसे सोचते हैं कि पोर्टल के माध्यम से काम हो जायेगा। जब विधायकों के जाने के बाद भी काम नहीं हो रहे तो कैसे पोर्टल के माध्यम से काम हो जायेंगे। मैं समझती हूं कि गरीब तबके को पोर्टल के माध्यम से उनके नाम काटकर केवल अमीरों की लिस्ट में डाला जा रहा है। वाकई में जो उनको लाभ मिलते थे उससे उनको वंचित किया जा रहा है। मैं यह पूछना चाहती हूं कि यह क्या ड्रामा है? जिस गरीब परिवार की 1.80 लाख रुपये आय होगी उनको इसका लाभ दिया जायेगा लेकिन दूसरी तरफ सरकार गलत आंकड़े दिखा रही है। जिन ऑफिसर्ज ने, जिन विभागों ने और जिन मंत्रियों ने गलत आंकड़े दिलाकर जायज लोगों की पैंशन काटने का काम किया है, उनके खिलाफ तुरन्त कार्रवाई होनी चाहिए इसलिए हम इस पी.पी.पी. के खिलाफ हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे बजट में हम उम्मीद कर रहे थे कि वैल्फेयर स्टेट में सोशल सैक्टर में कुछ न कुछ अच्छा होगा। हमें यह भी उम्मीद थी कि शेड्यूल्ड कास्ट डिपार्टमैंट, बैकवर्ड क्लास डिपार्टमैंट, माइनोरिटी डिपार्टमैंट और सोशल जस्टिस विभाग के माध्यम से इनके सबके साथ न्याय होगा लेकिन मुख्यमंत्री जी पता नहीं क्या सोच रहे हैं। इन सभी विभागों को मर्ज करके सेवा विभाग का नाम दे दिया गया है और काम की स्कीम्ज बंद कर दी गईं। इसमें न तो विभागों के अधिकारियों को पता है कि कहां पर कार्य होने हैं और न ही इस बारे में मंत्रियों को सही ढंग से पता है। हम मेनिफेस्टों में यह चीज ढूंढ रहे थे और हमने सोचा कि शायद माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में इस बात की भी चर्चा मिलेगी कि हर जिले में यूनिवर्सिटी खोली जायेगी। हम माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में झज्जर जिले को ढूंढ

रहे थे कि यूनिवर्सिटी कहां पर खोली जायेगी? इसमें यह भी बात भी कही गई कि हम हर जिले में मैडीकल कॉलेज खोलेंगे और हर जिले में नर्सिंग कॉलेज भी खोलेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे द्वारा बार–बार प्रश्न लगाने और बार–बार मांग करने के बावजूद भी हमारे झज्जर के साथ भेदभाव करते हुए सरकार ने झज्जर क्षेत्र में नर्सिंग कॉलेज देने का कोई काम नहीं किया। सरकार द्वारा कहा जा रहा है कि हरिजन कल्याण निगम में लोन देंगे। हरिजन कल्याण निगम जहां पर गरीब तबके को उनके रोजगार के लिए लोन चाहिए उनको अपना पेट भरने के लिए उसमें भी सरकार ने 1.80 लाख रुपये की लिमिट लगाने का काम किया है फिर इसका क्या फायदा हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं समझती हूं कि लोकतंत्र और संविधान में जिस तरह से गरीबों का ध्यान रखना चाहिए उसमें गरीबों के साथ अन्याय इसी सरकार में परिवार पहचान के माध्यम से हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, सदन में शिक्षा मंत्री जी बैठे हुए हैं वे शिक्षा का अधिकार कानून और शिक्षा नीति, 2025 के बारे में बड़ी–बड़ी बातें कर रहे थे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहती हूं कि 36 आरोही मॉडल स्कूल आदरणीय भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार के समय में भारत सरकार की ग्रांट से बकवर्ड क्षेत्रों में बने थे। हमारे ये स्कूल नेशनल लेवल पर फर्स्ट आया करते थे लेकिन आज सरकार ने उनको भी बन्द करने का काम किया है। इनमें भर्ती नहीं की जा रही, ये सरकार का जवाब है। सरकार द्वारा जवाब दिया गया है। इनमें स्टूडैंट्स की संख्या घटती जा रही है तथा प्रिसिंपल की भर्ती नहीं की जा रही है। सरकार ने कहा था उनको रैगुलर करेंगे लेकिन सरकार ने उनको कान्ट्रैक्ट एम्पलाई बनाकर रख दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कंवर पालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहता हूं।(शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः गीता जी, माननीय मंत्री जी आपकी बातों का ही जवाब दे रहे हैं। इसलिए मंत्री जी की बात सुनें।

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहती हूं कि आरोही स्कूल में टीचरों के साथ अन्याय किया जा रहा है।

शिक्षा मंत्री (श्री कंवर सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, मैं पार्लियामैंट अफेयर मिनिस्टर हूं इसलिए मैं भी अपनी बात कह सकता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने बार–बार कहा कि सरकार इनके हल्के झज्जर के साथ भेदभाव किया जा रहा है। मुझे कोई एक उदाहरण बता दिया जाए कि जो भी अब तक की सरकारें हों। हमारी सरकार पहली सरकार है जिसने सभी पंचायतों में सीधे पैसा दिया है। क्या इनकी पंचायतें नहीं हैं। इससे बड़ी निष्पक्षता और क्या हो सकती है।(शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, दूसरी बात इन्होंने बार–बार कहा कि 1. 80 लाख रुपये की लिमिट कर दी गई इसलिए माननीय सदस्या जी बता दें कि इस लिमिट को कहां तक किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः मंत्री जी, माननीय सदस्या ने आरोही स्कूल के बारे में पूछा है। इसलिए आप माननीय सदस्या को आरोही स्कूल के संबंध में जवाब दें।

श्री कंवर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, आरोही स्कूल की ही नहीं माननीय सदस्या द्वारा जो बाकी बातें भी कहीं गई हैं उनमें कोई भी सत्यता नहीं है। राशन कार्ड काटने की बात कही गयी कि 9 लाख राशन कार्ड कटे लेकिन 12 लाख राशन कार्ड बने हैं। आज की तारीख में 33 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो बी.पी.एल. में आने लग रहे हैं इसलिए संख्या बढ़ी है, संख्या घटी नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, ये भी इस बात में गुमराह कर रहे हैं कि संख्या घटी है, संख्या घटी नहीं है, संख्या बढ़ी है। अगर संख्या घटी है तो आंकड़ा दिया जाये। आप सारे माननीय मैम्बर्स ने अभी तक जो बात कहीं वह गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। सच्चाई बता ही नहीं रहे हैं।(शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः माननीय सदस्या आप अपनी बात रखें।

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदय, I am on my legs and there is a point of Order also. This is a written reply given by Education Department to me in my unstarred question. आरोही मॉडल स्कूल का जवाब दिया गया है कि इसमें बच्चों की संख्या लगातार घट रही है। शिक्षिकों की भर्ती की नहीं जा रही है। सरकार ने कहा था कि 2016–17 के तहत as good as regular हैं आज उनके साथ अन्याय कर रहे हैं। आज सरकार ने मॉडल संस्कृति स्कूलों के अन्दर एक भी टीचर की भर्ती की हो तो बता दिया जाए। केवल नामकरण करने का काम किया जा रहा है। अग्रेंजी के एक भी टीचर को भर्ती नहीं किया गया है। पहली बार ऐसी *** है जो सरकारी स्कूलों में तो फीस ले रही है और जो बच्चा सरकारी स्कूल छोड़कर प्राइवेट स्कूल में जाता है उसको फीस दे रही है। इसका मतलब सरकार भिवानी बोर्ड पर पूरी तरह से विश्वास नहीं करती है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं एक और आंकड़ा बताना चाहूंगी कि हमारी सरकार के समय में शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने से पहले आदरणीय श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने 20 लाख बच्चों को stipend scholarship देने की घोषणा की थी जो कि वर्ष, 2013 से लागू हुई। इसमें पहली कक्षा के विद्यार्थियों को 740 रुपये तथा 9वीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक के बच्चों को 1450 रुपये देने की घोषणा हुई। यह घोषणा वर्ष, 2013 में हुई थी। इसमें शेड्यूल्ड कास्ट, बकवर्ड क्लास तथा बी.पी.एल. परिवारों के बच्चे थे। आज भी सरकार ने 10 वर्ष के बाद एक रुपया भी इस stipend scholarship और इंसेटिव में बढ़ाने का काम नहीं किया जबकि हमारी सरकार द्वारा इसमें बच्चों को पैसा देने का काम किया था। उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी

————————————————————

*** चेयर के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाला गया।**

बताएं मैं पूछना चाहती हूं कि ये वो सब आंकड़े हैं जो सरकार ने दिये हैं पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप, जो शेड्यूल्ड कास्ट्स को दी जाती थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः मंत्री जी, एक मिनट पहले आप माननीय सदस्या को बोलने दीजिए।

श्री रणजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, सदन की कार्यवाही से *** शब्द निकलवाया जाए।

पंडित मूलचन्द शर्माः उपाध्यक्ष महोदय, सदन की कार्यवाही से *** शब्द निकलवाया जाए। यह इलेक्टिड हाऊस है जिसे लोगों ने चुना है। यह विधान सभा लोगों की संपत्ति है। इसे *** नहीं कह सकते। आप अपनी तारीफ कीजिए। इसलिए *** शब्द सदन की कार्यवाही से निकलवाया जाए। आप *** नहीं कह सकते।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है मंत्री जी आप बैठे। सदन की कार्यवाही से *** शब्द निकाल दिया जाए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः उपाध्यक्ष महोदय, ** शब्द अनपार्लियामैंट्री नहीं है। जो काम न करता हो उसी को ** कहते हैं इसलिए ** शब्द अनपार्लियामैंट्री नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस सरकार को इसलिए ** कह रही हूं कि मेरा पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप पर एक प्रश्न लगा था। वर्ष 2009 से पहले अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग यह स्कॉलरशिप देता था लेकिन अब यह प्रावधान कर दिया गया है कि ऐजुकेशन डिपार्टमैंट, टैक्निकल ऐजुकेशन डिपार्टमैंट और मेडिकल ऐजुकेशन डिपार्टमैंट सभी अपने–अपने स्टूडैंट्स को

———————————————————————

*** चेयर के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाला गया।**

अलग–अलग यह स्कॉलरशिप देंगे। ठीक है, सरकार ने यह प्रावधान कर दिया लेकिन हजारों बच्चे ऐसे हैं जो यह पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप न मिलने की वजह से हायर ऐजुकेशन बीच में छोड़ कर चले गये। मैं जो बात कह रही हूं उसमें एक भी शब्द गलत नहीं है क्योंकि यह विधान सभा के पटल पर दी गई जानकारी है। अगर इस जानकारी में कुछ गलत है तो आप सबसे पहले मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई कीजिए क्योंकि वे तैयारी करके नहीं आते और गलत जवाब देते हैं। अब मैं आई.टी.आई. इंस्ट्रक्टर के बारे में बताना चाहूंगी। हमारी सरकार के समय में आई.टी.आई. इंस्ट्रक्टर कांट्रैक्ट पर भर्ती हुए थे और वे लगातार 10 साल से कांट्रैक्ट पर चल रहे हैं। आप कह रहे हैं कि हम रेगुलर भर्ती कर रहे हैं तो आपने 10 साल से उनको रेगुलर क्यों नहीं किया? आप सक्षम योजना के लिए क्वालिफिकेशन निकाल कर देख लीजिए कितने बेरोजगार घूम रहे हैं। क्या कारण है आज सरकार युवाओं को पक्का रोजगार नहीं देना चाहती है? अभी हमारे साथी विधायक श्री दीपक मंगला जी सक्षम योजना और कौशल रोजगार के बारे में बता रहे थे। मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहती हूं कि क्या हमारी सरकार बच्चों को रेगुलर और पक्की नौकरी नहीं दे सकती है? क्या कारण है कि हम पैसा बचाना चाहते हैं, क्यों हम बजट में इसके लिए प्रावधान नहीं करते हैं? क्यों हम सक्षम योजना के तहत बच्चों को गऊशाला में भेजते हैं कि वे वहां पर गोबर इकट्ठा करें? क्यों हम बच्चों को कौशल रोजगार निगम के तहत केवल एक साल के लिए नौकरी दे रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री दीपक मंगलाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। माननीय सदस्या ने मेरा नाम लिया है इसलिए मैं माननीय सदस्या श्रीमती गीता भुक्कल जी से कहना चाहूंगा कि वे एक बार पलवल में आयें। जहां ये कौशल शिक्षा की बात कह रही थी तो ये वहां पर आ कर देखें कि वहां पर 85 एकड़ में 850 करोड़ रुपये की लागत से आलीशान और भव्य कौशल शिक्षा की बिल्डिंग बनी हुई है।

हमारी सरकार के बारे में जो इन्होंने कहा कि ** तो ऐसे शब्द इनको अपनी सरकार के बारे में बोलने चाहिएं जिन्होंने इस तरह के काम किये थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदय, जो सरकार हमारे बेरोजगार युवाओं को पक्की नौकरी नहीं दे सकती तथा अग्निवीरों को भी कांट्रैक्ट की नौकरी देती है वह सरकार ** है, वह सरकार बिल्कुल ** है। जो सरकार युवाओं पर लाठीचार्ज करती है, वह ** है। जो किसानों पर लाठीचार्ज करती है वह ** है और जो सरपंचों पर लाठीचार्ज करती है वह ** है। जो सरकार 1032 स्कूलों को मर्ज करने के नाम पर बंद कर रही है वह ** है। हमारे प्रश्नों के गलत जवाब दिये जा रहे हैं। शहीदों के नाम पर बनाए गये पार्कों को तोड़ा जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, जो हरियाणा बेरोजगारी में नम्बर 1 पर है, जो हरियाणा क्राइम में नम्बर 1 पर है और जो हरियाणा बहन–बेटियों को छेड़ने में नम्बर 1 पर है। जो सरकार बेटी–बचाओ, बेटी–पढ़ाओ का नारा देती है और अपनी बहन–बेटियों की इज्जत की सुरक्षा नहीं कर सकती वह ** है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः गीता जी, आप बजट पर बोलिए। आप इधर–उधर की बातें न कीजिए और बजट पर बोलिए। आप मंत्री रही हैं, आपको इस प्रकार की भाषा शोभा नहीं देती है इसलिए आप बजट पर बोलिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहती हूं कि हमारे प्रदेश में जो शहीद समारक हैं उनके लिए भी बजट का प्रावधान किया जाना चाहिए। अब मैं डिजास्टर मैनेजमैंट के बारे में अपनी बात रखना चाहती हूं। हमारे क्षेत्र में पिछले साल जो फसलों का खराबा हुआ था उसका मुआवजा अभी तक नहीं

————————————————————————————

*** चेयर के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाला गया।**

मिला है इसलिए वह मुआवजा यथाशीघ्र जारी किया जाये। अभी हाल ही में ओलावृष्टि की वजह से प्रदेश में फसलों का भारी नुकसान हुआ है। कल भी हम मेरे क्षेत्र के अकेहड़ी मदनपुर, साल्हावास, लडैण इत्यादि गांवों में गये थे और वहां पर हमने अधिकारियों को कहा है कि आप जाइये और किसानों की फसलों को हुए नुकसान का आंकलन कीजिए ताकि उनको उचित मुआवजा मिल सके।

श्री उपाध्यक्षः गीता जी, आप समय का ध्यान रखिये। अगर आप ज्यादा समय लेंगी तो आपकी पार्टी के बाकी सदस्यों का समय कम हो जायेगा।

श्रीमती गीता भुक्कलः उपाध्यक्ष महोदय, मैं समझती हूं कि इस पर पूरे सदन की सहमति होनी चाहिए कि यू.टी. कैडर में हमारा जो अधिकार पंजाब और हरियाणा का 20 प्रतिशत था उसको कम करके 15 प्रतिशत कर दिया गया है। एक तरफ तो हम पंजाब यूनिवर्सिटी में हक की बात कर रहे थे और दूसरी तरफ यू.टी. कैडर में शिक्षा विभाग ने हमारी सारी पोस्ट्स समाप्त कर दी हैं। हमारे यू.टी. कैडर में जो पद खाली पड़े हुए हैं उसके लिए हमारे कर्मचारियों को बुलाया नहीं जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से वित्त मंत्री के नाते अनुरोध है कि जो सरकारी कर्मचारी ओल्ड पैंशन स्कीम के लिए मांग कर रहे हैं तथा उसको लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं उनकी मांगों को जरूर कंसीडर किया जाये। इसी प्रकार से मेडिकल और पैरा मेडिकल स्टाफ की शॉर्टेज की जहां तक बात है तो सरकार ने बॉंड पॉलिसी लागू करके उनके साथ अन्याय करने का काम किया है। यह बजट अच्छा होता अगर मेरे झज्जर के मातनहेल के सैनिक स्कूल के लिए इसमें प्रावधान होता, यह बजट अच्छा होता अगर इसमें मेरे निर्वाचन क्षेत्र झज्जर के रोड्ज तथा छूछकवास बाईपास बनाये जाने का प्रावधान होता। यह बजट अच्छा होता अगर इसमें मेरे निर्वाचन क्षेत्र में जल भराव से खराब हुई फसलों के लिए मुआवजे का प्रावधान होता। उपाध्यक्ष महोदय, मैं धन्यवाद करूंगी अगर सबका साथ, सबका विकास और

सबका विश्वास जीतना है तो झज्जर निर्वाचन क्षेत्र और हमारे विपक्ष के दूसरे साथियों के निर्वाचन क्षेत्रों के साथ भेदभाव खत्म करना पड़ेगा। धन्यवाद।

श्री महीपाल ढांडाः उपाध्यक्ष महोदय, हमारे कांग्रेस के साथी बिना तैयारी के आते हैं। आज मुख्यमंत्री जी ने बताया था और मैं इनसे कहना चाहता हूं कि ये रिकॉर्ड निकाल कर देख लें 120 करोड़ रुपये के काम झज्जर विधान सभा क्षेत्र में चल रहे हैं। हमारे विपक्ष के साथी सच नहीं बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जोगी राम सिहाग(बरवाला): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। जिस प्रकार से श्री ईश्वर सिंह जी ने बजट पर चर्चा की कि हर व्यापारी, हर कम्पनी तथा हर व्यक्ति मार्च में अपना लेखा–जोखा तैयार करता है। उसी प्रकार हरियाणा सरकार भी हर साल बजट पेश करती है। उस बजट को हमेशा बढ़ा कर बताया जाता है कि बजट इतना बढ़ा दिया। इस बजट पर चर्चा होनी चाहिए यह अच्छी बात है लेकिन पिछले साल जो 1,77,000/– करोड़ रुपये का बजट था वह कितना खर्च हुआ, इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। क्या उस पर यहां किसी ने चर्चा की है? इस बजट की बुकलेट में 214 प्वायंट दिये हुए हैं, इसको पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। इसको पढ़ने के लिए माननीय वित्त मंत्री 2 घंटे लगाते हैं लेकिन यहां सभी सदस्य पढ़े लिखे बैठे हुए हैं इसलिए उसको पढ़ने में समय लगाने की कोई जरूरत नहीं है। इसमें एक भी स्कीम बता दीजिए जो सही न हो, सारी की सारी स्कीम्स सही हैं। सभी स्कीम्स अच्छी हैं और सभी स्कीम्स के लिए बजट वितरित किया जाता है। बजट कम पड़ जाता है और स्कीम अच्छी हो तो रिवाइज्ड हो जाता है। क्या किसी ने यह पूछा कि कृषि पर पिछले साल कितना बजट दिया था और उसमें से कितना बजट खर्च हुआ? इसी प्रकार से पंचायत विभाग को पिछले साल कितना बजट दिया था तथा कितना खर्च हुआ है? पिछले दिनों अखबारों में एक खबर छपी थी और यदि वह अखबार सही है तो

उसका कहना था कि पंचायत विभाग को पिछले साल जो बजट दिया उसमें से सिर्फ 15 प्रतिशत बजट खर्च हुआ है। इसको बढ़ा कर देने का क्या फायदा है जब वह खर्च ही नहीं होता है? इस वर्ष के लिए लगभग 1,83,000/– करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है, उसको 2 लाख करोड़ रुपये का कर दो खर्च करना नहीं, खर्च होना नहीं तो फिर उस बजट का क्या फायदा? इस बजट के अन्दर अच्छी बातें भी हैं और अच्छा बजट भी है वह मैंने बता दिया है। आप सुन लीजिए। इस बजट के अन्दर पिछले बजट की चर्चा होनी चाहिए। मेरा यह आपसे अनुरोध और मानना है कि पिछले बजट पर भी चर्चा होनी चाहिए कि पिछले बजट का क्या किया गया? कोई कहता है 3 प्रतिशत बढ़ाया और कोई कहता है 11 प्रतिशत बढ़ाया गया। आप बजट को बढ़ाए जाओ लेकिन उसका पब्लिक को तो फायदा नहीं हो रहा है। पब्लिक से जो पैसा टैक्स के रूप में कलेक्ट किया गया वह पैसा बैंक में रखने के लिए नहीं है वह पैसा जनता के विकास के लिए, जनता की भलाई के लिए कलेक्ट किया जाता है। उस पैसे को जनता की भलाई के लिए लगाना चाहिए। माननीय मंत्री रणजीत सिंह जी बिजली मंत्री हैं जो मेरे बहुत प्रिय भी हैं और आदरणीय भी हैं, क्या उन्होंने बिजली विभाग में अलग से कोई फैसिलिटी दी? जो लोग ढाणियों के अन्दर रहते हैं क्या उनको कोई सुविधा दी? उनको कनैक्शन देने के लिए कोई रिलीफ दिया? उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि वहां के एक लाईनमैन की इतनी पावर है कि खेत की ढाणी में दो फीडर लगे हुए हैं और उनसे आधा किला दूर डोमैस्टिक फीडर लगा हुआ है। वह एक लाईनमैन की मर्जी पर डिपैंड करता है कि वह किस फीडर से उस ढाणी में कनैक्शन दे। जब हम मंत्री जी के पास जाते हैं तो वे कहते हैं कि जो नजदीक फीडर होगा उससे कनैक्शन दिया जाएगा। अब इसमें लाईनमैन बड़ा हुआ या मंत्री जी बड़े हुए।

इस तरह के काम होते हैं। मैं हमारी सरकार की ई–टैंडरिंग प्रणाली के बारे में बताना चाहता हूं। (विघ्न)

श्री रणजीत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, आज जोगीराम जी, पता नहीं क्या खाकर आ रहे हैं? कम से कम उनको सरकार के बारे में सुथरा तो बोलना चाहिए।

श्री जोगी राम सिहाग : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सुथरा तो हमेशा ही बोलता हूं। जब से मेरी मां ने मैं पैदा किया हूं उसी दिन से सुथरा ही बोलता हूं। दूसरा मैं ई–टैंडरिंग और भ्रष्टाचार के बारे में कहना चाहता हूं कि ई–टैंडरिंग से हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना चाहती है। मैं कहता हूं कि ई–टैंडरिंग से भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगेगा। भ्रष्टाचार पर अंकुश भ्रष्ट अधिकारियों पर अंकुश लगाने से लगेगा। मैं इस ई–टैंडरिंग पर एक उदाहरण पेश करना चाहता हूं कि जो यह कहते हैं कि हम ई–टैंडरिंग से भ्रष्टाचार को खत्म कर देंगे, पारदर्शिता ला देंगे। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सरकार यह मानेगी कि हमारे विरोध में बोल रहा है या विपक्ष में बोल रहा है। मैं सही बात कह रहा हूं। ई–टैंडरिंग से वर्ष 2019 के अन्दर अखबारों में मेरे बरवाला शहर के अन्दर चार करोड़ रुपये का घोटाला छपा था जिसमें बिजली घोटाला, ई–टैंडरिंग का घोटाला हुआ था जिसमें एक करोड़ रुपये का टैंडर हुआ था जो चार और पांच महीने में चार करोड़ रुपये बढ़ाकर ले गये। उसमें 18 तारीख को एस्टीमेट रिवाईज हुआ, 19 तारीख को वर्क ऑर्डर मिला, 20 तारीख को बिल बन गया और 24 तारीख को एक करोड़ रुपये की पेमैंट विद्ड्रा हो गई। 24 दिन के अन्दर–अन्दर वह काम भी हो गया और चार करोड़ रुपये पेमैंट भी निकल गई। यह ई–टैंडरिंग है। ई–टैंडरिंग से आगे और बताना चाहूंगा कि इसके अखबारों में आने से इसकी इंक्वायरी हुई जोकि ज्वायंट कमिश्नर नगर निगम हिसार ने की थी उसके अन्दर उसने घोटाला सिद्ध कर दिया। एफ.आई.आर. के लिये लिख दिया लेकिन दर्ज नहीं हुई। कष्ट निवारण समिति में केस आया और माननीय

मंत्री जी उस समिति के चेयरमैन थे। माननीय मंत्री जी ने एफ.आई.आर. दर्ज करवा दी। जो घोटाला था वह सिद्ध हो गया। उपाध्यक्ष महोदय, तीन महीने तक कोई भी कार्रवाई नहीं हुई। संबंधित समिति के उस समय के मंत्री जी भी चेंज हो गये तो संबंधित केस लगना ही बंद हो गया। माननीय गृह मंत्री जी भी बीमार रहने लग गये। पुलिस विभाग के संबंधित एस.एच.ओ., डी.एस.पी. और एस.पी. ने अपनी मर्जी से इंक्वॉयरी कर दी और क्लीन चिट दे दी कि कोई घोटाला नहीं हुआ। दर्ज एफ.आई.आर. कैंसिल हो गई। उपाध्यक्ष महोदय, यह है सरकार की ई–टैंडरिंग का कमाल। मैं इस महान सदन को यह भी बताना चाहता हूँ कि सरकार ई–टैंडरिंग की व्यवस्था करे लेकिन अधिकारियों पर विश्वास की बजाय चुने हुए प्रतिनिधियों पर विश्वास करे। मैं तो यह कहता हूँ कि जो पंचायतें चुनकर आती हैं, वह किसी भी प्रकार के घोटाले नहीं करती हैं। मैं पुलिस विभाग की एक ताजा रिपोर्ट सदन को बताना चाहता हूँ कि मेरे हल्के के बिचपड़ी गांव के अंदर पुलिस इंस्पैक्टर ने सुसाईड कर लिया। उस इंस्पैक्टर ने अपने अधिकारियों के ऊपर आरोप लगाये थे। उसके परिजनों ने कहा कि इस संबंध में एफ.आई.आर. दर्ज होनी चाहिये तभी दाह–संस्कार किया जायेगा। संबंधित डी.एस.पी. और एस.पी. कहते हैं कि इस तरह से अधिकारियों पर एफ. आई.आर. दर्ज नहीं होती है। जब आम आदमी सुसाईड कर लेता है और लिखकर सुसाईड नोट छोड़ देता है तो क्या संबंधित व्यक्ति के ऊपर एफ.आई. आर. दर्ज नहीं होती है? उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सदन से अनुरोध है कि उन संबंधित अधिकारियों के ऊपर तुरंत एफ.आई.आर. दर्ज होनी चाहिये।

श्री उपाध्यक्षः सिहाग जी, आप अपनी स्पीच कन्क्लूड कीजिए क्योंकि आपके बोलने का समय समाप्त हो गया है। बहुत से माननीय सदस्यों को भी बोलना है।

श्री जोगी राम सिहागः उपाध्यक्ष महोदय, कृपया करके मुझे दो मिनट का और समय दे दीजिए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अधिकारियों का काम करने का तरीका भी इस महान सदन को बताना चाहता हूँ। मेरे लाडवा और शातोड़ गांव में लगभग 6 साल से पी.एच.सी. है। उसकी बिल्डिंग कंडम घोषित हो चुकी है। अब वह पी. एच.सी. पंचायत घर के माध्यम से चलती है। माननीय मंत्री पंडित मूल चंद शर्मा जी ने हमारे यहां एक आई.टी.आई. खोलने की घोषणा की थी। उसके सारे के सारे काम हो गये। इसके बारे में कहा कि जमीन ट्रांसफर करवाओ, इस बारे में भी लिख दिया गया। अंत में अधिकारियों ने कहा कि यह पंचायत की जमीन विभाग के नाम ट्रांसफर हो जायेगी। इस तरह के अधिकारी काम करते हैं। यदि सरकार ने समय रहते अधिकारियों पर अंकुश नहीं लगाया तो जो श्री गोलन साहब ने कहा, हम उसके लिये भी तैयार हैं। (**इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।**) अध्यक्ष महोदय, मैं बजट के ऊपर इस महान सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। शहरों में 6 साल से लेकर 10 साल तक बच्चों के लिये खेलने के लिये कोई जगह नहीं है। पार्क में जाते हैं तो बड़े आदमी बच्चों को खेलने नहीं देते हैं। यदि वे सड़कों पर खेलते हैं तो व्हीकल्ज इतने चलते हैं कि दुर्घटना होने का डर रहता है। खेल के मैदान दूर होते हैं और छोटे बच्चे स्टेडियम नहीं जा सकते हैं। उन छोटे बच्चों को साइकिल चलाना या कोई खेल खेलना होता है तो जिस तरह से कुत्तों के घूमाने के लिये पार्कों में जगह दी जाती है उसी तरह से छोटे बच्चों के लिये भी खेलने की जगह दी जानी चाहिये। बड़े लोग पार्कों में छोटे बच्चों को कोई गेम खेलने नहीं देते हैं। अध्यक्ष महोदय, उन कुत्तों से तो हमारे बच्चे अच्छे हैं जो इस देश का भविष्य हैं। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत बढ़िया बजट है। मैं अंत में यही कहता हूँ कि यह भी एक परम्परा है कि सत्ता पक्ष वाले बजट का मेजें थपथपाकर स्वागत करते हैं और विपक्ष के साथी चाहे बजट कितना भी बढ़िया हो उसका विरोध करते हैं। अध्यक्ष

महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया, इसके लिये आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, जोगी राम जी कह रहे हैं कि बजट का सत्ता पक्ष वाले स्वागत करते हैं और विपक्ष बजट का विरोध करते हैं, जोगी राम जी स्वयं क्या करते हैं, वह भी सदन को बताया जाये।

श्री जोगी राम सिहागः अध्यक्ष महोदय, मुझे न तो सत्ता पक्ष वाले अपना मानते हैं और न ही विपक्ष वाले अपना मानते हैं। मुझे लगता है कि मुझे दोनों पक्ष अपना मानते हैं।

डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा (जीन्द): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे वित्त वर्ष 2023–24 के बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। अध्यक्ष महोदय, बजट से पूर्व प्रदेश की जनता के हर वर्ग को सरकार से एक उम्मीद होती है कि सरकार द्वारा बजट में जन कल्याणकारी एवं जनहितैषी फैसले लिए जाएंगे। उसी के अनुरूप प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी द्वारा वित्त वर्ष 2023–24 के बजट को 'अमृत काल' के बजट के रूप में पेश किया है। अध्यक्ष महोदय, वित्त वर्ष 2022–23 में जी.एस.डी.पी. विकास दर 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान हरियाणा सरकार की कुशल प्रबन्धन नीति का परिणाम है। वहीं राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2014–15 में वर्तमान मूल्यों पर 86647 रूपये थी, जो वर्ष 2022–23 में बढ़कर एक लाख सत्तर हजार छह सौ बीस रूपये होने की संभावना है, जबकि हरियाणा प्रदेश वर्ष 2022–23 में राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय के 147382 रूपये के मुकाबले 296685 रूपये इस बात को दर्शाता है कि माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच अंत्योदय पर काम करने में हमारी सरकार ने सफलता प्राप्त की है। अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2023–24 के लिए 183950 करोड़ रुपये के बजट को वित्त मंत्री के रूप में माननीय मुख्यमंत्री जी ने सदन के पटल पर पेश किया है। जिससे प्रदेश का गरीब, कमेरा, किसान, महिला, युवा, कर्मचारी और

व्यापारी हर वर्ग खुश है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार में हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास के माध्यम से सीधा लाभ देने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं धरातल पर लाई गई है। कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए वर्ग 'सी' और 'डी' श्रेणियों के कर्मचारियेां के लिए मुख्यमंत्री हरियाणा कर्मचारी दुर्घटना बीमा योजना, छोटे कारोबारियों के लिए दुर्घटना में मृत्यु या स्थायी दिव्यांगता के लिए मुख्यमंत्री व्यापारी सामूहिक निजी दुर्घटना बीमा योजना, अंत्योदय परिवारों के लिए मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना, वहीं जनकल्याण में वित्त वर्ष 2023–24 में दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना नई योजना शुरू करते हुए इस बात का प्रमाण दिया है कि हमारी सरकार गरीब हितैषी सरकार है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच को सलाम करते हुए मुख्यमंत्री जी के जीवन पर कवि की चंद पंक्तियां दोहराना चाहूंगा–

जीवन के अंधियारे पथ पर, मैं ले मशाल जो निकला हूँ,
हरियाणा के पावन आँचल में, मैं सुर्ख सितारें भर दूंगा।
अब मजदूर किसानों, मेरे राग तुम्हारें हैं,
मेहनत कस इंसानों, मेरे जोग बिहाग तुम्हारें हैं।
जब तक बेआराम हो तुम, मैं बेआराम रहूँगा,
मेरा विश्वास, मेरी उम्मीदें आज भी तुमकों अर्पण है।
अब मेरा संघर्ष, तुम्हारे सूख का दर्पण है,
तुमसे मकसद लेकर, मैं तुमको राह दिखाऊँगा।
तुम परचम लहराना साथी, मैं यूं ही चलता जाऊँगा।
अब मेरे संघर्ष का मकसद, जंजीरें पिघलाना है,
तुम्हारें जनमत की ताकत से, तुमको खुशहाल बनाना है।

अध्यक्ष महोदय, प्रदेश के विकास में स्वास्थ्य सेवाएं, मजबूत सड़क तंत्र, उद्योग का अपना महत्व होता है। उसी कड़ी में हमारी सरकार ने प्रदेश के

यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में प्रदेश के हर जिले में मैडिकल कॉलेज बनाने का फैसला लिया है। मुझे बताते हुए हर्ष हो रहा है कि उसी कड़ी में मेरे निर्वाचन क्षेत्र में मेरे पिता जी की मांग पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने साढ़े सात सौ करोड़ रूपये की लागत से जीन्द में मैडिकल कॉलेज की स्थापना की है। जो वित्त वर्ष 2023–24 में बनना शुरू हो जायेगा। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार प्रदेश की जनता को उच्च स्तर की मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए वचनबद्ध हैं । बात चाहे शिक्षा की हो या खेत जगत की हो हमारी सरकार हर दिशा में बेहतरीन कार्य कर रही है । शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए हमारी सरकार ने 21वीं सदी की मांगों को पूरा करने के लिए 'प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पी.एम.श्री.) योजना के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अपडेट करने का काम किया है । अंत में मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय के इतना जरूर कहना चाहूंगा कि –

शीशे से भी साफ है शख्सियत आपकी,
ईमानदारी ही काफी है मलकियत आपकी ।

मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि हमारे यहां पर मेरे पिताजी की मांग पर चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के कार्यकाल में चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी का निर्माण हुआ था। यह पहले एक रीजनल सैंटर था जिसे बाद में यूनिवसिमें तब्दील किया गया था। इस यूनिवसिको और बेहतर बनाने के लिए 50 एकड़ जमीन की और आवश्यकता है। मैं बताना चाहूंगा कि हमारे साथी श्री अमरजीत ढान्डा जी ने जे.डी.–4 की रिहैबिलिटेषन का विषय उठाया था। मैं उनको बताना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने जे.डी.–4 की रिहैबिलिटेशन को प्रशासनिक स्वीकृति दे दी है। विपक्ष के हमारे एक साथी ने हमारी सरकार को

** सरकार कहा था । मैं उनके दर्द पर इतना ही कहना चाहूंगा –

हुनरबंद लोगों का हुनर सबने बिखरते देख लिया,
जरा–जरा सी बात पे आपको बिफरते देख लिया,
अब अपना दर्द सुनाने के बहाने ना ढूंढो आप,
आपकी बातों से सत्ता से दूर होने का दुःख देख लिया ।

अब मैं एक विशेष मुद्दे पर बात करूंगा । हमारे साथी असीम गोयल जी ने 'रिफ्यूजी', 'पाकिस्तानी' और 'शरणार्थी' शब्द का जिक्र किया था । इसका मैंने पिछले सैशन में भी जिक्र किया था । यह बड़ा ही सोचने का विषय है । आज जहां पर पाकिस्तान है वहां पर पहले हम रहते थे । वर्ष 1947 में जो गदर मचा था उससे प्रत्येक व्यक्ति वाकिफ है । उस समय लगभग 10 लाख लोगों की जान गई थी । उन्होंने अपनी जान धर्म की रक्षा के लिए दी थी । उन्होंने उस समय किसी अन्य धर्म को न अपनाकर हिन्दू धर्म में ही रहने के लिए आज के हिन्दुस्तान में आकर रहने का निर्णय किया था । हमारे पूर्वजों ने अपनी बहन–बेटियों की इज्जत दूसरे धर्म के लोगों द्वारा न लूटी जाए इसके लिए अपनी बच्चियों को जहर देकर मारने का भी काम किया था । उनके मन में सिर्फ यही बात थी कि धर्म जिन्दा रहना चाहिए । धर्म को जिन्दा रखने के लिए वे लोग भारत में आकर बसे । उन्हें यहां पर आकर हर प्रकार की मासाखोरी का काम करना पड़ा । उन्हें हर प्रकार के छोटे–से–छोटा काम करके अपने बच्चों और परिवार को पालना–पोसना पड़ा लेकिन फिर भी हमको 'रिफ्यूजी' और 'शरणार्थी' कहा जाता है । हम लोग 'रिफ्यूजी' नहीं हैं । ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान से केवल पंजाबी समुदाय के ही लोग यहां पर आये थे । कहीं पर भी कोई नगर या कस्बा केवल एक ही जाति के लोगों का नहीं बस सकता । अतः

————————————————————————————

*** चेयर के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाला गया।**

वहां पर प्रत्येक जाति के लोग रहते थे। वहां से 'जाट' समुदाय के जो लोग आये थे वे लोग राजस्थान में बस गए। इसी तरह 'अग्रवाल' समुदाय के लोग गुजरात की तरफ बस गए। वहां के पंजाब प्रांत में जो लोग रहते थे वे हरियाणा और पंजाब में बस गए। जब पंजाब में उग्रवाद फैला तो जो लोग वहां से हरियाणा और दिल्ली में जाकर बस गए तो इस प्रकार से तो उनको भी 'रिफ्यूजी' कहा जाएगा जबकि पंजाब भी हमारे देश का एक हिस्सा है। उन परिस्थितियों में हमें भारत में आकर बसना पड़ा लेकिन आज हमें इस प्रकार की बातें सुनने को मिलती हैं । इस पर मैं तो कहूंगा कि कोई ऐसा एक्ट बनाया जाए कि अगर कोई व्यक्ति हमारे लिए 'रिफ्यूजी', 'पाकिस्तानी' और 'शरणार्थी' जैसे शब्दों का प्रयोग करे तो उसके लिए सजा का प्रावधान हो । मैं कहूंगा कि बहुत–से लोगों को तो हमारी कुल देवी के बारे में भी जानकारी नहीं है । हमारी कुल देवी हिंगलान माता है जोकि आज के पाकिस्तान में स्थित है । यह बात किसी भी वर्णन में नहीं आती है । इस बारे में कहीं बताया ही नहीं जाता है । अतः मैं तो सरकार से मांग करूंगा कि हमारे लिए 'रिफ्यूजी', 'पाकिस्तानी' और 'शरणार्थी' जैसे शब्दों का प्रयोग करने पर सख्त–से–सख्त सजा का प्रावधान किया जाए । जय हिन्द । जय भारत ।

श्री आफताब अहम (नूंह) : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने प्रदेश के माननीय वित्त मंत्री होते हुए वर्ष 2023–24 के लिए बजट पेश किया है और आपने मुझे इस पर बोलने के लिए मौका दिया है इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता

हूं । बजट डिवैल्पमैंट का एक रोडमैप होता है कि आने वाले समय में प्रदेश किस गति से आगे बढ़ेगा । मैं बजट की विश्वसनीयता के विषय पर कहना चाहूंगा कि बजट में एक ही डिवैल्पमैंट को बार–बार घोषित करना या तो सरकार की लापरवाही है या फिर सरकार की नीयत उन चीजों को पूरा करने

की नहीं है । वर्ष 2021–22 के बजट में पेज नं0 25 पर इरीगेशन विभाग की मद में कहा गया था कि मेवात क्षेत्र में पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए सरकार 100 क्यूसिक पानी की मेवात कैनाल फीडर का निर्माण करेगी। वर्ष 2022–23 के बजट में फिर से यही कहा जाता है। इसमें पेज नं0 47 पर लिखा है कि पहले 100 क्यूसिक पानी के लिए कहा गया था और अब इसको बढ़ाकर 200 क्यूसिक कर दिया गया है। लेकिन आज तक उस पर काम शुरू नहीं हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि वर्ष 2019 में माननीय मुख्यमंत्री जी ने विधान सभा चुनाव से पहले इसका शिलान्यास भी कर दिया था। अध्यक्ष महोदय, अगर बजट में कोई चीज दी गयी है तो उसकी इम्पलीमेंटेशन होनी चाहिए। नहीं तो बजट की विश्वसनीयता नहीं रहेगी। इसी तरीके से वर्ष 2021–22 के बजट में पेज नं0 30 में कहा गया है कि शहीद हसन खा मेडिकल कॉलेज, नलहड़ में डैंटल कॉलेज बनाया जाएगा। वर्ष 2022–23 के बजट में फिर से कहा जाता है कि शहीद हसन खा मेडिकल कॉलेज, नहलड़ में 2 साल के अन्दर डैंटल कॉलेज कम्पलीट कर दिया जाएगा। अब वर्ष 2023–24 के बजट में तो जिक्र नहीं आया है। लेकिन एक नया जिक्र कर दिया है कि वहां पर वर्ष 2023–24 में एक्सीलैंस इन प्रिवैंटिव हैल्थ सर्विसिज खोला जाएगा और डिपार्टमैंट ऑफ कम्यूनिटी मेडिसन को अपग्रेड किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि इसी तरह से वर्ष 2021–22 में एक घोषणा की गयी थी कि मेवात मॉडल स्कूल को मॉडल संस्कृति स्कूल बनाया जाएगा। हमारे माननीय शिक्षा मंत्री जी भी यहां पर बैठे हुए हैं। यह कहा गया था कि इसके स्तर पर अपग्रेड करके एकीकृत किया जाएगा। उसका यह एकीकृत किया गया कि उस स्कूल को एजुकेशन डिपार्टमैंट में मर्ज कर दिया गया। उस मेवात मॉडल स्कूल में 8,000 छात्र/छात्राएं उच्चतर शिक्षा ग्रहण कर रही थी, उसको भी शिक्षा डिपार्टमैंट के अन्तर्गत दे दिया गया है। शिक्षा विभाग

सही काम कर रहा होता तो इस चीज की जरूरत ही नहीं पड़ती। अध्यक्ष महोदय, मैं जब बजट पर बोलता हूं तो इस बात के लिए कहा जाता है कि यह बहुत प्रगतिशील है। अध्यक्ष महोदय, जिस राज्य के बजट का डैट पार्ट है (जो कर्जा लेने का है) उस राज्य पर वर्ष 2014–15 में 70,931 करोड़ रुपये का कर्जा था। आज वर्ष 2023–24 में आंकड़ें दिखाये गये हैं उनमें 2,85,885 करोड़ रुपये का कर्जा है। यानी यह कर्जा 4 गुणा ज्यादा बढ़ गया है। अध्यक्ष महोदय, अगर यह रेवेन्यू डैफिसिट न होता और जीरो डैफिसिट होता तब भी मान लेते कि किसी चीज के लिए कर्जा लेकर वित्त विभाग ने सही तरीके से प्रबन्धन किया है। लेकिन कैपिटल अकाउंट से राज्य का इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवैल्पमैंट होना है। रेवेन्यू एक्सपैंडीचर से तो सरकार चलानी है, यह चलती रहे। इस साल का कैपिटल अकाउंट सिर्फ 18,460 करोड़ रुपये का है। अध्यक्ष महोदय, आप अंदाजा लगा सकते हैं कि हमने पिछले वर्ष इन्टरेस्ट और डैट की पेमैंट 53,000 करोड़ रुपये की थी और जो इस साल 64,000 करोड़ रुपये दिखा रखी है। क्या यह वित्तीय प्रबन्धन है? अगर कैपिटल एक्सपैंडीचर में हमारे को ज्यादा पैसा मिलता तब तो यह बात थी कि लोन लिया गया है। यह तो उस बात को चरितार्थ करता है जिसके बारे में हमारे माननीय नेता श्री हुड्डा साहब हमेशा कहते हैं कि कर्जा लो, घी पीओ और मौज करो। शायद, इस सरकार का इसी तरह का सिद्धान्त है। मैं इस बात को आगे बढ़ाते हुए कहूंगा कि ये कर्जे के सारे पैरामीटर्ज हैं और इनको एफ.आर.बी.एम. के पैरामीटर्ज कहकर छुपाया जाता है, लेकिन यह प्रदेश के हित में नहीं है। हम कहीं डैट ट्रैप में न फंस जाए। अगर कैपिटल एक्सपैंडीचर के लिए कर्जा लिया जाए तो वह अलग बात है। लोन, रिपेमैंट और इन्टरेस्ट के लिए कर्जा लिया जाए तो ये अच्छे संकेत नहीं है। सरकार अपना बजट पेश करती है और बार–बार उन्हीं परियोजनाओं का करती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि सरकार को या

तो घोषणाएं करने से पहले उन चीजों के बारे में सोचना चाहिए। अगर बजट की अनाउंसमैंट्स में उन चीजों को पूरा नहीं किया जाएगा तो बजट की सैंनटिटी/ विश्वसनीयता पर असर पड़ेगा। इसमें इम्पलीमेंटेशन के लिए अकाउंटेबिलिटी जरूरी है। इसके लिए महकमों को ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं एक ही मद पर अपनी बात रखूंगा क्योंकि आप घंटी बजा दोगे क्योंकि डिप्टी स्पीकर साहब तो बोलने के लिए ज्यादा समय दे रहे थे। अध्यक्ष महोदय, अब मैं हैल्थ डिपार्टमैंट की बात करूंगा। किसी भी मूलभूत विकास के लिए किसी भी प्रदेश और किसी भी मनुष्य के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सबसे बड़े पैरामीटर्ज होते हैं। सरकार ने हैल्थ डिपार्टमैंट का इस साल का बजट 7057 करोड़ रुपये रखा है। हैल्थ विभाग में मैडीकल एजुकेशन, आयुष, फैमिली हैल्थ और तीन–चार विभागों को इक्ट्ठा करके एक विभाग बना दिया गया। जब हैल्थ डिपार्टमैंट की बात आती है तो कैपीटल एक्सपेंडीचर के लिए सिर्फ 300 करोड़ रुपये ही दिये हैं जिसमें पूरे प्रदेश के अस्पताल भी हैं, सी.एच.सी., पी.एच.सी. और डिस्पेंसरीज भी आती हैं। जबकि सरकार मैडीकल एजुकेशन खोलने की बात करती है और सरकार सभी जिलों में मैडीकल कॉलेज खोलने की घोषणा भी करती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि वर्ष 1966 में जब पंजाब से हरियाणा अलग हुआ था तो उस वक्त रोहतक में एक ही मैडीकल कॉलेज था। जो इस मैडीकल कॉलेज ने तरक्की की है उसके बारे में हम यह मानते हैं कि यह पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक से भी ऊपर Centre of Excellence होना चाहिए। उसके बाद भगत फूल सिंह गवर्नमैंट मैडीकल कॉलेज, खानपुर कलां में मैडीकल कॉलेज बनाया गया था और उसके बाद मेवात में शहीद हसन खान गवर्नमैंट मैडीकल कॉलेज, जिला नूंह के नल्हड़ में बनाया गया था। आज मैं यह कहना चाहता हूं कि मैडीकल एजुकेशन के लिए कैपीटल एक्सपेंडीचर 1900 करोड़ रुपये रखा गया है। जब एक मैडीकल कॉलेज बनाने में हजारों करोड़

रुपये लगते हैं। हमारे मैडीकल कॉलेज में हजारों करोड़ रुपये लगे थे। अध्यक्ष महोदय, इतने पैसे लगाकर मैडीकल कॉलेज बनाना है न कि अस्पताल बनाना है। मेरे कहने का मतलब यही है कि जगह–जगह मैडीकल कॉलेज खोलने से अच्छा है कि मैडीकल कॉलेजों को Centre of Excellence बनाया जाना चाहिए। आज हमारे मैडीकल कॉलेज सिर्फ एक Referral Hospital बनकर रह गये हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि अगर इतने बजट में मैडीकल कॉलेज खोलकर पूरे राज्य में मैडीकल एजुकेशन देना चाहती है तो यह जनता के साथ धोखा है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने के लिए पूरा समय तो दिया जाये।

श्री अध्यक्ष : आफताब जी, आपको बोलते हुए 8 मिनट हो गए हैं और आपका 6 मिनट का समय बनता था। बाद में आपके ही लोग कहेंगे कि हम बोलने से रह गये क्योंकि मैंने सभी माननीय सदस्यों का टाइम लिखा हुआ है।

श्री आफताब अहमद : अध्यक्ष महोदय, यहां पर बार–बार कोटला झील का उल्लेख किया जाता है। (शोर एवं व्यवधान) मैं अंत में अपनी बात कहकर समाप्त करूंगा। इस बजट में हमारे इलाके को अरावली सफारी पार्क देने की बात कही गई है। मैं सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि हमें अरावली सफारी पार्क की जरूरत तब है जब वहां पर उससे पहले सड़कें बनाई जायें, हमारे खेतों को पानी दिया जाये। लोगों को पीने के लिए पानी दिया जाये। हमारे यहां पर शिक्षक दिये जायें। हमारे यहां के अस्पतालों में चिकित्सक दिये जायें। हमारे यहां पर बेहतर से बेहतर कानून व्यवस्था दी जाये क्योंकि आज लोगों में कानून व्यवस्था पर विश्वास उठता जा रहा है। यह सरकार अपनी मूलभूत सुविधाओं को दे, न कि भ्रमित करने के लिए लोगों को लोक लुभावनाएं योजनाएं देने का काम करे। अध्यक्ष महोदय, बजट अपने आप निरस्त है। हमारी बहन ने यह बात भी कही कि जैसे झज्जर जिले से चारों विधायक कांग्रेस पार्टी के हैं और मुझे भी

लगता है कि इसी तरह का हमारे इलाके के साथ भी भेदभाव किया जा रहा है। घोषणाएं होना एक अलग बात होती है और इनको पूरा न करना इस बात को दर्शाता है कि हमारे इलाके के साथ वास्तव में ही भेदभाव किया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से यह भी कहना चाहूंगा कि बजट में इस तरीके से बार–बार प्रावधान होना चाहिए। यह पूरी विधायिका का सवाल है। अगर इस पर विश्वसनीयता उठेगी तो कैसे काम चलेगा?

श्री बलराज कुंडू (महम) : अध्यक्ष महोदय, आज वैसे कई साथी ऐसे ही बोल रहे थे। चर्चा तो बजट पर होनी चाहिए थी लेकिन बोल कुछ और ही रहे थे। उनको पता ही नहीं कि बजट पर चर्चा क्या होती है? मैं इस बात पर हैरान हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कुंडू जी, आप अपनी बात करें बाकी विधायकों के बारे में कोई कमेंट न करें। विधायकों ने अपनी मर्जी से कोई बात बोलनी होती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलराज कुंडू : अध्यक्ष महोदय, मेरे मन में यह बात थी इसलिए मैंने यह बात बोल दी। मैं यह कहना चाहता हूं कि हम आज बजट पर चर्चा कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) यहां पर कुछ नाराजगी हो रही थी। मैं कहना चाहता हूं कि यहां पर जो बोलते हैं तो उसको सत्य मत माना करो यह बात पूरा हरियाणा जान चुका है। यह बात कंफर्म हो चुकी है। मैं हैरान हूं यह जो बुकलेट छापी हुई है। अध्यक्ष महोदय, जब वर्ष, 2014 में भाजपा पार्टी सत्ता में आई तो उस समय पर अपने बजट भाषण में हरियाणा प्रदेश पर 70931 करोड़ रुपये कर्जा दिखा रही थी। आज वर्ष, 2023–24 में अपने बजट भाषण में 2,85885 करोड़ रुपये का कर्ज दिखा रही है। मुझे इस बात की हैरानी है कि यह अमाउंट कहां से लिखी गयी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आज टाइम्स ऑफ इंडिया की वेबसाईट पर देख रहा था जिसमें हरियाणा गवर्नमैंट के ऊपर 3,24,448 करोड़ रुपये का

डेट है, यह कैसा मैच है। इसमें या तो हरियाणा गवर्नमैंट, टाइम्स ऑफ इंडिया वेबसाईट के ऊपर मानहानि का दावा करे कि वह गलत आंकड़े कैसे दे रही है या हरियाणा गवर्नमैंट इस बात को हरियाणा प्रदेश के लोगों के सामने क्लीयर करे कि हरियाणा गवर्नमैंट बजट के अन्दर गलत आंकड़ें दे रही है, इन दोनों में से एक काम होना चाहिए। इस प्रकार के सरकार के हालात हैं। अध्यक्ष महोदय, मैंने देखा कि बजट के अन्दर प्रति व्यक्ति वर्ष, 2014 में आय लगभग 1.47 लाख रुपये कैलकुलेट कर रखी है और आज वर्ष, 2023 में प्रति व्यक्ति 2.96 लाख रुपये दिखा रखी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि यह प्रति व्यक्ति आय है या प्रति व्यक्ति कर्ज इसको भी एक बार चैक कर लिया जाए क्योंकि मुझे इसमें भी डाउट लग रहा है। अध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश के हालत जर्जर हैं। आज गरीब व्यक्ति गरीबी में धंसता जा रहा है। एक व्यक्ति की आय सरकार ने 1.80 लाख रुपये दिखा रखी है फिर तो इसके हिसाब से हरियाणा प्रदेश में एक भी व्यक्ति गरीब नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने पी.पी.पी. पब्लिक परेशान पत्र लागू किया है इसमें 1.80 लाख रुपये प्रति व्यक्ति आय वाला व्यक्ति आता है। सरकार ने बजट में प्रति व्यक्ति 2.96 लाख आय दिखाई है इस हिसाब से तो इसमें एक व्यक्ति भी नहीं आना चाहिए। फिर इसके दायरे में व्यक्ति कहां से आ गए ? यह आंकड़ों का कितना बड़ा खेल है, समझ में नहीं आता है। सरकार कितनी बड़ी झूठ बोल रही है, यह शर्म की बात है। अध्यक्ष महोदय, आज सरकार ने लिखा है कि 64 हजार करोड़ का नया कर्ज लिया है और जो कर्ज लिया है उसको बजट के अन्दर रिसिप्ट्स में शो किया जा रहा है। सर, जो कर्ज गवर्नमैंट ने लिया है उस कर्ज को भी रिसिप्ट्स मानकर आंकड़ों का खेल खेला जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, ओ.पी.एस. पैंशन के लिए हमारे कर्मचारी मांग कर रहे हैं। उसके अन्दर मात्र 1275 करोड़ रुपये सरकार का कंट्रीब्यूशन है। इसमें फैमेली पैंशन के नाम से सरकार को

हिस्सा देना होता है। सरकार नई पैंशन स्कीम में 1225 करोड़ रुपये आज भी दे रही, वह पैसा अडानी को देना है इसलिए सरकार दे रही है। इसमें मात्र 50 करोड़ का अन्तर है। इस 50 करोड़ रुपये के अन्तर में सरकार अड़ियल रवैया करके बैठी है और कर्मचारियों को ओल्ड पैंशन देने के लिए तैयार नहीं है, यह कितना बड़ा दुर्भाग्य है क्योंकि यह पैसा एन.पी.एस. में सरकार की तरफ से अडानी ग्रुप में इंवैस्टमैंट हो रहा है, कितना बड़ा दुर्भाग्य है। ये क्या हो रहा है, सरकार इतना बड़ा खेल प्रदेश के साथ कब तक खेलेगी ? अध्यक्ष महोदय, मैं बजट के अन्दर सरकार की घोषणा देख रहा था जिसमें 65 हजार नौकरियां तथा 1 लाख मकान बनाने का प्रावधान था। यह पैसा कहां से आएगा ? सरेआम झूठ क्यों बोला जा रहा है। अब चुनाव नजदीक आ गए तो सरकार गरीब से वोट लेने के लिए उसको बहकाने के लिए 1 लाख घर बनाने की घोषणा कर रही है। जैसे पिछली बार वर्ष, 2022 में हरेक गरीब को घर देने की बात करते थे। आज बजट में डाल दिया। उसका पैसा कहां है, पैसा कहां से आएगा ? 65 हजार नौकरियों की घोषणा की गई है। पिछली बार भी चुनाव से पहले नौकरियों निकाली थीं उसमें कौनसी नौकरी ज्वाइन करवाई गई मुझे बताया जाए। इस सरकार के अन्दर एक भी नौकरी ज्वाइन नहीं करवाई गई। अध्यक्ष महोदय, इसके अन्दर एक बहुत बड़ी कमाल की बात यह है कि 65 हजार नौकरी ग्रुप–सी और डी की हैं। क्लास–1 और 2 की नौकरियों का तो कोई जिक्र ही नहीं है। ये तो केवल बिहार तथा यूपी राज्य के लोगों को देने लग गए हमारे राज्य के बच्चों को तो नौकरी मिलती ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, यह बजट के अन्दर मैंशन है इसलिए मैं सत्ता पक्ष के मेरे साथियों से कहना चाहता हूं क्योंकि सदन में मुख्यमंत्री जी तथा उप मुख्यमंत्री जी तो हैं नहीं इसलिए इसको देख लिया जाए ये सरकार के डॉक्यूमैंट की बात है।(शोर एवं व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री (श्री कंवर पाल): कुडूं जी, आपने पिछली सरकार का कर्ज बताया कि 70931 करोड़ रुपये था। उस समय इसमें बिजली विभाग का 27,000 करोड़ था। अगर इन दोनों को मिलायें तो 1 लाख करोड़ का कर्ज इनके समय में भी था। उसके बाद हमारा यह कर्ज है। इसलिए हमारा कर्ज ज्यादा नहीं बढ़ा है।(शोर एवं व्यवधान)

श्री बलराज कुंडू: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा।(शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि मंत्री जी को इस बारे में मालूम नहीं है। मैं सदन के अन्दर कल बताऊंगा कि आज प्रदेश पर 4 लाख करोड़ से ज्यादा कर्ज है। मैं सदन में कल यही बताऊंगा।

श्री कंवर पाल: अध्यक्ष जी, कर्जा तो सरकार के बही खाते मैं है, उतना ही है। माननीय सदस्य किसी अखबार की बात लेकर आएंगे कि या तो इसे सच मानो या उस पर मुकदमा कीजिए। सरकार किस–किस पर मुकदमा करेगी। कोई और माननीय सदस्य भी कह देगा। सरकार मुकदमा ही थोड़ी करती रहेगी।

श्री बलराज कुंडू: मंत्री जी, यह टाइम्स ऑफ इंडिया अखबार है कोई छोटा–मोटा अखबार नहीं है।

श्री कंवर पाल: अध्यक्ष जी, जो सच्चाई है वह सरकार के बही खाते की है न कि किसी अखबार की बात में सच्चाई है और न ही माननीय सदस्य की बात में सच्चाई है।

श्री बलराज कुंडू: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या सरकार इसको भी उपलब्धि मानती है कर्जा 1 लाख करोड़ था और सवा तीन लाख करोड़ हो गया। मैं आपकी बात पर फूल चढ़ाता हूं। क्या इसको

सरकार अपनी उपलब्धि मानती है। आज प्रदेश बेरोजगारी में और भ्रष्टाचार में नम्बर वन है।

श्री कंवर पालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि आज इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा है। अध्यक्ष जी, मैं माननीय सदस्य से पूछना चाहूंगा कि जब माननीय सदस्य ने काम शुरू किया लिमिट कितनी थी और आज लिमिट कितनी है, माननीय सदस्य अपनी लिमिट बताएं ? आज माननीय सदस्य कितने बड़े ठेकेदार हैं, वे अपनी लिमिट बताएं ?

श्री बलराज कुण्डु : अध्यक्ष महोदय, मेरी कम्पनी की टर्न ओवर आज साढ़े पांच हजार करोड़ रूपये है। मंत्री जी ने क्या बढ़ाया यह वे मुझे बतायें।

श्री कंवर पाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने यह प्रूव किया कि पहले ये छोटे ठेकदार थे और अब ये बड़े ठेकेदार हैं।

श्री बलराज कुण्डु : अध्यक्ष महोदय, प्रदेश सरकार ने प्रदेश को बेरोजगारी में नम्बर वन कर दिया, भ्रष्टाचार में नम्बर वन कर दिया, अपराध में नम्बर वन कर दिया है। मंत्री जी क्या उपलब्धि गिनवायेंगे वह बता दें मैं इनकी बात को मान लेता हूं। मैं आपसे प्रदेश के हालात की बात कर रहा हूं। स्किल डिवैल्पमैंट में 250 करोड़ रूपये माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस बजट के अंदर सैंक्शन किये हैं। पहले कम थे। मंत्री जी मेरी बात सुनिए। मंत्री जी मैं आपको सम्बोधित कर रहा हूं। इसके अंदर अबकी बार 250 करोड़ रूपये सैंक्शन किये गये हैं। मैं आप सारे साथियों से पूछता हूं मुझे बता दें कि आपके हल्के में कितने स्किल डिवैल्पमैंट से तैयार होकर बच्चों को रोजगार मिला। मैं आप सभी से पूछना चाहता हूं। (विघ्न) मैं यह कहना चाहता हूं कि टोटली फर्जी सर्टीफिकेट बांटे जाते हैं। इस पैसे को वे कम्पनियां लूट रही हैं। इसी प्रकार से एम.एस.एम.ई. के लिए पांच करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। एक उद्योग लगाया जाता है उसमें सौदे होते हैं। उसमें यह कहा जाता है कि 2.5 करोड़ रूपये

आपके और 2.5 करोड़ रूपये हमारे जितने मर्जी ले जाओ। मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार मुझे डाटा दे कि कितने युवाओं को उद्योग लगाने के लिए पांच करोड़ दिये और उनके उद्योग लगे हुए हैं। सिर्फ कागज के अंदर फिफ्टी–फिफ्टी में डील होती है। एक भी उद्योग किसी का लगा हो तो मैं आपके साथ चलने के लिए तैयार हूं। मैं विधान सभा सत्र में इस बात को कहता हूं वहां पर फिफ्टी–फिफ्टी परसैंट में डील होती है। 2.5 करोड़ रूपये तुम रखो और 2.5 करोड़ हमें दो इस प्रकार से कागजों के अंदर डील होती है। इसी प्रकार से स्किल डिवैल्पमैंट का सारे का सारा पैसा ट्रैनिंग देने वाली कम्पनियों को जाता है सिर्फ कागज बांटे जाते हैं। फोटो छपते हैं और अखबार की न्यूज बनती है। इसके अलावा वहां ट्रैनिंग करने वाले किसी यूथ को कोई रोजगार नहीं मिला। यह पूरा खेल खेला जा रहा है। मैं कह रहा हूं कि इस प्रदेश के युवा की चिंता करो। आज इस प्रदेश में 40 लाख बेराजगार युवाओं की फौज खड़ी हो गई है। वे अपराध और नशे की तरफ बढ़ रहे हैं। सरकार ने प्रदेश में नशे की रोकथाम के लिए बजट में एक पैसे का भी प्रावधान नहीं किया है। बच्चों को मोटीवेट करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जायें और इसके लिए भी बजट की व्यवस्था होनी चाहिए थी। इसके लिए एक रूपया भी बजट में अलॉट नहीं किया गया है। यह बहुत चिंता का विषय है।

परिवहन मंत्री (पंडित मूल चंद शर्मा) : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। कुण्डु जी ने कहा कि प्रदेश में स्किल डिवैल्पमैंट में बहुत बड़ा खेल हो रहा है और 250 करोड़ रूपये का खेल हुआ है। यह प्रधानमंत्री जी की स्कीम हैं। इसमें युवाओं को सक्षम करना सरकार का काम है। मैं माननीय सदस्य से यही पूछना चाहता हूं कि वे यह बतायें कि वे यह रिकार्ड कहां से लाये हैं कि पिछले साल 250 करोड़ रूपये चले गए। मैं यह कहता हूं कि पिछली बार हमने खर्च ही नहीं किये। (विघ्न) अध्यक्ष जी, इनकी सरकार से नाराजगी हो सकती है

लेकिन इनको सदन में इस प्रकार की स्टेटमैंट नहीं देनी चाहिए। (विघ्न) ये रिकार्ड सदन के पटल पर रख दें अगर इस प्रकार का कोई एक भी मामला हुआ हो तो मैं विधान सभा की सदस्यता से रिजाईन कर दूंगा। इनको अपनी जबान पर लगाम लगानी चाहिए। इनके मन में जो भी आता है ये वही कह देते हैं। ये इनका क्या तरीका है? (विघ्न)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : स्पीकर सर, अगर कोई सदस्य विधान सभा में गलत आंकड़ें पेश करता है तो उसके खिलाफ प्रिविलेज मोशन लाना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब ठीक कह रहे हैं कि अगर कोई भी व्यक्ति इस सदन के अंदर गलत आंकड़ें देता है तो उसके खिलाफ प्रिविलेज मोशन लाया जा सकता है। (विघ्न)

उर्जा मंत्री (श्री रणजीत सिंह) : स्पीकर सर, बहुत देर से मैं देख रहा हूं पहले बहन जी बोल रहे थे। अब माननीय सदस्य बोले। मेरा इनको यही कहना है कि अगर ये सरकार को क्रिटीसाईज करना चाहते हैं तो मुद्दों पर करें। फाईनैंशियल इंफ्रॉस्ट्रक्चर के क्षेत्र में देश का नीति आयोग सबसे बड़ा है। ये गूगल पर चैक कर लें। पूरे देश में बड़ी स्टेट्स में सबसे फास्ट ग्रोईंग स्टेट में हरियाणा नम्बर–02 पर है। पूरे वर्ल्ड में 212 कंट्रीज हैं उनमें 197 यू.एन.ओ. से रेकोग्नाईज्ड हैं। इन 212 कंट्रीज में जो टाऊन सिलैक्ट किये गये हैं उनकी संख्या 62 है। चाहे हमारा एक ही शहर सिलैक्ट किया गया है लेकिन यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। यह बात मैं पूरे दावे के साथ कह सकता हूं कि आने वाले 10 साल में पूरे नार्दर्न इंडिया में गुरूग्राम सबसे बड़ी इकोनोमी होगी। किसी भी माननीय सदस्य को यहां पर इस प्रकार के आंकड़ें पेश करके हाऊस का समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। सभी माननीय सदस्यों को तरीके से मर्यादा में रहकर बात करनी चाहिए। गीता भुक्कल जी द्वारा सरकार के लिए जिस

तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है वह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। (विघ्न)

श्री बलराज कुण्डु : अध्यक्ष जी, मेरी कुछ बातें रह गई हैं।

श्री अध्यक्ष : कुण्डु जी, मैंने सभी माननीय सदस्यों की जानकारी के लिए पहले दिन ही बताया था कि हमारे जो निर्दलीय सदस्य हैं पूरी कैलकूलेशन करने के बाद उन सभी के बोलने के लिए 5.75 मिनट की एवरेज आई थी जिसको हमने बढ़ाकर 6–6 मिनट का समय निर्धारित कर दिया था। अभी आप कम से कम 12 मिनट बोल चुके हैं इसलिए अब आप कृपया करके बैठ जायें और श्री जगदीश नायर जी को अपनी बात कहने दें।

श्री बलराज कुण्डु : ठीक है अध्यक्ष जी।

श्री जगदीश नायर (होडल, अ.जा.) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए मौका दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, बजट किसी भी सरकार का आईना होता है। किसी भी प्रदेश का बजट उस प्रदेश के विकास की बजट की गति को भी दर्शाता है। हमारी माननीय मनोहर लाल जी की सरकार ने जो 1,83,00,950 करोड़ रूपये का बजट पेश किया है, यह बजट पिछले बजट की अपेक्षा 11.6 परसैंट अधिक है। इससे निश्चित तौर से प्रदेश के विकास की गति तेजी से बढ़ेगी। यह कर रहित बजट है। प्रदेश के हर व्यक्ति चाहे वह गरीब हो, चाहे किसान हो, चाहे कर्मचारी हो या फिर चाहे व्यापारी हो हर वर्ग के व्यक्ति का इस बजट में ख्याल रखा गया है। बजट में सड़कों का, शिक्षा का, बिजली का, स्वास्थ्य का, कृषि का, परिवहन का किस तरीके से सुधार किया जाये इस बजट में इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है। यह बजट बहुत अच्छे आंकड़ों के साथ पेश किया गया है। अध्यक्ष महोदय मैं इस बजट के समर्थन में स्वास्थ्य विभाग पर हॉस्पिटल्ज पर बोलना चाहता हूं। माननीय मुख्यमंत्री महोदय मनोहर लाल जी ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में

एक बहुत बड़ा विकासशील क्रांतिकारी कदम उठाकर जो हमारा पिछला बजट था उसमें हमारे हॉस्पिटल्ज की दशा सुधारने का काम किया। चाहे वे मैडीकल कॉलेज हों, चाहे नर्सिंग कॉलेज हों, चाहे क्षेत्रीय हॉस्पिटल्ज हों जब हमारे प्रदेश के विकास का पहिया तेजी से दौड़ा तो आज ये नये बजट में 9647 करोड़ रूपये का प्रॉविजन स्वास्थ्य विभाग के लिए किया गया है। चिरायु योजना और आयुष्मान योजना जैसी बहुत सी अच्छी योजनायें लेकर यह बजट आया है। इतना ही नहीं 11 नये नर्सिग कॉलेज खोलने का लक्ष्य भी इस बजट में रखा गया है। इसी प्रकार से जिलावाईज मैडीकल कॉलेज खोलने का लक्ष्य भी इस बजट में रखा गया है। अध्यक्ष महोदय सब–डिवीजन लैवल पर सभी हॉस्पिटल्ज में अल्ट्रासाऊंड मशीनों जैसी आधुनिक सुविधायें देने का लक्ष्य इस बजट में रखा गया है। ऐसे ही गुरूग्राम में 700 बैड का आधुनिक सुविधाओं से लैस मल्टी स्पैशियलियटी हॉस्पिटल बनाने का लक्ष्य भी इस बजट में रखा गया है। यह नया बदलाव हरियाणा के अंदर यह बजट लेकर आ रहा है। अध्यक्ष महोदय इस सदन में बैठते हुए मुझे भी 20–25 साल हो गये हैं। मैं यहां पर बार–बार चुनकर आता रहा हूं। पहले विकास का पहिया केवल रोहतक की तरफ घूमता था। हमने वो बजट भी देखे थे जिनमें सारे के सारे बजट का पैसा रोहतक के अंदर ही लगा दिया जाता था। बाकी सारे विधान सभा क्षेत्रों को अछूता कर दिया जाता था। आज अगर आपने विकास देखना है तो मैं पलवल की बात कर रहा हूं आप वहां आईये हम आपको न्योता देते हैं। आप पलवल का ऐलिवेटिड पुल देखिये। हमारी सरकार ने पलवल की दशा को सुधारने का काम किया है। आज आप लोगों को यह अन्तर दिखाई देगा कि यह कांग्रेस पार्टी के समय का पलवल है या भारतीय जनता पार्टी के समय का पलवल है। आप वहां कौशल विकास यूनिवर्सिटी देखिये। वहां कौशल विकास यूनिवर्सिटी बनाकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने हमारे जिले को एक सौगात दी है क्योंकि पहले ऐसे

काम हमारे जिले में नहीं हुआ करते थे। पहले ऐसे काम रोहतक, सिरसा, हिसार में हुआ करते थे। आज ये कांग्रेस के साथी हमारी सरकार के ऊपर उंगली उठा रहे हैं। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने हमारे जिले के लिए बहुत सुविधाएं दी हैं। उन्होंने सब डिविजनल लेवल पर पूरे हरियाणा में अल्ट्रासाउंड मशीन पहुंचाने का इस बजट में प्रावधान किया है। मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करता हूं। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में एक बहुत बड़े क्रांतिकारी कदम उठाने के लिए इस बजट में प्रावधान किये गये हैं। हर ब्लॉक में दो स्कूल खोलने के लिए, 10+2 स्कूल्ज आधुनिक सुविधाओं से लैस हों और प्राथमिक विद्यालय खोलने का भी इस बजट में प्रावधान किया गया है। पंचकुला में विद्याशील समीक्षा केन्द्र खोला जाएगा। इस बजट में 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए कौशल शिक्षा का आरम्भ होगा, तीन लाख से कम आय वाले युवाओं के लिए फ्री कोचिंग और एक हजार छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रबंध इस बजट में किया गया है। इस बजट के अन्दर प्ले स्कूल्ज की संख्या को बढ़ाकर 4 हजार प्ले स्कूल्ज खोलने का लक्ष्य रखा गया है। यह बजट शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा क्रांतिकारी परिवर्तन लाने का काम करेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ–साथ मैं अपने क्षेत्र की बात भी इस बजट में रखना चाहूंगा। मैं अपने ब्रज 84 कोस की परिक्रमा के लिए अनुरोध करना चाहूंगा कि इस बजट में उसका प्रावधान किया जाए क्योंकि करोड़ों यात्री उस ब्रज 84 कोस की परिक्रमा से गुजरते हैं। हमारे जिला पलवल में मैडिकल कॉलेज खोला जाए। वहां माननीय मुख्यमंत्री जी ने घोषणा भी की हुई है और उस पर काम शुरू होने की तैयारी है। हमारे ऑफिशियल कागजों में उसका काम चालू हो गया है। इसी के साथ मैं अपने गांव खाम्बी में एक महिला विद्यालय खोलने की मांग करता हूं। इस बजट में उसका भी प्रावधान किया जाए। इसके साथ ही गांव बन्चारी में एक खेल अकैडमी बनाई जाए क्योंकि वहां से बड़े–बड़े खिलाड़ी पैदा हुए हैं और वहां की पंचायत जमीन देने के लिए भी

तैयार है। पुन्हाना रोड को चारमार्गी बनाया जाए। होडल से नूंह रोड को चारमार्गी बनाया जाए। हसनपुर से बावनी खेड़ा रोड को भी चारमार्गी बनाया जाए। हसनपुर से होडल रोड को भी चारमार्गी बनाया जाए क्योंकि यातायात बहुत बढ़ गया है। इसी के साथ हसनपुर को औद्योगिक क्षेत्र घोषित किया जाए। दिघौट में खेल स्टेडियम बनाया जाए। सीया में खेल स्टेडियम, ओरंगाबाद में नर्सरी कॉलेज और सोंध में कृषि विज्ञान केन्द्र बनाया जाए। मिडूकी में एक पशु होस्पिटल बनाया जाए जो सारे क्षेत्र के पशुओं के लिए बड़ा होस्पिटल बनकर तैयार हो क्योंकि वहां हमारे पास जमीन भी उपलब्ध है। इसी के साथ होडल में एक टूरिज्म हब बनाया जाए क्योंकि जो लोग ब्रिज यात्रा करने के लिए जाते हैं वहां उनको रूकने की दिक्कत होती है। अध्यक्ष महोदय, बड़ौदा चौंक, होडल जी.टी. रोड पर एन.एच.–19 पर एक पुल बनाया जाए जो मंडी को कनैक्ट करेगा। इसी तरह बन्चारी और मितरोल में दो–दो पुल बनाने की जरूरत है। बुलवाना में एन.एच.–19 पर पुल बनाने की जरूरत है। सिंचाई के क्षेत्र में हसनपुर और खिरवी में रजबाहा पक्का करने की जरूरत है क्योंकि कांग्रेस सरकार के समय में 10 साल में हमारे क्षेत्र में एक भी काम नहीं किया गया। (धन्यवाद)

श्रीमती रेनु बाला (सढ़ौरा): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया उसके लिए धन्यवाद। मैं कहना चाहूंगी कि जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने वर्ष 2023–24 का बजट पेश किया वह बिल्कुल ही निराशाजनक और निराशाहीन रहा है। अगर हम इस बजट में गरीबों के लिए, किसानों के लिए और पुरानी पैंशन के लिए, महिलाओं के लिए, युवाओं के लिए बात करें तो सरकार ने इस बजट में कुछ नहीं किया है। बल्कि सरकार ने यह बजट पेश करके अपनी वाह वाही लूटी है। अगर मैं बजट में कौशल रोजगार निगम की बात करूं तो उसमें कौशल रोजगार में युवाओं को कहां रोजगार मिल रहा है।

आज कौशल रोजगार के थ्रू हमारे युवा दर–दर के धक्के खा रहे हैं और न ही इस कौशल रोजगार के लिए एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के लिए कोई आरक्षण दिया गया है। अगर मैं शिक्षा की बात करूं और जैसाकि अभी एक विधायक महोदय ने भी कहा कि बजट के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने का काम किया गया है, के संदर्भ में कहना चाहूंगी कि हमारे सढ़ौरा में जो सरस्वती नगर है जिसको पहले मुस्तफाबाद के नाम से जाना जाता था, वहा पर एक सरकारी कालेज खोला गया है लेकिन इस कालेज में न तो कोई स्टाफ है और न ही यहां पर विद्यार्थियों के लिए किसी प्रकार की कोई सुविधा देने का काम किया गया है और न ही इस कालेज के लिए कोई नई बिल्डिंग बनाने का काम किया गया है। अगर यह सुविधा प्रदान कर दी जाये तो यहां के बच्चों को शिक्षा की अच्छी सुविधा उपलब्ध हो सकती है और वे अच्छी तरह से अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, सदन में माननीय शिक्षा मंत्री जी भी बैठे हैं। अतः मैं सदन के माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से निवेदन करती हूँ कि इस कालेज में स्टॉफ व अन्य दूसरी सुविधाओं के साथ–साथ बेहतरीन बिल्डिंग बनाने का प्रावधान जरूर किया जाये। जहां तक स्वास्थ्य की बात है, के संदर्भ में मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहूंगी कि जब वर्ष 2014–15 में सरकार बनी थी तो इसके बाद माननीय मुख्यमंत्री जी सढ़ौरा में गए थे और वहां पर मुख्यमंत्री महोदय जी सी.एच.सी. का नया भवन बनाकर, इसे डिवेल्प करने का आश्वासन देकर आए थे। आज 8 साल का एक लंबा समय बीत जाने के बाद भी, इस सी.एच.सी. के लिए कोई भी नया भवन बनाने का काम शुरू नहीं किया जा सका है। स्वास्थ्य सुविधायें नहीं होने की वजह से यहां के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस सी.एच.सी. में अन्य दूसरी सुविधाओं की कमी तो बरकरार है ही, इसके साथ ही सबसे बड़ी दिक्कत यह भी है कि यहां पर डाक्टरों की भी बहुत

ज्यादा कमी है। जब से मैं इस सदन की सदस्या चुनकर आई हूँ तब से लेकर आज तक मैंने यहां पर डाक्टरों की कमी के बारे में सदन में बार–बार आवाज उठाने का काम किया है। अतः आज फिर सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध करती हूँ कि तुरंत प्रभाव से डाक्टरों की कमी को पूरा करते हुए सी.एच. सी. की नई बिल्डिंग बनाने का भी काम किया जाये। जैसाकि मैंने पहले भी बताया है कि मेरे हल्के में सरस्वती नगर है जिसको पहले मुस्तफाबाद के नाम से जाना जाता था, वहां पर 14 मई, 2017 को 14 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से सीवरेज बिछाने का काम शुरू किया गया था लेकिन छह साल बीत जाने के बाद भी वह काम अधूरा पड़ा हुआ है। इसकी वजह से यहां पर जो कस्बावासी हैं, उनको चलने फिरने में और विशेषकर बारिश के दिनों में बहुत ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगी कि यहां पर जो काम रूके पड़े हुए हैं, चाहे वह सीवरेज का काम है, पानी के ट्रीटमैंट का काम है या फिर पानी की पाइपों को बिछाने का काम है, इन कामों को जल्द से जल्द पूरा कराने का काम किया जाये। जहां तक रोड व सड़कों की बात है, बजट में दिखा दिया गया है कि पूरे हरियाणा में रोड बहुत साफ सुथरे बने हुए हैं और उप–मुख्यमंत्री जी जोकि अब सदन में उपस्थित नहीं है, ने घोषणा करते हुए कहा है कि हर विधायक को रोड बनाने के लिए 25 करोड़ रूपये दिए जायेंगे, के ध्यानार्थ कहना चाहूंगी कि मेरे हल्के में कुछ सड़कें पास हुई थी, लेकिन आज तक उन सड़कों का न तो कोई टैंडर लगा है और न ही उन सड़कों पर किसी प्रकार का कोई काम ही हो पाया है। अभी पिछले दिनों माननीय मुख्यमंत्री जी की जगाधरी में रैली थी और जब वे यहां पर गए थे तो वहां पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कुछ सड़कों को सी.एम. अनाउंसमेंट में लेने की बात कही थी। अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने सढ़ौरा ब्लाक की कुछ सड़कें के बारे में लिखित में साइन करते हुए,

इनको एस.डी.ओ. के माध्यम से सरकार को भेजने का काम किया था। परन्तु मेरी द्वारा बताई गई इन सभी सड़कों पर कोई काम नहीं किया गया और इन सड़कों का जो पैसा बचा हुआ था, उस पैसे को सी.एम. अनाउंसमेंट की सड़कों के लिए ले लिया गया। अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन यह है कि सरकार को उन सड़कों को पहले बनाने का काम करना चाहिए, जिनको बनाने के लिए मैंने लिखकर भेजा हुआ है। सी.एम. साहब की अनाउंसमेंट में आने वाली सड़के तो वैसे भी पूरी हो सकती हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से हाथ जोड़कर निवेदन है कि वे जो भी अनाउंसमेंट करके आते हैं, उन्हें उन कामों को पूरा करने का काम करना चाहिए और विधायकों के कामों के उपर तलवार, चाकू या छूरी चलाने का काम नहीं करना चाहिए। जनता अपने विधायकों से कंप्लेंट करती है और आशा भी करती है कि उनके विधायक, उनका काम करायेंगे। अब तो सत्ता पक्ष के लोग भी यह कहने लग गए है कि बी.जे.पी और ज.ज.पा. सरकार केवल बातों में ही है। यह सरकार केवल बातें करना ही जानती है और घोषणायें ही करती है और यह सरकार अब केवल दिखावे के लिए ही रह गई है। सरकार के लोग भी यह सब बातें करने लग गए हैं। अध्यक्ष महोदय, सी.एम. साहब को ऐसा काम नहीं करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेरी कुछ बातें और भी हैं जिनको मैं सदन के माध्यम से कहना चाहूंगी। मेरे पास मेरे हल्के के कुछ लोग आए थे जोकि पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट में ट्यूबवैल आपरेटर लगे हुए हैं। वे बेचारे बहुत परेशान हैं क्योंकि उनका काम ठीक से नहीं चल पा रहा है । अतः उनको 18 हजार रूपये तनख्वाह दी जाए । इसके साथ–साथ उनको ई.एस.आई. और पी.एफ. की सुविधा भी दी जाए । प्रदेश में जो स्वीपर लगे हुए हैं मेरा कहना है कि उनको हरियाणा कौशल रोजगार निगम में न रखकर नियमित तौर पर भर्ती किया जाए । इसके अलावा स्कूलों में एजुसैट के लिए जो चौकीदार लगे हुए हैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने

उनकी तनख्वाह 14 हजार रुपये जरूर की है लेकिन उनको भी हरियाणा कौशल रोजगार निगम में न रखकर नियमित तौर पर भर्ती किया जाए ।अध्यक्ष महोदय, हमारे पास कुछ डिपो धारक ज्ञापन लेकर आये थे । सरकार की ओर से उनकी 60 साल की उम्र तय कर दी गई है । जिस तरह से पैट्रोल पम्प, गैस वाले, लकड़ी वाले कमीशन के आधार पर काम करते हैं उसी तरह हमारे डिपो धारक भी काम करते हैं । अतः उनको उनके काम करने के तरीके से काम करने दिया जाए । सरकार की ओर से उनकी जो 60 साल की उम्र तय कर दी गई है उसको खत्म करने उनको सारी उम्र के लिए काम करने दिया जाए ।

श्री राम करण काला (शाहाबाद) (अ.जा.) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं । मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय का भी धन्यवाद करूंगा कि उन्होंने एक बहुत अच्छा बजट पेश किया है । जैसा माननीय सदस्य श्री ईश्वर सिंह जी ने भी कहा था और मैं भी कह रहा हूं कि एस.सी./बी.सी. कैटेगरीज दोनों की ग्रांट्स को एक किया जाए । अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करूंगा कि हमारे क्षेत्र के 10–12 गांवों के नाम आपको लिखकर दे दूंगा । उन गांवों में पानी की बहुत भारी समस्या है । चौधरी बंसी लाल जी ट्यूबवैल्ज लगवाकर नहर के माध्यम से पानी लेकर गए थे । हम तो बहुत बढ़िया बरसाती पानी फ्री में दे रहे थे। मेरा कहना है कि 5 किलोमीटर तक अंडरग्राउंड पाइप्स दबाकर पानी को नहर में डाल दिया जाए । इससे गांव और उनकी फसल भी बर्बाद होने से बच जाएगी और वह पानी भी नहर में यूज हो जाएगा । किसान अंडरग्राउंड पाइप्स के लिए अपनी जमीन देने को तैयार हैं । दादूपुर–नलवी नहर के बंद होने से पहले एक्स्ट्रा पानी को उसमें डाल दिया जाता था लेकिन अब उस नहर को बंद कर दिया गया है । अंडरग्राउंड पाइप्स डालकर पानी निकालने से गांव और उनकी फसल डूबने से बच जाएगी । अतः मेरा कहना है कि इस कार्य का भी बजट में

प्रावधान किया जाए । यह बहुत आसान काम है । इससे वहां के सभी गांव सुखी हो जाएंगे और वे माननीय मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद भी करेंगे । मैं कहना चाहता हूं कि माननीय बिजली मंत्री बहुत अच्छे हैं । इस बारे में मैंने उनसे पहले बात की हुई है और उन्होंने मुझसे इसकी हाँ भी की हुई है कि गांव से सवा किलोमीटर की दूरी पर जो ढ़ाणियां हैं उनमें बिजली के डोमैस्टिक कनैक्शन की सुविधा दी जाएगी । अतः मेरा कहना है कि बजट में इनके लिए प्रावधान करके उन्हें भी बिजली के डोमैस्टिक कनैक्शन की सुविधा मुहैया करवाई जाए । आज हर शहर में बहुत ही कीमती जमीनों पर झुग्गी–झोपड़ियों वाले बैठे हैं । अतः मेरा कहना है कि सस्ते रेट पर 2–2 किले जमीन खरीदकर उनको एक–एक प्लॉट दिया जाए । इससे वह कीमती जमीन भी मुक्त हो जाएगी और उनको रहने के लिए जगह भी उपलब्ध हो जाएगी । मेरा कहना है कि कोरोना काल और दो साल तक जब तक नई पंचायतें नहीं बनी तब तक पंचायतों का पैसा खर्च नहीं हो पाया । अतः अब सरपंचों को बिना टैण्डर के 10 लाख रुपये तक खर्च करने की पावर दी जाए ताकि वे गांवों में विकास कार्य करवा सकें । इससे पंचायतों का पैसा खर्च हो सकेगा । अब विधान सभा के चुनाव भी आने वाले हैं । इसमें बहुत कम समय बचा है । काम होंगे तो हम गांवों में भी जा सकेंगे । सरकार के पास बहुत पैसा पड़ा हुआ है । कोरोना काल में भी सरकार पैसा नहीं खर्च कर पाई थी । सरकार ने बजट भी अच्छा पेश किया है । अतः सरकार को इस बजट को पूरा खर्च करना चाहिए ताकि 36 बिरादरी खुश हो जाए । इससे हमारे जो जमींदार भाई है वे भी खुश हो जाएंगे और मजदूर वर्ग भी खुश हो जाएगा । मेरा कहना है कि हर वर्ग की बात को सुनकर उसका समाधान किया जाए । मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय का अच्छा बजट पेश करने के लिए धन्यवाद करता हूं । धन्यवाद । जय हिन्द ।

श्री सुभाष सुधा (थानेसर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका हार्दिक धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे इस गरिमामयी सदन में माननीय वित्त मंत्री श्री मनोहर लाल जी द्वारा प्रस्तुत बजट 2023–24 जोकि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान प्रथम बजट है, पर बोलने का अवसर प्रदान किया । मैं इस गरिमामयी सदन में सभी सम्मानित सदस्यों व सभी प्रदेशवासियों को यह बताना चाहूंगा कि मुझे इस बात की अत्यंत खुशी है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी सभी सांसदों, विधायकों, राजनैतिक बुद्धिजीवियों, महिलाओं, उद्योगपतियों, प्रत्येक सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं सहित समाज के अन्य वर्गों में आय के रूप से कमजोर व्यक्ति के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए और प्रत्येक नागरिक की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए अन्तयोदय के सिद्धांत व 'सबका साथ सबका विकास' के आदर्शों को प्राथमिकता देते हुए बजट बनाया गया है । सरकार चाहती है कि प्रदेश में प्रत्येक छोटे–से–छोटा किसान भरपूर खेती कर सके और उद्योग की दृष्टि से प्रदेश का विकास तेज गति से आगे बढ़ता रहे । गत् बीते वर्षों में कोरोना जैसी भयंकर महामारी जोकि पूरे विश्व के लिए चुनौती की तरह थी उस समय भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी की मेहनत से हरियाणा प्रदेश में हम इसके प्रभाव को कम करने मे कामयाब रहे । कोरोना महामारी के बावजूद भी आज हरियाणा प्रदेश राष्ट्र के आर्थिक विकास में अपनी अहम और बड़ी भूमिका निभा रहा है । राष्ट्र की जी.डी.पी. में हरियाणा प्रदेश का लगभग 3.86 प्रतिशत योगदान है । अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने यह बजट प्रदेश के गरीब व्यक्ति के लिए पेश किया है । इसके लिए मैं कहूंगा कि –

हर रोज नया दिन होगा, हर रोज नया पर्व होगा
योजनाओं से भरे हुए इस बजट पर हमें गर्व है ।
जो भरा नहीं भावों से, बहती जिसमें रसधारा है नहीं,
दिल नहीं वो पत्थर है, जिसको बजट से प्यार नहीं ।

अध्यक्ष महोदय, जिन परिवारों की आय 1.80 लाख रुपये से कम है उनके लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने 'चिरायु' योजना के तहत 5 लाख रुपये तक के बिल पर फ्री मैडिकल सुविधा प्रदान करने का कार्य किया है । इसके लिए विपक्ष के साथी कह रहे थे कि इस योजना का लाभ हर व्यक्ति को नहीं मिल रहा है । मैं विपक्ष के साथियों से कह रहा हूं अगर आप किसी गरीब व्यक्ति का एक 'चिरायु' कार्ड भी बनवा देंगे तो वह आपको सारी उम्र दुआ देगा । यह कार्ड बनवाने के लिए मैंने स्वयं 22 कैम्प्स लगवाये हैं । हमने देखा है कि लोगों के कार्ड न बनने के पीछे उनकी खुद की कमियां थी । उसमें यह था कि अगर किसी गरीब व्यक्ति ने लोन लेना था तो उसके बेटे ने उसकी आय ज्यादा दिखा दी । किसी व्यक्ति का नाम गलत था । इसके अलावा 22 प्वायंट्स पर बहुत–सी गलतियां थी जिनको हमने ठीक करवाया है । अगर उनको ठीक किया जाएगा तो मैं दावे से कह सकता हूं कि जब उनका कार्ड बनता है तो गरीब आदमी प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महोदय को दुआ देता है । प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने ऐसा काम किया है कि खुशी के मारे गरीब व्यक्ति की आंखों से आंसु निकल आते हैं । अध्यक्ष महोदय, जिन परिवारों की आय 1. 80 लाख रुपये से कम है उनके लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने एक योजना बनाई है जिसके तहत 0 से 6 वर्ष तक की आयु के बच्चे को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि, 6 से 18 वर्ष तक की आयु के युवा को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि, 18 से 25 वर्ष तक की आयु के युवा को 3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि, 25 से 40 वर्ष तक की आयु के व्यक्ति को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि, 40 से 60 वर्ष तक की आयु और इससे ज्यादा आयु के व्यक्ति को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि के रूप में दिए जाएंगे । अगर कृषि विभाग की बात की जाए तो हरियाणा देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जिसने एम.एस.पी. पर सबसे अधिक 14 फसलों को खरीदा है ।

अगर किसी ने सरकारी खरीद की स्वीकृति के बाद 48 घंटों में सीधा किसानों के खातों में भुगतान करने का कार्य किया है तो वह कार्य माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने किया है । इस पर मैं कहूंगा कि –

चीरकर धरती का सीना पैदा करे अनाज,
करते हैं उस मेहनतकश को बार–बार हम प्रणाम ।

अध्यक्ष महोदय, प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने कृषि विभाग के संबंध में बहुत–सी योजनाएं लागू की हैं । अगर मैं इनके बारे में बताने लग जाऊं तो इसमें बहुत समय लग जाएगा । अभी माननीय सदस्य असीम गोयल जी और डॉ. कृष्ण मिड्ढा जी ने कहा कि वर्ष 1947 में 10 लाख लोग शहीद हुए थे लेकिन जब हम भारत में आये तो हमें 'रिफ्यूजी' कहा गया । हमने यहां पर आकर बहुत मेहनत की । माननीय मुख्यमंत्री महोदय के विषय में मैं कहना चाहूंगा कि वे सबसे बड़े देशभक्त हैं । उनके मन में हर वर्ग के दुःख को देखकर हमेशा पीड़ा होती है । इसको हमने पर्सनली देखा है । हमने उनसे बहुत कुछ सीखा है । मैं कहूंगा कि जब हम भारत में आये थे तो उस समय हमारे पास कुछ भी नहीं था क्योंकि हम अपना सब–कुछ पाकिस्तान में छोड़कर आये थे । वहां पर रहने के लिए हमें केवल अपने धर्म को बदलना था लेकिन हमने अपने धर्म को नहीं बदला । हमने भारत में आकर मेहनत की । हमने चाहे सब्जी बेची, चाहे रेहड़ी पर सामान बेचा, हमने चाहे कुछ भी किया लेकिन हम अपनी मेहनत के दम पर आज यहां तक पहुंचे हैं । अतः पहली बात तो यह है कि आज हमें कोई 'रिफ्यूजी' नहीं कहता है और अगर कोई हमें ऐसा कहेगा तो उसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय से कहता हूं और यह बात मैंने उनको पहले भी कही थी क्योंकि मैं पंचनाद का प्रदेश अध्यक्ष हूं । माननीय मुख्यमंत्री महोदय के पास 3 एकड़ जमीन थी और उसमें से भी उन्होंने 1 एकड़ जमीन दान में दे दी । हमने माननीय मुख्यमंत्री महोदय के सामने बात रखी थी कि वर्ष

1947 में जो 10 लाख लोग शहीद हुए थे हम उनकी हर साल श्रद्धांजलि सभा आयोजित करते थे । हमने उनसे अनुरोध किया था कि शहीदों के लिए एक स्मारक बनना चाहिए जिसके लिए 14 अगस्त को माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन पर 'विभाजन विभीषिका' नाम का एक प्रोग्राम किया गया था । हमें गर्व के साथ कहना चाहिए कि संबंधित लोगों के नाम से स्मारक बनने जा रहा है। हमारे हरियाणा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी कुरूक्षेत्र में उनके नाम से 10 एकड़ में एक स्मारक बनवा रहे हैं। मैं इसके लिए तहे दिल से अपने समाज की तरफ से उनका धन्यवाद करता हूं कि उनका ऐसा विचार है। माननीय साथियों, हमें बहुत सी चीजें सुनने को मिली हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि जब हम सन् 1947 में पाकिस्तान से यहां पर आये थे तो हमें सन् 1950 में दुकानें अलॉट हुई थी। लेकिन सन् 2,000 में ऐसी गवर्नमैंट आयी थी जिसने हमारे लोगों की दुकानें तोड़ दी। उन दुकानों को लीज पर दिया गया था। इसके लिए मैंने माननीय मुख्यमंत्री जी से रिक्वेस्ट की है कि उन लोगों को संबंधित दुकानें मिलनी चाहिए क्योंकि उन पर उनका मालिकाना हक है। अभी तक उनकी वैसी ही स्थिति बनी हुई है। मेरे पास उन सभी संबंधित दुकानों के पूरे डाक्यूमैंट्स हैं और मैं उनको माननीय मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखूंगा। इसी प्रकार से मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के समक्ष अपनी बात रखूंगा कि हमारी नगर परिषद् की जनसंख्या लगभग 1,61,874 है। जनसंख्या के हिसाब से 400 लोगों पर एक स्वीपर है। इस नगर परिषद् में कुल 66 स्वीपर पक्के हैं। हमारे 306 स्वीपर सफाई मित्र हैं, लेकिन उनकी पोस्ट्स 377 हैं। जो 306 स्वीपर पिछले 10–12 सालों से कार्यरत हैं, उनके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि उनको पक्का किया जाए। इसी प्रकार से मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि हमारी नगर परिषद् की लगभग 20 एकड़ जमीन पर सफाई कर्मचारी लगभग 50 वर्षों से बैठे हुए हैं।

श्री अध्यक्षः सुभाष सुधा जी, आपके बोलने का समय पूरा हो चुका है। प्लीज, अब आप बैठ जाएं।

श्री सुभाष सुधाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि सरकार द्वारा जिस प्रकार से प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत मकान दिये जा रहे हैं, उसी प्रकार से संबंधित सफाई कर्मचारियों को भी वहां पर मकान अलॉट किये जाएं। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अपनी बात रखने के लिए मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री राकेश दौलताबाद (बादशाहपुर): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अपनी बात रखने के लिए मौका दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, ज्यादातर फाईनैंस बजट में अभी तक जितना भी समझ में आ रहा है, मैं उसके हिसाब से बताना चाहूंगा। अभी माननीय सदस्य श्री बलराज कुंडू साहब कह रहे थे कि सरकार ने 65,000 नौकरियां देने के लिए कहा था। हमारा जो यह बजट है उसमें मैक्सिमम खर्च सैलरीज और पैंशंज पर ही जा रहा है। इस प्रकार आगे आने वाले समय में यही स्थिति रहनी है। फिर उसमें चाहे कोई भी सरकार आये और कोई भी सरकार जाये। इसमें पैसे की तो यही स्थिति रहनी है। मैं यह कहना चाह रहा हूं कि इसका एक वे आउट यह है कि सरकार के ऊपर नौकरियों का बोझ भी परलैल बट जाए क्योंकि यह परमानैंट बोझ है। इसको दूर करने का एक तरीका है। मान्यवर, मैं सबसे पहले इन्डस्ट्रीज की बात करूंगा क्योंकि हमारा गुरूग्राम देश की लिडिंग इन्डस्ट्रीज सिटी है। हरियाणा प्रदेश में इन्डस्ट्रीज को कई गुणा बढ़ाने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। फिर भी हरियाणा प्रदेश में पिछले 8 सालों में सिर्फ एक ही ग्लोबल इन्वैस्टर सम्मिट हुई है। इस सम्मिट के जरिए प्रदेश में लाखों–करोड़ों रुपये की इन्वैस्टमैंट आ सकती है। इस प्रकार हमारा बोझ हल्का हो जाएगा और अनइम्पलायमैंट की टैंशन कम हो जाएगी।

अध्यक्ष महोदय, आप देखें तो हमारे देश के दूसरे प्रदेशों में से गुजरात में वाइब्रैंट गुजरात ग्लोबल सम्मिट ईयर लगभग 10 हुई हैं। इसी तरह से वेस्ट बंगाल में ग्लोबल बिजनेस सम्मिट ईयर करीब 6 हुई हैं। ये क्रमशः वर्ष 2015, 2016 ,2017, 2018, 2020 और वर्ष 2022 में हुई हैं। इसी प्रकार से आन्ध्र प्रदेश में सनराईज आन्ध्रा प्रदेश इन्वैस्टमैंट सम्मिट 3 हुई हैं। जोकि वर्ष 2016, 2017 और वर्ष 2023 में हुई हैं। इसी प्रकार से तेलंगाना में ग्लोबल इन्वैस्टमैंट सम्मिट 3 हुई हैं जोकि वर्ष 2015, 2017 और और वर्ष 2023 में हुई हैं। इसी प्रकार से कर्नाटक में भी कर्नाटका इन्वैस्टमैंट सम्मिट 3 हुई हैं जोकि वर्ष 2016, 2018 और वर्ष 2022 में हुई हैं। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश में यू.पी. इन्वैस्टर सम्मिट 3 हुई हैं जोकि वर्ष 2018, 2022 और वर्ष 2023 में हुई हैं। इसी प्रकार से तमिलनाडु में इन्वैस्टर सम्मिट 2 हुई हैं उनमें से एक तो वर्ष 2015 में हो चुकी है और एक वर्ष 2024 के लिए प्लांड है। हरियाणा प्रदेश में अभी तक वर्ष 2016 में एक सम्मिट हुई है। यह अपने आप एक समस्या का समाधान भी है और इन्वेस्टमैंट भी है। इसमें देश और प्रदेश का नाम भी है। इस प्रकार यह सम्मिट हमारे लिए बहुत जरूरी है। इसके अतिरिक्त माननीय मुख्यमंत्री जी ने बजट में 190 अनअथॉराईज्ड कॉलोनीज को रेगुलराईज करने के लिए प्रिंसिपल एप्रूवल दी है उसमें हमारा गुरूग्राम अपने आप में एक रेवेन्यू जनरेट करने वाला सिटी है। इसमें हमारे गुरूग्राम की बहुत कम कॉलोनीज को लिया गया है। इसमें खासतौर से गुरूग्राम की न्यू पालम विहार कॉलोनी को शामिल किया जाए। इसके बारे में प्रिंसिपल सैक्रेटरी श्री वी. उमाशंकर जी से भी कई बार कह चुका हूं कि यह कॉलोनी सारे पैरामीटर्ज को पूरा करती है। इसलिए इसको जल्दी से रेगुलराईज करवाया जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इसके लिए सरकार से रिक्वैस्ट करता हूं। अध्यक्ष महादेय, मैंने हरियाणा प्रदेश के पिछले साल की बजट स्पीच में हरियाणा प्रदेश के इन्डस्ट्रियल बजट को कर्नाटक और उत्तर

प्रदेश से कम्पेयर करके यह कहा था कि दोनों स्टेट्स इन्डस्ट्रियलाईजेशन में हरियाणा प्रदेश के बराबर हैं, परन्तु हरियाणा प्रदेश का इन्डस्ट्रियल बजट बहुत कम है। मैं मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस बात का संज्ञान लेते हुए इस साल इन्डस्ट्रियल बजट को 88 परसैंट बढ़ाते हुए 1442 करोड़ रुपये कर दिया। मैं मुख्यमंत्री जी का एक बार फिर धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने गुरुग्राम मैट्रो को आगे बढ़ाने में 99 परसैंट अप्रूवल पूरे करवा दिये हैं इसमें सिर्फ केन्द्र सरकार की कैबिनेट से अप्रूवल बाकी है। इस साल गुरुग्राम में मैट्रो निर्माण शुरू होता देखने के लिए जनता उत्सुक है। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से हाथ जोड़कर रिक्वैस्ट है कि इस कार्य को परस्यू किया जाये। अध्यक्ष महोदय, जहां इन्डस्ट्रीज और स्टार्ट–अप की बात है तो इसमें हरियाणा देश के सर्वश्रेष्ठ राज्यों में से एक है। इस बजट में सरकार ने कई कार्यक्रम हरियाणा के युवाओं के प्रशिक्षण के लिए घोषित किये हैं और सरकार का यह कदम सराहनीय योग्य है। हरियाणा के गुरुग्राम में सबसे ज्यादा इन्डस्ट्रीज और स्टार्ट–अप है। ऐसे में गुरुग्राम में टैक्नीकल यूनिवर्सिटी का होना आज की बहुत बड़ी जरूरत है। मैंने पहले भी गुरुग्राम में टैक्नीकल यूनिवर्सिटी बनाने के लिए विधान सभा में अपनी बात रखी थी और आज मैं फिर से वही बात दोहराना चाहूंगा कि उत्तर भारत के स्टार्ट–अप कैपीटल गुरुग्राम में टैक्नीकल यूनिवर्सिटी का न होना पीड़ादायक है। मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहूंगा कि भारत की अगली Harvard University और Oxford University गुरुग्राम में क्यों नहीं बनाई जा सकती? अतः मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी का दर्जा स्टेट यूनिवर्सिटी से बदलकर टैक्नीकल यूनिवर्सिटी करने पर गंभीरता से विचार किया जाये। अध्यक्ष महोदय, 10 हजार एकड़ में अरावली सफारी पार्क के लिए कुछ ही महीनों में लैंड आईडैंटीफाई करने के लिए मुख्यमंत्री जी को मैं बहुत–बहुत बधाई

देना चाहता हूं। मेरी आशा है कि अरावली सफारी पार्क में हर साल देश विदेश से लाखों टूरिस्ट आयेंगे और जिसके कारण हमारे प्रदेश का रेवेन्यू भी बढ़ेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मेरी गुरुग्राम की दो छोटी–छोटी रिक्वायरमैंट है। महफिल गार्डन के लिए मुख्यमंत्री जी ने हमारी 9 कॉलोनियों को टेकओवर करने के लिए बोला था उसमें से 8 कॉलोनियां टेकओवर हो गई थी लेकिन महफिल गार्डन टेकओवर करने से रह गया है। वहां पर लोगों की बहुत बुरी हालत बनी हुई है क्योंकि वहां पर बिल्डर पैसा नहीं देना चाहता है। मैं मुख्यमंत्री जी का फिर से बहुत धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने बी.पी.एल. परिवार के दर्द को समझा और उनकी सालाना आय 1.80 लाख रुपये तक करने का काम किया लेकिन मेरा इसमें यह कहना है कि आगे आने वाले समय में उनकी यह राशि अगर 3 लाख रुपये सालाना कर दी जायेगी तो इनको काफी फायदा होगा। आज तक कभी भी अर्बन लोकल बॉडीज के एरिया के अंदर ग्रामीण इलाकों की तरह बी.पी.एल. परिवारों को प्लॉट नहीं दिये जाते हैं। गांवों में तो इनको प्लॉट दे दिये जाते हैं लेकिन जो एम.सी. के इलाके के अंदर गांव आते हैं, वहां पर इनको प्लॉट की सुविधा नहीं दी जाती है। हमारे पास वहां के गरीब लोग बार–बार आते हैं और प्लॉट दिलवाने की रिक्वैस्ट भी करते हैं। अध्यक्ष महोदय, आगे आने वाले समय में उनको मकान या प्लॉट देने का सर्वे करवाया जाये ताकि वहां के लोगों को कन्विंस किया जा सके। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, मैं इसके लिए आपका बहुत–बहुत आभार व्यक्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री मामन खान (फिरोजपुर झिरका) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट वर्ष 2023–24 पर बोलने का समय दिया, मैं इसके लिए आपका आभार प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं हरियाणा में शिक्षा की बदहाली पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सार्वभौमिक

शिक्षा के लिए सुनिश्चित करने की सरकार ने बात कही थी जबकि हरियाणा में अध्यापकों की भारी कमी है। खासतौर पर मेवात में तो काफी स्कूल अध्यापक रहित हैं और काफी स्कूलों में एक–एक अध्यापक से काम चलाना पड़ रहा है। जब हरियाणा के विद्यालयों में अध्यापकों की पूरी संख्या नहीं है तो हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सार्वभौमिक को किस तरह से लागू कर सकते हैं। हम बच्चों को अच्छे–अच्छे सपने दिखाते हैं लेकिन उनके अनुसार उनको शिक्षा नहीं मिल पाती है। स्कूल बंद हो रहे हैं क्योंकि अध्यापकों की भर्ती नहीं हो रही है। यहां तक हरियाणा के जिला मेवात में आज भी बच्चे टाट–पट्टी पर बैठने को मजबूर हैं। आज बच्चे ड्यूल डैस्क पर बैठने के लिए इंतजार कर रहे हैं कि हमें कब ड्यूल डैस्क पर बैठने का मौका मिलेगा। आज तक उनका यह सपना पूरा नहीं हुआ है जबकि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति की बात करती है। अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान उच्च शिक्षा की तरफ आकर्षित करवाना चाहता हूं। सरकार ने वर्ष 2023–24 में बजट में कहा था कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में विद्युत वाहन, मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन टैक्नोलॉजी में उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किये जायेंगे जबकि सच्चाई यह है कि माननीय प्रधानमंत्री ने फरवरी 2019 में RUSA फंड के तहत Government Model College Firozpur Jhirka, Nuh का उद्घाटन किया था। आज तक सरकार वहां पर भवन का निर्माण नहीं कर पायी है जबकि महानिदेशक, उच्चत्तर शिक्षा हरियाणा ने निदेशक, कृषि विभाग हरियाणा को भूमि आदान–प्रदान करने के लिए वर्ष, 2021 में ही पत्रों के माध्यम से अवगत करवाया था। निदेशक, कृषि विभाग जमीन देने को तैयार ही नहीं है। इससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि हरियाणा सरकार माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दी गई घोषणा को भी नजर अदांज करती है जबकि हरियाणा सरकार उच्चत्तर शिक्षा देने की बात करती है। मेरी हाऊस से भी अपील है कि माननीय प्रधानमंत्री जी को मेरा मैसेज दे दिया जाये कि आपने रूसा स्कीम के तहत

मेवात में कॉलेज का उद्घाटन किया था वह आज तक अधूरा है। मान्यवर, मुझे वर्ष, 2023–24 के बजट में हरियाणा सरकार से आकांक्षी (asspirational) जिला नूहं मेवात को स्टेट यूनिवर्सिटी मिलने की बहुत संभावना थी। वर्ष, 2021–22 बजट सत्र के प्रश्नकाल में मैंने सरकार के सामने बात रखी थी जबकि सरकार ने मुझे दिनांक 23.05.2023 को लिखित में जवाब भेजा कि स्टेट यूनिवर्सिटी की फाईल सरकार के पास विचाराधीन है और फाइल माननीय मुख्यमंत्री के पास भेज दी गई है। जब मैंने बजट में देखा कि मेवात यूनिवर्सिटी का प्रावधान नहीं है तो इससे पूरे मेवात को बहुत निराशा लगी। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगा कि एजुकेशन के क्षेत्र में जितना भ्रष्टाचार मेवात के अन्दर है मेरे ख्याल से उतना भ्रष्टाचार और कहीं नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, आपके सामने डी.ई.ओ., डी.ई.ई.ओ. तथा एफ.एस.ओ. सारे ही जेल के अन्दर बन्द हैं। उसी तर्ज पर यहां जो टीचर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, मैं टेबल करूंगा उनको यहां दो–दो साल की एक्सटेंशन दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने डिप्टी डायरेक्टर से इंक्वायरी करवा रखी है उसके पश्चात भी उनको दो–दो साल की एक्सटेंशन एडवांस में दी हैं। वे लाखों रुपयों को निकालकर के खा गए। उनको स्टेट अवॉर्ड नहीं मिला हुआ, झूठा अवॉर्ड लिया गया। लेकिन सरकार ने उनको रिटायरमैंट होने से पहले दी दो साल की एक्सटेंशन दी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको यह टेबल करूंगा। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने वर्ष, 2023–24 के बजट में वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा केन्द्रीय प्राधिकरण की साझेदारी में सरकार ने गुरुग्राम और नूहं जिलों में 10,000 एकड़ में अरावली सफारी पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव किया है। अध्यक्ष महोदय, आप इससे भलि–भांति परिचित हैं कि जिला नूहं नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश में सबसे पिछड़ा हुआ जिला है और ये मूल सुविधाओं के लिए तरस रहा है। जब यहां पर मूल सुविधाएं ही नहीं हैं तो हमें 10,000 एकड़ पार्क की क्या जरूरत

है। यदि सरकार को पार्क बनानी है तो इससे पहले मेवात के लिए स्टेट यूनिवर्सिटी चाहिए। मेवात के लिए नेशनल हाईवे 248ए फोरलेन चाहिए। मेडिकल कॉलेज में ट्रोमा सैन्टर चाहिए, रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए। गुरुग्राम से लेकर अलवर तक रेलवे लाईन चाहिए। हेडक्वॉर्टर नूहं के साथ–साथ फिरोजपुर तथा पुन्हाना में हरियाणा विकास प्राधिकरण के तहत सभी कस्बों में सैक्टर्स चाहिएं। रोजगार चाहिए, इंडस्ट्री चाहिए तथा इसके अलावा भादस सिकरावा रोड पर बडोदरा एक्सप्रेस हाईवे पर एक कट चाहिए ताकि लोग वहां अपना बिजनेस कर सके। अध्यक्ष महोदय, जब मेवात की मूल सुविधाएं ही पूरी नहीं होगी तो हम सफारी पार्क का क्या करेंगे ? हां, हम सफारी पार्क का जरूर स्वागत करेंगे यदि सरकार हमारी मूल सुविधाओं के लिए सुनेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं कानून व्यवस्था की बात करता हूं। जहां तक हरियाणा में कानून व्यवस्था की बात की जाए तो आए दिन मर्डर, चौरी, लूट, रेप तथा स्नैचिंग जैसे गंभीर मामले देखने को मिल रहे हैं। अब हरियाणा प्रदेश देश का असुरक्षित प्रदेश बन गया है। अभी चन्द दिनों पहले कुछ असामाजिक तत्वों ने वारिस जो फैज मोहम्मद का बेटा है उस नौजनवान लड़के की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। इसमें हैरानी की बात तो यह है कि हरियाणा पुलिस ने दोषियों के खिलाफ धारा 302 का मुकदमा दर्ज न करके दोषियों को बचाकर दुर्घटना में मौत दिखा दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने वहां इस तरह के आफिसर्ज भर्ती कर रखे हैं जो आदमी की जान जा रही है और उसको धारा 302 की बजाय मौत को एक्सीडेंट में दिखाया जा रहा है। उनकी कस्टडी में लड़का है और जिन्दा है। मैंने माननीय डिप्टी सी.एम. साहब से भी रिक्वैस्ट की थी तब उन्होंने on the floor of the House मुझे आश्वासन दिया था कि इसके ऊपर रेवाड़ी रेंज के आई.जी. से एस.आई.टी. गठित करके इसकी इंक्वायरी करवायी जाएगी। इसे तकरीबन एक महीना हो गया। मेरे को यहां झूठा आश्वासन मिला और वह फाईल आज तक वहां नहीं

गई है। अध्यक्ष महोदय, जब हाऊस में इस तरह की बात की जाती है तो इस पर आप जरूर ध्यान दें। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि सरकार इस घटना की जरूर जांच करवाए। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से कुछ असामाजिक तत्वों ने दिनांक 16 फरवरी, 2023 को गांव घाटमिका के निवासी जुनैद व नासिर को जबरन गाड़ी में बिठाकर हरियाणा के जिला भिवानी के लौहारू में जिंदा जला दिया गया था। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने दोषियों के खिलाफ लगाम लगाने के बजाय पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व दुःख प्रकट करना उचित नहीं समझा। जिससे पीड़ित परिवार को इस दुःख की घड़ी में कुछ राहत मिल जाए। इससे पता चलता है कि हरियाणा राज्य में कानून व्यवस्था चौपट है। अध्यक्ष महोदय, सदन में मेरे कुछ साथी असामाजिक तत्वों के बारे में प्रेरित करते हैं जबकि अपराधी किसी कौम का नहीं होता, अपराधी केवल अपराधी ही होता है, चाहे वह किसी भी जाति या धर्म का हो।(घंटी) अध्यक्ष महोदय, सभी माननीय सदस्यों ने बोलने के लिए 10 मिनट का समय लिया इसलिए आप मुझे दो मिनट का समय और दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, जहां तक स्वास्थ्य की बात है, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान मेवात की तरफ दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार ने हर जिले में मैडिकल कॉलेज खोल दिए हैं।(घंटी)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य, आपके बोलने का समय पूरा हो चुका है इसलिए आप बैठ जाएं।

श्रीमती निर्मल रानी(गन्नौर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर चर्चा करने के लिए समय दिया उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अमृतकाल की इस वेला में माननीय मुख्यमंत्री जी प्रदेश को सुदृढ़ करने के लिए जो बजट लेकर आए हैं वह राज्य को उन्नति की ओर अग्रसर करने वाला बजट है। प्रदेश विकास की नई बुलंदियों को छू रहा है। मुख्यमंत्री जी का लक्ष्य है कि जो प्राप्त

न हो उसको प्राप्त करना, जो प्राप्त हो गया है उसको संरक्षित करना और जो संरक्षित हो गया है उसे समानता के आधार पर बांटना और इस बजट में मुख्यमंत्री जी ने यही किया है। इस बजट में कोई भी नया कर नहीं लगाया गया है तथा प्रदेश की जनता पर कोई भी बोझ नहीं डाला गया है। इस बजट के माध्यम से प्रदेश में 700 नई व्यायामशालाएं खोली गई हैं तथा योग सहायकों की नई नियुक्तियां भी की गई हैं। शमशान भूमि और कब्रगाहों के रखरखाव के लिए शिवधाम योजना शुरू की गई है। गुरूग्राम में 700 बैड का नया मल्टी स्पेशिलिटी जिला अस्पताल बनाया जायेगा। इसी प्रकार से ग्राम दर्शन पोर्टल और नगर दर्शन पोर्टल बहुत सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं। आज न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के आधार पर कार्य किया जा रहा है। भोजन और खाद्य उत्पादनों की जांच के लिए हर जिले में एक–एक खाद्य प्रयोगशाला की स्थापना की जा रही है। ये प्रयोगशालाएं निम्न मामूली शुल्क पर खाद्य नमूनों की तत्काल रिपोर्ट पेश कर देंगी। अगर कृषि क्षेत्र की बात की जाये तो खेतों में ड्रोन के माध्यम से स्प्रे करने की पहल एक बहुत ही सराहनीय कदम है और इसी से मिट्टी को जीवित रखा जायेगा। पूरे देश में हरियाणा एक मात्र ऐसा राज्य है जहां पर 14 फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही हैं। भारत के आर्थिक विकास में हरियाणा के किसानों का योगदान सभी जानते हैं। मेरी फसल–मेरा ब्यौरा पोर्टल पर 9 लाख किसान नियमित रूप से पंजीकरण करवाते हैं। इसके अतिरिक्त मेरा पानी मेरी विरासत तथा भावांतर भरपाई जैसी योजनाएं बहुत ही सफल हो रही हैं। किसान के उत्पादन की खरीद प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए 48 घंटे में किसान के खाते में सीधा पैसा ट्रांसफर किया जाता है। बहुत ही खुशी की बात यह है कि वर्ष 2022–23 में 2238 किसानों की पहचान करके 5906 एकड़ में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए सहायता की गई थी जबकि गत वर्ष के बजट में 2500 एकड़ का लक्ष्य रखा गया था। इस वर्ष

2023–24 के बजट में प्राकृतिक खेती के लिए 20 हजार एकड़ का लक्ष्य प्रस्तावित है। इस बजट की प्रमुख विशेषताओं में से एक विशेषता यह है कि 1 लाख 80 हजार तक वार्षिक आय वाले एक लाख परिवारों को आवास देने का लक्ष्य रखा गया है। बाल विकास को मद्देनजर रखते हुए राज्य में 4 हजार प्ले स्कूल खोलने का प्रावधान बहुत ही सराहनीय कार्य है। हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास योजना के तहत उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में काम करने वाले ग्रुप सी और डी श्रेणी के कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों के लिए मुख्यमंत्री हरियाणा कर्मचारी दुर्घटना बीमा योजना और छोटे कारोबारियों के लिए दुर्घटना में मृत्यु या स्थायी दिव्यांगता के लिए मुख्यमंत्री व्यापारी सामूहिक निजी दुर्घटना बीमा योजना शुरू की गई है। अंत्योदय परिवारों को सुरक्षा कवच देने के लिए मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना की शुरूआत बहुत ही सराहनीय कदम है। इसी तरह से स्ट्रीट वैंडर, छोटे कर्मचारियों व व्यापारियों जिनका वार्षिक कारोबार डेढ़ करोड़ रुपये तक है, को प्राकृतिक आपदा या आग के कारण नुकसान के मामलों में मुआवजा प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री व्यापारी क्षतिपूर्ति बीमा योजना 1 अप्रैल, 2023 से शुरू हो जायेगी यह सबसे सराहनीय कदम है। राज्य में गौसेवा आयोग के साथ पंजीकृत 632 गौशालाएं हैं जिनमें 4.5 लाख बेसहारा पशु हैं। गौ माता की देखभाल और सुरक्षा अच्छी तरह से हो सके इसके लिए बजट 40 करोड़ रुपये से बढ़ा कर 400 करोड़ रुपये किया गया है जो बहुत ही सराहनीय कार्य है। इसी प्रकार से युवाओं के लिए सरकार ग्रुप सी और ग्रुप–डी के लिए कॉमन पात्रता परीक्षा के माध्यम से वर्ष 2023–24 में 65,000 से अधिक नियमित पदों पर भर्ती करेगी जो युवाओं के लिए बहुत ही खुशी की बात है। इसके अतिरिक्त सरकार ने पंडित लख्मी चन्द नामक सामाजिक सम्मान योजना नाम से एक पैंशन योजना शुरू करने का फैसला किया है जिसके तहत ऐसे पात्र कलाकारों को मानदण्डों के आधार पर प्रति माह 10 हजार रुपये मासिक

सामाजिक सुरक्षा पैंशन दी जायेगी। कलाकारों के लिए यह बेहत सम्मानजनक और सराहनीय कदम है। अध्यक्ष महोदय, इस बजट की जितनी भी तारीफ की जाये उतनी कम है। पूरे सम्मानित सदन को मुख्यमंत्री जी की बहुत ही खुले दिल से तारीफ करनी चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम जी का एक कथन है कि– जिन्दगी में तोता नहीं बाज बनिए क्योंकि तोता बोलता बहुत है और उड़ता कम है जबकि बाज शांत रहता है लेकिन आसमान छूने की ताकत रखता है। यह बात मुख्यमंत्री जी पर बिल्कुल सही चरितार्थ होती है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने बहुत ही अच्छा बजट बनाया है और इसके लिए पूरा प्रदेश उनकी तारीफ कर रहा है। धन्यवाद।

श्री दुड़ा राम(फतेहाबाद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने वित्त मंत्री के रूप में जो बजट पेश किया है वह बहुत ही बढ़िया बजट है और इसमें हर वर्ग और हर क्षेत्र का ध्यान रखा गया है। वित्त वर्ष 2023–24 के लिए 1,83,950/– करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है जो पिछले साल से 11. 60 प्रतिशत अधिक है। इसका मतलब यह बजट प्रदेश के विकास का आइना है। इस बजट में पी.डब्ल्यू.डी. विभाग के लिए 5408 करोड़, बिजली के लिए 8274 करोड़, स्वाथ्य के लिए 9647 करोड़, कृषि के लिए 7342 करोड़ तथा परिवहन के लिए 4131 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इसमें स्वास्थ्य के लिए जो 9647 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है वह विशेषकर गरीबों के लिए किया गया है क्योंकि चिरायु–आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक के मुफ्त ईलाज की सुविधा मिलती है। एक गरीब आदमी के लिए यह बहुत बड़ी बात है। पहले जब गरीब आदमी हॉस्पिटल में ईलाज के लिए जाता था तो उसको बहुत दिक्कत होती थी लेकिन अब 5 लाख रुपये तक के फ्री ईलाज की सुविधा उपलब्ध हो गई है इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री

जी का बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं। जहां तक कृषि क्षेत्र की बात है तो हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां पर 14 फसलें एम.एस.पी. पर खरीदी जा रही हैं। जैसा कि मैंने कहा है कि मुख्यमंत्री जी ने इस बजट में हर क्षेत्र का ध्यान रखा है तो उसी बात को चरितार्थ करते हुए फतेहाबाद में सेम की समस्या के निदान के लिए कई करोड़ रुपये का बजट रखा गया है और फतेहाबाद में 100 ट्यूबवैल्स लगाने के लिए भी बजट का प्रावधान किया गया है, उसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इसके अतिरिक्त फतेहाबाद में पशु चिकित्सा पोलीक्लिनिक की स्थापना की गई है उसके लिए भी मुख्यमंत्री जी धन्यवाद के पात्र हैं। इस बजट में माननीय मुख्यमंत्री जी ने ग्राम पंचायतों, जिला परिषदों एवं ब्लॉक समितियों को जो 50 प्रतिशत राशन सीधे तौर पर दिया है उसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इसी तरह से वृद्धावस्था तथा विधवा पैंशन में हर साल 250 रुपये की बढ़ोतरी हो रही है और इस साल उसको बढ़ा कर 2750 रुपये मासिक कर दिया गया है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इसी प्रकार से माननीय मुख्यमंत्री जी ने सभी निर्वाचन क्षेत्रों को एक समान रखते हुए सभी 90 विधान सभा क्षेत्रों में सड़कों की रिपेयर के लिए 25–25 करोड़ रुपये दिये हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ इसलिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, खासकर के मैं मेरे हल्के की कुछ समस्याओं का जिक्र करूंगा। मेरे फतेहाबाद से भूना करीब 25 किलोमीटर दूर पड़ता है। वहां पर नगर पालिका है। मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करता हूं कि भूना को उप मण्डल का दर्जा दिया जाए जिससे टोहाना और फतेहाबाद हल्के के 40 गांवों को इसका फायदा होगा। इसी के साथ आपके माध्यम से मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से एक मांग करना चाहूंगा कि हिसार व फतेहाबाद के युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए हिसार या सिरसा जाना पड़ता है तो मेरी मांग

है कि फतेहाबाद में पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी के नाम पर एक विश्वविद्यालय बनाया जाए। इसके साथ–साथ फतेहाबाद से 25 किलोमीटर की दूरी पर भट्टू खंड है जोकि फतेहाबाद का अंग है। मेरी मुख्यमंत्री जी से और शिक्षा मंत्री जी भी यहां बैठे हुए हैं उनसे प्रार्थना है कि वहां पर तकनीकी शिक्षा के लिए एक कॉलेज की बहुत आवश्यकता है जिसके लिए वहां की पंचायत जगह देने के लिए तैयार है। अतः मेरी प्रार्थना है कि वहां पर एक तकनीकी कॉलेज खोलने का कष्ट करें। इसके अलावा फतेहाबाद से 18 किलोमीटर दूर एक बड़ोपल पुरा गांव है। मेरी मंत्री जी से प्रार्थना है कि उस बड़ोपल पुर गांव को उप तहसील का दर्जा दिया जाए ताकि लोगों को फतेहाबाद में आने की दिक्कत न पड़े। इसके साथ–साथ जो फतेहाबाद से 25 किलोमीटर दूर भट्टू में उप तहसील है उसको तहसील का दर्जा दिया जाए। इसके अलावा फतेहाबाद नगर पालिका के पास उसको बड़ा बनाने के लिए जगह नहीं है। उसके लिए मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि हुडा में बहुत सारी जगह पड़ी हुई है उसमें से कुछ जगह नगर पालिका को दी जाए। इसके साथ ही फतेहाबाद से वाया बीगड़, ढांड और सदलपुर होते हुए राजस्थान सीमा तक सड़क चौड़ी की जाए। इसके साथ–साथ फतेहाबाद हल्के के गांव भट्टू में एक छोटी सी पंचायत है। वहां डी.डी.पी. विभाग द्वारा कंट्रोल एरिया घोषित कर रखा है। मेरी आप से प्रार्थना है कि उस कंट्रोल एरिया को हटाया जाए क्योंकि वहां मकान बनाने में बड़ी भारी दिक्कत होती है। खासकर फतेहाबाद हल्के में कई जगह 5–6 करम के कच्चे रास्ते पड़े हुए हैं। मेरी आप से प्रार्थना है कि जहां पर 5 व 6 करम के कच्चे रास्ते पड़े हुए हैं उनको पक्का किया जाए। आपने मुझे बोलने का समय दिया उसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री सुभाष गांगोली (सफीदों): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया उसके लिए धन्यवाद। इस बजट के अन्दर एक प्रावधान किया गया

है कि हर ब्लॉक में जो पांच बड़े गांव हैं, उन गांवों की फिरनी के ऊपर स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। अध्यक्ष महोदय, मेरा पिल्लु खेड़ा मंडी एक कस्बा है जो चार ग्राम पंचायतों में पड़ता है। यदि बड़ी पंचायतों की बात आएगी तो वह कस्बा उसके अन्दर कवर नहीं होगा लेकिन उसकी आबादी बड़े गांवों से भी ज्यादा है। वह कालवा, भुरान, पिल्लु खेड़ा और अमरालू खेड़ा की पंचायत में पड़ता है। जामनी अड्डे से लेकर कालवा गांव तक पांच किलोमीटर तक सड़क पर बाजार है। इसी प्रकार से धड़ोली रोड पर भी पिल्लु खेड़ा तक एक–डेढ़ किलोमीटर तक सड़क पर बाजार है। उसको एक गांव की इकाई मानकर उस बाजार में स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था की जाए और हो सके तो उसके अन्दर सी. सी.टी.वी. कैमरे की व्यवस्था भी की जाए ताकि वहां के लोगों को चोरी व दूसरी वारदातों से निजात मिल सके। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं निवेदन करता हूं कि हमारे विधान सभा क्षेत्र में दो नेशनल हाई–वे जिनकी क्रोसिंग भी पिल्लु खेड़ा में ही है और एक तीसरा नेशनल हाई–वे भी हमारे पिल्लु खेड़ा से निकलता है तथा एक चौथा हाई–वे अभी पाईप लाईन में है। यह भी मेरे पिल्लु खेड़ा क्षेत्र से ही निकलना है। मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि उन हाई–वेज पर चढ़ने और उतरने की एग्जिट भी हमारे सफीदों क्षेत्र में ही है। उन हाई–वेज की क्रोसिंग भी सफीदों क्षेत्र में ही है इसलिए हमारे पिल्लु खेड़ा में एक ट्रॉमा सैंटर स्थापित किया जाए ताकि वहां जो एक्सीडैंट होते हैं उनका इलाज जल्दी से जल्दी हो सके। मैं सरकार को उसके लिए जमीन फ्री में उपलब्ध करवा दूंगा। क्योंकि माननीय मुख्यमंत्री महोदय सफीदों में पैरामैडिकल कॉलेज की घोषणा करके आये थे, लेकिन वह भी स्थापित नहीं हुआ। उसकी पूर्ति के लिये यदि हमारे यहां पर एक ट्रामा सैंटर स्थापित हो जाये तो हमारे स्थानीय लोगों को कुछ न कुछ संतुष्टि मिल जायेगी। पिल्लु खेड़ा ब्लॉक के अंदर कोई आई.टी. आई. नहीं है, उसके लिये हम जमीन उपलब्ध करवाने के लिये तैयार हैं। बुढ़ान

गांव में भी एक आई.टी.आई. व ट्रामा सैंटर स्थापित किया जाये। इसी प्रकार से जो हमारी सफीदों नगर पालिका है, उसकी खुद की इंकम का साधन कोई भी नहीं है, इसलिए सरकार की तरफ से उसको विशेष ग्रांट देनी चाहिये ताकि हमारे यहां पर विकास के काम हो सकें। इसी प्रकार से सफीदों के अंदर नदी से लेकर रेलवे स्टेशन वाया गैस एजेंसी रोड जिसको बोलते हैं, पानीपत रोड तक वह बाइपास का काम करता है, वह काफी टूटा हुआ है। उसको भी ठीक किया जाये। आज प्रदेश के अंदर सड़कों के अंदर गड्ढे नहीं हैं अपितु गड्ढों के अंदर सड़क दिखाई देती है। इसी प्रकार से सफीदों के अंदर शहर के बीचो–बीच नदी निकलती है। सफीदों के बाइपास से लेकर पानीपत रोड तक नदी की दोनों पटरियों को पक्का किया जाये। इस संबंध में माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने दिनांक 3 अप्रैल, 2022 में सफीदों में जनसभा के दौरान घोषणा की थी लेकिन आज तक उसका कोई एस्टीमेट तैयार नहीं हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस कार्य को भी कम्पलीट किया जाये। इसी प्रकार से एच.डी.एफ.सी.लि. बैंक के सामने एक नाला होता था और उसे ढकने का काम किया गया, इससे एक चौड़ा रास्ता इजात हो गया। उसके दोनों तरफ 80–90 फीट चौड़ा जो रास्ता है, उसे पक्का करने का काम किया जाये। इसी प्रकार से सफीदों के अंदर एग्रीकल्चर लैंड है। पाकिस्तान से जो हमारे भाई–बहन आये थे, जिस तरह से असंध में उनको बसाया गया था उसी तरह से उनको सफीदों में भी बसाया जाये। आज उन लोगों की जरूरत भी बन गई है। वे लोग अपने डेरों में रहते हैं लेकिन जब हम उनके काम करवाने के लिये संबंधित म्युनिसिपल कमेटी से बात कहते हैं तो म्युनिसिपल कमेटी कहती है कि यह हमारी लिमिट से बाहर है। जब हम ग्राम पंचायत की बात करते हैं तो उनकी कोई ग्राम पंचायत भी नहीं है। मैं उन डेरों के रास्ते के लिऐ पिछले तीन वर्षों से संबंधित विभागों के चक्कर काट–काट कर थक गया

हूँ। सरकार को वहां पर कोई न कोई ऐसी व्यवस्था करनी चाहिये ताकि उन डेरों के रास्ते बन सकें। वे डेरे न तो म्युनिसिपल कमेटी के एरिया में आते हैं और न ही ग्राम पंचायत के एरिया में आते हैं। जिस प्रकार से असंध के अंदर डेरों की अलग से ग्राम पंचायत है उसी तरह से इनकी या तो ग्राम पंचायत बनाई जाये या फिर म्युनिसिपल कमेटी का एरिया की लिमिट बढ़ाई जाये। जब तक यह काम नहीं होता तब तक किसी न किसी व्यवस्था के तहत इन डेरों के रास्ते को जरूर से जरूर पक्का किया जाना चाहिये। इसी प्रकार से मेरा एन.एच के बारे में भी कहना है। हमारे एरिया के अंदर एन.एच. तो निकल गये हैं लेकिन इन एन.एच. से लोगों को फायदे भी होते हैं और नुकसान भी होते हैं। हमारे जो लोकल रोड्स इंफ्रास्ट्रक्चर था, वो भी बड़े–बड़े वाहनों के गुजरने से टूटे हुए हैं। इससे कहीं न कहीं रास्तों में भी रूकावट आई है और कहीं न कहीं पानी की निकास में भी रूकावट आई है। जो नुकसान हमारा एरिया झेल रहा है उसकी एवेज में यहां पर फ्री जोन घोषित किया जाये ताकि यहां पर उद्योग धंधे स्थापित हो सके और स्थानीय बच्चों को रोजगार मिल सके। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं आपके माध्यम से इस महान सदन का ध्यान सफीदों हल्के के नागरिक अस्पताल की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ। मैं इस संबंध में हर बार सत्र के दौरान नागरिक अस्पताल में डॉक्टर्ज की कमी का मुद्दा उठाता आ रहा हूँ। एक बार तो पिछले लगभग 8 साल से नागरिक अस्पताल में दो से ज्यादा डॉक्टर्ज कभी नहीं रहे। आज की डेट में वहां 13 स्वीकृत पदों की एवेज में केवल दो ही डॉक्टर्ज काम कर रहे हैं। (घंटी) एक बार जरूर ऐसा हुआ कि माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने 6 डॉक्टर्ज की वहां पर नियुक्ति की थी लेकिन उनमें से चार डॉक्टर्ज अपनी ट्रांसफर करवा कर चले गये। हमारे नागरिक अस्पताल में डॉक्टर्ज के 13 पद स्वीकृत हैं तो कम से कम 60–70 परसेंट डॉक्टर्ज के रिक्त पद भरे जायें ताकि स्थानीय लोग अपने स्वास्थ्य का लाभ उठा

सके। प्रदेश में डॉक्टर्ज की कमी के कारण, मैं यह तो नहीं कहता कि हमारे नागरिक अस्पताल में 100 परसेंट डॉक्टर्ज के रिक्त पद भरे जायें। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट स्पीच पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। धन्यवाद।

श्री नरेन्द्र गुप्ता (फरीदाबाद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिये मैं आपका आभारी हूँ। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने बतौर वित्त मंत्री चौथा बजट और अमृत काल का पहला बजट प्रस्तुत किया है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने हर क्षेत्र के लिये निश्चित तौर पर यह बहुत ही सराहनीय बजट पेश किया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा का भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में लगभग 3.86 परसेंट का योगदान है, जो कि इसके आकार या जनसंख्या के अनुपात से कहीं अधिक है। इसके लिये माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। हरियाणा के लिये यह गर्व की बात है कि वर्ष 2022–23 में जी.एस.डी.पी. विकास दर 7.1 परसेंट रहने का अनुमान है। राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2014–15 में वर्तमान मूल्यों पर 86647 रुपये थी, जो वर्ष 2022–23 में बढ़कर 170620 रुपये होने की संभावना है, जबकि हरियाणा के लिए यह वर्ष 2014–15 में 147382 रुपये से बढ़कर वर्ष 2022–23 में 296685 रूपये होने की संभावना है। इस तरह से हम मान सकते हैं कि हरियाणा कितनी तेजी से आर्थिक उन्नति कर रहा है। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने वित्त वर्ष 2023–24 के लिये 183950 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। जो कि पिछले बजट से 11.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। बजट में पूंजीगत परिसम्पत्ति के सृजन के लिए 57879 करोड़ रुपये के परिव्यय, जोकि 31.5 परसेंट है। मेरे हिसाब से देश के सभी राज्यों का औसत लक्ष्य से परिव्यय 21.3 प्रतिशत से भी कम है। अध्यक्ष महोदय, इसके लिये हम सभी माननीय मुख्यमंत्री जी के बहुत धन्यवादी हैं। जिस प्रदेश में कैपिटल एक्सपैंडिचर होगा तो रोड

इंफ्रास्ट्रक्चर और हर तरह के क्षेत्र में विकास होगा। निश्चित रूप से उस प्रदेश की उन्नति बहुत तेजी से होगी, इसमें कोई दो राय नहीं है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने वित्त वर्ष 2023–24 के बजट में कोई भी नया टैक्स नहीं लगाया है। पूराने करों पर ही प्रदेश का बजट प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं आपके माध्यम से इस महान सदन का ध्यान पी.पी.पी. के बारे में जो माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सोच रखी है, उसके बारे में आकर्षित करना चाहता हूँ। 'परिवार पहचान पत्र' में सत्यापित डेटा के आधार पर 1.80 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या दिव्यांग होने पर सहायता प्रदान करने के लिए 'दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना' नामक एक नई योजना शुरू करने का प्रस्ताव किया है। यह योजना व्यक्ति की आयु के आधार पर सहायता प्रदान करेगी। अध्यक्ष महोदय, 6 वर्ष की आयु तक 1 लाख रुपये, 6 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष तक 2 लाख रुपये, 18 वर्ष से अधिक और 25 वर्ष तक 3 लाख रुपये, 25 वर्ष से अधिक और 40 वर्ष तक 5 लाख रुपये और 40 वर्ष से 60 वर्ष की आयु तक 2 लाख रूपये देने का बजट में प्रावधान किया है। भ्रष्टाचार में मनुष्य की दखलंदाजी जितनी कम रहेगी उतना भ्रष्टाचार कम रहेगा। इस नीति के चलते माननीय मुख्यमंत्री 'परिवार पहचान पत्र' को एक नई ऊंचाइयों पर लेकर गये हैं। इस संबंध में एक परिकल्पना की और एक पोर्टल बनाया और उसे वास्तविक रूप से धरातल पर उतारा है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार पीला राशन कार्ड बने हुए थे। जो तीन–तीन मंजिला मकानों में रहते थे और कारों में चलते थे, वे राशन लेने के लिये जाते थे लेकिन उसके बगल वाले व्यक्ति के पास कुछ भी नहीं था उसके पास पीला राशन कार्ड नहीं होने के कारण राशन नहीं मिलता था। उस समय उसके मन में शासन के प्रति बहुत ज्यादा क्रोध पैदा होता था। उसे गुस्सा इस बात का आता था कि तीन मंजिला मकान में रहने वालों को तो राशन मिल

रहा है लेकिन गरीब आदमी को राशन नहीं मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के माननीय साथी इस बात को मानेंगे कि क्या उस समय कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था कि उनके राशन कार्ड को हटवा सके? सबको न्याय मिल सके इस परिकल्पना के साथ माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने परिवार पहचान पत्र बनाया । हरियाणा में जिन परिवारों की आय 1.80 लाख रुपये प्रतिवर्ष से कम थी उनका सारा डाटा एक पोर्टल पर इकट्ठा किया गया । पहले हम जो 15.50 लाख लोगों को राशन दे पाते थे आज उस डाटा के आधार पर हम 29.50 लाख परिवारों को सरकारी राशन दे पा रहे हैं । जनसंख्या की दृष्टि से वे एक करोड़ से भी ज्यादा लोग होते हैं । इसे एक पारदर्शी सिस्टम कहते हैं । इससे हम समाज के गरीब वर्ग के जीवन स्तर को ऊंचा उठाएंगे । हमारी सरकार की सोच गरीब वर्ग को सामाजिक दृष्टि से और शिक्षा की दृष्टि से ऊपर उठाने की है । यह कार्य माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने 'परिवार पहचान पत्र' के माध्यम से किया है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक और बड़ी बात बताना चाहता हूं । केन्द्र सरकार की 'आयुष्मान योजना' 1.20 लाख रुपये प्रतिवर्ष की आय के परिवारों के लिए थी । इस योजना का लाभ पहले केवल साढ़े 14 लाख से 15 लाख परिवार ले पा रहे थे लेकिन अब परिवार पहचान पत्र के द्वारा 'आयुष्मान योजना' का लाभ लेने वाले परिवारों की संख्या 29.50 लाख हो गई है । इसके लिए हम कैम्प्स लगाते हैं । जब हम उन परिवारों को कार्ड के रूप में एक योजना का लाभ देते हैं तो उनके चेहरों पर आने वाली खुशी देखते ही बनती है । भगवान न करे कि उनके परिवार का कोई सदस्य कभी बीमार हो लेकिन पहले जब वे बीमार होते थे तो वे लोग अपना बेहतर इलाज करवाने के लिए सोच भी नहीं सकते थे । आज जब कोई परिवार एक साथ 8–8 कार्ड लेकर जाता है तो उनके चेहरे पर चमक देखते ही बनती है । एम.एस.एम.ई. के लिए बजट में जो 1442 करोड़ रुपये आबंटित किये गए हैं इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री

महोदय का आभार व्यक्त करता हूं । जो एरिया इंडस्ट्रियल जोनल क्षेत्र में है माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने उनको रैगुलराइज करने के लिए घोषणा की हुई है । उसके लिए सर्वे भी हो चुका है । अतः इस कार्य को जल्द–से–जल्द पूरा किया जाए । इस समय माननीय शिक्षा मंत्री जी सदन में बैठे हुए हैं । मेरे क्षेत्र की 'भारत' कॉलोनी में एक स्कूल के लिए मेरी डिमांड है । वहां पर एक लाख से भी ज्यादा लोग रहते हैं । वहां पर कोई भी स्कूल नहीं है । मेरे क्षेत्र में हाइवे बनने की वजह से मेरा विधान सभा क्षेत्र दो हिस्सों में बंट चुका है । अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद ।

मोहम्मद इलियास (पुन्हाना) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत शुक्रिया । मेरे से पहले जितने भी सदस्य बजट पर बोलें हैं उन सभी ने अपने–अपने तरीके से बजट की व्याख्या की है । इससे मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि पक्ष और विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों ने बजट में कहीं–न–कहीं त्रुटि निकालने की कोशिश की है । इसे उन्होंने साबित किया है । माननीय सदस्यों ने हर वर्ग के बारे में सदन में बात रखी है फिर चाहे वह किसान की बात हो, शिक्षा की बात हो, हैल्थ की बात हो, पी.डब्ल्यू.डी. की बात हो, इरीगेशन की बात हो या फिर किसी भी विभाग की बात हो । इससे मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सदन में जो बजट पेश किया है यह सौ फीसदी निराशाजनक बजट है । अब मैं अपने हल्के की कुछ समस्याएं सदन में रखना चाहता हूं । सरकार ने हमारे अरावली के साथ–साथ एक सफारी पार्क स्थापित करने की बात कही है । सरकार ने बजट में इसका प्रावधान भी किया है या नहीं मुझे इसकी ज्यादा नॉलेज नहीं है । शायद बजट में इसका प्रावधान किया गया है । मैं कहना चाहता हूं कि बजट तो पहले फिरोजपुर–झिरका से नूँह तक के रोड को फोरलेन

करने के लिए भी रखा था । इसी तरह बजट तो वर्ष 2021–22 में बाइपास पिनगवां और पुन्हाना के लिए भी रखा गया था । बजट रखना काम होने की कोई श्योरिटी नहीं मानी जाएगी क्योंकि हमारे साथ यह काम दो दफा हो चुका है । अतः हम केवल बजट रखने से काम होने की बात पर कैसे विश्वास करें ? बहरहाल चलिये, यह तो सरकार का काम है । हमारे सामने जो मुख्य समस्या है उसके विषय में मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि हम उस देश के निवासी हैं जिस देश ने कभी किसी देश की गुलामी को कबूल नहीं किया और मुसलमानों की मेव कौम ने भी कभी किसी देश की गुलामी को कबूल नहीं किया । जब वर्ष 1947 में देश का बंटवारा हो रहा था तो उस समय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी मेवात में गये थे । उन्होंने मेवों को घासेड़ा गांव में इकट्ठा किया था । उन्होंने कहा था कि आप अपने काफिले को रोक दो और आप लोग पाकिस्तान में मत जाओ । आप हमारे भाई हैं, आप हिन्दुस्तान की रीढ़ की हड्डी है । उनकी उस बात पर हमारे पूर्वजों ने फूल चढ़ाया । अध्यक्ष महोदय, आज हमारे साथ क्या हो रहा है ? करीबन एक साल में बजरंग दल के लोगों ने हमारे सात लोगों को मौत के घाट उतार दिया है । अभी 15 फरवरी, 2023 को राजस्थान के घाटमीका गांव से आदमियों को उठाकर लाया गया और हरियाणा के भिवानी में उनको कार में जिन्दा जलाने का काम किया गया । स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहूंगा कि इसमें हमारा गुनाह क्या था ? जब–जब यहां पर विदेशी शासक आये थे तो हमने उनका साथ नहीं दिया। जबकि वे मुसलमान ही थे। हमने अपने देश का साथ दिया। जब यहां पर बाबर के साथ राणा सांगा की लड़ाई हुई तो हमने राणा सांगा का साथ दिया था। हमने बाबर का साथ नहीं दिया। जबकि उसने हमारे पूर्वजों को यह लालच दिया था कि वह भी मुसलमान है और तुम भी मुसलमान हो। लेकिन उन्होंने उस वक्त भी उसकी बात नहीं मानी। जब हम पाकिस्तान में

जा रहे थे तो गांधी जी ने कहा था कि यह तुम्हारा पैतृक देश है और पाकिस्तान तुम्हारा देश नहीं है। इस प्रकार हमने पाकिस्तान को नहीं चुना बल्कि हिन्दुस्तान को चुना था लेकिन अध्यक्ष महोदय आज बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि जिन दो युवकों की हत्या हरियाणा में की गई उस बात को एक महीना होने के बाद भी गुनहगारों को नहीं पकड़ा गया है। फिर चाहे उनमें मोनू था या जिन 8–10 लोगों के नाम एफ.आई.आर. में दर्ज थे, वे हैं। हमने किसी का नाम एफ.आई.आर. में दर्ज नहीं करवाया बल्कि उनके नाम तो एफ.आई.आर. ही बता रही थी। हमने पहले भी एक यह बात रखी थी कि कृपा करके संबंधित लोगों को गिरफ्तार करें। फिर चाहें उनमें कोई भी दोषी हो। हमारा इस बात से कोई लेना–देना नहीं है कि कौन दोषी है और कौन दोषी नहीं है? मेहरबानी करके उनको गिरफ्तार करवाएं। इसमें हरियाणा सरकार भी इसलिए बाध्य होती है कि वे हरियाणा प्रदेश से जाकर राजस्थान से लोगों को उठाकर लाये थे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह मांग भी करता हूं और गुजारिश भी करता हूं। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने हमारे 7 आदमियों को मार दिया, लेकिन हमारी नीयत आज भी उन्हें मारने की नहीं है और न ही उन्हें आगे मारने की नीयत है। हमारे मेवात में आज तक कभी हिन्दू– मुसलमान का झगड़ा नहीं हुआ है। आप रिकार्ड उठाकर देख लें। हमारे इलाके में इस प्रकार का झगड़ा नहीं हुआ है। ये बजरंग दल के लोग हैं और गाय तो इनका बहाना है, वोट लेना इनका निशाना है। ये सिर्फ वोट लेने के लिए ये काम करवा कर रहे हैं। यहां पर आज भी हमारे हिन्दू–मुसलमान प्यार से रहते हैं और एक थाली में खाते हैं। एक– दूसरे के सुख–दुख में साथ रहते हैं। क्या हम उस काम को नहीं कर सकते? हम भी उस काम को कर सकते हैं। लेकिन हम ऐसा करना नहीं चाहते। इसलिए अब हम भी ऊब चुके हैं। सरकार हमारे सब्र को कायरता क्यों समझ रही है? यह सरकार हमारे सब्र और तहजीब को कायरता क्यों समझ रही है? अब तक हम

देश और प्रदेश के लिए मरे हैं। अगर जिस दिन हम अपने लिए मरने पर आ गये तो क्या होगा? हम तो अब भी मर रहे हैं। इसलिए हम अपनी इफाजत करेंगे क्योंकि हम तो अब भी मर रहे हैं और तब भी मर जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से गुजारिश है कि अगर आइन्दा से बजरंग दल वालों की यही हरकत रही तो मैं यह समझता हूं कि सैशन के बाद वहां की हिन्दू– मुसलमान की पंचायत करेंगे और सब मिलकर एकता का प्रतीक बनाएंगे और शांति की कसम खाएंगे। अगर इसके बाद वहां पर कोई इस तरह की हरकत करने गया तो उसकी ऐसी हालत होगी कि वे लोग खटपावड़ी में भी नहीं आ पाएंगे। उनके पैरों पर तो चलने की बात दूर रही। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप सरकार तक हमारी यह मांग पहुंचवा दें। आपकी बड़ी मेहरबानी होगी। अध्यक्ष महोदय, आप उनको गिरफ्तार करवा दें।

श्री अध्यक्षः इलियास जी, आपके बोलने का समय पूरा हो चुका है। प्लीज, अब आप बैठ जाएं।

श्री लक्ष्मण सिंह यादव (कोसली): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा पेश किये गये बजट पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। वैसे तो यह बजट हर वर्ग को छू रहा है और यह हरियाणा प्रदेश को ऊचाईयों पर ले जाने वाला बजट प्रस्तुत हुआ है। इसके लिए मैं अपनी बात 4–5 लाईनें कहकर शुरू करता हूं कि–

बुजुर्गों का सम्मान है इसमें.....!
महिलाओं का मान है इसमें....!
बजट खास–विश्वास सभी का,
केन्द्र में नौजवान हैं इसमें....!
खेत और खलिहान है इसमें.....!
खुशहाल किसान हैं इसमें.....!

नगर नगर और गांव इसमें.....!

सब का पूरा ध्यान है.....!

इसमें.....!

शिक्षा और स्वास्थ्य है इसमें.....!

परिवहन की उड़ान है

इसमें.....!

वीरों का गौरव है इसमें.....!

शहीदों का जयगान है

इसमें.....!

नीति और नीयत है इसमें.....!

नेता की पहना है इसमें.....!!

यह बजट निखरते हरियाणा प्रदेश की आस है। यह बजट जन–जन का विश्वास है।

हर वर्ग का रखा गया है ख्याल इसमें।
बजट में सबका साथ, सबका विकास है।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि इस बजट में ऐसी अनेक चर्चाएं हुई हैं और हमेशा से ही रोजगार को लेकर चिंता व्यक्त की जाती रही है इस बार बजट में रोजगार को लेकर स्पैशल बजट का प्रोविजन किया गया है क्योंकि आपने देखा होगा कि हरियाणा प्रदेश में जब से हमारी सरकार बनी है बिना पर्ची और बिना खर्ची के 1 लाख 10 हजार युवाओं को परमानेंट नौकरी देने का काम किया है, उसी तरह से 1 लाख से ज्यादा युवाओं को डी–ग्रुप में लगाने का भी काम किया है। यह भी एक रिकॉर्ड है अगर आप पिछली सरकारों का इतिहास उठायेंगे और इसको आप तुलनात्मक दृष्टि से देखेंगे तो लगेगा कि इस 8 साल में नौजवान युवाओं को ईमानदारी के रूप में नौकरियां मिली हैं

वरना तो सरकारी नौकरियां क्षेत्रवाद में सिमटकर रह जाती थी। जहां तक ग्रुप–सी और ग्रुप–डी की बात है तो सरकार कॉमन पात्रता परीक्षा के माध्यम से बजट में 65000 लोगों को स्थाई नौकरी देने का प्रोविजन करने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने बजट में 2 लाख बेरोजगार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 250 करोड़ रुपये का प्रोविजन किया है। जहां तक युवाओं के लिए स्टार्ट–अप की बात है जैसे मेरे साथी विधायक श्री राकेश दौलताबाद ने कही है कि सभी को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती है। हमारी सरकार ने इन्डस्ट्रीज को भी बढ़ावा देते हुए आज आप देखेंगे कि युवाओं को स्टार्ट–अप स्थापित करने हेतु बैंकों और वित्तीय संस्थानों के सहयोग से वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना की है। जिसमें वेंचर कैपिटल फंड के लिए 200 करोड़ रुपये का कोष बनाया है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हमारी सरकार द्वारा युवाओं को कौशल सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री कौशल मित्र फेलोशिप योजना शुरू की जायेगी। हर वर्ष 5000 लोगों `को प्रशिक्षण देने के लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में कौशल केन्द्र स्थापित करने का काम भी किया जायेगा। कौशल विकास के लिए 50 राजकीय विद्यालयों और पोलिटैक्नीक संस्थानों में कौशल स्कूल शुरू किये जायेंगे। इलैक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए मानेसर में एक उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किया जायेगा। इसके अलावा 6 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवारों के युवाओं को फॉरेन लैंग्वेज सर्टिफिकेट टैस्ट का खर्च भी सरकार वहन करेगी। इसमें मेरा निवेदन यह है कि मुझे पिछले दिनों दो कॉलेजों कोसली और रेवाड़ी जाने का अवसर प्राप्त हुआ था। जब मैं वहां पर गया और मैंने उनसे पूछा कि आपने कितने नौजवानों के पासपोर्ट बनाये हैं, जो आजकल ऑनलाइन बनाये जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, पहले भी आपने देखा होगा कि पासपोर्ट बनाने में वर्षों लग जाते थे क्योंकि पासपोर्ट बिना दलाल के नहीं बनता था लेकिन

आपको यह सुनकर ताज्जुब होगा कि कोसली कॉलेज में 450 बच्चों के पासपोर्ट बनाने का काम हमारी सरकार ने किया है। इसी तरह रेवाड़ी कॉलेज में भी आप देखेंगे तो वहां पर भी 500 बच्चों के पासपोर्ट बनाने का काम हमारी सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदय, मेरा इसमें यही कहना है कि हमारे बच्चों को विदेशी लैंग्वेज सिखाना बहुत जरूरी है। इसमें जिन परिवारों की 6 लाख रुपये तक की वार्षिक आय रखी है इसमें मेरा यह कहना है कि वार्षिक आय को हटाकर सभी वार्षिक आय वाले परिवारों के बच्चों को विदेशी लैंग्वेज सिखाने का काम किया जाये क्योंकि अब वो जमाने चले गये हैं, जब कहा जाता था कि हमें इंजीनियर के घर जाना है तो कहते थे कि आप 5 किलोमीटर उधर चले जाओ, 2 किलोमीटर इधर चले जाओ और फिर लास्ट में जाकर 3 किलोमीटर पर पूछ लेना जबकि आज की स्थिति इससे बिल्कुल भिन्न है। अगर आज पूछा जाये कि हमें इंजीनियर के घर के जाना है तो कहा जाता है कि किसी के भी घर की घंटी बजा लो उसमें इंजीनियर निकलकर आयेगा। आज हमारा एजुकेशन का स्टैंडर्ड बढ़ा है। आज हर जगह हमारे पी.एच.डी. के बच्चे बैठे हुए हैं इसलिए इन बच्चों को विदेशी लैंग्वेज नहीं सिखायेंगे तो हमारा सपना विश्व गुरू बनाने का अधूरा रह जायेगा। जब हमारे बच्चे विदेशों के चारों कोनों में जायेंगे और वहां पर अपना वर्चस्व दिखायेंगे तो निश्चित रूप में हमारा विश्व गुरू का सपना भी साकार होगा। अध्यक्ष महोदय, सरकारी आई.टी.आई. में प्रवेश लेने वाली 3 लाख रुपये वार्षिक से कम पारिवारिक आय वाली हर लड़की को 2500 रुपये वित्तीय सहायता देने का काम किया है। हरियाणा कौशल रोजगाार निगम प्राईवेट सैक्टर में जनशक्ति की नियुक्ति करने का काम किया जायेगा। इसी तरह से इस बजट को देखकर मैं कह सकता हूं कि जो युवाओं के लिए मेरी सरकार ने किया है कि

संघर्षों के साए में इतिहास हमेशा पलता है,
जिस और जवानी चलती है उस और जमाना चलता है।

अध्यक्ष महोदय, यह बजट काबिले तारीफ है, इसमें कोई दो राय नहीं है। अंत में मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र में भी बारिश और ओलावृष्टि के कारण सरसों और गेंहू की फसल का बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। आज भी बादल छाये हुए हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि इन फसलों की तत्काल गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा देने का काम किया जाये।

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, मुझे कहा गया था कि आपको कल सुबह बोलना है। इसलिए मैं अपनी बात सदन में कल कहूंगा।

श्री अध्यक्षः ठीक है गौतम जी, आप अपनी बात सदन में कल सुबह रख लेना।

श्री राम कुमार गौतमः धन्यवाद अध्यक्ष जी।

.....

विधायी कार्य

(क) विचार तथा पारित किए जाने वाले विधेयक

1. हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब सदन में माननीय शहरी स्थानीय निकाय मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे–

कि हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डॉ. कमल गुप्ता): अध्यक्ष महोदय मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं–

कि हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए।

श्री वरुण चौधरी (मुलाना): अध्यक्ष महोदय, इस बिल के सब–सैक्शन 3, 4 और 5 को ओमिट किया जा रहा है जो बताता है कि किसी भी कारपोरेशन में वार्डबंदी किस प्रकार से होनी चाहिए। सैक्शन 6 का सब–सैक्शन 3 कहता है कि वार्ड का एरिया जियोग्राफिकली कैम्पैक्ट होना चाहिए। सैक्शन 6 का सब–सैक्शन 4 वार्ड की जनसंख्या के बारे कहता है कि एक वार्ड से दूसरे वार्ड के अन्दर जो फर्क होता वह 10 प्रतिशत से ज्यादा का नहीं होना चाहिए। सर, सैक्शन 6 का सब–सैक्शन 5 कहता है कि जो आरक्षण है चाहे वह अनुसूचित जाति का हो अथवा बकवर्ड क्लास का हो वह उन वार्ड्स में मिले जहां उनकी जनसंख्या अधिक हो। सर इनमें गलत क्या है ? सर, इन तीनों सब–सैक्शंस को हटाया जा रहा है और ये कहा जा रहा है कि जो ऑब्जेक्शंज/रिजनंस है हम सैंसस को न मानकर परिवार पहचान पत्र के डेटा को मानेंगे और उस प्रकार से वार्डबंदी करेंगे। सर, जब वार्डबंदी के लिए सब–सैक्शंज 3, 4 तथा 5 बता रहे हैं कि वार्ड एक जैसे होने चाहिएं, बराबर के होने चाहिएं, जनसंख्या में फर्क नहीं होना चाहिए, फिर उन्हें हटाने की क्या आवश्यकता है, इन्हें नहीं हटाया जाना चाहिए।

डॉ. कमल गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि ये जो नियम सरकार संशोधन के लिए लायी है, इसमें इतनी बात नहीं है। इसमें अन्तर केवल इतना है कि पहले जब भी किसी निगम की जो बाउंड्री है या तो वह इंक्रीज हो या डिक्रीज हो तो वहां की पॉपुलेशन की गिनती है वह पहले नियम के हिसाब से डोर टू डोर जाकर गिनने का प्रावधान है लेकिन सरकार जो अमैंडमैंड लायी है जिसके सरकार ने 14.11.2022 को

रूल्स बदल भी दिये हैं, तो अब सरकार ने इतना ही कहा है कि अब वह गिनने की जगह 14.11.2022 को जो रूल्स बनाये हैं उनके हिसाब से सारी गणना होगी। उसमें सरकार ने डेफिनेटली परिवार पहचान पत्र जिसके ऊपर सरकार ने बड़े–बड़े और काम उसमें चाहे बी.पी.एल. का काम हो अथवा चिरायु का हो या कितना ही बड़ा काम हो सरकार ने परिवार पहचान के ऊपर डिपेंड करके किया है। इसलिए जो जनसंख्या काउन्ट करने का काम है इसके लिए घर–घर न जाकर के परिवार पहचान पत्र के हिसाब से किया जाए इतना बदलाव किया है।

श्री वरुण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि इसमें सैक्शन 6 के सब–सैक्शंज 3, 4 तथा 5 को क्यों हटाया जा रहा है? इसके अन्दर साफ प्रावधान है कि चाहे सरकार ने जनसंख्या का आधार कुछ भी बनाया हो वह अलग है लेकिन बराबर के वार्ड तो बनें उनको क्यों हटाया जा रहा है?

डॉ. कमल गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि वार्डबंदी के बारे में इसमें कोई बदलाव नहीं है।

श्री वरुण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि इसमें सैक्शन क्यों बदल रहे हैं।

डॉ. कमल गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि सैक्शन जो बदल रहे हैं उसमें काउन्टिंग का जो तरीका है, वह बदल रहे हैं।

श्री वरुण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि ऐसा नहीं है। मैं सैक्शन 6 का सब–सैक्शन 3 पढ़ देता हूं आप एनैक्सचर में देंखे। सर, एनैक्सचर में Section 6(3) कहता है कि –

> "Wards shall, as far as practicable, be geographically compact areas, and having regard to physical features, existing boundaries of administrative units, if any, facilities of communication and public convenience."

सर, इसको हटाया जा रहा है। सर, Section 6(4) कहता है कि –

> "The population of each ward, as far as practicable, should be the same throughout the Corporation with a variation upto 10 percent above or below the average population per ward."

सर, इसे भी हटाया जा रहा है।

Section 6 (5) of the Haryana Municipal Corporation Act, 1994 says-

> "Wards reserved for the members of Scheduled Castes and Backward Classes shall, as far as practicable, be located in those areas where the proportion of their population to the total population of the Corporation is the largest."

सर, इसको भी हटाया जा रहा है। मेरा यह कहना है कि इन प्रावधानों को क्यों हटाया जा रहा है क्योंकि ये तो ठीक प्रावधान हैं।

श्री नीरज शर्मा (फरीदाबाद, एन.आई.टी.) : अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से डोर–टू–डोर सर्वे को भी हटाये जाने की बात की जा रही है। यह बहुत गलत है क्योंकि अभी फरीदाबाद में नगर निगम के चुनावों को लेकर वार्डबंदी हुई। उसके अंदर चुनाव आयोग ने बहुत सख्त चिट्ठी लिखी। भले ही वह कागजों में डोर–टू–डोर सर्वे था क्योंकि वह हकीकत में नहीं हुआ। अगर सरकार डोर–टू–डोर सर्वे का कांसैप्ट ही खत्म कर देगी तो वार्डबंदी के अंदर बहुत विषमतायें आयेंगी इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि सरकार कृपया करके डोर–टू–डोर सर्वे करवाकर ही वार्डबंदी करवाये ताकि हकीकत की जनसंख्या के बारे में पता चल सके क्योंकि वार्डबंदी में नगर निगमों के बाहर ऐसी भी चीजें आई हैं कि वह एरिया नगर निगम का भी नहीं है पर आनन–फानन में उसको नगर निगम में जोड़ दिया गया। भले ही उस समय वार्डबंदी करने वाले लोगों ने कहा कि हमने डोर–टू–डोर सर्वे किया है। जब सरकार डोर–टू–डोर सर्वे का कांसैप्ट ही खत्म कर देगी तो किसी प्रकार के ऑब्जैक्शन की भी गुंजाईश नहीं बचेगी। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मेरा सरकार से अनुरोध है

कि डोर–टू–डोर सर्वे के कांसैप्ट को तो रखा ही जाये जिससे एक सही जानकारी सरकार के समक्ष आये और लोगों की सुविधा के हिसाब से काम हो।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य वरूण जी ने जो बताया वह कहीं नहीं मिल रहा है। क्या सब्स्टीचुएशन है यह देख लेते हैं। इसमें तो केवल इतना ही लिखा है कि-

> "For Section 6 of the Haryana Municipal Corporation Act, 1994, the following section shall be substituted, namely:-
>
> 6. Fixation of seats of Corporation.—(1) The total number of seats shall be fixed by the Government in such manner, as may be prescribed."
>
> इसके बाद सैकिण्ड सब–सैक्शन है -
>
> "(2) For the purpose of election of members, the Municipal area shall be divided into ward in such manner, as may be prescribed.".
>
> इसमें और तो कुछ नहीं है।

श्री भारत भूषण बतरा (रोहतक) : अध्यक्ष जी, इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि जो सब्स्टीच्यूट में लिखा हुआ है तो आप इसको क्लैरीफाई कीजिए the amendment is not in order. यह तो इन–ऑर्डर है ही नहीं। इन्होंने कहा कि सैक्शन–6 सब्स्टीच्यूट हो जायेगा। तो ये सैक्शन–1,2,3 और 4 कहां जायेंगे? इसमें लिखा है कि –

"section shall be substituted..." It applies omission. यह तो Undemocratic है। ऐसा करके तो सरकार सारे के सारे सिस्टम को ही फैल्योर की तरफ ले जा रही है। अब रूल्ज प्रैसक्राईब्ड होंगे क्या होंगे, क्या नहीं होंगे, why it is so? Either the amendment should be brought again. इसमें दोबारा से अमैंडमैंट लाई जाये।

डॉ. कमल गुप्ता : अध्यक्ष जी, सब–सैक्शन 2,3, व 4 का प्रावधान पहले ही वार्डबंदी के नियमों में है जोकि वार्डबंदी के नियम–7 में है। तो it is already there.

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष जी, सैक्शन–6 मंत्री जी ने सब्स्टीच्यूट कर दिया। पुराने सैक्शन–6 का क्या हुआ?

डॉ. कमल गुप्ता : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य जो बात कह रहे हैं वह नियम–7 में वार्डबंदी की डिस्क्रिप्शन ऑलरेडी है। यह वहां पर है। हमने उसको नहीं हटाया है।

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष जी, हम सैक्शन–6 की बात कर रहे हैं। सरकार ने लिखा है कि सैक्शन–6 सब्स्टीच्यूट होगा।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष जी, पहले सैक्शन–6 के पांच हिस्से किए हुए थे। अब उन पांच हिस्सों के बजाये एक ही टोटल मिलाकर सैक्शन 6 (1) इसी को चेंज किया जा रहा है। बाकी वो as it is रहेंगे बाकियों में कोई दिक्कत नहीं है।

श्री वरूण चौधरी : अध्यक्ष जी, सब्स्टीच्यूट का मतलब ही यह है कि पहले वाला हटा गया और अब नया आ गया।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष जी, इसमें एक अमैंडमैंट की जा सकती है। सैक्शन–6 सब–सैक्शन–1 इसको लिखकर के सब्स्टीच्यूट कर देते हैं। जो सैक्शन 6 (1) है उसी को बदला जायेगा इतना ही लिख देते हैं कि 'Section 6 (1) will be substituted' यह अमैंडमैंट कर देते हैं।

.....

हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 को स्थगितकरण करना

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डॉ. कमल गुप्ता) : अध्यक्ष जी, हम ऐसा कर लेंगे लेकिन मेरा यह भी कहना है कि जो माननीय सदस्य बात कह रहे हैं it is already existed in rule 7. सभी माननीय सदस्यों को उसको पढ़ लेना चाहिए। इसके साथ ही साथ जैसी कि सभी माननीय सदस्यों की राय है मैं आदरणीय अध्यक्ष जी से इस बिल को कल तक के लिए डैफर करने की अनुमति की मांग करता हूं।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, अनुमति प्रदान की जाती है और हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 को कल तक के लिए स्थगतिकरण किया जाता है।

.....

विधायी कार्य(पुनरारम्भ)

1. **पंडित लख्मी चंद राज्य प्रदर्शन और दृश्य कला विश्वविद्यालय, रोहतक (संशोधन) विधेयक, 2023**

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब माननीय उच्चतर शिक्षा मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि पंडित लख्मी चंद राज्य प्रदर्शन और दृश्य कला विश्वविद्यालय, रोहतक (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए।

उच्चतर शिक्षा मंत्री (पंडित मूल चन्द शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं –

कि पंडित लख्मी चंद राज्य प्रदर्शन और दृश्य कला विश्वविद्यालय, रोहतक (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि पंडित लख्मी चंद राज्य प्रदर्शन और दृश्य कला विश्वविद्यालय, रोहतक (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए ।

श्री जगबीर सिंह मलिक(गोहाना): अध्यक्ष महोदय, इसमें पंडित शब्द पर किसी को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए। पंडित तो विद्वान होता है इसलिए इसमें पंडित शब्द ही रहना चाहिए। पंडित तो सही शब्द है इसलिए पंडितों पर कुठाराघात नहीं होना चाहिए। अगर आप दादा लख्मी चंद लिखना चाहते हैं तो वह भी लिख दिया जाये लेकिन पंडित शब्द नहीं हटाया जाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः मलिक साहब, इस बिल में तो पंडित ही लिखा हुआ है और पंडित लख्मी चंद ही इस विश्वविद्यालय का नाम रहेगा।

श्री नीरज शर्मा(फरीदाबाद एन.आई.टी.): अध्यक्ष महोदय, पंडित शब्द किसी जाति विशेष के लिए नहीं होता है। पंडित शब्द का अर्थ बहुत व्यापक है और यह एक सम्मान सूचक शब्द है। रामायण में भी पंडित शब्द का वर्णन आता है। रामायण में महाराजा दशरथ को भी पंडित की उपाधि दी गई है और कहा गया है कि महात्मा तुम पंडित ज्ञानी हो। किसी ब्राहम्ण को प्यार में 36 बिरादरी के लोग दादा कह देते हैं लेकिन पंडित शब्द से विद्वता झलकती है। पंडित लख्मी चंद जी बहुत विद्वान, पढ़े–लिखे और सूझबूझ वाले व्यक्ति थे इसलिए पंडित शब्द नहीं हटाया जाना चाहिए। अगर सम्मान के तौर पर आप उसमें दादा लख्मी चंद लिखना चाहते हैं तो साथ में पंडित भी लगा दिया जाये लेकिन पंडित शब्द को हटाया नहीं जाना चाहिए।

पंडित मूल चन्द शर्मा: अध्यक्ष महोदय, दादा लख्मी चंद जी विद्वान और ज्ञानी थे और वे हमारे फरीदाबाद के भांजे थे। वे हीरापुर गांव के भांजे थे और मैं भी उसी गांव का भांजा हूं। वे विद्वान थे यह बात ठीक है लेकिन पूरे प्रदेश में वे दादा लख्मी चंद के नाम से प्रसिद्ध थे इसलिए उनके नाम से जो यूनिवर्सिटी है उसका नाम दादा लख्मी चंद विश्वविद्यालय होना चाहिए।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): ठीक है, इसमें दादा और पंडित दोनों को रखा जा सकता है।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न है–

कि पंडित लख्मी चंद राज्य प्रदर्शन और दृश्य कला विश्वविद्यालय, रोहतक (संशोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए।

.....

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अगर हाउस की सहमति हो तो सदन की बैठक का समय 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए ?

आवाजें : ठीक है, जी ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, सदन का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है ।

————————

विधायी कार्य (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : अब सदन विधेयक पर क्लॉज–बाई–क्लॉज विचार करेगा।

क्लॉजिज 2 से 5

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि क्लॉजिज 2 से 5 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

क्लॉज 1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि क्लॉज 1 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

इनैक्टिंग फॉर्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि इनैक्टिंग फॉर्मूला विधेयक का इनैक्टिंग फॉर्मूला हो।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

टाइटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि टाइटल विधेयक का टाइटल हो।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्ष : अब उच्चतर शिक्षा मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए।

उच्चतर शिक्षा मंत्री (श्री मूल चन्द शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं–

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि विधेयक पारित किया जाए।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

(विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुआ।)

.....

3. हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2023

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब माननीय कृषि मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं–

कि हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए।

श्री भारत भूषण बतरा (रोहतक) : अध्यक्ष महोदय, हमें यह बताया जाए कि ट्रांसफरेबल, डिवैल्पमैंट राईट्स सर्टिफिकेट आदि किस टाईप का सर्टिफिकेट है, किस टाईप के राईट्स हैं? हम एक्ट में अमेंडमैंट कर रहे हैं। हमें इसके बारे में पता तो लगे अगर कोई पूछे कि विधान सभा में क्या एक्ट पास किया है उसके बारे में हमें पता ही न हो कि यह क्या है, क्या नहीं है, हम क्या बताएंगे?

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल) : अध्यक्ष महोदय, जो सड़कें बनती हैं उसके लिए कोई जमीन देता है तो उसका टी.डी.आर. मिलता है। उस टी.डी.आर. का खरीदने और बेचने का एक ऑनलाईन इंस्ट्रूमैंट तैयार कर रहे हैं। अगर किसी ने सड़क के लिए कोई जमीन दे दी और उसके पास टी.डी.आर है तो उस जमीन का जो खरीदने वाला है वह डिपार्टमैंट के थ्रू उस जमीन को खरीदेगा। उसके लिए यह ऑनलाईन इंस्ट्रूमैंट तैयार कर रहे हैं। किसान जमीन में पैसा नहीं लेता है। उसके लिए किसान को एफ.ए.आर. मिलता है और उस एफ.ए.आर. को बेचने का एक इंस्टरूमैंट तैयार किया है। मानलीजिए

आपकी जमीन सड़क पर है तो आपने वह जमीन हुडा को दे दी और उस जमीन के बदले में आपको 10 हजार फीट, 20 हजार फीट, 30 हजार फीट एफ. ए.आर. मिला है उस एफ.ए.आर. को आप कहां बेचने जाएंगे उसके लिए एक ऑनलाईन इंस्ट्रूमैंट तैयार किया है।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, इसमें ऐसा होता है कि जब भी कोई एरिया अण्डर डिवैल्पमैंट होता है लोग उसके लिए जमीनें खरीदते हैं, उसका लाईसैंस लेते हैं। जो जमीन वे खरीद लेते हैं उस सारी जमीन का वे लाईसैंस ले लेते हैं लेकिन जो बीच की रोड्ज की जगह होती है तो वे रोड्ज टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग को बनाकर देनी होती है। वह जगह किसान के पास रह जाती है। अब अगर वह सारी जमीन ली जाती तो उस पर सैक्टर बनाया जाता और जब सैक्टर बनता है तो वह जमीन एच.एस.वी.पी. के पास आ जाती है। अब प्राईवेट बिल्डर्ज अपने–अपने लाईसैंस लेकर टावर खड़े कर लेते हैं। रास्ते की जगह गवर्नमैंट को मिलती नहीं है और एक बहुत महंगी होने की वजह से उसको एक्वायर करना मुश्किल हो जाता है और एन्हांसमैंट आदि उसमें कई झमेले होते हैं। ऐसी जमीन गुरूग्राम में भी बची हुई हैं। या डिवैल्पमैंट ज्यादा होगी इसलिए किसान वह जमीन बेच नहीं रहे हैं। हमने उसको ट्रांसफरेबल डिवेल्पमैंट राइट्स का एक ऑफर दिया जिसके तहत प्रावधान किया गया कि वह जो जमीन हमें देगा उसके बदले हम उसको एक ट्रांसफरेबल डिवेल्पमैंट राइट देंगे। जिसे वह बाजार में बेच सकता है और जो उसको खरीदेगा और चूंकि इसमें एफ.ए.आर. का एक प्रावधान भी मौजूद है, के ध्यानार्थ खरीददार, दूसरी जगह पर जाकर, उतने ही एरिया का एफ.ए.आर. भी बढ़ा सकता है। यह ट्रांसफरेबल है और वैल्यू के हिसाब से इसको ट्रांसफर करने का काम किया जाता है। ऐसा करने से रास्ता सरकार के नाम आ जायेगा और फिर यह रास्ता बनाकर उनको दे दिया जायेगा। अभी जैसा कि सब जानते हैं कि जमीनें बहुत

महंगी हो गई हैं। अभी तक जो यह ट्रांसफरेबल राइट्स हैं, केवल उसी सैक्टर में यूज करने के लिए दिया जाता था, लेकिन उस सैक्टर में यदि उसका खरीददार नहीं है और किसान टी.डी.आर. नहीं लेता है तो जमीन उसी के पास ही रहेगी क्योंकि जितनी कीमत वह अपनी जमीन की मांगता है, उतना सरकार दे नहीं सकती क्योंकि आज कल तो 20–30 करोड़ रूपये तक की कीमत मांगने का काम किया जाता है तो ऐसी स्थिति में डिवेल्पर उसको ले लेगा। अब इस तरह से ओपन मार्किट बनाया गया है कि इस ओपन मार्किट में टी.डी.आर. बिकने लायक हो जाये अर्थात कहीं की टी.डी.आर. कहीं भी बेची जा सके। कहने का भाव है कि वैल्यू के हिसाब से ही ओपन मार्किट व अन्य दूसरे प्रावधान किए जा रहे हैं।

श्री नीरज शर्मा (फरीदाबाद एन.आई.टी.): अध्यक्ष महोदय, जैसे कि अभी मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि कोई कहीं भी लेकर कही भी बेच सकता है। इसके बारे में जरा स्पष्ट बताया जाये ?

श्री अध्यक्षः नीरज जी, कहीं पर लेकर नहीं बल्कि जहां उसकी जमीन होगी।

श्री नीरज शर्माः अध्यक्ष महोदय, उदाहरण के लिए जैसे फरीदाबाद का मास्टर प्लान है। यहां पर सैक्टर 109 है, जहां आज की तारीख में कोई डिवेल्पमैंट नहीं हुई है। सड़क का रास्ता आ रहा है। किसी भी डिवेल्पर ने, बिल्डर ने या प्रापर्टी के धंधें में जो लगा हुआ है, उसने रोड के वे किल्ले नम्बर या खसरे नम्बर खरीद लिए और सरकार को दे दिए और इसके बाद अगर वह कहता है कि उसको सैक्टर 15 में एफ.ए.आर. दे दो तो मैं पूछना चाहता हूँ कि ऐसी स्थिति में उसको एफ.ए.आर. क्या सैक्टर 15 के अंदर दे दी जायेगी ?

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, जो जमीन सरकार को मिल जाती है वो तो सरकार की ही हो जाती है। मान लो किसान की जो जमीन पड़ी हुई है और वह उसे नहीं बेचता है क्योंकि किसान का कोई इंट्रस्ट नहीं होता है इसलिए वह

जमीन को फ्री तो नहीं देगा। किसान को पैसे चाहिए तो ऐसी अवस्था में सरकार किसान को टी.डी.आर. देती है। इसके बाद किसान इसको कहीं भी बेच सकता है। सरकार, बिल्डर को टी.डी.आर. नहीं देती है।

श्री नीरज शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं भी वही बात कर रहा हूँ चाहे किसान हो या डिवेल्पर हो। मान लो किसान की जमीन 109 सैक्टर में थी या सैक्टर 86 में थी या सैक्टर 87 में थी तो वह किसान टी.डी.आर. या एफ.ए.आर. उसी सैक्टर में लेगा या साथ लगते सैक्टर में लेगा या फिर क्या पूरे ही फरीदाबाद के मास्टर प्लान में कहीं पर भी ले सकता है ?

श्री जय प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए एक फार्मूला बनाया गया है। मान लो एक टी.डी.आर., एक सैक्टर में आपको 20 हजार फुट मिला है और महंगे वाले सैक्टर में जाओगे तो उसी प्रपोज्ड रेट में वह कम हो जायेगा। ये नहीं है कि उसको यह हल्के सैक्टर से ले जाकर महंगे सैक्टर में मिले जायेगा। जितनी रेश्यो है, एरिया के मुताबिक वह रेश्यो घट जायेगी।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, प्राइस के हिसाब से रेश्यो कम–ज्यादा हो जायेगी।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब सदन विधेयक पर क्लॉज बाई क्लॉज विचार करेगा।

क्लॉज 2

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि क्लॉज 2 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

क्लॉज 3

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि क्लॉज 3 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

क्लॉज 1

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि क्लॉज 1 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

इनैक्टिंग फार्मूला

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि इनैक्टिंग फार्मूला विधेयक का इनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

टाइटल

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि टाइटल विधेयक का टाइटल हो।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं–

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि विधेयक पारित किया जाए।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

(विधयेक सर्वसम्मति से पारित हुआ।)

(ख) पुरःस्थापित किये जाने वाला विधेयक

हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) विधेयक, 2023

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) विधेयक, 2023 को पुरःस्थापित करेंगे ।

स्कूल शिक्षा मंत्री (श्री कंवर पाल): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) विधेयक, 2023 को पुरःस्थापित करता हूँ।

श्री अध्यक्षः हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) विधेयक, 2023 पुरःस्थापित हुआ ।

(विधेयक सर्वसम्मति से पुरःस्थापित हुआ।)

.....

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब सदन मंगलवार दिनांक 21 मार्च, 2023 प्रातः 11:00 बजे तक के लिए स्थगित किया जाता है।

*18:10 बजे

(तत्पश्चात् सभा मंगलवार दिनांक 21 मार्च, 2023 प्रातः 11:00 बजे तक के लिए *स्थगित हुई।)